अधिकतम	37	डिग्री से.
न्यूनतम	27	डिग्री से.
सूर्योदय	5.19	
सूर्यास्त	7.29	
सोना 24 कैरेट	1,46,010.00	
चांदी (प्रति किलो)	2,50,000	
सेंसेक्स	76,802.90	
अमेरिका	94.35	
कैनेडियन	66.73	
आस्ट्रेलिया	66.21	

दैनिक **अर्थ प्रकाश**

खबरों की विश्वसनीयता, हमारी पहचान

चंडीगढ़, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल, दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश से प्रकाशितः उत्तराखंड, बिहार, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में भी प्रसारित

वर्ष 41 | चंडीगढ़, शनिवार, 20 जून, 2026 | ज्येष्ठ शुक्ल पक्षः षष्ठी, विक्रमी संवत-2083 | www.arthparkash.com | YouTube/Arth Parkash TV | अंक : 169 | मूल्य 2.00 रुपये | पृष्ठ : 12

बातों बातों में मन की बात

धोखा खाने वाला
इतना नहीं गंवाता
जितना धोखा देने
वाला गंवा लेता है।

-उपाध्याय गुप्तिसागर मुनि

मुख्यमंत्री ने शाहकोट-मोगा-रामपुर रोड से गिद्दरपिंडी धुस्सी बांध तक लिंक रोड का रखा नींव पत्थर

शाहकोट-लोहियां क्षेत्र में बाढ़ सुरक्षा और संपर्क व्यवस्था होगी मजबूत : मान

अर्थ प्रकाश संवाददाता

शाहकोट (जलंधर), 19 जून। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने शुक्रवार को सतलुज नदी के किनारे बसे क्षेत्रों को बाढ़ के खतरे से बचाने और शाहकोट-लोहियां क्षेत्र में संपर्क व्यवस्था मजबूत करने के उद्देश्य से 61.82 करोड़ रुपये की लागत वाली धुस्सी बांध लिंक सड़क परियोजना का शिलान्यास किया। 37.93 किलोमीटर लंबी यह सड़क शाहकोट-मोगा-रामपुर रोड को गिद्दरपिंडी धुस्सी बांध से जोड़ेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना न केवल बाढ़ सुरक्षा ढांचे को मजबूत करेगी, बल्कि क्षेत्र के आर्थिक विकास को भी गति देगी। उन्होंने बताया कि सतलुज के किनारे रहने वाले लोग वर्षों से बाढ़ की समस्या से जूझ रहे थे, जबकि पिछली सरकारों ने उनकी जरूरतों को नजरअंदाज किया। धुस्सी बांध पर बनने वाली यह सड़क बांध को मजबूती देने के साथ-साथ बाढ़ से सुरक्षा कवच का काम करेगी।

हम झूठे वादे करने में नहीं, बल्कि नतीजे देने में विश्वास रखते हैं

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम झूठे वादे करने में नहीं, बल्कि नतीजे देने में विश्वास रखते हैं। मैंने खुद इस क्षेत्र के लोगों द्वारा झेली गई मुश्किलों को देखा है, जब बारिश के मौसम में गांवों का संपर्क टूट जाता था। धुस्सी बांध पर इस सड़क के निर्माण से सतलुज नदी के किनारे बने बांध को और मजबूती मिलेगी और यह स्थानीय लोगों के लिए बाढ़ के खतरों के विरुद्ध मजबूत ढाल का काम करेगी।

राज्य में चल रहे लगभग 990 आम आदमी क्लीनिक

स्वास्थ्य क्षेत्र का उल्लेख करते हुए मान ने कहा कि राज्य में लगभग 990 आम आदमी क्लीनिक संचालित हो रहे हैं, जहां 107 प्रकार की दवाइयां और 47 तरह की जांचें मुफ्त उपलब्ध कराई जा रही हैं। अब तक इन क्लीनिकों में 5.54 करोड़ से अधिक ओपीडी दर्ज की जा चुकी हैं। रोजाना लगभग 84,000 मरीजों को सेवाएं दी जा रही हैं और 90 प्रतिशत से अधिक मरीजों को सारी जरूरी दवाइयां क्लीनिक से ही मुफ्त मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि जल्द ही 400 नए क्लीनिक शुरू किए जाएंगे।

इस साल 96 प्रतिशत नहरी पानी का उपयोग हुआ

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब ने बेहतर सिंचाई व्यवस्था के जरिए इस साल 96 प्रतिशत नहरी पानी का उपयोग किया है, जिससे किसानों को बहुत फायदा हुआ है, जबकि पहले यह पानी बर्बाद हो जाता था। हमारी सरकार ने पंजाब के कोने-कोने में किसानों की सुविधा के लिए पूरे राज्य में 14,000 किलोमीटर पाइपें बिछाई हैं और खालें बनाई हैं। उन्होंने आगे कहा कि इन पाइपलाइनों और खालों में 21,000 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है ताकि किसानों की सिंचाई जरूरतों को पूरा करके उन्हें लाभ पहुंचाया जा सके। राज्य सरकार द्वारा छोड़ा गया यह पानी दो भाखड़ा नहरों द्वारा सप्लाई किए जाने वाले पानी के बराबर है और इस कदम से पूरे पंजाब के किसानों को बड़ा फायदा होगा

सरकार ने बंद किए 19 टोल प्लाजा

सीएम ने बताया कि सरकार ने 19 टोल प्लाजा बंद किए हैं, जिससे लोगों के प्रतिदिन करीब 70 लाख रुपये बच रहे हैं। इसके अलावा 90 प्रतिशत से अधिक घरों को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराई जा रही है और किसानों को दिन के समय बिजली दी जा रही है। महिला सशक्तिकरण का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 'मुख्यमंत्री मावां-धीयां सत्कार योजना' के तहत 18 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को आर्थिक सहायता दी जाएगी। सामान्य वर्ग की महिलाओं को एक हजार रुपये तथा अनुसूचित जाति वर्ग की महिलाओं को 1500 रुपये प्रतिमाह प्रदान किए जाएंगे।

15 गांवों को लोगों को मिलेगा लाभ

मान ने कहा कि इस सड़क से करीब 15 गांवों के 15 से 16 हजार लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। यह सड़क शाहकोट-मोगा मार्ग को लोहियां-मक्खू मार्ग से जोड़ेगी और वैकल्पिक मार्ग के रूप में काम करते हुए ट्रैफिक दबाव भी कम करेगी। मानसून के दौरान किसानों, विद्यार्थियों और आम लोगों की आवाजाही सुगम होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पंजाब में सड़क नेटवर्क को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और प्रदेशभर में लगभग 43 हजार किलोमीटर उच्च गुणवत्ता वाली सड़कों का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि उनकी सरकार ने अब तक 67 हजार से अधिक युवाओं को मेरिट के आधार पर सरकारी नौकरियां दी हैं।

योग केवल व्यायाम नहीं संपूर्ण जीवन पद्धति है : सैनी

मुख्यमंत्री ने सिरसा में मुख्य धाम बाबा भूमणशाह में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित योग

अर्थ प्रकाश संवाददाता

सिरसा, 19 जून। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि योग भारत की सनातन संस्कृति का वह अमूल्य उपहार है, जिसे हमारे ऋषि-मुनियों ने संपूर्ण मानवता के कल्याण के लिए दिया है। हजारों वर्ष पूर्व प्रारंभ हुई योग की यात्रा आज वैश्विक स्वरूप धारण कर चुकी है। योग केवल शारीरिक अभ्यास नहीं, बल्कि शरीर, मन, आत्मा और समाज को जोड़ने वाली एक संपूर्ण जीवन पद्धति है। मुख्यमंत्री शुक्रवार को सिरसा के ग्राम बाबा भूमणशाह (संगर सरिस्ता) में स्थित मुख्य धाम बाबा भूमणशाह में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित योग अभ्यास कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बाबा ब्रह्मदास महाराज तथा कुरुक्षेत्र से महंत महेश मुनि महाराज को शॉल भेंट किया। उन्होंने कहा कि इस पावन धरा पर स्थित आध्यात्मिक चेतना के केंद्र डेरा बाबा भूमणशाह के आश्रम में आकर उन्हें असीम शांति और ऊर्जा की अनुभूति हुई है।

12 वर्षों में विकास और योग के माध्यम से बढ़ी भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सुखद संयोग है कि इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व के केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। इन वर्षों में भारत ने आधारभूत संरचना, तकनीक और अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छुआ है, वहीं योग के माध्यम से पूरी दुनिया को मानसिक शांति और बेहतर स्वास्थ्य का मार्ग भी दिखाया है। उन्होंने कहा कि विकास के ये 12 वर्ष और योग के वैश्विक प्रसार की यह यात्रा नए भारत की बढ़ती ताकत और वैश्विक नेतृत्व का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 21 जून को पूरा विश्व अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने जा रहा है। इसी क्रम में हरियाणा के विभिन्न जिलों में योग अभ्यास कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से आज योग अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप ले चुका है। उनके अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप वर्ष 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया। उस समय 177 देशों ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया था और आज विश्व का लगभग हर देश योग से जुड़ चुका है। उन्होंने कहा कि न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर से लेकर पेरिस के एफिल टॉवर तथा टोक्यो से टोरंटो तक योग के माध्यम से भारत की आध्यात्मिक विरासत को सम्मान मिल रहा है। यह भारत की वह शक्ति है, जो तलवार से नहीं बल्कि तपस्या और संस्कृति के बल पर स्थापित हुई है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से योगासन को खेल का दर्जा मिला तथा 'खेलो इंडिया यूथ गेम्स' में भी योगासन को शामिल किया गया। प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए संदेश 'खेलेगा भारत तो खिलेगा भारत' और 'योग की डोज, आधा घंटा रोज' आज जन-जन के लिए प्रेरणा स्रोत बने हुए हैं।

पंजाब सरकार द्वारा कामकाजी महिलाओं के लिए राज्य में पांच वर्किंग वूमेन हॉस्टल निर्माणाधीन: डॉ. बलजीत कौर

कैबिनेट मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने मोहाली में 70 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले सात मंजिला वर्किंग वूमेन हॉस्टल के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया

484 महिलाओं के लिए तैयार होगा अत्याधुनिक आवासीय हॉस्टल

अर्थ प्रकाश/जिनेंद्र जैन

एसएएस नगर, 19 जून। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा अपने घरों से दूर विभिन्न शहरों में कार्यरत महिलाओं को सुरक्षित, सुविधाजनक एवं किफायती आवास उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास विभाग, पंजाब की ओर से मोहाली, जालंधर तथा अमृतसर में पांच वर्किंग वूमेन हॉस्टलों का निर्माण कराया जा रहा है। यह जानकारी पंजाब की सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने आज मोहाली के सेक्टर-66 में विधायक कुलवंत सिंह की उपस्थिति में सात मंजिला वर्किंग वूमेन हॉस्टल के निर्माण कार्य का शुभारंभ करते हुए दी।

डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि इस परियोजना पर लगभग 70 करोड़ रुपये की लागत आएगी तथा इसका निर्माण कार्य लोक निर्माण विभाग द्वारा युद्ध स्तर पर कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह पंजाब का सबसे बड़ा सरकारी क्षेत्र का वर्किंग वूमेन हॉस्टल होगा, जहां 484 महिलाओं को अत्याधुनिक एवं सुरक्षित आवासीय सुविधाएं उपलब्ध होंगी। हॉस्टल में सिंगल, डबल तथा डॉर्मिटरी कमरे उपलब्ध होंगे। इसके अतिरिक्त, कामकाजी महिलाओं के साथ रहने वाले बच्चों के लिए क्रेच सुविधा तथा मनोरंजन हेतु इनडोर खेलों की व्यवस्था भी की जाएगी। मंत्री ने बताया कि यह मोहाली में निर्मित होने वाला तीसरा वर्किंग वूमेन हॉस्टल है। इससे पहले निफ्ट मोहाली फेज-1 में 25.26 करोड़ रुपये की लागत से 150 महिलाओं की क्षमता वाला हॉस्टल निर्माणाधीन है। इसी प्रकार सेक्टर-79, मोहाली में 100 महिलाओं की क्षमता वाले एक अन्य वर्किंग वूमेन हॉस्टल का निर्माण भी तेजी से किया जा रहा है, जिस पर 12.57 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

उन्होंने आगे बताया कि मोहाली में बन रहे इन तीन हॉस्टलों के अतिरिक्त विभाग द्वारा गांधी विनिता आश्रम, जालंधर में 100 महिलाओं की क्षमता वाला 10.11 करोड़ रुपये की लागत का हॉस्टल तथा अमृतसर में 150 महिलाओं की क्षमता वाला 27.34 करोड़ रुपये की लागत का वर्किंग वूमेन हॉस्टल भी निर्माणाधीन है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी परियोजनाएं निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरी कर ली जाएंगी। डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि इन हॉस्टलों में रहने वाली महिलाओं को अत्यंत रियायती एवं नाममात्र किराए पर आवास उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे बाहर कार्यरत महिलाओं को बड़ी राहत मिलेगी।

उन्होंने बताया कि बठिंडा में भी रेड क्रॉस भवन में किराये के आधार पर 100 महिलाओं की क्षमता वाला एक वर्किंग वूमेन हॉस्टल संचालित किया जा रहा है। मीडिया के एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि राज्य के किसी भी शहर में यदि कामकाजी महिलाओं के लिए हॉस्टल की मांग आती है, तो विभाग आवश्यकतानुसार किराये पर भवन लेकर भी ऐसी सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि विभाग का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि रोजगार के लिए अपने घरों से दूर रहने वाली महिलाओं को आवास और सुरक्षा संबंधी किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। इस अवसर पर विधायक कुलवंत सिंह ने मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान तथा कैबिनेट मंत्री डॉ. बलजीत कौर का धन्यवाद करते हुए कहा कि मोहाली जैसे तेजी से विकसित हो रहे शहर में दूर-दराज क्षेत्रों से आने वाली कामकाजी महिलाओं के लिए ऐसे हॉस्टल राज्य सरकार की महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक हैं। इस अवसर पर सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास विभाग की निदेशक डॉ. शेना अग्रवाल, विशेष सचिव केशव हिंगोनिया, अतिरिक्त उपायुक्त (विकास) सोनम चौधरी, जिला कार्यक्रम अधिकारी निखिल अरोड़ा तथा लोक निर्माण विभाग के प्रांतीय मंडल के कार्यकारी अभियंता रणजीत सिंह सिद्धू सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

5 बच्चों के चेहरों पर लौटी मुस्कान; पंजाब सरकार ने करवाया परिवारों से पुनः मिलाप: डॉ. बलजीत कौर

चंडीगढ़। सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार द्वारा बच्चों की सुरक्षा, देखभाल और उनके सर्वोत्तम हितों को सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों के तहत 5 बांग्लादेशी बच्चों को सुरक्षित तरीके से उनके स्वदेश भेजा गया है, जहाँ वे अपने परिवारों के साथ पुनः मिल सकेंगे। उन्होंने कहा कि यह कदम बच्चों के अधिकारों की रक्षा और उन्हें पारिवारिक माहौल प्रदान करने के प्रति पंजाब सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि ये बच्चे वर्ष 2023 के दौरान सीमावर्ती क्षेत्र में मिले थे, जिसके बाद बाल कल्याण समितियों के आदेशों के अनुसार उन्हें पंजाब के बाल गृहों में सुरक्षा और देखभाल के लिए रखा गया। इस दौरान बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, काउंसलिंग और समग्र विकास को सुनिश्चित किया गया ताकि वे सुरक्षित और सम्मानजनक माहौल में रह सकें। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि बांग्लादेश उच्चायोग, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार और अन्य संबंधित एजेंसियों के सहयोग से बच्चों की पहचान और उनके परिवारों के बारे में आवश्यक पुष्टि करने के पश्चात सभी कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रियाएं सफलतापूर्वक पूरी की गईं। इसके बाद 5 बच्चों को सुरक्षित तरीके से बांग्लादेश भेजा गया, जहाँ वे अपने परिवारों के साथ पुनः मिल सकेंगे। डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि हर बच्चे को अपने परिवार के प्यार, सुरक्षा और अपनेपन का अधिकार है। उन्होंने कहा कि किसी भी बच्चे के लिए अपने परिवार से पुनर्मिलन जीवन के सबसे सुखद और यादगार पलों में से एक होता है। पंजाब सरकार ऐसे हर बच्चे के सर्वोत्तम हितों की रक्षा के लिए पूरी संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि जब कोई बच्चा अपने परिवार से पुनः जुड़ता है तो यह सिर्फ एक परिवार की खुशी नहीं होती, बल्कि मानवता, करुणा और सामाजिक जिम्मेदारी की भी जीत होती है। डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि पंजाब सरकार बच्चों की भलाई और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए भविष्य में भी ऐसे प्रयास जारी रखेगी।

पंजाब सरकार ने करोड़ों रुपये के बकाया की वसूली के लिए वैट और जीएसटी डिफॉल्टरों की संपत्तियों की नीलामी शुरू की: चीमा

कहा-मोहाली और जालंधर में प्रारंभिक संपत्तियों की नीलामी से बड़ी राजस्व वसूली

एकमुश्त निपटान योजना का पालन न करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 19 जून। पंजाब के वित्त, योजना, कर एवं आबकारी मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने आज यहां घोषणा की कि राज्य सरकार ने लंबे समय से वैट और जीएसटी की चोरी करने वालों की संपत्तियों की सार्वजनिक नीलामी आधिकारिक रूप से शुरू कर कर डिफॉल्टरों के खिलाफ अपनी वसूली मुहिम को तेज कर दिया है। उन्होंने कहा, राज्य के लंबे समय से बकाया राजस्व की वसूली के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आबकारी एवं कर विभाग ने संपत्तियों की तीन बड़ी नीलामियां सफलतापूर्वक संपन्न की हैं। इनके माध्यम से उन कारोबारियों और व्यक्तियों से बड़ी राशि की वसूली की गई है, जिन्होंने बार-बार अवसर दिए जाने और कानूनी नोटिस जारी होने के बावजूद जानबूझकर अपनी कर देनदारियों का भुगतान नहीं किया।

इस प्रवर्तन अभियान की प्रारंभिक सफलताओं की जानकारी देते हुए मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने बताया कि पहली बड़ी नीलामी मोहाली में डिफॉल्टर फर्म मैसर्स सुमित इंजीनियरिंग के विरुद्ध की गई, जहां 19 जून 2026 को संपत्ति 13.22 करोड़ रुपये में बेची गई। उन्होंने आगे बताया कि शाहकोट, जालंधर स्थित मैसर्स एम.आर. राइस मिल्स की संपत्ति की नीलामी भी सफल रही, जिससे कुल 1.11 करोड़ रुपये प्राप्त हुए। वित्त मंत्री ने कहा, सफल बोलीदाताओं द्वारा आज 3.58 करोड़ रुपये की राशि सीधे सरकारी खजाने में जमा करा दी गई है, जबकि शेष राशि नियमों के अनुसार आगामी सप्ताह में कानूनी रूप से वसूल कर जमा कराई जाएगी।

उन्होंने कहा कि मोहाली और जालंधर में हुई ये प्रारंभिक सफल नीलामियां बिना किसी भय या पक्षपात के कर कानूनों को लागू करने की राज्य सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि संपत्तियों की जब्ती और नीलामी सहित ये सख्त वसूली कार्रवाइयां पंजाब सरकार की पूर्व घोषित नीति का ही विस्तार हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि ये कार्रवाई विशेष रूप से उन पुराने कर डिफॉल्टरों के खिलाफ की जा रही है जिन्होंने राज्य की एकमुश्त निपटान (ओटीएस) योजना के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई बड़ी राहत का लाभ नहीं उठाया। कर चोरी के मामलों पर सरकार के कड़े रुख को दोहराते हुए वित्त मंत्री चीमा ने कहा, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार का मुख्य उद्देश्य जनता के वैध धन की वसूली करना है, केवल दंडात्मक कार्रवाई करना नहीं।

करदाताओं को स्वेच्छा से अनुपालन करने का अवसर देने और व्यापारियों को पुराने विवादों के समाधान का एक अंतिम मौका प्रदान करने के उद्देश्य से उन्होंने घोषणा की कि पंजाब सरकार ने एकमुश्त निपटान (ओटीएस) योजना की अवधि 31 जुलाई 2026 तक बढ़ा दी है। उन्होंने कहा कि यह योजना बकाया वैट देनदारियों वाले करदाताओं को अपने बकाये का शीघ्र निपटान करने के लिए एक पारदर्शी और अत्यंत लाभकारी व्यवस्था प्रदान करती है, जिससे वे न्यायिक कार्यवाही, लंबित विवादों और सरकारी प्रवर्तन कार्रवाई से बच सकते हैं। शेष कर बकायेदारों को अंतिम चेतावनी देते हुए आबकारी एवं कर मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि सरकारी कर मांगों की अनदेखी करने और यह मानकर चलने का दौर कि सरकारी बकाया वसूल नहीं किया जाएगा, अब समाप्त हो चुका है। उन्होंने खुलासा किया कि आबकारी एवं कर विभाग ने आदतन और पुराने डिफॉल्टरों की अनेक संपत्तियों की पहचान कर ली है तथा आने वाले सप्ताहों और महीनों में विभिन्न जिलों में लगभग 20 अन्य संपत्तियों की नीलामी निर्धारित की जा चुकी है।

आबकारी एवं कर विभाग सार्वजनिक राजस्व की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध

वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने चेतावनी दी कि जो करदाता अपने कानूनी दायित्वों की लगातार अनदेखी कर रहे हैं, उन्हें तत्काल और गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। उन्होंने कहा कि कर विभाग पंजाब के प्रत्येक रुपये की सुरक्षा के लिए बैंक खातों को अटैच करने, संपत्तियां जब्त करने तथा चल एवं अचल दोनों प्रकार की संपत्तियों की सार्वजनिक नीलामी सहित सभी उपलब्ध कानूनी उपायों का उपयोग कर रहा है। उन्होंने कहा, आबकारी एवं कर विभाग सार्वजनिक राजस्व की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पंजाब के हजारों ईमानदार और कानून का पालन करने वाले करदाताओं को कुछ जानबूझकर डिफॉल्टर बने लोगों के कारण वित्तीय या प्रतिस्पर्धात्मक नुकसान न उठाना पड़े।

पंजाब में रेलवे बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने में शामिल केजेडएफ के दो कार्यकर्ता मलेशिया से डिपोर्ट किए गए

ऑफशोर खातों के माध्यम से केजेडएफ कार्यकर्ताओं को फंडिंग उपलब्ध कराने में मदद कर रहे थे डिपोर्ट किए गए आरोपी: डीजीपी गौरव यादव

पंजाब पुलिस ने दोनों आरोपियों को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 19 जून। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के अनुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए पंजाब पुलिस ने केंद्रीय एजेंसियों के सहयोग से प्रतिबंधित खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स (केजेडएफ) से जुड़े दो वांछित कार्यकर्ताओं को मलेशिया से डिपोर्ट करवाने में सफलता हासिल की है। यह जानकारी पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने आज यहां दी। पंजाब पुलिस ने आरोपियों को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया और आगे की जांच के लिए उन्हें पंजाब लाया गया है।

डीजीपी ने बताया कि आरोपियों की पहचान गुरविंदर सिंह निवासी अंबाला तथा मनजीत सिंह निवासी पटियाला के रूप में हुई है। दोनों आरोपी पंजाब में समर्पित माल कॉरिडोर लाइनों सहित महत्वपूर्ण रेलवे बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने में शामिल केजेडएफ समर्थित आतंकवादी मॉड्यूल के मलेशिया आधारित कार्यकर्ता हैं।

यह कार्रवाई 23 जनवरी 2026 को सरहिंद रेलवे लाइन पर हुए आईईडी विस्फोट तथा 27 अप्रैल 2026 को पटियाला के शंभू में उसी रेलवे लाइन पर विस्फोट करने के प्रयास के मामले में चार कट्टरपंथियों की गिरफ्तारी के बाद की गई है। पंजाब पुलिस ने इन घटनाओं के लिए जिम्मेदार आतंकवादी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया था। जांच के दौरान पुलिस टीमों ने आरोपियों के कब्जे से एक रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड (आरपीजी) लॉन्चर, 2.296 किलोग्राम वजन का एक धातुयुक्त आईईडी, डेटोनेटर और बैटरी, 1.456 किलोग्राम वजन के आरडीएक्स के दो पैकेट, दो हैंड ग्रेनेड, छह आधुनिक पिस्तौलें तथा उनके मैगजीन और कारतूस बरामद किए थे।

डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैली इस साजिश की जांच के दौरान मलेशिया से संचालित केजेडएफ हैंडलरों और वित्तीय सहायता प्रदान करने वालों की संलिप्तता का खुलासा हुआ है। उन्होंने बताया कि डिपोर्ट किए गए आरोपी पंजाब में केजेडएफ कार्यकर्ताओं को ऑफशोर खातों के माध्यम से आतंकवादी फंड भेजने तथा राज्य में शांति और कानून-व्यवस्था को भंग करने के लिए आतंकवादी हमलों की योजनाओं को अंजाम देने में सहायता करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे थे।

उन्होंने बताया कि दोनों आरोपियों को गुरुवार को पटियाला की सक्षम अदालत में पेश किया गया, जहां से आगे की पूछताछ के लिए उन्हें पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि व्यापक नेटवर्क का पर्दाफाश करने और साजिश में शामिल सभी व्यक्तियों की पहचान करने के लिए जांच जारी है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर पंजाब पुलिस ने काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) विंग के अंतर्गत विदेशों में बैठे अपराधियों तक पहुंच बनाने और उनकी प्रत्यर्पण प्रक्रिया को तेज करने के लिए पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) काउंटर इंटेलिजेंस अशीष चौधरी के नेतृत्व में ओवरसीज फ्यूजिटिव ट्रैकिंग एंड एक्सट्राडिशन सेल (ओएफटीईसी) की स्थापना की है, ताकि उन्हें कानूनी कार्रवाई का सामना करने के लिए पंजाब वापस लाया जा सके।

पेशाब में खून? पेल्विक दर्द? पंजाब के डॉक्टर ने बताए प्रोस्टेट कैंसर के लक्षण, समय पर जांच कराने की दी सलाह

मुख्यमंत्री सेहत योजना के अंतर्गत 5 महीनों में 2.86 करोड़ रुपये के 1470 से अधिक प्रोस्टेट कैंसर उपचार पैकेज स्वीकृत: डॉ. बलबीर सिंह

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 19 जून। स्टेट हेल्थ एजेंसी (एसएचए), पंजाब के आंकड़ों के अनुसार, पंजाब की मुख्यमंत्री सेहत योजना के तहत प्रोस्टेट कैंसर के उपचारों में लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा हार्मोन थेरेपी का रहा है। ये आंकड़े दर्शाते हैं कि राज्य में प्रोस्टेट कैंसर का बोझ बढ़ रहा है और साथ ही उन्नत (एडवांस्ड) कैंसर के महंगे उपचारों का खर्च उठाने के लिए लोगों का सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं पर भरोसा भी बढ़ रहा है। स्टेट हेल्थ एजेंसी के आंकड़ों के मुताबिक पिछले पांच महीनों में प्रोस्टेट कैंसर से संबंधित 1478 उपचार पैकेज स्वीकृत किए गए, जिन पर कुल 2.86 करोड़ रुपये खर्च हुए। इनमें हार्मोन थेरेपी सबसे प्रमुख उपचार रही, जिसके 918 ऑपरेशन किए गए। यह कुल स्वीकृत उपचारों का लगभग 60 प्रतिशत है और इस उपचार पर 1.57 करोड़ रुपये खर्च हुए, जो कुल खर्च का आधे से अधिक हिस्सा बनता है। पंजाब के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने कहा, ÷एडवांस्ड प्रोस्टेट कैंसर के इलाज में हार्मोन थेरेपी अभी भी सबसे महत्वपूर्ण विकल्प है क्योंकि यह टेस्टोस्टेरोन के स्तर को कम करती है, जो ट्यूमर की वृद्धि का प्रमुख कारण होता है। जब कैंसर केवल प्रोस्टेट ग्रंथि तक सीमित नहीं रहता, तब इसे उपचार के पहले और मुख्य विकल्प के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।

स्टेट हेल्थ एजेंसी के आंकड़ों के अनुसार, हार्मोन आधारित उपचारों में लियूप्रोलाइड सबसे अधिक उपयोग की जाने वाली दवा रही है। उल्लेखनीय है कि इसकी विभिन्न खुराकों से संबंधित 853 प्रक्रियाएं की गईं, जिनकी लागत 1.43 करोड़ रुपये से अधिक रही। योजना के तहत कीमोथेरेपी दूसरा सबसे बड़ा उपचार रहा। इसके 490 मामलों का इलाज किया गया, जिन पर 1.15 करोड़ रुपये खर्च हुए। इनमें डोसेटैक्सेल आधारित उपचार के अलावा पैक्लिटैक्सेल-कार्बोप्लैटिन, सिस्प्लैटिन-इटोपोसाइड और माइटोक्सैन्ट्रोन जैसे संयोजन उपचार शामिल थे।

सरकार ने तीन ज़िलों में दिल की जांच के लिए एआई आधारित उपकरण स्थापित करने हेतु सीएचआरआई के साथ साझेदारी की

स्वास्थ्य विभाग द्वारा डॉ. बलबीर सिंह की उपस्थिति में समझौता हस्ताक्षरित; ज़मीनी स्तर पर अत्याधुनिक तकनीकी से इलाज सेवाएं संभव होंगी

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 19 जून। राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल के तहत मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने पंजाब के सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने और सुधारने के लिए सेंटर फॉर हेल्थ रिसर्च एंड इनोवेशन (सीएचआरआई) के साथ महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षरित किया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री

डॉ. बलबीर सिंह की उपस्थिति में इस समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस साझेदारी का उद्देश्य अत्याधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ए.आई.) को सीधे ज़मीनी स्तर पर लागू करना और स्वास्थ्य सेवा सुविधाओं को मजबूत करने के साथ-साथ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में नवीन तकनीकियों का उपयोग करना है।

इस पायलट प्रोजेक्ट के तहत पंजाब के तीन ज़िलों – पटियाला, एसएएस नगर (मोहाली) और फतेहगढ़ साहिब – में नवीन एआई-आधारित तकनीकी उपकरण स्थापित किए जाएंगे, जो लोगों की स्वास्थ्य जांच और दिल व सांस की समस्याओं का शीघ्र पता लगाने में मदद करेंगे। तकनीकी की जानकारी देते हुए स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि इस पहल के तहत उन्नत एआई-आधारित ईसीजी उपकरण और एआई स्टेथोस्कोप स्थापित किए जाएंगे। इसमें सनफॉक्स स्पैंडन ईसीजी उपकरण शामिल है जो तेजी से दिल की स्वास्थ्य जांच करता है और उन व्यक्तियों, खासकर दिल की गंभीर समस्याओं वाले मरीजों की पहचान में मदद करता है जिन्हें तुरंत रेफरल की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा एआई-आधारित डिजिटल स्टेथोस्कोप (एआई स्टेथ) का उपयोग बच्चों में दिल की समस्याओं की स्क्रीनिंग में मदद करेगा, जिससे इलाज की जरूरत वाले बच्चों को समय पर संबंधित डॉक्टर के पास रेफर किया जा सकेगा।

इन ए.आई. आधारित उपकरणों के बारे में स्वास्थ्य कर्मचारियों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा, जो नई तकनीकी को नियमित सेवा प्रणाली में सहज और प्रभावी ढंग से एकीकृत करने को सुनिश्चित करेगा। यह साझेदारी भविष्य में पूरे पंजाब के स्वास्थ्य ढांचे में एआई-आधारित तकनीकियों को अपनाने के संबंध में इंप्लीमेंटेशन लर्निंग प्रदान करने में भी मदद करेगी। इस प्रोजेक्ट के प्रभाव पर बोलते हुए डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि इन एआई तकनीकी आधारित उपकरणों को स्थापित करने का मतलब है कि अब हमारे लोगों के लिए तेजी से अधिक सटीक स्वास्थ्य स्क्रीनिंग की सुविधा उपलब्ध होगी, जो दिल की गंभीर समस्याओं का जल्दी पता लगाने मां सक्षम होगी। यह पहल केवल उन्नत उपकरण स्थापित करने के बारे में नहीं है, बल्कि फ्रंटलाइन स्वास्थ्य सेवा क्षमता को मजबूत करने, रेफरल प्रक्रिया को बेहतर बनाने और पूरे राज्य में भविष्य के लिए तथ्य-आधारित प्रमाण तैयार करने के बारे में है।

अमृतसर में सीमा के निकट से एक एके-47 राइफल सहित 26 आधुनिक हथियार बरामद; एक व्यक्ति गिरफ्तार

ऑस्ट्रेलिया स्थित साथी के निर्देशों पर काम कर रहा था गिरफ्तार आरोपी: डीजीपी गौरव यादव

हथियारों की खेप को आगे पहुंचाने के लिए स्थानीय लिंक के रूप में काम कर रहा था गिरफ्तार आरोपी: एआईजी एसएसओसी अमृतसर सुखमिंदर मान

अर्थ प्रकाश संवाददाता

अमृतसर, 19 जून। सीमा पार से हथियारों की तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल करते हुए, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) पंजाब ने पंजाब पुलिस के साथ संयुक्त अभियान में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया और उसके कब्जे से एक एके-47 राइफल और 25 पिस्तौल सहित कुल 26 आधुनिक हथियार बरामद किए हैं। यह जानकारी पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने आज यहां दी। उल्लेखनीय है कि पंजाब पुलिस ने आतंकवादी गतिविधियों के खिलाफ अपनी मुहिम तेज कर दी है और मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के अनुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए अथक प्रयास किए जा रहे हैं। यह कार्रवाई स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) अमृतसर द्वारा अमल में लाई गई। आरोपी व्यक्ति, जिसकी पहचान रोहन खोसला, निवासी रूपनगर कॉलोनी, अमृतसर के रूप में हुई है, को भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपी से 14 9एमएम और 11.30 बोर के विभिन्न ब्रांडों की पिस्तौलें ङ्क जिनमें नोरिंको स्टार मार्क, ग्लॉक, ज़िगाना, टॉरस, वाल्थर आदि शामिल हैं ङ्क सहित 368 जिंदा कारतूस और 48 मैगजीन बरामद की हैं। बड़ी मात्रा में हथियारों और गोला-बारूद की खेप बरामद करने के अलावा, पुलिस टीम ने अमेरिका में बनी एक बुलेट-प्रूफ जैकेट भी बरामद की है और आरोपी की हुंडई आई-20 कार (पीबी 02 ईजे 2347), जिसका इस्तेमाल वह हथियारों की तस्करी के लिए कर रहा था, को भी जब्त कर लिया है।

डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गिरफ्तार आरोपी ऑस्ट्रेलिया-आधारित हैंडलर, जिसने सोशल मीडिया एप्लिकेशन के माध्यम से हथियार पहुंचाने वाले स्थान के बारे में जानकारी साझा की थी, के निर्देशों पर काम कर रहा था। डीजीपी ने कहा कि आगे-पीछे के संबंध स्थापित किए जा रहे हैं और इस मामले में शामिल सभी गुर्गों की पहचान करने, पूरे आतंकवादी नेटवर्क को खत्म करने और सीमा पार से हथियारों की तस्करी के पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश करने के लिए आगे की जांच जारी है। ऑपरेशन से संबंधित विवरण साझा करते हुए, एआईजी एसएसओसी अमृतसर सुखमिंदर सिंह मान ने बताया कि बीएसएफ से, बॉर्डर आउटपोस्ट (बीओपी) शाहपुर के क्षेत्र में ड्रोन के माध्यम से गिराए गए हथियारों की खेप प्राप्त करने के बारे में पुख्ता सूचना मिली थी। इस पर तीव्र कार्रवाई करते हुए, एसएसओसी अमृतसर की टीम ने बीएसएफ टीम के समन्वय के साथ हुंडई आई-20 में जा रहे संदिग्ध रोहन खोसला को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि कार की तलाशी के दौरान, 25 आधुनिक पिस्तौल और एक एके-47 राइफल सहित जिंदा कारतूस, मैगजीन और अमेरिका में बनी एक बुलेट-प्रूफ जैकेट बरामद की गई। एआईजी ने कहा कि यह भी पता चला है कि गिरफ्तार आरोपी अपने ऑस्ट्रेलिया-स्थित हैंडलर के निर्देशों के अनुसार इस खेप को आगे अन्य गुर्गों तक पहुंचाने के लिए एक स्थानीय कड़ी के रूप में काम कर रहा था। इस संबंध में आगे की जांच जारी है। इस संबंध में एफआईआर संख्या 39 दिनांक 19.06.2026 को, शस्त्र अधिनियम की धारा 25, बीएनएस की धारा 111 और 61(2) तथा भारतीय वायुयान अधिनियम की धारा 25, 26, 27, 28 और 29 के तहत पुलिस स्टेशन एसएसओसी अमृतसर में मामला दर्ज किया गया है।

'गैंगस्टरां ते वार' के 150वें दिन558 स्थानों पर छापेमारी, 300 गिरफ्तार

'युद्ध नशियां विरुद्ध' अभियान के 475वें दिन 57 नशा तस्कर गिरफ्तार

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 19 जून। राज्य में चलाए जा रहे निर्णायक अभियान 'गैंगस्टरां ते वार' के 150वें दिन पंजाब पुलिस ने आज पूरे राज्य में गैंगस्टरों के सहयोगियों के चिन्हित एवं मैप किए गए 558 ठिकानों पर छापेमारी की। उल्लेखनीय है कि 'गैंगस्टरां ते वार' पंजाब को गैंगस्टर-मुक्त राज्य बनाने के लिए शुरू किया गया एक निर्णायक अभियान है, जिसकी शुरुआत 20 जनवरी 2026 को पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव द्वारा की गई थी। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें राज्यभर में विशेष अभियान चला रही हैं। 150वें दिन पुलिस टीमों ने एक हथियार सहित 300 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जिससे इस अभियान की शुरुआत के बाद कुल गिरफ्तारियों की संख्या बढ़कर 38,390 हो गई है। इसके अलावा 118 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियातन कार्रवाई की गई, जबकि एक व्यक्ति को पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने 8 भगोड़े अपराधियों (पीओ) को भी गिरफ्तार किया। लोग एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 पर गुप्त रूप से वांछित अपराधियों और गैंगस्टरों के बारे में जानकारी दे सकते हैं तथा अपराध एवं आपराधिक गतिविधियों से संबंधित सूचनाएं भी साझा कर सकते हैं। पुलिस टीमों ने नशों के खिलाफ अपनी मुहिम 'युद्ध नशियां विरुद्ध' के 475वें दिन भी कार्रवाई जारी रखते हुए आज 57 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से 97 ग्राम हेरोइन, 2 किलोग्राम भुक्की, 276 नशीली गोलियां तथा 1.03 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई। इसके साथ ही केवल 475 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या बढ़कर 68,981 हो गई है। नशामुक्ति अभियान के तहत पंजाब पुलिस ने आज 7 व्यक्तियों को नशा छुड़ाने और पुनर्वास उपचार करवाने के लिए भी प्रेरित किया।

जम्मू-कश्मीर के शूटर ने की थी चंडीगढ़ में केमिस्ट की हत्या

मुख्य साजिशकर्ता अमित कुमार समेत छह गिरफ्तार

गिरोह के दो सदस्यों को ले गई चंडीगढ़ पुलिस

अर्थ प्रकाश/रंजीत शास्त्री

चंडीगढ/सांबा, 19 जून। जम्मू-कश्मीर के मक्खन गिरोह के शूटरों ने पिछले सप्ताह चंडीगढ़ में दिनदहाड़े केमिस्ट की हत्या की थी और उसके बाद सांबा के आसपास छिपे हुए थे। पुलिस ने हत्या में शामिल हमले के मुख्य साजिशकर्ता अमित कुमार उर्फ शराबी सहित तीन बदमाशों सहित गिरोह के छह सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया है। उनके कब्जे से दो पिस्टल ,एके 47 की मैगजीन और अन्य हथियार बरामद हुए हैं। दो सदस्यों को चंडीगढ़ पुलिस अपने साथ ले गई थी।

पुलिस के अनुसार चंडीगढ़ पुलिस की सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पंजाब व जम्मू-कश्मीर में सक्रिय मक्खन गिरोह पर शिकंजा कसा गया। गिरोह का सरगना गैंगस्टर रोहित कुमार उर्फ मक्खन पहले से ही जेल में बंद है पर अभी भी गिरोह वसूली में लगा है और पंजाब के गैंगस्टर के साथ मिलकर काम कर रहा था। गिरफ्तार किए गए सनी मेहरा और आर्यन शर्मा को चंडीगढ़ पुलिस अपने साथ ले गई थी। जैसे ही पुलिस पार्टी आरोपी सनी मेहरा और आर्यन को चंडीगढ़ लेकर पहुंची तो गाड़ी एक्सिडेंट होने के चलते दोनों आरोपी ने भागने की कोशिश की और हादसे के वक्त नीचे गिरी पुलिस कांस्टेबल की पिस्टल उठाई और पुलिस पार्टी पर दो फायर किए। पुलिस ने उन्हें रोका, ।पर आरोपी नहीं माने तो पुलिस ने जवाबी में 4 फायर किए। जिनके पैर पर लगे। जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। यहां उनका इलाज चल रहा है।

पकड़े गए बदमाशो में अमित कुमार उर्फ शराबी निवासी सांबा (चंडीगढ़ हत्या का मुख्य सरगना), अजय कुमार,, निवासी सांबा, माणिक सहोत्रा निवासी तहसील रामगढ़, जिला सांबा, विवेक मेहरा, निवासी चक मंगा रकवाल, सांबा, सनी मेहरा, निवासी बधोड़ी, बड़ी ब्रह्मणा, जिला सांबा, आर्यन शर्मा निवासी बाई पास कुंजवानी, जिला जम्मू। इनसे जो हथियार बरामद किए गए उनमें मैगजीन एके-47 01, राउंड एके-47-38, पिस्टल राउंड-10, देसी पिस्टल-02, देसी कट्टा-01, टोका-01, नकद- 18,000 रुपये शामिल हैं।

रंगदारी नेटवर्क खड़ा करने की साजिश, शूटरों को मिला था सिर्फ एक टारगेट

चंडीगढ़ के सेक्टर-11 स्थित श्री कुमार केमिस्ट शॉप पर कैशियर जानकी दास की हत्या के मामले में पुलिस जांच में कई अहम खुलासे हुए हैं। प्रारंभिक जांच के अनुसार, वारदात के पीछे शहर में दहशत फैलाकर रंगदारी का नेटवर्क खड़ा करने की साजिश थी। हत्या के बाद कई कारोबारियों को धमकी भरे कॉल और संदेश मिलने से पुलिस इस एंगल पर भी जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक मामले के तार विदेश में बैठे गैंगस्टर नेटवर्क से जुड़े हैं। जांच में सामने आया है कि जम्मू में सक्रिय एक गैंग के जरिए आरोपियों का संपर्क गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों से हुआ था। इसी नेटवर्क के माध्यम से मास्टरमाइंड अमित कुमार तक हत्या के निर्देश पहुंचे। पुलिस के अनुसार अमित गोल्डी ढिल्लों का करीबी है।

होटल में रची गई थी साजिश

जांच में पता चला है कि आरोपी 10 जून को चंडीगढ़ पहुंचे थे और कजहेड़ी क्षेत्र के एक होटल में ठहरे थे। यहीं पर वारदात की पूरी योजना बनाई गई। इसके बाद जीरकपुर से बाइक और अन्य संसाधनों का इंतजाम किया गया। पहचान छिपाने के लिए आरोपी अलग-अलग माध्यमों से आवाजाही करते रहे। पुलिस के अनुसार युवकों को मोटी रकम और विदेश भेजने का लालच देकर वारदात में शामिल किया गया था। हालांकि हत्या के बाद उन्हें तय रकम भी नहीं मिली।

शूटरों को नहीं थी मृतक की पहचान

पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने बताया कि उन्हें केवल इतना कहा गया था कि मेडिकल स्टोर के कैश काउंटर पर बैठे व्यक्ति को गोली मारनी है। उन्हें न तो मृतक की पहचान के बारे में जानकारी थी और न ही हत्या के पीछे की पूरी साजिश की। पुलिस का कहना है कि दोनों आरोपी सामान्य परिवारों से हैं और उन्हें बहला-फुसलाकर अपराध में शामिल किया गया।

विवादों में घिरे चंडीगढ़ भाजपा अध्यक्ष मलहोत्रा ने मांगी माफी, कांग्रेस व आप ने की बर्खास्तगी की मांग

अर्थ प्रकाश/साजन शर्मा

चंडीगढ़, 19 जून। चंडीगढ़ भाजपा अध्यक्ष जतिंदर पाल मल्होत्रा की कथित पंजाबी विरोधी टिप्पणी को लेकर राजनीतिक विवाद गहरा गया है। वहीं चंडीगढ़ भाजपा अध्यक्ष जतिंदर पाल मलहोत्र ने माफी मांगे हुए कहा कि अगर मेरे बयान से किसी का दिल आहत हुआ है तो मैं माफी मांगता हू। भाजपा अध्यक्ष जतिंदर पाल मल्होत्रा ने अपने ऊपर लगाए जा रहे आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उनके बयान को गलत संदर्भ में प्रस्तुत किया जा रहा है। अर्थ प्रकाश चैनल को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि वह स्वयं पंजाबी हैं और पंजाबियों के बारे में अपमानजनक टिप्पणी करने का कोई सवाल ही नहीं उठता। उनके अनुसार एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने वहां मौजूद एक व्यक्ति और स्वयं को जोड़ते हुए 'इमोशनल ब्लडीफूल' शब्द का इस्तेमाल किया था, जिसे गलत तरीके से पेश किया गया।

मल्होत्रा ने कहा कि यदि उनके बयान से किसी की भावनाएं आहत हुई हैं तो वह इसके लिए माफी मांगते हैं। उन्होंने कांग्रेस और 'आप' पर भी निशाना साधते हुए कहा कि विपक्षी

दलों को भाषा की मर्यादा पर सवाल उठाने से पहले अपने नेताओं के बयानों पर भी नजर डालनी चाहिए। भाजपा अध्यक्ष की ओर से माफी मांगने के बावजूद इस मुद्दे पर राजनीतिक घमासान जारी है और विपक्षी दल इसे लेकर भाजपा पर लगातार दबाव बना रहे हैं।

वहीं शुक्रवार को सुबह से ही आम आदमी पार्टी (आप) ने सेक्टर-33 स्थित भाजपा मुख्यालय 'कमलम' के बाहर जोरदार प्रदर्शन करते हुए मल्होत्रा को तत्काल पद से हटाने की मांग की। 'आप' चंडीगढ़ अध्यक्ष विजयपाल सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने भाजपा कार्यालय के बाहर नारेबाजी की और जतिंदर पाल मल्होत्रा का पुतला फूंका। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि भाजपा अध्यक्ष की टिप्पणी से पंजाबियों की भावनाएं आहत हुई हैं और यह पंजाब के सम्मान पर हमला है।

प्रदर्शन के दौरान 'आप' नेताओं ने कहा कि पंजाबियों ने देश की आजादी, कृषि और सीमा सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है तथा किसी भी समुदाय के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी स्वीकार नहीं की जाएगी। विजयपाल सिंह ने कहा कि यदि भाजपा नेतृत्व ने मल्होत्रा के खिलाफ कार्रवाई नहीं की तो पार्टी आंदोलन को और तेज करेगी।

प्रदर्शन में महासचिव ओंकार सिंह औलख, पार्षद योगेश ढींगरा, पूर्व मेयर कुलदीप कुमार ढालोर, हरदीप सिंह बुटेरला, विक्रांत ए. तनवर, अंजू कत्याल, जगपाल जग्गा, ललित मोहन, देशराज सनावर, जसबीर सिंह लाडी, मीना शर्मा, तरसेम मित्तल, जस्करण मेहता सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नीट-यूजी 2026 : चंडीगढ़ में 3,800 परीक्षार्थियों के लिए पुख्ता इंतजाम, सात केंद्रों पर होगी परीक्षा

अर्थ प्रकाश/साजन शर्मा

चंडीगढ़, 19 जून। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) 2026 के सफल, निष्पक्ष और पारदर्शी आयोजन के लिए चंडीगढ़ प्रशासन ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने शुक्रवार को बताया कि 21 जून को होने वाली परीक्षा में शहर के करीब 3,800 अभ्यर्थी शामिल होंगे। इसके लिए चंडीगढ़ के विभिन्न स्कूलों में सात परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए हैं। उपायुक्त ने बताया कि परीक्षा से संबंधित गोपनीय सामग्री को निर्धारित बैंकों से परीक्षा केंद्रों तक केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की सुरक्षा में पहुंचाया जाएगा। प्रश्नपत्रों की सुरक्षा और गोपनीयता बनाए रखने के लिए संबंधित केंद्र अधीक्षक भी इस प्रक्रिया में मौजूद रहेंगे।

नकल और अनुचित साधनों के उपयोग को रोकने के लिए सभी परीक्षा केंद्रों पर इलेक्ट्रॉनिक जैमर लगाए गए हैं। वहीं, अभ्यर्थियों की दो स्तरों पर तलाशी ली जाएगी। प्रथम स्तर की जांच स्थानीय पुलिस और द्वितीय स्तर की जांच एनटीए द्वारा नियुक्त पेशेवर एजेंसी करेगी।

प्रशासन ने सभी केंद्रों पर पेयजल, बैठने की व्यवस्था, पर्याप्त रोशनी, वेंटिलेशन और स्वच्छता जैसी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की हैं। परीक्षा प्रक्रिया की निगरानी और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रत्येक केंद्र पर ड्यूटी मजिस्ट्रेट भी तैनात किए गए हैं।

उपायुक्त ने अभ्यर्थियों को परीक्षा के दिन एडमिट कार्ड और वैध सरकारी फोटो पहचान पत्र साथ लाने तथा परीक्षा शुरू होने से कम से कम एक घंटा पहले केंद्र पर पहुंचने की सलाह दी है। प्रशासन ने अभ्यर्थियों, अभिभावकों और आम जनता से परीक्षा के शांतिपूर्ण और सुचारु संचालन में सहयोग की अपील की है।

चंडीगढ़ में राशन सब्सिडी के लिए मोबाइल ऐप अनिवार्य : 25 हजार लाभार्थियों ने अभी तक नहीं पूरी की प्रक्रिया

अर्थ प्रकाश/साजन शर्मा

चंडीगढ़, 19 जून। केंद्र सरकार द्वारा राशन सब्सिडी वितरण प्रणाली में किए गए बदलाव के तहत अब लाभार्थियों को सब्सिडी की राशि सीधे बैंक खातों में भेजने के बजाय मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी। इस नई व्यवस्था को लागू करने के लिए खाद्य एवं आपूर्ति विभाग, चंडीगढ़ की ओर से शहर के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष शिविर लगाए जा रहे हैं।

विभाग के अनुसार 3 जून से प्रतिदिन सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक विकास नगर (मौली जागरां), मलोया, सेक्टर-25, रामलीला ग्राउंड बुड़ैल, खजेरी, हल्लोमाजरा, मिल्क कॉलोनी धनास, डड्डू माजरा, राम दरबार, बुटरेला, बापूधाम, सेक्टर-30, 40, 56 तथा मनीमाजरा (आरआईएमटी स्कूल के पास) स्थित सामुदायिक केंद्रों में विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने बताया कि जिन लाभार्थियों ने राशन सब्सिडी प्राप्त करने के लिए अपनी जानकारी पहले ही जमा करवा दी है, लेकिन अभी तक अपने मोबाइल फोन में एप्लिकेशन डाउनलोड नहीं की है, वे आधार कार्ड और आधार से लिंक मोबाइल फोन के साथ अपने नजदीकी शिविर में पहुंचकर प्रक्रिया पूरी करें। वहीं, जिन लाभार्थियों ने अभी तक अपनी जानकारी जमा नहीं करवाई है, उन्हें भी आवश्यक दस्तावेजों के साथ शिविरों में आकर पंजीकरण कराने को कहा गया है।

विभाग के आंकड़ों के अनुसार चंडीगढ़ में 40 हजार से अधिक राशन कार्ड धारक मोबाइल एप्लिकेशन डाउनलोड कर चुके हैं, जबकि करीब 25 हजार लाभार्थी अब भी प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाए हैं। इनमें मलोया, मौली जागरां, मनीमाजरा, सेक्टर-25, बुड़ैल, सेक्टर-55, सेक्टर-56, हल्लोमाजरा और पलसोरा क्षेत्र के लाभार्थियों की संख्या अधिक है।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि राशन सब्सिडी प्राप्त करने के लिए मोबाइल एप्लिकेशन को डाउनलोड और सक्रिय करना अनिवार्य है। यदि कोई लाभार्थी यह प्रक्रिया पूरी नहीं करता है तो उसकी राशन सब्सिडी प्रभावित हो सकती है। विभाग ने सभी शेष लाभार्थियों से जल्द से जल्द शिविरों में पहुंचकर औपचारिकताएं पूरी करने की अपील की है।

विभाग ने यह भी बताया कि जिन लाभार्थियों ने पहले ही अपनी जानकारी जमा करवा दी है, वे घर बैठे पीएनबी डिजिटल रुपी एप्लिकेशन को गूगल प्ले स्टोर या एप्पल ऐप स्टोर से डाउनलोड कर अपना पंजीकरण पूरा कर सकते हैं। किसी भी प्रकार की जानकारी, सहायता या मार्गदर्शन के लिए राशन कार्ड धारक खाद्य एवं आपूर्ति विभाग, चंडीगढ़ के टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1800-180-2068 पर संपर्क कर सकते हैं।

एचीवर मीट में सम्मानित होंगे टॉपर्स, जूनियर्स को देंगे सफलता के मंत्र

चंडीगढ़, 19 जून (अप्रस)। इंडस्ट्रियल एरिया में करियर लांचर परिसर में 21 जून को आयोजित होने वाली एचीवर मीट में क्लैट ऐलेट 2026 और कैट 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले करीब 100 विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। करियर गाइडेंस विशेषज्ञ भारत जैन ने बताया कि क्षेत्र के छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में शानदार सफलता हासिल की है। कार्यक्रम में सफल विद्यार्थी अपनी सफलता की कहानियां साझा करेंगे और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे जूनियर्स को महत्वपूर्ण टिप्स देंगे। समारोह में अभिभावक, शिक्षक और करियर विशेषज्ञ भी शामिल होंगे। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रेरित करना और सही मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है।

मोटर मार्केट के पास व्यक्ति का शव मिलने से हड़कप, पुलिस जांच में जुटी

अर्थ प्रकाश/रंजीत शास्त्री

चंडीगढ़, 19 जून। शुक्रवार दोपहर बाद उस वक्त हड़कप मच गया। जब सैक्टर 38 स्थित मोटर मार्केट के पास झाड़ियों में एक व्यक्ति का शव मिला। जिसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी गई थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मोर्चरी में भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही असली मौत के कारणों का पता चल पाएगा। जांच जारी है। जानकारी के अनुसार पता चला कि शुक्रवार शाम करीब 5 बजे किसी राहगीर ने देखा कि एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है पुलिस के अनुसार जिसकी आयु करीब 40 साल की लग रही है। उसके हाथ में बीड़ी का बंडल और बीड़ी पकड़ रखी है। खबर लिखे जाने तक उसकी पहचान नहीं हो पाई। पुलिस पहचान करने के लिए आसपास लोगो से पूछताछ भी कर रही है। मामले की जांच जारी है।

राहुल गांधी का जन्मदिन मनाना तभी सार्थक होगा जब हम छात्रों की आवाज़ बनकर उनके अधिकारों की लड़ाई लड़ें : लक्की

पेपर लीक, शिक्षा व्यवस्था की खामियों और छात्रों के भविष्य के मुद्दे पर कांग्रेस चलाएगी व्यापक जनजागरण अभियान

26 जून को छात्रों के मुद्दों पर होगा बड़ा कार्यक्रम, चंडीगढ़ से विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी

अर्थ प्रकाश/वीरेन्द्र सिंह

चंडीगढ़, 19 जून। चंडीगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा आज सेक्टर-35 स्थित राजीव गांधी भवन में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का जन्मदिन उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर चंडीगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एच.एस. लक्की के नेतृत्व में केक काटकर राहुल गांधी को जन्मदिन की शुभकामनाएं एवं बधाई संदेश प्रेषित किया गया। कार्यक्रम

में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं, विभिन्न फ्रंटल संगठनों के अध्यक्षों, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए एच.एस. लक्की ने कहा कि राहुल गांधी आज देश के उन लाखों विद्यार्थियों की आवाज़ बनकर उभरे हैं, जिनके भविष्य के साथ लगातार हो रहे पेपर लीक, भर्ती घोटालों और शिक्षा व्यवस्था की खामियों के कारण अन्याय हो रहा है। उन्होंने कहा कि देश का युवा आज निराशा, असुरक्षा और अनिश्चितता के दौर से गुजर रहा है, लेकिन राहुल गांधी लगातार उनके हितों की लड़ाई सड़क से संसद तक लड़ रहे हैं। लक्की ने कहा कि राहुल गांधी ने हाल ही में राजस्थान के कोटा से छात्रों के हितों को लेकर एक राष्ट्रीय मुहिम की शुरुआत की है। देश की शिक्षा नगरी के रूप में पहचान रखने वाले कोटा में राहुल गांधी ने विद्यार्थियों के साथ सीधा संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं, चुनौतियों और आकांक्षाओं को समझा। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त खामियों, परीक्षा प्रणाली की कमियों और लगातार सामने आ रहे पेपर लीक मामलों को देश के सामने उजागर किया।

उन्होंने कहा कि यह केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश के भविष्य को बचाने का अभियान है। आने वाले दिनों में राहुल गांधी देश के विभिन्न राज्यों और शहरों में जाकर छात्रों से संवाद करेंगे तथा उनके मुद्दों को राष्ट्रीय बहस का विषय बनाएंगे।

बैठक के दौरान कोटा में आयोजित राहुल गांधी के कार्यक्रम का वीडियो प्रदर्शन भी किया गया, जिसे सभी कांग्रेस नेताओं एवं फ्रंटल संगठनों के प्रतिनिधियों ने देखा। इसके उपरांत एच.एस. लक्की ने संगठन के सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए कि अगले सप्ताह कांग्रेस पार्टी इस विषय पर विस्तृत प्रेस वार्ता आयोजित करेगी और चंडीगढ़ की जनता को शिक्षा व्यवस्था की वास्तविक चुनौतियों तथा विद्यार्थियों के संघर्ष से अवगत कराएगी।

उन्होंने घोषणा की कि इसके बाद शहर के सभी पांच जिलों तथा विभिन्न क्षेत्रों में विशेष जनजागरण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें राहुल गांधी का संदेश, उनका छात्रों के साथ संवाद और शिक्षा सुधार की आवश्यकता को आम जनता तक पहुंचाया जाएगा। कांग्रेस पार्टी विद्यार्थियों के भविष्य को सुरक्षित बनाने और उन्हें न्याय दिलाने के लिए व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाएगी। एच.एस. लक्की ने बताया कि 26 जून को छात्रों के मुद्दों को लेकर एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें चंडीगढ़ से विद्यार्थियों की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। इस कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों की समस्याओं और उनकी मांगों को मजबूती से उठाया जाएगा तथा शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए प्रभावी आवाज़ बुलंद की जाएगी।

लक्की ने विशेष रूप से युवा कांग्रेस और एनएसयूआई के साथियों का आह्वान करते हुए कहा कि वे इस अभियान को घर-घर और छात्र-छात्राओं तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को जन्मदिन का सबसे बड़ा उपहार यही होगा कि हम उनके द्वारा उठाए गए मुद्दों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में सफल हों और छात्रों को यह विश्वास दिलाएं कि कांग्रेस पार्टी उनके भविष्य, उनके अधिकारों और उनके सपनों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी कांग्रेसजनों ने सामूहिक रूप से संकल्प लिया कि राहुल गांधी के जन्मदिन के अवसर पर वे विद्यार्थियों के हितों से जुड़े मुद्दों को जन-जन तक पहुंचाएंगे, छात्रों के साथ संवाद स्थापित करेंगे तथा शिक्षा व्यवस्था में सुधार और पारदर्शिता की मांग को एक जनआंदोलन का रूप देंगे।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियां अंतिम चरण में, 21 जून को तिरंगा पार्क में जुटेंगे 3,500 योग साधक

अर्थ प्रकाश/साजन शर्मा

चंडीगढ़, 19 जून। 21 जून को सेक्टर-17 स्थित तिरंगा पार्क में आयोजित होने वाले 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-2026 की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। शुक्रवार को उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की और कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'स्वास्थ्य, प्रज्ञा और विश्व शांति के लिए योग' रखी गई है। कार्यक्रम में पंजाब के राज्यपाल एवं यूटी चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। आयोजन में करीब 3,500 प्रतिभागियों के सामूहिक योगाभ्यास में भाग लेने की संभावना है। इस अवसर पर शहर में योग के प्रचार-प्रसार में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 16 लोगों को सम्मानित भी किया जाएगा।

उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रतिभागियों को कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। इसके लिए शहर के विभिन्न पिक-अप प्वाइंट्स से प्रतिभागियों को लाने और ले जाने हेतु 25 बसों की व्यवस्था की गई है। साथ ही स्वच्छ पेयजल, मोबाइल शौचालय और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में सुरक्षा और यातायात व्यवस्था पर भी विशेष चर्चा हुई। चंडीगढ़ पुलिस को भीड़ नियंत्रण, ट्रैफिक प्रबंधन और सुरक्षा के व्यापक इंतजाम सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है। इसके अलावा कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री के संबोधन के लाइव प्रसारण को निर्बाध बनाने के लिए सभी तकनीकी व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए हैं।

उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस स्वस्थ जीवनशैली और सामूहिक कल्याण को बढ़ावा देने वाला महत्वपूर्ण राष्ट्रीय आयोजन है। उन्होंने सभी विभागों से आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए कार्यक्रम को सुचारु, अनुशासित और गरिमापूर्ण ढंग से संपन्न कराने का आह्वान किया।

पीजीआई-पीयू के बीच बनेगा आधुनिक पैदल अंडरपास

8.4 करोड़ रुपये खर्च होंगे; 6 महीने में पूरा करने का लक्ष्य

अर्थ प्रकाश/साजन शर्मा

चंडीगढ़, 19 जून। शहर के दो प्रमुख संस्थानों पीजीआई और पंजाब यूनिवर्सिटी के बीच सड़क पार करने वाले हजारों मरीजों, तीमारदारों, डॉक्टरों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों को जल्द बड़ी राहत मिलने वाली है। यूटी प्रशासन के इंजीनियरिंग विभाग ने बहुप्रतीक्षित पैदल अंडरपास परियोजना के लिए दोबारा टेंडर जारी कर दिया है। करीब 8.4 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस अंडरपास को छह माह में पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह

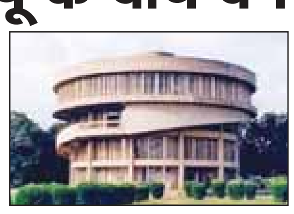

परियोजना लंबे समय से चर्चा में थी। अंडरपास के निर्माण से व्यस्त सड़क पर पैदल यात्रियों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित होगी और सड़क दुर्घटनाओं की आशंका में भी कमी आएगी। प्रस्तावित अंडरपास 14 मीटर चौड़ा और 32 मीटर लंबा होगा। आकार के लिहाज से यह सेक्टर-17 स्थित रोज गार्डन अंडरपास से भी बड़ा होगा। प्रशासन का मानना है कि इसकी अधिक चौड़ाई के कारण एक समय में बड़ी संख्या में लोग आसानी से इसका उपयोग कर सकेंगे। परियोजना में मरीजों, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा गया है। स्थान की कमी के कारण एस्केलेटर लगाने का प्रस्ताव छोड़ दिया गया है, लेकिन अंडरपास में लिफ्ट और रैंप बनाए जाएंगे, जिससे व्हीलचेयर उपयोगकर्ताओं और चलने-फिरने में असुविधा महसूस करने वाले लोगों को राहत मिलेगी। अंडरपास के भीतर 12 व्यावसायिक बूथ भी बनाए जाएंगे। पहले इनकी संख्या 20 प्रस्तावित थी, जिसे संशोधित डिजाइन में घटा दिया गया है। इन बूथों में फोटोस्टेट समेत अन्य आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। इससे पीजीआई आने वाले मरीजों और पंजाब यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों को सुविधा मिलेगी, वहीं प्रशासन को अतिरिक्त राजस्व भी प्राप्त होगा। अंडरपास को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाएगा। इसमें ग्रेनाइट फ्लोरिंग, अत्याधुनिक एलईडी लाइटिंग और बेहतर सुरक्षा प्रबंध किए जाएंगे, ताकि दिन और रात दोनों समय लोगों को सुरक्षित एवं सुविधाजनक आवागमन उपलब्ध हो सके। यूटी प्रशासन के अधिकारियों के अनुसार परियोजना के पूरा होने के बाद पीजीआई और पंजाब यूनिवर्सिटी के बीच पैदल यातायात अधिक सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित हो जाएगा, जिससे प्रतिदिन आने-जाने वाले हजारों लोगों को सीधा लाभ मिलेगा।

गार्डन/ग्रीन बेल्ट में पब्लिक टायलेट्स के निर्माण नीतिगत मानदंडों के तहत होंगे

एमसी की बैठक में प्रस्ताव हो चुका है पारित

अर्थ प्रकाश/वीरेंद्र सिंह

चंडीगढ़, 19 जून। शहर के गार्डन/ग्रीन बेल्ट में सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण होगा। इसके लिए प्रस्तावित नीतिगत मानदंडों का प्रस्ताव पारित किया गया है।

उल्लेखनीय है कि चंडीगढ़ नगर निगम के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत बागवानी के कार्य लगभग 2300 एकड़ क्षेत्र में फैले हुए हैं। इनमें 1800 से अधिक नेबर हुड के पार्क, 100 से भी अधिक ग्रीन बेल्ड एवं गार्डन तथा वी-3 से वी-6 सड़कों के किनारों (बर्म्स) का रखरखाव (रोड के दोनों ओर साथ

ही मध्य पट्टियों पर वृक्षारोपण सहित) शामिल हैं। इसके अलावा चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा 13 गांव यानि किशनगढ़, मौलीजागरां, दरिया, रायपुर कलां, मखनमाजरा, बहलाना, रायपुर खुर्द, धनास, सारंगपुर, खुड्डा अलीशेर, खुड्डा जस्सू, खुड्डा लाहौरा और कैंबवाला नगर निगम चंडीगढ़ को हस्तांतरित किये गये हैं। इसके साथ ही बागवानी कार्यों के रखरखाव एवं नये गार्डन/ग्रीन बेल्ड के विकास की जिम्मेदारी भी दी गई है।

500 मीटर की रखी जायेगी दूरी

इसके अलावा बागवानी एवं विद्युत परिपथ, नगर निगम, चंडीगढ़ का गठन स्थानीय सरकार के मुख्य सचिव, चंडीगढ़ प्रशासन की तरफ से अतिरिक्त सचिव (स्थानीय सरकार) द्वारा उनके कार्यालय पत्र के माध्यम से किया गया था। इस परिपथ (एचएंडई) के गठन के बाद उद्यानों, ग्रीन बेल्ट और नेबर पार्कों में शौचालयों के संचालन एवं रखरखाव का कार्य नगर निगम के जन स्वास्थ्य विंग से हस्तांतरित कर एसई (एचएंडई) परिपथ को सौंप दिया गया था। तब से पब्लिक हैल्थ विंग द्वारा अपनायी गई पूर्व प्रचलित व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए गार्डन और ग्रीन बेल्ट में नये सार्वजनिक शौचालय बनाये जा रहे हैं, जिसमें दो शौचालयों के बीच 500 मीटर की दूरी रखी जाती है।

अन्य कई चीजों की भी है जरूरत

बागवानी विभाग के पास झोंपड़ी (हट) बेंच, बच्चों के खेल के उपकरण ओपन एयरजिम आदि के लिए मानक निर्धारित हैं। लेकिन वर्तमान में गार्डन/ग्रीन बेल्ट में नये सार्वजनिक शौचालयों के निर्माण हेतु कोइ स्वीकृत नीति का मानदंड नहीं है। अत: ऐसी नीति तैयार करने की जरूरत है। सार्वजनिक मांग के ध्यानाथ यह प्रस्ताव रखा गया था कि गार्डन/ग्रीन बेल्ट में सार्वजनिक शौचालय निर्माण के लिए नीति बनायी जाये, जहां ५०० मीटर के दायरे में कोई सार्वजनिक शौचालय उपलब्ध न हो, जैसा कि स्वच्छ भारत मिशन के दिशा निर्देशों में उल्लिखित है। यह कार्य सूची नगर निगम की सदन बैठक के समक्ष अनुमोदन के लिए रखी गई थी, जिसे ध्वनिमत से पारित कर दिया गया था।

प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना से युवाओं को मिलेगा सशक्त भविष्य: राव नरबीर सिंह

ईपीएफओ गुरुग्राम द्वारा आयोजित प्रोत्साहन राशि वितरण कार्यक्रम में उद्योग जगत, नियोक्ताओं और कर्मचारियों ने की भागीदारी

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 19 जून। देश में रोजगार सृजन को नई गति देने और युवाओं को औपचारिक रोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से शुरू की गई प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के तहत शुक्रवार को कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) क्षेत्रीय कार्यालय, गुरुग्राम (पूर्व) द्वारा प्रोत्साहन राशि वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने मुख्य अतिथि तथा गुरुग्राम के विधायक श्री मुकेश शर्मा ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर विज्ञान भवन से प्रधानमंत्री के संबोधन और राष्ट्रीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी प्रदर्शित किया गया, जिसमें उद्योग प्रतिनिधियों, नियोक्ताओं और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मुख्य कार्यक्रम से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देशभर के 15 लाख से अधिक लाभार्थियों को लगभग रुपये 2,400 करोड़ की प्रोत्साहन राशि वितरित की।

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने प्रोत्साहन राशि वितरण से पूर्व अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना देश के युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने और विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि उद्योग और श्रम एक-दूसरे के पूरक हैं। यदि उद्योगों का विस्तार होगा तो रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और कुशल श्रमिकों की भागीदारी से उद्योगों की प्रगति भी सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश को आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने के लिए रोजगार आधारित विकास मॉडल पर विशेष बल दिया जा रहा है, जिसमें यह योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

राव नरबीर सिंह ने कहा कि हरियाणा सरकार ने हाल ही में नई उद्योग नीति लागू की है, जिसमें निवेशकों और उद्यमियों के लिए अनेक प्रोत्साहन, सब्सिडी और सुविधाएं प्रदान की गई हैं। उन्होंने बताया कि सरकार ने पहली बार ऐसे प्रावधान किए हैं जिससे सीमित संसाधनों वाले उद्यमी भी लीज आधारित भूमि व्यवस्था के माध्यम से अपना उद्योग स्थापित कर सकें। इससे प्रदेश में नए उद्योगों की स्थापना को बढ़ावा मिलेगा और बड़ी संख्या में युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। उन्होंने उद्योग जगत से आह्वान किया कि वे सरकार की रोजगारोन्मुखी योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाते हुए युवाओं को औपचारिक रोजगार से जोड़ने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि विकसित भारत का सपना केवल आर्थिक समृद्धि तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके लिए स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने उद्योगपतियों, कर्मचारियों और नागरिकों से पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को पूरी तरह बंद करने तथा अधिक से अधिक पौधारोपण करने की अपील की। उन्होंने कहा कि रोजगार, औद्योगिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के संतुलन से ही गुरुग्राम और हरियाणा देश के विकास मॉडल के रूप में स्थापित होंगे तथा विकसित भारत-2047 के संकल्प को नई मजबूती मिलेगी।

ईपीएफओ की क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त-1 डॉ. अर्चना ने प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह योजना युवाओं को संगठित क्षेत्र में रोजगार से जोड़ने तथा नियोक्ताओं को अधिक रोजगार सृजित करने के लिए प्रोत्साहित करने की एक महत्वपूर्ण पहल है।

इस अवसर पर गुरुग्राम इंडस्ट्रियल एसोसिएशन (जीआईए) के अध्यक्ष सुमित राव तथा क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त-प्रथम अशोक कुमार भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लगभग 500 प्रतिभागियों की उपस्थिति रही, जिनमें विभिन्न लाभार्थी, नियोक्ता, उद्योग संघों के प्रतिनिधि, जनप्रतिनिधि, राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी तथा ईपीएफओ के अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल थे।

गवर्नर कटारिया से मुलाकात के बाद अश्विन महेश दलवी ने संभाला एनजेडसीसी का अतिरिक्त प्रभार

अर्थ प्रकाश/साजन शर्मा

चंडीगढ़/पटियाला, 19 जून। संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार ने वरिष्ठ कला एवं संस्कृति प्रशासक अश्विन महेश दलवी को **नार्थ जोन कल्चरल सेंटर (एनजेडसीसी), पटियाला के निदेशक का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा है। दलवी वर्तमान में वेस्ट ज़ोन कल्चरल सेंटर (डब्ल्यूजेडसीसी), उदयपुर के निदेशक हैं और अब दोनों सांस्कृतिक केंद्रों की गतिविधियों का मार्गदर्शन करेंगे।

अतिरिक्त प्रभार मिलने के बाद दलवी ने पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया से शिष्टाचार भेंट की। इसके बाद उन्होंने चंडीगढ़ स्थित कलाग्राम तथा पटियाला में एनजेडसीसी परिसर का दौरा कर कार्यभार संभाला और विभिन्न गतिविधियों की समीक्षा की।

अश्विन महेश दलवी कला, संस्कृति और प्रशासनिक क्षेत्र में अपने लंबे अनुभव के लिए जाने जाते हैं। सांस्कृतिक संस्थानों के विकास, सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और कलाकारों को मंच प्रदान करने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। वह वर्ष 2017-18 में राजस्थान ललित कला अकादमी के अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

सूत्रों के अनुसार, दलवी उत्तर भारत के राज्यों में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों, लोक कला संरक्षण योजनाओं और युवा कलाकारों को प्रोत्साहित करने वाली गतिविधियों को नई गति देने पर विशेष ध्यान देंगे। उनके नेतृत्व में एनजेडसीसी की योजनाओं और आयोजनों को अधिक प्रभावी बनाने की उम्मीद जताई जा रही है।

सांस्कृतिक जगत से जुड़े लोगों ने इस नियुक्ति का स्वागत करते हुए कहा है कि दलवी के अनुभव और दूरदर्शी नेतृत्व से उत्तर भारत की लोक कला, संगीत, नृत्य, रंगमंच और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन को नई मजबूती मिलेगी। गौरतलब है कि एनजेडसीसी संस्कृति मंत्रालय के अधीन कार्यरत एक प्रमुख संस्थान है, जो उत्तर भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करता है।

पंजाब स्टेट पावर कारपोरेशन लि.
(पंजीकृत कार्यालय: पीएसईबी मुख्यालय, दि माल, पटियाला-147001)
कारपोरेट पहचान संख्या:40109पीबी2010एसजीसी033813,
वेबसाईट: www.pspcl.in (संपर्क सं.96461-13039)

निविदा पूछताछ सं. 37/एक्सईएन/सीसीएम/2026-27 एवं निविदा पूछताछ सं. 38/एक्सईएन/सीसीएम/2026-27
दिनांक: 19.06.2026

वरि. एसई, सिविल निर्माण एवं रखरखाव मंडल, पीएसपीसीएल, अमृतसर द्वारा निम्नलिखित हेतु अल्पावधि खुली निविदा सूचना आमंत्रित की जाती है:-

टीई.सं.-37/एक्सईएन/सीसीएम/2026-27-ओ एवं एम गुरदासपुर के अधीन बानी लोधी से जयमल सिंह लाईन पर टावर के लिए सुरक्षा दीवार का निर्माण कार्य।

टीई.सं.-38/एक्सईएन/सीसीएम/2026-27 - ओ एवं एम गुरदासपुर के अधीन पुराना शल्ला से टीबरी लाईन पर टावर के लिए सुरक्षा दीवार का निर्माण कार्य।

टिप्पणी: शुद्धिपत्र और परिशिष्ट, यदि कोई हुआ, eproc.punjab.gov.in पर ऑनलाईन प्रकाशित किया जाएगा।

सी 666/26

पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल)
(पंजीकृत कार्यालय: पीएसईबी मुख्यालय, द मॉल, पटियाला)
अतिरिक्त अधीक्षण अभियंता/वितरण प्रणाली (डीएस) मंडल, पीएसपीसीएल, गोराया
पता: बस स्टैंड के निकट, जीटी रोड, गोराया
संपर्क नंबर: 96461-16033
कॉर्पोरेट पहचान संख्या: U40109PB2010SGC033813

निविदा पूछताछ संख्या: 01/ASE Gry/Veh/2026-27 **दिनांक:**

अतिरिक्त अधीक्षण अभियंता, वितरण प्रणाली मंडल, पीएसपीसीएल, गोराया द्वारा एईई/डीएस उपमंडल (सब-अर्बन), पीएसपीसीएल गोराया के लिए सरकारी उपयोग हेतु वाहन किराये पर उपलब्ध कराने के संबंध में खुली निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा सूचना (एनआईटी) एवं विस्तृत शर्तें/विनिर्देश देखने के लिए 20 जून 2026 प्रात: 10:00 बजे से पीएसपीसीएल की वेबसाइट https://www.pspcl.in/Tenders.aspx पर जाएं।

नोट: यदि कोई संशोधन (कोरिजेंडम) अथवा परिशिष्ट (एडेंडम) जारी किया जाता है, तो उसे केवल पीएसपीसीएल की वेबसाइट https://www.pspcl.in/Tenders.aspx पर ही प्रकाशित किया जाएगा।

सी665/26

पीएमडीए सीईओ ने पंचकूला में इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट का किया ग्राउंड इंस्पेक्शन

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पंचकूला, 19 जून। पंचकूला मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी (पीएमडीए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री के. मकरंद पांडुरंग ने शुक्रवार को पंचकूला शहर में पीएमडीए द्वारा संचालित विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर पंचकूला के उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा, नगर निगम पंचकूला के आयुक्त श्री विनय कुमार सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं अन्य अधिकारियों ने टोपियरी पार्क, निर्झर वाटिका, फाउंटेन पार्क, कैक्टस गार्डन, शहर के प्रमुख चौकों, राजीव कॉलोनी तथा अटल पार्क का निरीक्षण किया।

श्री के. मकरंद पांडुरंग ने अधिकारियों को सभी कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने तथा अवसंरचनाओं का रखरखाव निर्धारित मानकों के अनुरूप सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पीएमडीए का उद्देश्य ट्रीटेड वॉटर सिस्टम के माध्यम से पार्कों की सुंदरता बढ़ाने तथा उनके दीर्घकालिक एवं टिकाऊ संचालन को सुनिश्चित करना है। इसी के तहत निर्झर वाटिका और फाउंटेन पार्क जैसे बड़े पार्कों में स्वच्छता, सौंदर्यीकरण तथा फव्वारों के नियमित रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया जाए।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने पार्कों एवं हरित क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता वाली लैंडस्केपिंग बनाए रखने, पैदल मार्गों को बेहतर बनाने तथा बागवानी संबंधी कार्यों जैसे हेज ट्रिमिंग और पेड़-पौधों की नियमित देखभाल सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। इसके साथ ही आमजन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पार्कों में बेहतर पहुंच (एक्सेसिबिलिटी), जनसुविधाओं एवं शौचालयों का समुचित रखरखाव, तथा बेंच और साइनेज जैसी सुविधाओं को सुदृढ़ करने पर भी बल दिया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सड़कों, नालों, मार्गों एवं सार्वजनिक स्थलों की सफाई और रखरखाव की स्थिति का भी जायजा लिया। साथ ही बागवानी एवं सिंचाई व्यवस्था के लिए अधिक प्रभावी और स्वचालित (ऑटोमेटेड) समाधान अपनाने पर चर्चा की गई। जलधारा सौंदर्यीकरण एवं कायाकल्प परियोजना, अटल पार्क विकास, विश्वस्तरीय शूटिंग रेंज के निर्माण तथा अन्य विकास क्षेत्रों से संबंधित प्रमुख परियोजनाओं की साइटों पर चल रहे अवसंरचनात्मक कार्यों का भी मूल्यांकन किया गया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने सभी परियोजनाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने तथा निर्धारित समयसीमा के भीतर कार्यों को गुणवत्तापूर्वक पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पीएमडीए शहरी अवसंरचना के समग्र विकास, सक्रिय प्रशासन (प्रोएक्टिव गवर्नेंस), व्यवस्थित निगरानी तथा बेहतर शहरी नियोजन के माध्यम से नागरिकों को उच्च गुणवत्ता की सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

जीरकपुर में लटकती बिजली तारें बनीं खतरा, लोगों ने उठाए सुरक्षा पर सवाल

अर्थ प्रकाश/संदीप सिंह बावा

जीरकपुर, 19 जून। मोहाली के एयरो सिटी में करंट लगने से मजदूर की मौत के बाद जीरकपुर में बिजली सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। अर्थ प्रकाश की टीम द्वारा किए गए रियलिटी चेक में शहर के कई इलाकों में बिजली की लटकती तारें और नीचे लगे मीटर बॉक्स लोगों के लिए खतरा बने दिखाई दिए।

जांच के दौरान कई स्थानों पर बिजली की तारें और मीटर जमीन से मात्र 3 से 4 फीट की ऊंचाई पर पाए गए, जिससे बच्चों, बुजुर्गों और राहगीरों को हादसे का खतरा बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया।

निवासियों के अनुसार, लटकती तारों और खुले कनेक्शनों के कारण पहले भी कई छोटे-बड़े हादसे हो चुके हैं। एयरो सिटी की घटना के बाद लोगों ने बिजली विभाग और प्रशासन से पूरे शहर में विशेष सर्वे कर खतरनाक तारों को तुरंत दुरुस्त करने की मांग की है।

इस संबंध में बिजली विभाग के एसडीओ प्रदीप ने बताया कि शहर में ब्यूटीफिकेशन योजना के तहत बिजली के तारों के जाल को समाप्त करने का कार्य पहले से चल रहा है। उन्होंने कहा कि अत्यधिक गर्मी के कारण काम अस्थायी रूप से रोका गया है। बरसात के मौसम के बाद अभियान को तेज कर अगले दो महीनों में अधिकांश क्षेत्रों में तारों की समस्या का समाधान करने का लक्ष्य रखा गया है।

निर्देशात्मक अधिसूचना
पूर्वोत्तर सीमा रेलवे, मालीगॉव, गुवाहाटी-11 (असम)
वर्ष 2026-27 के सांस्कृतिक कोटा के विपरीत नियुक्ति

नियुक्ति सूचना संख्या. 02/2026

खुलने की तारीख: 04-07-2026 **बंद होने की तारीख: 03-08-2026 के 17.30 बजे तक**

इस अधिसूचना में दिए गए निर्धारित प्रारुप अनुसार लेवेल-2 (जीपी-1900) मे निम्नलिखित पदो के लिए सांस्कृतिक कोटा के विपरीत भर्ती हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये गए है:

क्रम संख्या.	सांस्कृतिक प्रतिभा (विभाग/वर्ग)	पदो की संख्या.
1	सैक्सोफोन वादक	01
2	वेस्टर्ण क्लासिकल पियानिस्ट	01

1. अर्हता: (क) अनिवार्य-निम्नतम शैक्षणिक अर्हता

(i) एनटीपीसी श्रेणी के लिए कुल 50% से कम न होने वाले नम्बरों के साथ 12 वीं (+2 पर्याय) या फिर इसके समपर्याय की परीक्षा मे उत्वीर्ण।

एससी/एसटी/पूर्व सैनिक/शारिरीक रुप से अक्षम (पीडब्ल्यूडी) प्रार्थियों के मामले मे एवं निर्धारित अनिवार्य निम्नतम अर्हता से उच्चतर शैक्षणिक अर्हता रहे प्रार्थियों के मामले में

या फिर

टकनीकी श्रेणी के लिए एनसीवीटी/एससीवीटी द्वारा अनुमोदित एक्ट अप्रेंटिशिप कोर्स संपूर्ण करने के साथ प्रवेशिका परीक्षा उत्वीर्ण

या फिर

तकनीकी श्रेणी के लिए प्रवेशिका परीक्षा के साथ एनसीवीटी/एससीवीटी द्वारा अनुमोदित आईटीआई के लिए 50% नबर लागु नहीं होंगे।

अभ्यर्थियों को आवेदन दाखिल करने की तिथि पर आवश्यक शैक्षणिक एवं पेशेवर योग्यता होनी चाहिए। जिन अभ्यर्थियों ने अंतिम परीक्षा दी हुई है या अंतिम परीक्षा के परिणाम की प्रतीक्षा कर रहे हैं, वे योग्य नहीं होंगे।

टिप्पणी: लिपिक के साथ टाइपिस्ट वर्ग में अगर व्यक्ति को नियुक्ति प्राप्त होती है तो नियुक्ति की तारीख से उन्हें दो सालों की एक अवधि के भीतर अंग्रेजी में प्रतिमिनट 30 सख्यक शब्द और हिन्दी मे प्रतिमिनट 25 सख्यक शब्द टाइप करने की दक्षता होनी चाहिए और इस अवधि के दौरान इस वर्ग में उसकी नियुक्ति अस्थायी तौर पर होगी।

(ii) जारी किए गए सांस्कृतिक प्रतिभा के लिए एक सरकारी स्वीकृतिप्राप्त संस्थान द्वारा संबधित वर्ग मे स्नातक/डिप्लोमा/प्रमाणपत्र होने चाहिए।

(ख) वांछनीय:

(i) आकाशवाणी/दुरदर्शन आदि में कार्यक्रम की प्रस्तुति एवं संबधित व्यवहारिक क्षेत्र में अनुभव रहना होगा।

(ii) राष्ट्रीय स्तर पर हासिल सम्मान/पुरस्कार।

(2) (क) आयु की सीमा: (01-07-2026 तारीख में आयु)

यूआर	ओबीसी	एससी/एसटी
18 से 30 वर्ष	18 से 33 वर्ष	18 से 35 वर्ष

जन्म तारीख का प्रमाण हेतु एक स्वीकृतिप्राप्त बोर्ड से प्रवेशिका परीक्षा या फिर समपर्याय का प्रमाणपत्र या फिर जन्म प्रमाण पत्र जमा करना होगा।

(3) आवेदन कैसे करेंगे: पात्रता मानदंड की पूर्ति करने वाले प्रार्थीगण **किसी भी प्रकार के वीग, टोपी या फिर रंगीण चशमा न पहनकर यथोचित तोर पर स्वयं-अनुप्रमाणित किए गए** अनंतिम तीन पासपोर्ट आकार के फोटोग्राफ सहित (पिछले दो महिनों की अवधि के भीतर खींचे गए) एक उच्च गुणवत्तावाले ए-4 आकार के कागज पर उन्हे/उन्ही के अपने हस्त लेखन से प्रार्थी को अनुलग्नक-ए में दिए गए प्रारुप के अनुसार आवेदन करना होगा। साधारण डाक के जरिए आवेदन पत्र वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी (भर्ती), प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी का कार्यालय, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे मुख्य कार्यालय, मालीगॉव, गुवाहाटी-781011, जिला-कामरुप (मेट्रो), असम के पते पर प्रेरण करना होगा या फिर भर्ती शाखा, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी का कार्यालय, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे का मुख्य कार्यालय, मालीगॉव, गुवाहाटी के कार्यालय में रखे गए आवेदन बॉक्स पर अपने हाथों से जमा करना होगा। आवेदन पत्र 03-08-2026 तारीख में या फिर उनसे पहले 17.30 बजे के भीतर सही पते पर पहुच जाना होगा। (अंदामान एवं निकोबर द्वीपसमुह, जम्मु और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश के लाहौल एवं स्पिति जिला, चांबा जिले के पांगी उप-संमडल, लाक्षा द्वीप एवं विदेशों मे रह रहे प्रार्थीगणों के लिए आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि (13-08-2026)। आवेदन पत्र रहे लिफाफा के ऊपर "**2026-27 वर्ष के लिए सांस्कृतिक कोटा के विपरीत आवेदन, ई.एन.संख्या. 02/2026, जीपी-1900/- विभाग ..... एवं समुदाय ....**" स्पष्ट रुप से लिखा रहना होगा।

विस्तृत नियम एवं शर्तें, आवेदन प्रारुप, परीक्षा शुल्क, चयन पद्धति आदि पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के सरकारी वेबसाइट **www.nfr.indianrailways.gov.in. > General Info > Recruitment Notification (Sports, Scouts & Guides and Cultural)** पर अवलोकन करने के साथ डाउनलोड कर सकते है एवं 04-07-2026 तारीख के एमप्लॉयमेंट न्यूज पर भी देख सकते हैं।

वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी (भर्ती)
पूर्वोत्तर सीमा रेलवे, मालीगॉव, गुवाहाटी-781011

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे
"मुस्कान के साथ ग्राहकों की सेवा में"

AP-1988

मोहाली को मिला बड़ा तोहफा

70 करोड़ की लागत से बनेगा पंजाब का सबसे बड़ा वर्किंग वुमेन हॉस्टल

अर्थ प्रकाश/साजन शर्मा

मोहाली, 19 जून। कामकाजी महिलाओं के लिए सुरक्षित और किफायती आवास उपलब्ध कराने की दिशा में पंजाब सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए मोहाली में राज्य के सबसे बड़े वर्किंग वुमेन हॉस्टल का शिलान्यास किया। कैबिनेट मंत्री Baljit Kaur ने शुक्रवार को परियोजना का नींव पत्थर रखा और कहा कि सरकार महिलाओं के लिए बेहतर आवास सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

करीब 70 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस हॉस्टल में 350 महिलाओं के रहने की व्यवस्था होगी। यहां कामकाजी महिलाएं अपने बच्चों के साथ भी रह सकेंगी। सरकार ने परियोजना को नौ माह में पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके अलावा एक अन्य महिला हॉस्टल अगले दो माह में तैयार होकर शुरू किए जाने की योजना है।

मंत्री बलजीत कौर ने कहा कि जिन शहरों में वर्किंग वुमेन हॉस्टल की आवश्यकता होगी, वहां सरकार किराये की इमारतों में भी यह सुविधा उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सरकार की प्राथमिकता है।

मोहाली में आईटी कंपनियों, औद्योगिक इकाइयों और उच्च शिक्षण संस्थानों की बढ़ती संख्या के कारण बड़ी तादाद में महिलाएं रोजगार और शिक्षा के लिए यहां आती हैं। लंबे समय से कामकाजी महिलाओं के लिए सुरक्षित हॉस्टल की मांग उठ रही थी। निजी पीजी और किराये के आवासों के बढ़ते खर्च तथा सुरक्षा संबंधी चिंताओं को देखते हुए यह परियोजना काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। सरकारी जानकारी के अनुसार, इस परियोजना के अलावा सेक्टर-79 में भी महिला हॉस्टल बनाया जा रहा है, जिस पर 12.57 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

डीजीपी सागर प्रीत हुड्डा की माता का निधन, 21 जून को रोहतक में श्रद्धांजलि सभा

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 19 जून। चंडीगढ़ के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) सागर प्रीत हुड्डा की माता श्रीमती किताब कौर का 17 जून को निधन हो गया। वह लगभग 86 वर्ष की थीं। उनके निधन से परिवार, रिश्तेदारों, मित्रों और शुभचिंतकों में शोक की लहर दौड़ गई है।

परिवार के अनुसार स्वर्गीय किताब कौर एक स्नेहमयी माता, दादी और मार्गदर्शक थीं। उन्होंने अपने जीवन में प्रेम, संस्कार, धैर्य और करुणा के मूल्यों के साथ परिवार एवं समाज के अनेक लोगों को प्रेरित किया। उनके निधन को परिवार के लिए अपूरणीय क्षति बताया गया है।

दिवंगत आत्मा की शांति के लिए श्रद्धांजलि सभा का आयोजन 21 जून 2026 (रविवार) को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू), रोहतक स्थित राधाकृष्णन ऑडिटोरियम में किया जाएगा। प्रार्थना सभा दोपहर 12 बजे से 1 बजे तक आयोजित होगी, जबकि इसके उपरांत दोपहर 1 बजे से 2 बजे तक प्रसाद वितरण किया जाएगा।

शोक संतप्त परिवार में सत्यवान हुड्डा, रमेश एवं कमलेश, सागर प्रीत एवं कुलविंदर, रेहान, सना सहित अन्य परिजन शामिल हैं। परिवार ने सभी शुभचिंतकों से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करने का आग्रह किया है।

चंडीगढ़ के प्रशासनिक, पुलिस एवं सामाजिक क्षेत्रों से जुड़े अनेक लोगों ने डीजीपी सागर प्रीत हुड्डा और उनके परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है तथा दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है।

आवश्यकता की अनुसूची के अनुसार सामग्री की आपूर्ति

निम्नवर्णित कार्य के लिए अधोहस्ताक्षरी द्वारा ई-निविदाएं आमंत्रित किया जाता है।

1. ई-निविदा सं.: DB265348, दिनांक: 17-06-2026; आइटम विवरण: क्रम संख्या -1: पीएल कोड (ग्रुप): 303200850015; विवरण: अनुसूची: सी - एनएफआर/एसके/002/2024 के अनुसार बीवी को एआरटी (सभी उपकरण वैन) में परिवर्तित करना, जिसमें सामग्री की आपूर्ति, और अनुलग्नक - III में दिए गए विस्तृत कार्यक्षेत्र के अनुसार स्ट्रिपिंग (खोलने) और फिटमेंट (लगाने) की श्रम लागत शामिल है। कुल मात्रा: 5 सेट; क्रम संख्या-2: पीएल कोड (ग्रुप): 304000290013; विवरण: अनुसूची: डी - एनएफआर/एसके/002/2024 के अनुसार और अनुलग्नक-V में उल्लिखित विस्तृत कार्यक्षेत्र के अनुसार, विद्युत कार्य के लिए बीवी को एआरटी (सभी उपकरण वैन) में परिवर्तित करने हेतु श्रम। कुल मात्रा: 5 सेट; क्रम संख्या-3: पीएल कोड (ग्रुप): 304301670017; विवरण: अनुसूची: बी - एनएफआर/एसके/002/2024 के अनुसार बीवी को एआरटी (सभी उपकरण वैन) में परिवर्तित करना, जिसमें सामग्री की आपूर्ति, और अनुलग्नक - II अनुसूची बी (I) में संलग्न विस्तृत कार्यक्षेत्र के अनुसार स्ट्रिपिंग (खोलने), गैस कटिंग और फिटमेंट (लगाने) की श्रम लागत, तथा अनुलग्नक - II अनुसूची बी (II) में संलग्न विवरण के अनुसार एआरटी (सभी उपकरण वैन) में परिवर्तन के लिए उपभोग्य वस्तुएं शामिल हैं। नियम एवं शर्तें अनुलग्नक डी में संलग्न हैं। कुल मात्रा: 5 सेट; क्रम संख्या - 4: पीएल कोड (ग्रुप): 306000400011; विवरण: अनुसूची: ए - एनएफआर/एसके/002/2024 के अनुसार बीवी को एआरटी (सभी उपकरण वैन) में परिवर्तित करना, जिसमें सामग्री की आपूर्ति, और अनुलग्नक - I में उल्लिखित विस्तृत कार्यक्षेत्र के अनुसार स्ट्रिपिंग (खोलने) और फिटमेंट (लगाने) की श्रम लागत शामिल है। कुल मात्रा: 5 सेट; क्रम संख्या-5: पीएल कोड (ग्रुप): 770802750018; विवरण: अनुसूची: ई - अनुलग्नक - VI के अनुसार कोचों की बाहरी सतह की तैयारी, लेटरिंग और एंटी-ग्रैफिटी कोटिंग, जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं: (क) पेंट ब्रुश से पहले कोच की बाहरी सतह की तैयारी (पुराने पेंट को पूरी तरह से हटाना और पुट्टी लगाना) (ख) कोचों के बाहर लेटरिंग (अक्षर अंकन) की आपूर्ति और अनुप्रयोग (डी-कैल सामग्री का उपयोग करके लेटरिंग कार्य) (ग) एंटी-ग्रैफिटी पेंटिंग की आपूर्ति और अनुप्रयोग (लगाना)। कुल मात्रा: 5 सेट;

अग्रिम राशि: ₹1,24,840/-; ई-निविदा के बंद करने की तिथि और समय: 17-07-2026 को 14:30 बजे।

विस्तृत विवरण के लिए कृपया वेबसाइट https://www.ireps.gov.in देखें।

उप सीएमएम/डीबीआरजी

पूर्वोत्तर सीमा रेल
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

AP-1989

बिहार सरकार

समाहरणालय, सारण
(मद्य निषेध एवं उत्पाद विभाग)
अधिहरित (Confiscated) वाहनों के सार्वजनिक नीलामी हेतु
अति अल्पकालीन सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जिला पदाधिकारी, सारण, के द्वारा निर्गत बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम,2016 के तहत् जप्त एवं अधिहरित वाहनों की आम निलामी सूचना ज्ञापांक–1052, दिनांक–04.05.2026 के क्रम में अधोलिखित वाहनों की तीन नीलामी सम्पन्न होने के पश्चात् भी बिक्री नहीं होने की दशा में विभागीय पत्रांक–809,दिनांक–03.02.2026 के द्वारा निर्गत मानक संचालन प्रक्रिया(SOP) के आलोक में संबंधित वाहनों के 10प्रतिशत के मूल्य ह्रास के पश्चात् **दिनांक–08.07.2026 एवं आवश्यकतानुसार अगले दिन को 10.30 बजे पूर्वाह्न से कार्यालय सहायक आयुक्त मद्यनिषेध, समाहरणालय सारण में सम्पन्न की जायेगी।** इच्छुक आवेदक/आवेदिका उक्त हेतु आवेदन **दिनांक– 06.07.2026** के कार्यालय अवधि में आवेदन समर्पित कर विहित शर्तों एवं बंधेजो के साथ उक्त वाहनों की सार्वजनिक नीलामी में भाग ले सकते हैं। साथ ही दिनांक–08.07.2026 के नीलामी के पश्चात् शेष वाहनों की क्रमिक नीलामी प्रत्येक सप्ताह के बुधवार (कार्यदिवस) को मानक संचालन प्रक्रिया में निहित प्रावधानानुसार क्रमिक रूप से 10 प्रतिशत की मूल्य राशि कम करते हुए नीलामी समिति द्वारा उत्तरोत्तर तबतक सम्पन्न की जाएगी, जबतक कि संबंधित वाहन विशेष की नीलामी सम्पन्न ना हो जाय। क्रमिक प्रत्येक बुधवार के नीलामी के निमित आवेदन प्राप्ति की विहित तिथि Penultimate मंगलवार को होगी एवं उक्त साप्ताहिक नीलामी की शर्त एवं बंधेज इस नीलामी के लिए निर्गत शर्त एवं बंधेजों की अधीन होगी।

नीलामी हेतु वाहनों का विवरण:–

क्रम सं0	अधिहरण वाद सं0	राजसात वाहन के अभिरक्षा का स्थान	अधिहरित किये गए वाहन का प्रकार/रजिस्ट्रेशन नंबर/चेचिस/इंजन संख्या	मोटरयान निरीक्षक द्वारा निर्धारित न्यूनतम मूल्य	अग्रधन की राशि (रू0 में)	अभियुक्ति	वाहन स्वामी का नाम एवं पता
01	63/2025	सिविलगंज थाना कांड सं0–337/2024	स्कॉर्पियो HR26AN-4135 CH.NO.MA1TB2BSL72H90380 EN.NO-BS74H44476	81000.00	16200.00	अन्य राज्य से निबंधित, अत्यधिक पुराना एवं क्षतिग्रस्त होना।	[illegible]

जिला पदाधिकारी, सारण

विस्तृत जानकारी **www.state.bihar.gov.in/prdbihar** से प्राप्त की जा सकती है।

PR. No. 006260 (Excise) 2026-27

नशामुक्त हो जाए बिहार, सुरक्षित रहे घर परिवार।

AP-1987

अधिकारी आमजन की शिकायतों का निवारण प्राथमिकता के आधार पर करें सुनिश्चित : मुख्यमंत्री

बैठक में शिकायतों की मुख्यमंत्री ने की सुनवाई, अधिकारियों को दिए विशेष निर्देश, शिकायतकर्ताओं को लगाया फोन

अर्थ प्रकाश संवाददाता

सिरसा, 19 जून। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि जनसमस्याओं के त्वरित समाधान और आमजन की शिकायतों के प्रति उनकी संवेदनशीलता सिर्फ औपचारिक नहीं, बल्कि वास्तविक और सक्रिय है। सिरसा में आयोजित जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक में ऐसा ही नज़ारा देखने को मिला, जहां मुख्यमंत्री ने न केवल शिकायतों को गंभीरता से सुना बल्कि मौके पर ही फोन पर संवाद कर मामलों की गहराई से जानकारी ली और तुरंत निर्णय भी दिए।

बैठक के दौरान दो ऐसे मामले सामने आए जिनमें शिकायतकर्ता स्वयं उपस्थित नहीं थे। इस पर मुख्यमंत्री ने बिना समय गंवाए फोन पर सीधे शिकायतकर्ताओं से बात कर पूरी स्थिति की जानकारी ली। पहला मामला फतेहपुर जातांवाली निवासी संजय कुमार का था, जिन्होंने रजवाहे पर साइफन सही तरीके से न लगाए जाने की शिकायत की थी। मुख्यमंत्री ने स्वयं फोन पर संजय कुमार से बातचीत कर पूरे मामले को समझा और तुरंत

एसडीएम की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय कमेटी गठित करने के निर्देश दिए, ताकि निष्पक्ष जांच के साथ समाधान सुनिश्चित हो सके।

दूसरा मामला श्रीमती निर्मल कौर से जुड़ा था, जिनकी ओर से उनके पिता बैठक में उपस्थित हुए थे। शिकायत में बताया गया था कि उनके पति श्री विरेंद्र पाल, जो आयुष विभाग में फार्मासिस्ट थे, उनका फरवरी 2026 में निधन हो गया था, आरोप थे कि उसके बाद उन्हें मिलने वाले लाभ और सहायता प्रदान नहीं की गई। हालांकि बैठक में उपस्थित उनके पिता ने आयुष विभाग द्वारा की गई कार्रवाई पर संतोष जताया। लेकिन, मुख्यमंत्री ने इस मामले में भी सीधे श्रीमती निर्मल कौर से फोन पर बातचीत की। बातचीत के दौरान उन्होंने भी विभाग द्वारा की गई कार्रवाई पर संतोष व्यक्त किया और मुख्यमंत्री का व्यक्तिगत रूप से धन्यवाद भी किया। मुख्यमंत्री की इस प्रकार की जनता के प्रति जवाबदेही वाली कार्यशैली ने स्पष्ट कर दिया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की कार्यशैली में न केवल प्रशासनिक सक्रियता है, बल्कि जनता की समस्याओं को व्यक्तिगत स्तर पर सुनने और समाधान निकालने की गंभीर प्रतिबद्धता भी शामिल है।

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने शुक्रवार को सिरसा के पंचायत भवन में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी अधिकारी आमजन की समस्याओं को हल करते हुए शिकायतों का निदान करें। बैठक में 15 शिकायतें सुनवाई के लिए रखी गई जिनमें से 12 शिकायतों का निपटान कर दिया गया और तीन शिकायतें लंबित रखी गई है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने शिकायतों की सुनवाई करते हुए विशेष निर्देश भी दिए, उन्होंने कहा कि सीवरेज व सड़कों को प्राथमिकता के आधार पर दुरुस्त किया जाए, ताकि आमजन को किसी प्रकार की परेशानी ना हो। शहरी क्षेत्र में जहां सीवरेज लाइन डाल दी गई है वहां जल्द से जल्द सड़क बनाने का कार्य शुरू किया जाए।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने शिकायतकर्ताओं से सीधा संवाद किया। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने बैठक में गांव गंगा निवासी श्री परमजीत सिंह की फर्जी वसीयत संबंधी शिकायत पर अधिकारियों की ओर से बताया गया कि अंगूठा निशान की दो जगह जांच करवाई गई है और दोनों जगह धुंधली होने की वजह से रिपोर्ट का मिलान नहीं हुआ है। मुख्यमंत्री ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद इस शिकायत को अगली बैठक तक लंबित रखने के निर्देश दिए। गांव फतेहपुर जोतांवाली निवासी श्री संजय कुमार की शिकायत जिसमें उन्होंने साइफन को गलत बनाए जाने के मामले में कार्रवाई की मांग थी, मुख्यमंत्री ने इस मामले में संबंधित एसडीएम की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति गठित करने के निर्देश दिए जो मौके पर जाकर किसानों से बातचीत करेगी तथा इसके तमाम पहलूओं को देखते हुए अगली बैठक में इसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

रानियां के वार्ड नंबर एक निवासी श्री बलवीर राम की शिकायत पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके भाई श्री जगसीर सिंह की मौत के मामले में अगर शिकायतकर्ता कोई तथ्य लेकर आए तो उसे जांच में शामिल किया जाएगा। एडिशनल मंडी सिरसा निवासी श्री हार्दिक गोयल की शिकायत इंडस्ट्रियल एरिया-एक के सर्विस इंडस्ट्री शॉप के नक्शे के पेवमेंट एवं पार्किंग का नाप सही रुप से नहीं दिए जाने के संबंध में मुख्यमंत्री ने हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण व नगर परिषद के अधिकारियों से जवाब तलब किया। उन्होंने दोनों विभागों के अधिकारियों से संतोषजनक उत्तर न मिलने पर इस मामले में संलिप्तों की जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कार्य को लेकर जो टेंडर हुआ है उस पर जल्द काम शुरू किया जाए।

मुख्यमंत्री ने भादड़ा निवासी श्री महेंद्र सिंह, गांव तारुआना निवासी श्री राम सिंह, जंडवाला बिश्नोइयां निवासी श्री ओम विष्णु, खुईयां मलकाना निवासी श्री जरनैल सिंह, कुस्सर निवासी श्री महेश कुमार, मेहनाखेड़ा निवासी श्री देवदत्त, राम कॉलोनी बरनाला रोड निवासी श्रीमती शकुंतला तथा रोड़ी निवासी श्री रूलदु राम की शिकायत का सुनवाई के बाद निपटारा कर दिया गया। श्री रलदु राम की शिकायत पर गली निर्माण के निर्देश के साथ ही रुपये मांगने के संबंध में जेई के खिलाफ जांच करने के निर्देश भी दिए गए है।

आगामी पंजाब विधानसभा चुनाव में खिलेगा कमलः सैनी

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आगामी विधानसभा चुनाव में पंजाब में कमल खिलेगा। हरियाणा में डब्बल इंजन की सरकार जो हर वर्ग के लिए कल्याणकारी योजनाएं चला रही है, उसकी चर्चा पंजाब में भी है। पंजाब की वर्तमान सरकार ने केवल बड़ी-बड़ी बातें करके वोट हासिल किये है और अब वहां की सरकार ने पंजाब की जनता को उनके हालात पर छोड़ दिया है, लेकिन पंजाब के लोग विकास चाहते हैं। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने सिरसा के पंचायत भवन में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक के उपरांत मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज आमजन भाजपा की कल्याणकारी नीतियों से लाभांवित हो रहे हैं। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि हम गुरुओं की कृपा की वजह से यहां बैठे हैं और जब-जब धर्म पर संकट आया तो महापुरुषों ने देश-धर्म की रक्षा के लिए अपनी पीढि?ं की कुर्बानियां दी है। पंचकूला में श्री गुरु अर्जन देव का शहीदी दिवस भी मनाया गया ताकि आने वाली पीढि?ं भी उनके जीवन से प्रेरणा ले सके, जिन्होंने अपने पूरे परिवार को देश व धर्म पर न्यौछावर कर दिया। नीट की पुनर्परीक्षा को लेकर पूछे गए प्रश्न के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं आने दी जाएगी, उनके लिए निःशुल्क बस सेवा की सुविधा भी दी गई है। मुख्यमंत्री ने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा कि विपक्ष के लोग केवल राजनीति कर रहे हैं। कांग्रेस के राज में प्रदेश की कानून व्यवस्था का बुरा हाल था। कानून व्यवस्था को लेकर किसी प्रकार का समझौता नहीं होगा। प्रदेश की सरकार प्रदेश के हर व्यक्ति की सुरक्षा के लिए मजबूती से खड़ी हैं। सरकार जब सेशन बुलाती है तो विपक्ष के लोग भाग जाते हैं, उन्हें सेशन में तो बैठना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के चहुंमुखी विकास के लिए सरकार लगातार बजट दे रही है। ग्राम पंचायतों व पालिकाओं में बजट पहुंचाया गया है। सरकार विकास कार्यों के लिए तीव्र गति से कार्य करवा रही है।

न्यूज ब्रीफ

एसडीएम ने एसआईआर अभियान का लिया जायजा

टोहाना (अप्रस/संजीव सिंगला)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी एवं एसडीएम आकाश शर्मा ने शुक्रवार को गांव नाढोडी और सनियाना का दौरा कर अभियान की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने बीएलओ, सुपरवाइजर तथा नोडल अधिकारियों के साथ बैठक कर अब तक किए गए कार्यों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसडीएम आकाश शर्मा ने बीएलओ, सुपरवाइजर एवं नोडल अधिकारियों से अब तक भरे गए गणना प्रपत्रों की जानकारी ली तथा अभियान की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि अभियान के तहत शेष कार्य को भी निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए, ताकि मतदाता सूची का पुनरीक्षण कार्य सुचारू एवं त्रुटिरहित ढंग से संपन्न हो सके। उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची को नवीन, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित बनाना है। इसके लिए प्रत्येक पात्र मतदाता का सत्यापन किया जा रहा है तथा आवश्यक विवरण एकत्रित किए जा रहे हैं। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को नियमित रूप से प्रगति की निगरानी करने और किसी भी समस्या का समय पर समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर एसडीओ एवं नोडल अधिकारी मुकेश मेहला, संबंधित सुपरवाइजर, बीएलओ एवं अन्य नोडल अधिकारी मौजूद रहे।

योग एवं आयुर्वेद विषय पर हुआ सेमिनार

यमुनानगर (अप्रस/वीरेंद्र त्यागी)। महानिदेशक आयुष विभाग के निर्देशानुसार व जिला उपायुक्त प्रीति के मार्गदर्शन तथा जिला आयुर्वेदिक अधिकारी के नेतृत्व में आज 12वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के उपलक्ष्य में चौधरी देवी लाल कॉलेज जगाधरी में ''योग एवं आयुर्वेद'' विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया जिसमें श्रीकृष्णा आयुष विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर बलदेव धीमान मुख्य अतिथि तथा डॉ. बसंत कुमार प्रधानाचार्य चौधरी देवी लाल कॉलेज जगाधरी व मनीष चन्द्र प्रशासनिक अधिकारी चौधरी देवी लाल कॉलेज जगाधरी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी द्वारा मुख्य अतिथि व विशिष्ठ अतिथियों का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि बलदेव धीमान ने कहा कि योग और आयुर्वेद भारत की प्राचीन धरोहर हैं। इनके समन्वय से ही ''स्वस्थ भारत'' का सपना साकार होगा। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी ने बताया कि सेमिनार में डॉ. सोनिया धीमान ने रोजमर्रा की जिन्दगी में योग, आहार व जीवनशैली डॉ. नेहा गुप्ता ने महिलाओं के जीवन में योग का महत्व डॉ. जयंत नागर, असिस्टेंट प्रोफेसर ने योग और व्यावसायिक जीवन डॉ. मीनू ने मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग व आयुर्वेद डॉ. शिव कुमार सैनी, योग विशेषज्ञ ने शारीरिक क्षमता बढाने के लिए योग का महत्व तथा पुष्कर पंत, आयुष योग सहायक ने योग का दर्शन विषय पर व्याख्यान दिए। इसमें आयुष विभाग के चिकित्सक, कर्मचारी, फार्मासिस्ट, आयुष योग सहायक एवं योग प्रशिक्षकों ने भाग लिया। उन्होंने सभी से योग को जीवनशैली में अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने जिला वासियों से 21 जून को अधिक से अधिक संख्या में मुख्य कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियां पूरी

मुलाना (अप्रस/सचिन मलिक)। महानिदेशक आयुष विभाग, हरियाणा के निर्देशानुसार एवं एसडीएम बराड़ा, सतीन्द्र सिवाच के मार्गदर्शन में राजकीय आदर्श संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बराड़ा में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में पायलट रिहर्सल का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व डॉ. अमित कुमार द्वारा किया गया, जबकि नायब तहसीलदार बराड़ा आलमगीर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर नायब तहसीलदार आलमगीर ने कहा कि 21 जून को सुबह 6 से 8 बजे तक अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मुख्य कार्यक्रम का भव्य आयोजन राजकीय आदर्श संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बराड़ा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस प्रोटोकॉल के अनुसार योगाभ्यास कराया जाएगा, जिसमें हजारों की संख्या में अधिकारी, कर्मचारी, छात्र-छात्राएं तथा आमजन भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

सम्पादकीय

अमेरिका-ईरान के बीच संधि होना विश्व के लिए बड़ी राहत

अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध रोकने के लिए दोनों की ओर से एक संधि पर हस्ताक्षर करना विश्व के लिए राहत भरी खबर है, लेकिन इस संधि पर आशंकाओं के इतने बादल मंडरा रहे हैं, कि विश्वास ही नहीं होता है कि वास्तव में अब युद्ध पूरी तरह रुक जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरान के उपराष्ट्रपति के बीच इस संधि पर हस्ताक्षर किए गए हैं। निश्चित रूप से यह ईरान के लोगों के लिए बड़ी कामयाबी है, लेकिन अब अमेरिका में पूछा जा रहा है कि आखिर इस युद्ध से क्या हासिल हुआ है। अगर उस संधि के प्रस्तावों पर गौर करें जोकि दोनों देशों के बीच हुई है तो उसमें ईरान का पक्ष भारी नजर आता है। जैसे कि ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट पर कब्जा करके अमेरिका को अपने पक्ष में झुकने को मजबूर कर दिया। हालांकि इजरायल की जनता और उसकी भावनाओं का अमेरिका ने जरा सा भी ख्याल नहीं रखा, जबकि इजरायल ने अपनी आजादी को बनाए रखने के लिए इस युद्ध को ईरान समर्थित आतंकियों के खिलाफ शुरू किया था। यही वजह है कि अब इजरायल के लोग खुद को ठगा सा महसूस कर रहे हैं और यह वास्तव में है। इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि भविष्य में ईरान समर्थित आतंकी संगठन इजरायल पर पुनः हमले न करें, तब अमेरिका क्या फिर से इजरायल को बचाने के लिए आएगा। जबकि मौजूदा हालात तो यह हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने लगभग अपनी गलती मानते हुए इजरायल के प्रधानमंत्री की आलोचना की है। यानी उन्हें लगता है कि ईरान के साथ युद्ध में पड़ने की वजह इजरायल है।

अगर इस संधि के तहत अमेरिका और ईरान के खोए और पाए पर विचार करें तो इसमें उस प्रमुख मुद्दे पर महज अस्थायी सहमति बनी है, जोकि इसके विवाद की जड़ में है। वह मामला है परमाणु कार्यक्रम का। दोनों देशों के बीच 14-सूत्रीय ऐतिहासिक अंतरिम समझौते में परमाणु मुद्दे पर एक तात्कालिक और अस्थायी सहमति ही बनी है, जिसे आने वाले दिनों में अंतिम रूप दिया जाना है। ईरान ने इस समझौते में स्पष्ट रूप से यह भरोसा दिया है कि वह कभी भी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा, विकसित नहीं करेगा और न ही खरीदेगा। निश्चित रूप से ऐसा हुआ तो यह अमेरिका के लिए एक कामयाबी होगी, और विश्व में शांति को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। इस नए परमाणु समझौते के लागू होने से ईरान पर लगे सभी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध हटा दिए जाएंगे।

अगर इस संधि के तहत अमेरिका और ईरान के खोए और पाए पर विचार करें तो इसमें उस प्रमुख मुद्दे पर महज अस्थायी सहमति बनी है, जोकि इसके विवाद की जड़ में है। वह मामला है परमाणु कार्यक्रम का। दोनों देशों के बीच 14-सूत्रीय ऐतिहासिक अंतरिम समझौते में परमाणु मुद्दे पर एक तात्कालिक और अस्थायी सहमति ही बनी है, जिसे आने वाले दिनों में अंतिम रूप दिया जाना है। ईरान ने इस समझौते में स्पष्ट रूप से यह भरोसा दिया है कि वह कभी भी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा, विकसित नहीं करेगा और न ही खरीदेगा। निश्चित रूप से ऐसा हुआ तो यह अमेरिका के लिए एक कामयाबी होगी, और विश्व में शांति को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। इस नए परमाणु समझौते के लागू होने से ईरान पर लगे सभी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध हटा दिए जाएंगे। 2015 के समझौते में केवल परमाणु से जुड़े प्रतिबंध हटे थे, लेकिन आतंकवाद और मानवाधिकार के मुद्दे पर प्रतिबंध जारी थे। इस बार पूरी राहत का वादा है। इसके अलावा युद्ध के बाद ईरान को दोबारा खड़ा करने के लिए 300 अरब डॉलर का फंड बनाया जाएगा। लेकिन दिलचस्प यह है कि ट्रंप ने साफ किया है कि अमेरिका इसमें कोई पैसा नहीं देगा। तो अमेरिका अगर इसके लिए फंड नहीं देगा तो फिर कौन देगा।

बेशक, अमेरिका ने ईरान को काफी नुकसान पहुंचाया है। अमेरिकी और इस्राइली हवाई हमलों ने ईरान की पारंपरिक नौसेना और वायु सेना को लगभग नष्ट कर दिया। ईरान की मिसाइल निर्माण क्षमता काफी साल पीछे चली गई है और उसके मिसाइल स्टॉक का लगभग एक-तिहाई से आधा हिस्सा तबाह हो गया है। अमेरिका-इजरायल के हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई मारे गए, जिससे ईरानी शासन को गहरा झटका लगा। ईरान ने वैश्विक तेल आपूर्ति के इस सबसे महत्वपूर्ण रास्ते को बंद कर दिया था। नए समझौते के तहत अमेरिका इस नाकेबंदी को हटवाने और व्यापारिक जहाजों के लिए इसे फिर से सुरक्षित खुलवाने में सफल रहा। जाहिर है, ईरान की भी यह मजबूरी है कि वह इस संधि को स्वीकारे। बेशक, उसकी स्थिति घुटनों पर आने की है, लेकिन मुस्लिम भाईचारे में अपनी नाक बचाने और दुनिया के समक्ष एक असफल मुल्क कहलाने के बजाय अपने वजूद के लिए लड़ते रहने वाले देश के रूप में उसने अपनी पहचान को स्थापित करने के लिए एक सम्मानजनक संधि स्वीकार करने की जिद की। इस युद्ध के दौरान ईरान भारी नुकसान उठाना पड़ा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का मुख्य उद्देश्य ईरान में शासन परिवर्तन करना और ईरान समर्थित प्रॉक्सी समूहों, जैसे हिजबुल्ला और हूती को पूरी तरह खत्म करना था। हालांकि, भारी हमलों के बावजूद ईरान का शासन तंत्र सुरक्षित बचा रहा और उसके प्रॉक्सी नेटवर्क पूरी तरह समाप्त नहीं हुए। बहरहाल, इस संधि की कमी पेशी जो भी हों, यह बड़ी बात है कि अब अमेरिका और ईरान ने इस युद्ध को खत्म करने का निर्णय ले लिया है। वैश्विक समुदाय ने इस दिशा में भरसक प्रयास किए थे, जिनके बाद अब यह समय आया है। संभव है, विश्व में महंगाई के बढ़ते दबाव को अब रोका जा सकेगा।

टच कीजिए टच-स्क्रीन!

दैनिक अर्थ प्रकाश

स्पिरिचुअल हीलर
सिद्ध गुरू प्रमोद निर्वाण
गिनीज़ विश्व रिकॉर्ड विजेता लेखक

अल्बर्ट आइंस्टीन को भला कौन नहीं जानता? आइंस्टीन केवल एक साधारण वैज्ञानिक ही नहीं थे, वे एक महान वैज्ञानिक और सिद्धांतकार थे। अपने क्रांतिकारी विचारों और खोजों से उन्होंने आधुनिक विज्ञान की दिशा ही बदल दी। उन्होंने कई ऐसे सिद्धांत दिए, जिनसे आज की तकनीक, अंतरिक्ष विज्ञान और परमाणु ऊर्जा तक प्रभावित हुए हैं। सापेक्षता का सिद्धांत उनकी सबसे प्रसिद्ध खोज है। उन्होंने बताया कि समय, दूरी और गति स्थिर नहीं होते, बल्कि परिस्थिति के अनुसार बदल सकते हैं। इसी सिद्धांत की वजह से आज ब्लैक होल, गुरुत्वीय तरंगें और ब्रह्मांड की कई घटनाएँ समझी जा सकीं। उनकी एक और प्रमुख खोज थी कि पदार्थ और ऊर्जा एक-दूसरे में बदले जा सकते हैं। इसी सिद्धांत ने आगे चलकर परमाणु ऊर्जा और परमाणु बम के विकास का रास्ता खोला। फोटोइलेक्ट्रिक प्रभाव की उनकी खोज से सिद्ध हुआ कि प्रकाश केवल तरंग नहीं, बल्कि फोटॉन नामक छोटे-छोटे ऊर्जा कणों के रूप में भी काम करता है, इसी खोज के लिए उन्हें 1921 में नोबेल पुरस्कार मिला। सोलर पैनल, कैमरे के सैंसर, टीवी और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से जुड़ी बहुत सी तकनीकें इसी सिद्धांत पर आधारित हैं। आइंस्टीन के इन सिद्धांतों के कारण ही आज प्रयोग होने वाले जीपीएस सिस्टम, परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष अनुसंधान, लेज़र तकनीक और सोलर ऊर्जा आदि के क्षेत्रों का विकास हो सका। आइंस्टीन को संगीत से बहुत प्रेम था और वे नियमित रूप से वायलिन बजाया करते थे। वे शांति के समर्थक थे और युद्ध के खिलाफ बोलते थे। यही कारण है कि आइंस्टीन को केवल एक वैज्ञानिक नहीं, बल्कि मानव इतिहास के सबसे प्रभावशाली विचारकों में गिना जाता है।

अल्बर्ट आइंस्टीन ब्रह्मांड के रहस्य समझा सकते थे – रोशनी, समय, गुरुत्वाकर्षण और इस दुनिया की बनावट तक, लेकिन उनके जीवन का एक दुखद अध्याय यह है कि वे अपने और अपने बेटे के बीच की दूरी कम नहीं कर सके। उनका छोटा बेटा एडुआर्ड बहुत भावुक, बुद्धिमान और प्रतिभाशाली था। उसे कविता से प्रेम था, वह शोपां का संगीत बहुत सुंदर बजाता था, और मनोचिकित्सक बनने का सपना देखता था। आइंस्टीन उसे बहुत प्यार करते थे, लेकिन जब आइंस्टीन का विवाह टूटा, तब वे बेटे के जीवन में धीरे-धीरे दूर होते चले गए। वे चिट्ठियों में तो पिता बने रहे, पर जीवन में साथ नहीं दे सके।

बड़ा होने पर एडुआर्ड को मानसिक बीमारी हो गई। उसने अपना अधिकतर जीवन ज्यूरिख के एक मानसिक चिकित्सालय में बिताया। उस समय तक आइंस्टीन पूरी दुनिया में प्रसिद्ध हो चुके थे और प्रिंस्टन में रहते थे। वे पैसे भेजते थे, कभी-कभी पत्र लिखते थे और बेटे का हाल पूछ लेते थे, लेकिन वे उससे फिर कभी मिलने नहीं गए। उनके स्वर्गवास के कई वर्षों बाद, आइंस्टीन के कागज़ों में एक ऐसा पत्र मिला, जो उन्होंने एडुआर्ड के लिए लिखा था, पर कभी भेजा नहीं। उस पत्र में उन्होंने याद किया कि बचपन में उनका बेटा कैसे शोपां बजाया करता था। फिर उन्होंने एक ऐसी पंक्ति लिखी, जिसने सब कुछ कह दिया – मुझे तुम्हारे साथ और अधिक समय बिताना चाहिए था। मैं विचारों के पीछे भागता रहा, जबकि मुझे तुम्हारे पीछे भागना चाहिए था।

वह पत्र कभी भेजा नहीं गया। एडुआर्ड उसे कभी पढ़ नहीं पाया। अपने अंतिम दिनों में एडुआर्ड अस्पताल में ही रहा। उसके बिस्तर के पास हमेशा अपने पिता की तस्वीर रखी रहती थी। जब आइंस्टीन की मृत्यु हुई, तब एडुआर्ड को यह समाचार दिया गया। वह लंबे समय तक चुप बैठा रहा। फिर वह कमरे में गया और शोपां का संगीत बजाने लगा।

यह केवल आइंस्टीन की कहानी नहीं है। यह उन शब्दों की कहानी है, जिन्हें हम कहना चाहते हैं, उन फ़ोन कॉल्स की कहानी है, जिन्हें हम टालते रहते हैं, उन चिट्ठियों की कहानी है, जिन्हें हम कभी भेज नहीं पाते। जीवन के सबसे बड़े पछतावे अक्सर उन कामों के नहीं होते, जो हमने किए। वे उन भावनाओं के होते हैं, जिन्हें हमने महसूस तो किया, लेकिन कभी कह नहीं पाए। सच तो यह है कि मन की बातें कभी दबाकर नहीं रखनी चाहिए। इससे गलतफहमियां और मन में कल्पनाएं पैदा होती हैं। जब बहुत अधिक चुप्पी होती है, तब इंसान जरूरत से ज़्यादा सोचने लगता है, इसलिए अपने भाव थोड़ा खुलकर व्यक्त करना सीखिए। हर व्यक्ति आपके मन की बात अपने-आप नहीं समझ सकता। अगर हमें कुछ चाहिए तो हमें साफ़-साफ़ कह देना चाहिए। नाराज़ होकर यह उम्मीद मत रखना गलत है कि सामने वाला हमारी चुप्पी समझ जाएगा। अगर हम किसी को पसंद करते हैं तो भी बताना चाहिए। मन ही मन दुखी होते रहने से कुछ नहीं बदलता। अगर हमें कोई बात या कोई व्यक्ति अच्छे नहीं लगते तो विनम्रता से सच बोल देना श्रेयस्कर है। दूरी बनाकर यह उम्मीद मत रखना गलत है कि सामने वाला इशारा समझ जाएगा।

जीवन का एक बहुत सरल नियम है, जो इंसान की पूरी दुनिया बदल सकता है। मन की बात कह मन में रखने के बजाए कह देनी चाहिए। उसे हम भीतर न दबायें। चिट्ठी लिखें तो भेज भी दें। बहुत देर होने से पहले ही कह भी दें और याद रखें कि जीवन में मिले लोगों और ईश्वर की कृपाओं के प्रति अपना प्रेम और आभार बिना झिझक जताते रहें। हमारा हृदय आधुनिक स्मार्ट फोन की टच-स्क्रीन की तरह का है। इसे टच करते रहें, छूते रहें, मन को सहलाते रहें, दुलारते रहें तो प्रेम बना रहेगा, रिश्तों की मिठास बनी रहेगी। मां-बाप की व्यस्तता के बीच अकेलेपन से जूझ रहे बच्चे जब अपने मन की बात किसी को नहीं कह पाते तो गलत राहों पर मुड़ जाते हैं।

मोबाइल फोन, इंटरनेट और गलत संगत उन्हें किसी भी ऐसी दिशा में धकेल सकती है जहां बाद में सिर्फ पछतावा ही हाथ लगता है। बच्चे की भावनाओं को समझें, उसे बोलने का मौका दें, गलतियां करने और सीखने का मौका दें। बच्चे का ध्यान रखें, उसका उत्साह बढ़ाएं, उसे सही समय पर मार्गदर्शन दें पर कठोर न बनें, अनुशासन ऐसा न हो कि वह बंदिश बन जाए। कभी-कभार उसे मनमानी भी करने दें, मन का गुबार निकलता रहे, उबाल निकलता रहे तो कुकर प्रेशर फटता नहीं। हमें याद रखना चाहिए कि मन बहुत कोमल है, टच-स्क्रीन की तरह संवेदनशील है, इसे टच करते रहिए, खुशियां बांटते रहिए और खुद भी खुश रहिए। इसी में जीवन की सार्थकता है।

योग यात्रा

दैनिक अर्थ प्रकाश

'योग' परमपिता परमात्मा तक पहुंचने का दिव्य मार्ग है यह परमात्मा से प्रवाहित होकर हम मनुष्यों तक पहुंचा है। भगवान शिव को 'आदियोगी' तथा श्री कृष्ण को 'योगीराज' कहा जाता है। जब हम भगवान शिव का ध्यान करते हैं तो गहन समाधि में निमग्न, असीम शांति देती हुई आदियोगी की छवि ही दिखाई देती है और जब हम श्री कृष्ण का ध्यान करते हैं तो केवल आनंद में मग्न लीलाएं करते आनंद बिखरते परम पुरुष की छवि ही दिखाई देती है जिनको देखने मात्र से हम दुःख से एक क्षण को परे हो जाते हैं। जहां एक ओर आदियोगी स्वयं किसी परमात्मा की साधना करते दिखाई देते हैं वहीं योग के दिव्य ज्ञान को श्रीकृष्ण ने अर्जुन के साथ प्रश्नोत्तर रूप में प्रकट किया, जो 'श्रीमद्भगवद्गीता' के रूप में समस्त मानवता का पथप्रदर्शन कर रहा है। जिसमें एक साधारण मनुष्य के मन में उठने वाले सभी प्रश्नों के उत्तर हैं। जब हमारे आराध्य स्वयं साधना में रत रहते हैं तो हम मनुष्यों की तो बात ही क्या है। आदियोगी शिव ने मत्स्येंद्र नाथ जी को योग की दीक्षा दी। गुरु मत्स्येंद्र नाथ जी द्वारा होता हुआ हठ योग गुरु गोरखनाथ जी तक पहुंचा। गुरु गोरक्षनाथ, महर्षि पतंजलि और इसके बाद बहुत से ऋषि महर्षि और गुरुओं ने इसे साधारण मनुष्यों के लिए सर्व सुलभ और सर्व ग्राही बनाया। योग की 2 परंपराएं हैं भगवान शिव से हठ योग तथा भगवान विष्णु से राजयोग। एक तीसरा है भक्ति योग जो सभी मनुष्यों के लिये परम सरल है। वे व्यक्ति जिन्हें पूर्व के दोनों योग मार्ग कठिन जान पड़ते हैं वे भक्तिमार्ग के द्वारा परमात्मा तक पहुँच सकते हैं। साधनों के भेद से योग को 1 राजयोग अर्थात ध्यान योग , 2 ज्ञानयोग अर्थात सांख्य योग, 3 कर्म योग अर्थात निष्काम कर्म आनासक्तियोग, 4 भक्ति योग, 5 हठ योग आदि श्रेणियों में विभक्त किया गया है ।

वस्तुतः ये योग परमात्मा को पाने या यों कहें की परमात्मा तक पहुंचने के मार्ग हैं हमारे सभी ग्रंथों में यही वर्णन मिलता है और हमारे ऋषियों ने इसी यात्रा को पूरी करने के लिए बहुत से ग्रंथ लिख डाले जिन्हें पढ़कर हम वास्तविक स्थिति को जान सकते हैं कि हम इस यात्रा में कहां तक पहुंचे हैं अथवा हम ने स्वयं को कितना सार्थक बनाया है कि हम योग के मार्ग पर चल सके या अभी हम तन और मन से इस यात्रा से बहुत पीछे हैं। इस योग यात्रा की हमने कितनी तैयारी की है।

यदि आपको एहसास होता है कि आप सभी के लिए निर्मल हृदय रखते हैं तथा कुछ है आपके आसपास जो हर पल आपकी सहायता करता रहता है तो आप

योग के सही मार्ग पर हैं। अन्यथा सर्वप्रथम अपने मन को स्वच्छ और निर्मल कीजिए। यह भक्ति मार्ग है जिसमें आप शनैः शनैः स्वयं आगे बढ़ते रहते हैं ।

श्रीमदभगवद्गीता

यो मां पश्यति सर्वत्र सर्व च मयि पश्यति।
तस्याहं न प्रणश्यामि स च मे न प्रणश्यति।।6.30।।

भावार्थः जो साधक मुझे सर्वत्र देखता है और सम्पूर्ण जगत को मुझमें देखता है, वह मुझसे कभी अलग नहीं होता और मैं उससे कभी अलग नहीं होता।

योग का बहुत प्रचलित मार्ग है 'हठ योग'। जैसा कि नाम से ही प्रतीत होता है कि हठपूर्वक इस मार्ग पर चल पड़ना। कठिन साधना के द्वारा योग को प्राप्त हो जाना। घेरंड संहिता में 'महर्षि घेरंड' ने हठयोग के 7 अंगों (साधनों) का वर्णन किया है, जिसे 'सप्तांग योग' या 'घटस्थ योग' कहा जाता है।

ये सात अंग निम्नलिखित हैं-

षट्कर्म (शोधन): शरीर को शुद्ध और रोगमुक्त करने के लिए 6 क्रियाएं (धौती, बस्ती, नेति, त्राटक, नौली और कपालभाति)।

आसन (दृढ़ता): शरीर को मजबूती और स्थिरता प्रदान करने वाले विभिन्न शारीरिक अभ्यास।

मुद्रा (स्थिरता): मन की स्थिरता और ऊर्जा के प्रवाह को नियंत्रित करने वाली मुद्राएं।

प्रत्याहार (धैर्य): इंद्रियों को बाह्य विषयों से हटाकर भीतर की ओर मोड़ना।

प्राणायाम (लाघव - हल्कापन): श्वास-प्रश्वास के नियंत्रण द्वारा प्राण ऊर्जा को बढ़ाना।

ध्यान (प्रत्यक्ष): मन को एकाग्र करके ईश्वर या आत्मा का साक्षात्कार करना।

समाधि (निर्लिप्तता): परम अवस्था की प्राप्ति, जहाँ साधक सांसारिक बंधनों से मुक्त हो जाता है।

महर्षि घेरंड के अनुसार, इन 7 अंगों के निरंतर अभ्यास से साधक का शरीर, मन और आत्मा परिपक्व होकर मोक्ष प्राप्त करने योग्य बन जाते हैं।

महर्षि पतंजलि के 'योगसूत्र' में योग के आठ अंग बताए गए है। ये आठ अंग निम्नलिखित हैं-

यमः नैतिक और सामाजिक अनुशासन (अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह)।

नियमः व्यक्तिगत और आंतरिक अनुशासन (शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय और ईश्वर प्राणिधान)।

आसनः शारीरिक स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए विभिन्न शारीरिक मुद्राएं।

प्राणायामः श्वास-प्रश्वास को नियंत्रित करने की श्वास प्रक्रिया।

प्रत्याहारः इंद्रियों को बाहरी विषयों से हटाकर भीतर की ओर मोड़ना।

धारणाः मन को किसी एक वस्तु या विचार पर केंद्रित करना (एकाग्रता)।

ध्यानः बिना किसी व्यवधान के निरंतर मन को शांत और केंद्रित रखना।

समाधिः ध्यान की सर्वोच्च अवस्था, जहाँ साधक और ईश्वर (परमात्मा) एक हो जाते हैं।

योग के साधक इन अंगों के परिचय द्वारा स्वयं को जान सकते हैं कि वह अभी किस स्थिति में है और किस स्थिति तक उन्हें पहुंचना है। योग केवल शरीर को स्वस्थ बनाना ही नहीं है वरन् स्वयं को ईश्वर में एकाकार कर लेना, आत्मा को उस परमात्मा में लीन करना ही वास्तविक 'योग' है। यह वह स्थिति है जहां 'मैं' शेष नहीं रहता सब 'ईश्वर' हो जाता है।

– सपना 'अनुश्री'

अर्थ प्रकाश में 34 साल पहले आज का दिन

पुस्तकीय ज्ञान से दूर अस्तित्व का संघर्ष जरूरी है

चंडीगढ़। शिक्षा मात्र शिक्षा न होकर व्यावहारिक शिक्षा होनी चाहिए। व्यक्ति अगर पीएचवी तक भी पढ़ गया है और उसे अपने छोटे-बड़े दूर और नजदीक लोगों से व्यवहार करना नहीं आता, बात करनी नहीं आती, तो शिक्षा अपने आप में अपूर्ण है। आज के युग में हर व्यक्ति दूसरे से आगे बढ़ना चाहता है और आगे बढ़ने के लिए छोट-छोटे सिद्धांत जो महत्व में बहुत बड़े होते है। हमारे जहन में बहुत बड़े होते हैत्र हमारे जहन में घर नहीं करते। उन्हें हमें साथ रखकर आगे बढ़ना चाहिए।

ज्ञान सागर : देखें आज के दिन क्या घटा

1837 क्वीन विक्टोरिया मात्र 18 साल की उम्र में ब्रिटेन की महारानी बनी। 1901 तक वे इस पद पर रहीं।

1840 सैमुएल मोर्स को टेलीग्राफ का पेटेंट मिला था।

1858 ग्वालियर के किले पर ब्रिटिश सेना का कब्जा और इसके साथ ही सिपाही विद्रोह का अंत हुआ।

1873 भारत में वाई.एम.सी.ए. की स्थापना।

1887 मुंबई स्थित विक्टोरिया टर्मिनस (छत्रपति शिवाजी टर्मिनस) लोगों के लिए खुला। आज यह देश के सबसे व्यस्त रेलवे स्टेशनों में से एक है।

1895 कैरोलिना विलर्ड बाल्डविन ने कॉर्नेल यूनिवर्सिटी से पीएचडी की। किसी अमेरिकी यूनिवर्सिटी से पीएचडी करने वाली वे पहली महिला हैं।

बोल ब्यूटीफुल

अश्विनी उपाध्यायः कानून अच्छा है इसलिए चीन, जापान, सिंगापुर जैसे देशों में किसी के मकान-दुकान में भी सामान्य तौर पर चोरी नहीं होती है। कानून घटिया है इसलिए मकान-दुकान ही नहीं, बल्कि भारत के मंदिर में भी चोरी होती है।

भारत की नई कृषि यात्रा : फसल से आगे, समृद्धि की ओर

दैनिक अर्थ प्रकाश

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में भारतीय कृषि एक नए दौर में प्रवेश कर चुकी है। पहले हमारी सबसे बड़ी चिंता यह थी कि देश में अनाज की कमी न हो, किसी तरह भूख से बचाव हो जाए। आज मोदी जी की दूरदर्शिता और किसान-हितैषी नीतियों ने कृषि को सिर्फ 'उत्पादन का क्षेत्र' नहीं रहने दिया, बल्कि किसान की समृद्धि, जोखिम-सुरक्षा, पोषण सुरक्षा, हरित तकनीक और ग्रामीण विकास का समन्वित आधार बना दिया है। हरित क्रांति के बाद पहली बार नीतियों का फोकस केवल 'कितना उत्पादन' पर नहीं, बल्कि 'किसान की वास्तविक आय कितनी, खेती कितनी टिकाऊ, और ग्रामीण अर्थव्यवस्था कितनी मज़बूत' पर आ गया है। इसी सोच से दलहनङ्कतिलहन मिशन, कॉटन मिशन, प्राकृतिक खेती मिशन, प्रधानमंत्री धनङ्कधान्य कृषि योजना, खेत बचाओ अभियान, डिजिटल कृषि और शोधङ्कनवाचार; सबको एक ही व्यापक दृष्टि से जोड़ा जा रहा है।

उत्पादन से आगे-आय, सुरक्षा और ग्रामीण अर्थव्यवस्थाः आज भारत खाद्यान्न उत्पादन में 3765.63 लाख टन के रिकॉर्ड स्तर पर है, जो देश के इतिहास में सबसे ज्यादा है। धान, गेहूँ, मक्का, दालें और तिलहन- सभी में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुई है। यह केवल ज्यादा पैदावार नहीं, बल्कि कुल ग्रामीण अर्थव्यवस्था में आए विस्तार और मजबूती का प्रमाण है। साथ-साथ, मोदी सरकार ने किसान की जोखिम-सुरक्षा को भी प्राथमिकता दी है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (PM-KISAN) के तहत अब तक 22 किस्तों के माध्यम से किसानों के खातों में सीधे 4.27 लाख करोड़ रुपए से अधिक की सहायता पहुँच चुकी है, जिससे 9 करोड़ से ज़्यादा किसान परिवारों को हर साल नियमित आय-समर्थन मिलता है। वहीं, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY) ने देशभर में करोड़ों किसान-आवेदनों को कवर करते हुए फसल के नुकसान की स्थिति में एक मज़बूत बीमा कवच दिया है। सिंचाई, ग्रामीण सड़कों, कृषि-अवसंरचना, वेयरहाउस और कोल्ड-चेन में निवेश ने उत्पादन, भंडारण और बाज़ार तक पहुँच- तीनों को मजबूत किया है। कृषि अब सिर्फ खेत की मेड़ तक सीमित नहीं है। डेयरी, मत्स्य, कुक्कुट, बागवानी, मधुमक्खी-पालन, खाद्य-प्रसंस्करण, भंडारण, ग्रामीण उद्योग, सौर ऊर्जा और सेवा-क्षेत्र; सब मिलकर नई ग्रामीण अर्थव्यवस्था का निर्माण कर रहे हैं।

दलहन, तिलहन और कॉटन मिशन-आत्मनिर्भरता और मूल्य-सुरक्षाः लंबे समय तक दालें, खाद्य तेल और कपास-तीनों क्षेत्र हमारी पूरी क्षमता से पीछे रहे। हम दालों और तेलों के लिए आयात पर निर्भर रहे और कपास में भी किसानों को वैश्विक उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ा। मोदी सरकार ने इन तीनों को रणनीतिक प्राथमिकता देते हुए अलग-अलग मिशन के रूप में आगे बढ़ाया है। राष्ट्रीय दलहन मिशन के माध्यम से तुअर, उड़द, मसूर, चना और अन्य दालों का क्षेत्र और उत्पादकता बढ़ाने के लिए बीज से लेकर बाज़ार तक पूरी वैल्यू चेन पर काम हो रहा हैङ्क उच्च-उपज किस्में, क्लस्टर आधारित खेती, प्रसंस्करण इकाइयाँ, MSP का सुदृढ़ ढाँचा, सरकारी खरीद, भंडारण और निर्यात तक। लक्ष्य यह है कि भारत दालों में पूरी तरह आत्मनिर्भर बने, आयात बिल घटे और किसानों को उच्च मूल्य वाली इन फसलों से स्थायी आय मिले। इसी तरह तिलहन मिशन के ज़रिए सरसों, सोयाबीन, सूरजमुखी, तिल और पाम ऑयल जैसी फसलों पर विशेष जोर दिया जा रहा है। यह केवल पैदावार बढ़ाने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि खाद्य तेलों में आत्मनिर्भरता, किसानों को बेहतर दाम और देश की तेल सुरक्षा मजबूत करने की दिशा में व्यापक रणनीति है। इसके साथ-साथ कॉटन मिशन के तहत कपास की उच्च-उपज और कीट-रोधी किस्में, उन्नत कृषि-प्रणालियाँ, कीट-प्रबंधन, फसल विविधीकरण, टेक्सटाइल वैल्यू-चेन से बेहतर जुड़ाव और गुणवत्ता सुधार पर काम हो रहा है। कपास भारत के लाखों किसानों के लिए नकदी फसल है; मिशन का उद्देश्य है कि किसान को उत्पादन के साथ-साथ वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा योग्य गुणवत्ता, बेहतर मूल्य और स्थिर आय भी मिल सके।

प्राकृतिक खेती मिशन- 1 करोड़ किसान, 75 लाख हेक्टेयर की नई राहः तेज़ी से बढ़ती रासायनिक निर्भरता, मिट्टी की थकान और भूजल पर दबाव- ये सब हमें आगाह कर रहे हैं कि खेती के तरीके बदलने होंगे। इसी समझ के साथ हमारे विजनरी प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में प्राकृतिक खेती को एक राष्ट्रीय मिशन के रूप में आगे बढ़ाया जा रहा है। हमारा संकल्प है कि 1 करोड़ किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए सेंसिटाइज़ किया जाए, उनमें से लगभग 18 लाख किसानों को सक्रिय रूप से प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए तैयार किया जाए और चरणबद्ध रूप से करीब 75 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को प्राकृतिक खेती के दायरे में लाया जाए।

यह परिवर्तन धीरे-धीरे, वैज्ञानिक प्रमाणों और किसानों के अपने अनुभव के आधार पर आगे बढ़ रहा है। छोटे किसानों को प्रेरित किया जा रहा है कि वे अपनी कुछ भूमि पर प्राकृतिक खेती का मॉडल बनाकर देखें; उन्हें प्रशिक्षण, स्थानीय संसाधनों पर आधारित पैकेज, प्रमाणन, ब्रांडिंग और बाज़ार-जुड़ाव में मदद दी जा रही है। उद्देश्य यह है कि मिट्टी की उर्वरता बढ़े, रासायनिक लागत घटे, जलवायु झटकों के सामने फसलें अधिक टिकाऊ हों और उपभोक्ताओं को स्वास्थ्यप्रद, पोषक भोजन मिल सके।

प्रधानमंत्री धनङ्कधान्य कृषि योजना और फोकस में 100 कम उत्पादन वाले जिलेः भारत जैसे विशाल देश में कुछ क्षेत्र बहुत तेज़ी से आगे बढ़ते हैं, जबकि कुछ जिले अलग-अलग वजहों से पीछे रह जाते हैं। इस असमानता को कम करने के लिए प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना की संकल्पना की गई है। इस योजना के तहत लगभग 100 कम उत्पादन वाले ज़िलों की पहचान की गई है, जहाँ प्रति हेक्टेयर पैदावार राष्ट्रीय औसत से काफी कम है और किसान अपेक्षित लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। इन ज़िलों में 11 विभागों की 36 योजनाओं का कन्वर्जेन्स कर एक समग्र पैकेज दिया जा रहा है- सिंचाई, मृदा स्वास्थ्य, बीज, उर्वरक, फसल विविधीकरण, पशुपालन, बागवानी, कृषि-उपकरण, कौशल विकास, अवसंरचना और बाज़ार-जुड़ाव; सबको एक साथ जोड़कर। सोच यह है कि योजनाएँ अलग-अलग 'साइलो' में न चलें, बल्कि किसान के खेत और गाँव को केंद्र में रखकर सब मिलकर काम करें। इससे नीति का फोकस केवल 'कितना उत्पादन' से आगे बढ़कर इस पर आया है कि कहाँ उत्पादन कम है, वहाँ लक्षित निवेश और प्रयास से कैसे बढ़ाया जाए, और उससे किसान की आय कैसे ऊपर उठे।

खेत बचाओ अभियान- मिट्टी, पानी और किसान का संतुलनः उत्पादन बढ़ाने की दौड़ में कई जगहों पर मिट्टी और पानी पर दबाव बढ़ा है। असंतुलित उर्वरक उपयोग, भूजल का अत्यधिक दोहन और सीमित फसल चक्र ने खेत की सेहत को प्रभावित किया है। यदि समय रहते दिशा न बदली जाए तो आने वाली पीढ़ियों के लिए हम कमजोर खेत और थकी हुई मिट्टी छोड़ेंगे। इस चुनौती को देखते हुए 'खेत बचाओ अभियान' शुरू किया गया है। यह अभियान केवल मिट्टी बचाने का नहीं, बल्कि किसान की आय, भोजन की गुणवत्ता और भविष्य की खाद्य सुरक्षा की रक्षा का अभियान है। इसके पाँच मुख्य संदेश हैं- हर किसान मिट्टी परीक्षण के आधार पर उर्वरकों का उपयोग करे, डीएपी और यूरिया पर अत्यधिक निर्भरता कम करे और संतुलित NPK, सूक्ष्म पोषक तत्व, जैव एवं नैनो उर्वरकों को अपनाए, हरी खाद, जैविक खाद और एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन को बढ़ावा दे, नकली बीज, उर्वरक और कीटनाशकों के विरुद्ध सतर्क रहे और प्रशासन को तुरंत सूचना दे तथा प्राकृतिक खेती और जलवायु×अनुकूल पद्धतियों की ओर संगठित रूप से बढ़े। लक्ष्य यह नहीं कि उर्वरक अचानक कम कर दिए जाएँ, बल्कि यह है कि हर किसान सही मात्रा, सही समय और सही मिश्रण का उपयोग करे, ताकि मिट्टी की सेहत लंबे समय तक बनी रहे, लागत घटे और उत्पादन भी सुरक्षित रहे।

जब खेत बचेगा, तब किसान बचेगा। जब किसान बचेगा, तब कृषि बचेगी और जब कृषि बचेगी, तब भारत का भविष्य सुरक्षित, समृद्ध और आत्मनिर्भर बनेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में यही हमारी नई कृषि यात्रा का सार हैङ्क फसल से आगे, किसान के विश्वास और ग्रामीण भारत की समृद्धि की ओर।

-शिवराज सिंह चौहान

(लेखक केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री हैं।)

दिव्यांगजनों के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वालों को मिलेगा राष्ट्रीय पुरस्कार, 31 तक आवेदन

ऊना, 19 जून (रोहित शर्मा)। दिव्यांगजनों के अधिकारों, शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार, पुनर्वास और सामाजिक समावेशन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं के लिए केंद्र सरकार ने दिव्यांगजन सशक्तिकरण हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार-2026 के लिए आवेदन एवं नामांकन आमंत्रित किए हैं। पात्र उम्मीदवार और संस्थाएं 31 जुलाई, 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

जिला कल्याण अधिकारी आवास पंडित ने बताया कि भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अंतर्गत दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग (डीईपीडब्ल्यूडी) द्वारा दिए जाने वाले ये प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं प्रेरणादायी कार्य करने वाले व्यक्तियों, नियोक्ताओं, नवाचारकर्ताओं, संस्थाओं एवं संगठनों को प्रदान किए जाते हैं।

उन्होंने बताया कि इच्छुक एवं पात्र व्यक्ति, संस्थाएं और संगठन राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल www.awards.gov.in पर केवल ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय से ग्रीन हाइड्रोजन क्षेत्र में शोध करने का किया आह्वान, कहा-

प्रदेश सरकार विश्वविद्यालय को प्रतिवर्ष 150 करोड़ की सहायता कर रही प्रदान

अर्थ प्रकाश/अनिल कुमार शर्मा

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय (एचपीयू), शिमला में विभिन्न विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास किए।

उन्होंने 10.09 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित मल्टी फैकल्टी भवन का उद्घाटन किया। इस भवन में तीन शैक्षणिक मंजिलें, कंप्यूटर-कम-सीबीटी लैब तथा पार्किंग सुविधा उपलब्ध होगी। मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित सीबीटी लैब का भी उद्घाटन किया। यह सुविधा शिक्षण क्षमता बढ़ाने और डिजिटल शिक्षा को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मुख्यमंत्री ने 8.25 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले नए अकादमिक ब्लॉक का शिलान्यास भी किया। यह पांच मंजिला भवन होगा, जिसमें पार्किंग, नई कक्षाएं और बढ़ती छात्र संख्या के अनुरूप अतिरिक्त शैक्षणिक स्थान उपलब्ध करवाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की विभिन्न योजनाओं और परियोजनाओं की समीक्षा भी की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विश्वविद्यालय को सशक्त बनाने के लिए हर संभव सहयोग प्रदान कर रही है तथा इसके विकास के लिए प्रतिवर्ष 150 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि इन पहलों से विश्वविद्यालय के बुनियादी ढांचे, डिजिटल बदलाव और शैक्षणिक उत्कृष्टता को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि वह स्वयं हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के छात्र रहे हैं और विगत वर्षों में यहां काफी सकारात्मक बदलाव आए है। उन्होंने छात्रों को भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान की आवश्यकता पर बल दिया। सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार स्वच्छ और हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। इसी दिशा में सोलन जिले के नालागढ़ में हिमाचल प्रदेश की पहली ग्रीन हाइड्रोजन परियोजना स्थापित की जा रही है। उन्होंने विश्वविद्यालय से ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में शोध करने का आग्रह करते हुए कहा कि इस क्षेत्र में राज्य के लिए अपार संभावनाएं मौजूद हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश, देश को लगभग 90,000 करोड़ रुपये मूल्य की पारिस्थितिकी सेवाएं प्रदान करता है। लेकिन 16वें वित्त आयोग की सिफारिशों के तहत राजस्व घाटा अनुदान (आरडीजी) बंद किए जाने से राज्य को प्रतिवर्ष लगभग 8,000 से 10,000 करोड़ रुपये का नुकसान होने की आशंका है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के प्रयासों से हिमाचल इस चुनौती का दृढ़ता से सामना करेगा और अग्रणी राज्य बनकर उभरेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हिमाचल प्रदेश के अधिकारों की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है और राज्यहित में उपलब्ध संसाधनों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार, हिमाचल प्रदेश को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से कई परिवर्तनकारी कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कंप्यूटर-कम-सीबीटी लैब के माध्यम से शिमला जिले के युवाओं को विभिन्न परीक्षाओं के कंप्यूटर आधारित टेस्ट हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में ही देने की सुविधा मिलेगी। इससे पहले उन्हें ऐसी परीक्षाओं के लिए अन्य जिलों में जाना पड़ता था। विधायक हरीश जनारथा, सुरेश कुमार, संजय अवस्थी, विवेक शर्मा, महापौर नगर निगम शिमला सुरेंद्र चौहान, हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी बैंक लिमिटेड के अध्यक्ष देवेंद्र श्याम, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के कुलपति महावीर सिंह और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

श्री शीतला माता मंदिर के ध्वस्तीकरण पर उठे सवाल, जिलाधीश से जांच की मांग

अर्थ प्रकाश/रोहित शर्मा

ऊना, 19 जून। शहर के दक्षो रोड स्थित श्री शीतला माता मंदिर में चल रहे ध्वस्तीकरण एवं पुनर्निर्माण कार्य को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। सनातन धर्म सभा ऊना के प्रधान प्रिंस राजपूत ने उपायुक्त ऊना को ज्ञापन सौंपकर मामले की उच्च स्तरीय जांच करवाने और आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है।

ज्ञापन में कहा गया है कि श्री शीतला माता मंदिर क्षेत्र के श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है तथा इसका धार्मिक और सामाजिक महत्व अत्यंत महत्वपूर्ण है। सभा का आरोप है कि मंदिर की पुरानी संरचना को ध्वस्त कर पुनर्निर्माण का कार्य किया जा रहा है, जबकि इस संबंध में स्थानीय श्रद्धालुओं, क्षेत्रवासियों एवं अन्य संबंधित पक्षों को विश्वास में नहीं लिया गया।

उन्होंने यह भी सवाल उठाया है कि क्या मंदिर से संबंधित कार्यों के लिए संबंधित विभागों से आवश्यक अनुमतियां एवं स्वीकृतियां प्राप्त की गई हैं या नहीं। इसको लेकर क्षेत्र के लोगों में चिंता और असंतोष का माहौल बताया गया है।

सनातन धर्म सभा ने प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करवाई जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि मंदिर से जुड़े सभी कार्य विधिसम्मत प्रक्रिया और आवश्यक अनुमतियों के अनुरूप ही किए जा रहे हों। यदि जांच में किसी प्रकार की अनियमितता सामने आती है तो जांच पूरी होने तक संबंधित कार्य पर रोक लगाकर नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

हिमाचल के सीबीएसई स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति फिर अटकी, 6084 चयनित अभ्यर्थियों का इंतजार बढ़ा

अर्थ प्रकाश/ संवाददाता

शिमला। हिमाचल प्रदेश के सीबीएसई से संबद्ध सरकारी स्कूलों में नियुक्ति का इंतजार कर रहे हजारों शिक्षकों को फिलहाल राहत नहीं मिली है। शिक्षकों की तैनाती और स्कूल आवंटन को लेकर आज यानी 19 जून को प्रस्तावित कैबिनेट सब-कमेटी की बैठक टल गई है। अब इस बैठक की नई तारीख बाद में तय की जाएगी, जिससे नियुक्ति प्रक्रिया में एक बार फिर देरी हो गई है।

शिक्षा सचिव राकेश कंवर इन दिनों हिमाचल प्रदेश से बाहर हैं और 22 जून को शिमला लौटेंगे। उनके लौटने के बाद ही उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री की अध्यक्षता में कैबिनेट सब-कमेटी की बैठक आयोजित होने की संभावना है। इस बैठक में शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर और तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी भी शामिल होंगे। प्रदेश में सीबीएसई पाठ्यक्रम के तहत शिक्षा व्यवस्था को मजबूत और प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए सरकार ने 158 सरकारी स्कूलों को सीबीएसई से संबद्ध किया था। इनमें से 147 स्कूलों में शिक्षकों की तैनाती के लिए स्क्रीनिंग टेस्ट आयोजित किया गया था। इस परीक्षा में प्रदेशभर से 9,821 शिक्षकों ने हिस्सा लिया था, जिनमें से 6,084 शिक्षक मेरिट सूची में स्थान बनाने में सफल रहे।

शिक्षा विभाग ने मेरिट और शिक्षकों द्वारा दिए गए विकल्पों के आधार पर स्कूल आवंटन की प्रक्रिया शुरू कर दी थी। काउंसलिंग की तैयारी भी की गई थी, लेकिन बाद में इस प्रक्रिया को रोक दिया गया। इसके बाद से चयनित शिक्षक अंतिम निर्णय का इंतजार कर रहे हैं। मेरिट सूची में शामिल कई शिक्षक अपने पसंदीदा स्कूलों में नियुक्ति मिलने की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती नए सीबीएसई स्कूलों में चयनित शिक्षकों की तैनाती और वर्तमान में कार्यरत शिक्षकों के संभावित तबादलों के बीच संतुलन बनाने की बताई जा रही है। इसी कारण नियुक्ति प्रक्रिया को अंतिम रूप देने से पहले विभिन्न विकल्पों पर विचार किया जा रहा है।

कैबिनेट सब-कमेटी की बैठक में यह तय किया जा सकता है कि शिक्षकों की तैनाती केवल मेरिट के आधार पर होगी, विकल्पों को प्राथमिकता दी जाएगी, वरिष्ठता को महत्व मिलेगा या फिर इन सभी पहलुओं को मिलाकर कोई मिश्रित व्यवस्था अपनाई जाएगी। इस संबंध में अंतिम फैसला बैठक में ही लिया जाना है।

बता दें कि प्रदेश के 147 सीबीएसई स्कूलों में कुल 5,623 शिक्षकों की आवश्यकता को देखते हुए हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड, धर्मशाला के माध्यम से स्क्रीनिंग टेस्ट आयोजित किया गया था।

आंगनवाड़ी केंद्र रामपुर में लगा समर रेडीनेस मेला

अर्थ प्रकाश/रोहित शर्मा

ऊना, 19 जून। बाल विकास परियोजना ऊना के पर्यवेक्षक वृत्त झलेड़ा के अंतर्गत आंगनवाड़ी केंद्र रामपुर बाहती ब्राह्मण मोहल्ला में शुक्रवार को समर कैम्प रेडीनेस मेला-1 का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता पर्यवेक्षक कुलवीर कौर ने की। मेले का उद्देश्य छोटे बच्चों को खेल-खेल में विद्यालयी शिक्षा के लिए तैयार करना और अभिभावकों को बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा से जोड़ना रहा। मेले में 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों, उनके माता-पिता, दादा-दादी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान बच्चों के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनके माध्यम से उन्हें सीखने, समझने और अपनी रचनात्मक क्षमता को विकसित करने का अवसर मिला।

कार्यक्रम में अभिभावकों को बच्चों के प्रारंभिक विकास, स्कूल रेडीनेस, भाषा कौशल, सामाजिक व्यवहार और घर पर सीखने के लिए सकारात्मक वातावरण तैयार करने के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही बच्चों के बौद्धिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास में परिवार की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

कैंसर अस्पताल में स्वास्थ्य मंत्री का निरीक्षण मरीजों से संवाद कर परखी स्वास्थ्य सुविधाएं

अर्थ प्रकाश/अनिल कुमार शर्मा

शिमला। स्वास्थ्य मंत्री धनी राम शांडिल ने शुक्रवार को शिमला स्थित इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (आईजीएमसी) के कैंसर अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कैंसर वार्ड का दौरा कर वहां भर्ती मरीजों और उनके परिजनों से सीधे बातचीत की तथा अस्पताल में उपलब्ध उपचार और अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने मरीजों से इलाज, दवाओं की उपलब्धता, जांच सुविधाओं और अस्पताल प्रशासन की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी ली। उन्होंने अस्पताल में भर्ती कई मरीजों और उनके परिजनों से बातचीत कर उनकी समस्याएं भी सुनीं। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कैंसर रोगियों को उपचार के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो और उनकी जरूरतों का विशेष ध्यान रखा जाए।

निरीक्षण के बाद स्वास्थ्य मंत्री धनी राम शांडिल ने कहा कि आईजीएमसी में कैंसर मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अस्पताल में अब ऐसी कई सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिनकी तुलना देश के प्रमुख चिकित्सा संस्थानों में शुमार पीजीआई से की जा सकती है। उन्होंने अस्पताल प्रशासन द्वारा मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सेवाओं पर संतोष भी व्यक्त किया।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रदेश में कैंसर के मामलों में लगातार बढ़ोतरी चिंता का विषय है। ऐसे में सरकार का प्रयास है कि राज्य के लोगों को उपचार के लिए प्रदेश से बाहर न जाना पड़े और उन्हें अपने ही राज्य में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हों। उन्होंने कहा कि कैंसर उपचार से जुड़ी व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ बनाने के लिए सरकार गंभीरता से काम कर रही है। कैंसर वार्ड की क्षमता बढ़ाने, आधुनिक चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराने और विशेषज्ञ चिकित्सकों की संख्या बढ़ाने जैसे विषयों पर भी विचार किया जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

लाहौल-स्पीति में नशा मुक्त सप्ताह का शुभारंभ

केलांग (कुल्लू),19 जून (अशेष शर्मा)। भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के निर्देशानुसार लाहौल मंडल में नशा मुक्त सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। अभियान की शुरुआत विभिन्न विद्यालयों में विद्यार्थियों को नशामुक्ति एवं एंटी-चिट्टा शपथ दिलाकर तथा नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक कर की गई। यह विशेष अभियान 17 जून से 26 जून 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। इस वर्ष अभियान की थीम नशा मुक्त भारत अभियान विकसित भारत की पहचान रखी गई है, जबकि संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय जागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। अभियान के तहत आज पुलिस विभाग द्वारा पुलिस ग्राउंड केलांग में साइकिल रेस एवं दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिताओं को उप पुलिस अधीक्षक (ष्ठस्क्क) रश्मि शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रतियोगिताओं के समापन पर विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों को नशा विरोधी एवं एंटी-चिट्टा शपथ दिलाई गई। विद्यार्थियों एवं युवाओं ने चिट्टा सहित सभी प्रकार के नशीले पदार्थों से दूर रहने तथा दूसरों को भी नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर युवाओं को खेलों और सकारात्मक गतिविधियों के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इसके अतिरिक्त जिले के विभिन्न विद्यालयों में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने नशा मुक्ति, चिट्टा विरोधी अभियान तथा स्वस्थ समाज के निर्माण से जुड़े विषयों पर आकर्षक और संदेशपरक पोस्टर बनाकर अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। बच्चों द्वारा तैयार किए गए पोस्टरों में नशीले पदार्थों के दुष्प्रभाव, युवाओं की भूमिका तथा नशामुक्त समाज के महत्व को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया।

जालोड़ी जोत में इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने पर मंथन

कुल्लू, 19 जून (अशेष शर्मा)। जालोड़ी जोत में इको-टूरिज्म गतिविधियों को सुदृढ़ करने तथा विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा के लिए हिमाचल प्रदेश वन विभाग के तत्वावधान में अधिकारियों और हितधारकों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में अरण्यपाल रामपुर मंडल सी.वी. तासीलदार, एसडीएम बंजार पंकज शर्मा, तहसीलदार आनी, जल शक्ति विभाग, वन विभाग, राष्ट्रीय उच्च मार्ग के अधिकारी, इको-टूरिज्म सोसाइटी के प्रतिनिधि तथा स्थानीय हितधारकों ने भाग लिया। बैठक का संचालन डीएफओ आनी डॉ. चमन लाल राव ने किया। बैठक में जलापूर्ति योजना, पार्किंग व्यवस्था, पर्यटक सूचना केंद्र की स्थापना, प्लास्टिक एवं अन्य कचरे के प्रबंधन तथा इको-टूरिज्म गतिविधियों की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। साथ ही जालोड़ी जोत में अवैध रूप से लगाए गए फूड वैन और रेहड़ी-फड़ी हटाने तथा सड़क किनारे घोषित नो-पार्किंग क्षेत्र को प्रभावी ढंग से लागू करने पर भी चर्चा हुई। रघुपुर किले के विकास से जुड़े प्रस्तावों पर विचार करते हुए बेस कैंप में फूड पॉइंट, पर्यटक सूचना केंद्र और ई-टॉयलेट जैसी सुविधाएं विकसित करने तथा अवैध शेड हटाने की प्रगति की समीक्षा की गई। इसके अलावा पार्किंग, रेन शेल्टर, औषधीय एवं सुगंधित पौधों की डेमोंस्ट्रेटिव नर्सरी विकसित करने और पर्यटन गतिविधियों को व्यवस्थित करने पर भी मंथन हुआ। जल शक्ति विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अगले 10 दिनों के भीतर जालोड़ी जोत में पेयजल सुविधा उपलब्ध करा दी जाएगी। वहीं एसडीएम बंजार पंकज शर्मा ने आश्वासन दिया कि पर्यटकों और स्थानीय हितधारकों की सुविधा के लिए क्षेत्र में शीघ्र ही मोबाइल नेटवर्क सुविधा भी उपलब्ध करवाई जाएगी।

वैज्ञानिक तुड़ाई, ग्रेडिंग, पैकिंग, भंडारण और मूल्य संवर्धन की दी जानकारी

एचपी शिवा परियोजना से बढ़ेगी बागवानों की आय, बौल क्लस्टर में फल प्रसंस्करण एवं कटाई उपरांत प्रबंधन पर कार्यशाला आयोजित

अर्थ प्रकाश/रोहित शर्मा

ऊना, 19 जून। एचपी शिवा परियोजना के अंतर्गत जिला ऊना के बौल क्लस्टर में फल फसलों के कटाई उपरांत प्रबंधन एवं प्रसंस्करण विषय पर एक दिवसीय किसान कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता उपनिदेशक उद्यान, जिला ऊना डॉ. के. के. भारद्वाज ने की।

कार्यशाला में बौल एवं बौल-2 क्लस्टर से जुड़े करीब 30 किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान

किसानों को अमरूद, माल्टा (स्वीट ऑरेंज) और अनार जैसी फल फसलों के बेहतर प्रबंधन, प्रसंस्करण और विपणन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

कार्यशाला में ग्रांट थॉर्नटन के विशेषज्ञ श्रावसाहेब बेंद्रे ने किसानों को फल फसलों की वैज्ञानिक तुड़ाई, ग्रेडिंग, पैकिंग, भंडारण तथा आधुनिक विपणन तकनीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन के माध्यम से किसान अपनी उपज का बेहतर मूल्य प्राप्त कर अतिरिक्त आय अर्जित कर सकते हैं।

उन्होंने अमरूद से जैम, जेली, नेक्टर, पल्प एवं स्क्वैश, माल्टा से जूस, स्क्वैश, कॉन्सन्ट्रेट एवं मुरब्बा तथा अनार से जूस, सिरप, अनारदाना सहित अन्य मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता बनाए रखते हुए प्रसंस्करण को अपनाना किसानों की आर्थिक मजबूती की दिशा में एक प्रभावी कदम है।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत बौल की प्रधान रेखा चौहान ने किसानों को एचपी शिवा परियोजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीकों और वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाकर बागवानी को एक लाभकारी व्यवसाय के रूप में विकसित किया जा सकता है। कार्यक्रम में उद्यान विकास अधिकारी डॉ. वीरेंद्र कुमार, उद्यान प्रसार अधिकारी अनुपम शर्मा एवं वंदना सहित विभाग के अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

सूत्रधार कला संगम कुल्लू का 49वां वर्षगांठ उत्सव 21 से 23 जून तक

अर्थ प्रकाश/अशेष शर्मा

कुल्लू, 19 जून। सूत्रधार कला संगम कुल्लू अपने 49वें स्थापना वर्ष का भव्य आयोजन 21 से 23 जून तक ऐतिहासिक लालचंद प्रार्थी कला केंद्र एवं अटल सदन कुल्लू में करने जा रहा है। संस्था 21 जून 2026 को अपने 49 वर्ष पूर्ण कर स्वर्ण जयंती वर्ष में प्रवेश करेगी।

इस अवसर पर आयोजित होने वाले 49वें सूत्रधार वर्षगांठ उत्सव का मुख्य विषय ÷नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो रखा गया है।

यह जानकारी प्रेस वार्ता के दौरान सूत्रधार कला संगम के अध्यक्ष दिनेश सेन ने दी। उन्होंने बताया कि संस्था द्वारा वर्ष 2002 से अपने रजत जयंती वर्षगांठ उत्सव के माध्यम से कुल्लू घाटी के युवाओं एवं बाल प्रतिभाओं को कला, संस्कृति और समाज सेवा से जोड़कर रचनात्मक गतिविधियों में भागीदारी के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य युवाओं को नशे और अन्य दुर्व्यसनों से दूर रखते हुए उनकी प्रतिभा को उचित मंच प्रदान करना है।

तीन दिवसीय इस सांस्कृतिक महोत्सव में कुल्लू जनपद की विभिन्न शिक्षण संस्थाओं के लगभग 1500 विद्यार्थी 12 विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिताओं के निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय मूल्यांकन के लिए हिमाचल प्रदेश सहित अन्य राज्यों से अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर के ख्यातिप्राप्त निर्णायकों को आमंत्रित किया गया है। विभिन्न विधाओं के लिए अलग-अलग निर्णायक मंडल गठित किए गए हैं।

शूलिनी विवि में में एकता, करुणा व सामाजिक सद्भाव पर दिया जोर

अर्थ प्रकाश/यशपाल कपूर

सोलन। शूलिनी यूनिवर्सिटी के योगानंद सेंटर ऑफ़ स्पिरिचुअल साइंसेज के सहयोग से फैकल्टी ऑफ़ लीगल साइंसेज ने शुक्रवार को इंटरफेथ हार्मनी सिम्पोजियम का आयोजन किया। इसमें जाने-माने कानून विशेषज्ञ, राजनयिक, पूर्व सैनिक, शिक्षाविद और विचारक शामिल हुए और विभिन्न धर्मों के बीच समझ, सम्मान और सद्भाव के महत्व पर चर्चा की।

इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य तेज़ी से विविधतापूर्ण हो रहे समाज में सहानुभूति, करुणा, शांति और सामाजिक एकजुटता को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम के विषय की शुरुआत करते हुए, पूर्व ड्रग्स अधिकारी विवेक अत्रे ने हमारे समय के विरोधाभास पर बात की और उन विभाजनों से ऊपर उठने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया जो अक्सर सार्वजनिक चर्चाओं को आकार देते हैं। सोशल मीडिया, पॉडकास्ट और छोटे डिजिटल कंटेंट के बढ़ते प्रभाव का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि ध्रुवीकरण से निपटने और लोगों के बीच बेहतर समझ बनाने के लिए आत्म-जागरूकता, आलोचनात्मक सोच और व्यापक दृष्टिकोण विकसित करना ज़रूरी है।

पहली पैनल चर्चा का संचालन लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ.) के. जे. सिंह (रिटायर्ड) ने किया और इसका विषय था सशस्त्र बलों और नागरिक समाज के बीच अंतर-धार्मिक संवाद।

डॉ. मोहम्मद खालिद ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने हमेशा धर्मनिरपेक्ष मूल्यों को बनाए रखा है और सभी धर्मों का समान रूप से सम्मान करके उन्हें समाज के लिए एक मिसाल पेश करनी चाहिए।

लेफ्टिनेंट कर्नल रविंदर जीत रंधावा (रिटायर्ड) ने कहा कि देश की सेवा करते समय भारतीय सैनिक धर्म, जाति, नस्ल और पृष्ठभूमि के अंतर से ऊपर उठकर काम करते हैं। चर्चा में एकता, समावेशिता और आपसी सम्मान के उन मूल्यों पर प्रकाश डाला गया जो सशस्त्र बलों की नींव हैं।

युवाओं से विकसित भारत 2047 के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाने की अपील

अनुराग सिंह ठाकुर ने जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट-नोएडा के 20वें वार्षिक दीक्षांत समारोह को किया संबोधित

अर्थ प्रकाश/शिल्पा शर्मा

हमीरपुर। सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने शुक्रवार को जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, नोएडा के 20वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में दीक्षांत भाषण दिया। समारोह का शुभारंभ संस्थान के चेयरमैन शरद जयपुरिया ने किया। इस अवसर पर वाइस चेयरमैन श्रीवत्स जयपुरिया तथा निदेशक डॉ. प्रभात पंकज सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। अनुराग ठाकुर ने शिक्षा के क्षेत्र में संस्थान की 80 वर्षों की गौरवशाली यात्रा की सराहना करते हुए कहा कि एएसीएसबी मान्यता प्राप्त करने वाला यह देश के अग्रणी संस्थानों में शामिल है। उन्होंने इसे भारत का पहला एआई-नेटिव बिजनेस स्कूल बताते हुए कहा कि यहां से निकलने वाली

नई पीढ़ी कृत्रिम बुद्धिमत्ता से प्रभावित होने के बजाय उसका नेतृत्व करने की क्षमता रखती है।

अनुराग सिंह ठाकुर ने पिछले 12 वर्षों में भारत के व्यापक परिवर्तन का उल्लेख करते हुए इसे रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म की यात्रा बताया। उन्होंने कहा कि जीएसटी संग्रह अप्रैल 2026 में रिकॉर्ड 2.43 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा है तथा दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता के माध्यम से 3.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक की वसूली संभव हुई है। उन्होंने कहा कि भारत आज फ्रैजाइल फाइव से निकलकर विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। देश में प्रतिमाह 1300 करोड़ से अधिक यूपीआई लेनदेन हो रहे हैं और चंद्रयान-3 की सफलता ने भारत की वैज्ञानिक क्षमता को वैश्विक स्तर पर स्थापित किया है। उन्होंने नीति आयोग के आंकड़ों का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2013-14 से 2022-23 के बीच लगभग 24.82 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं।

प्रबंधन के स्नातकों को संबोधित करते हुए अनुराग ठाकुर ने संस्थान की स्टूडेंट फर्स्ट सोच को नेशन फर्स्ट दृष्टिकोण से जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने युवाओं से भारत को प्राथमिकता देने तथा नौकरी तलाशने वालों के बजाय रोजगार सृजित करने वाले बनने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप इंडिया और पीएलआई जैसी योजनाएं युवाओं के लिए नए अवसरों के द्वार खोल रही हैं। उन्होंने कॉरपोरेट जगत में नैतिक नेतृत्व की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि वर्ष 2026 के भारत में विश्वास और चरित्र सबसे महत्वपूर्ण गुण हैं। उन्होंने युवाओं से अपनी तकनीकी और एआई आधारित शिक्षा का उपयोग गांवों और अर्ध-शहरी क्षेत्रों की वास्तविक समस्याओं के समाधान के लिए करने का आग्रह किया, ताकि वे केवल सफल व्यवसाय ही नहीं बल्कि एक मजबूत राष्ट्र के निर्माण में भी योगदान दे सकें।

समापन में अनुराग ठाकुर ने कहा कि तेजी से बदलती वैश्विक परिस्थितियों में निरंतर सीखने की भावना और विनम्रता ही दीर्घकालिक सफलता की कुंजी है। उन्होंने कहा कि जयपुरिया संस्थान के लगभग 50 प्रतिशत पूर्व छात्र दस वर्षों के भीतर जनरल मैनेजर या समकक्ष नेतृत्व पदों तक पहुंचते हैं, जो इस बात का प्रमाण है कि करियर निरंतर विकास की यात्रा है।

शिक्षकों की प्रमोशन और सीएएस बहाली की मांग

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिक्षक कल्याण संघ (हपूटवा) ने माननीय मुख्यमंत्री जी को सौंपा ज्ञापन

अर्थ प्रकाश/अनिल कुमार शर्मा

शिमला। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिक्षक कल्याण संघ (हपूटवा) के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज संघ के अध्यक्ष डॉ. नितिन व्यास के नेतृत्व में हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री से भेंट कर प्रदेश के उच्च शिक्षा संस्थानों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन सौंपते हुए प्रदेश के महाविद्यालयों तथा राज्य के पाँचों विश्वविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की लंबित पदोन्नति तथा कैरियर एडवांसमेंट स्कीम को शीघ्र बहाल करने की माँग को प्रमुखता से उठाया।

संघ के अध्यक्ष डॉ. नितिन व्यास ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि पिछले लगभग चार वर्षों से उच्च शिक्षा संस्थानों में कार्यरत अनेक शिक्षकों की पदोन्नति और सीएएस से संबंधित प्रक्रियाएँ बाधित हैं। इसके कारण शिक्षकों को न केवल व्यावसायिक प्रगति में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, बल्कि उनके मनोबल और कार्यक्षमता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षक लगातार शिक्षण, शोध, नवाचार और छात्र हितों के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं, लेकिन उनकी वैधानिक और सेवा-संबंधी माँगें लंबे समय से लंबित पड़ी हुई हैं।

विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है कि शिक्षकों को समय पर पदोन्नति और सीएएस के लाभ प्राप्त हों। यह केवल शिक्षकों के हित का विषय नहीं है, बल्कि उच्च शिक्षा की गुणवत्ता, शोध गतिविधियों और शैक्षणिक वातावरण को सुदृढ़ बनाने से भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि इस विषय को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाए ताकि प्रदेश के हजारों शिक्षकों को राहत मिल सके।

प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को यह भी बताया कि लंबे समय से पदोन्नति प्रक्रियाओं के रुके रहने के कारण अनेक शिक्षक अपने सेवा-काल की महत्वपूर्ण उपलब्धियों और पात्रताओं के बावजूद उचित शैक्षणिक एवं प्रशासनिक प्रगति से वंचित हैं। संघ ने इस स्थिति को उच्च शिक्षा क्षेत्र के लिए चिंताजनक बताते हुए सरकार से त्वरित हस्तक्षेप की अपेक्षा व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुना तथा शिक्षकों की समस्याओं के प्रति सकारात्मक रुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और शिक्षकों की जायज माँगों पर संवेदनशीलता के साथ विचार किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि शिक्षकों की पदोन्नति और सीएएस से संबंधित विषयों को प्राथमिकता के साथ देखा जाएगा तथा इस दिशा में आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्रदेश के शिक्षकों का योगदान राज्य के शैक्षणिक विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण है और सरकार उनकी समस्याओं के समाधान के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाए हुए है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि इस विषय पर संबंधित विभागों से चर्चा कर आवश्यक निर्णय लेने का प्रयास किया जाएगा ताकि लंबे समय से लंबित मामलों का समाधान संभव हो सके। बैठक के दौरान संघ के प्रतिनिधियों और मुख्यमंत्री के बीच सौहार्दपूर्ण एवं सकारात्मक वातावरण में चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए आश्वासनों का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि सरकार शीघ्र ही इस दिशा में ठोस कदम उठाएगी। संघ ने कहा कि शिक्षकों की यह माँग केवल व्यक्तिगत लाभ तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रदेश में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने से भी जुड़ी हुई है। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिक्षक कल्याण संघ ने मुख्यमंत्री का धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षकों की समस्याओं को सुनने और उन पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देने से शिक्षकों में नई आशा का संचार हुआ है। संघ को विश्वास है कि सरकार अपने आश्वासन के अनुरूप जल्द ही आवश्यक निर्णय लेकर शिक्षकों की लंबे समय से लंबित माँगों को पूरा करेगी।

राहुल गांधी के जन्मदिन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने फल वितरित किए

अर्थ प्रकाश/रोहित शर्मा

ऊना, 19 जून। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के 56वें जन्मदिवस के अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी ने सामाजिक सरोकारों से जुड़ा कार्यक्रम आयोजित कर सेवा और जनकल्याण का संदेश दिया। कमेटी के अध्यक्ष देशराज गौतम की अध्यक्षता में कार्यकर्ताओं ने कुष्ठ आश्रम लाल सिंगी में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पहुंचकर रोगियों के बीच फल वितरित किए तथा उनके स्वास्थ्य और सुखद जीवन की कामना की।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष देशराज गौतम ने कहा कि राहुल गांधी देश के उन नेताओं में शामिल हैं जो लगातार जनता के मुद्दों को प्रमुखता से उठाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी लोकसभा के भीतर और बाहर आम लोगों की आवाज बनकर कार्य कर रहे हैं तथा जनहित से जुड़े विषयों पर मजबूती के साथ अपनी बात रखते हैं। देशराज गौतम ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी देश में लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और जनकल्याण की भावना को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में राहुल गांधी देश का नेतृत्व करते हुए प्रधानमंत्री बनेंगे और देश को विकास तथा प्रगति की नई दिशा देंगे।

सेवा कार्यों के साथ सुंदरनगर ब्लॉक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मनाया राहुल गांधी का जन्मदिन

वृद्ध आश्रम, अनाथ आश्रम और अस्पतालों में किया फल वितरण, भारत जोड़ो यात्रा के संदेश पर हुई चर्चा

अर्थ प्रकाश/आदर्श यादव

सुंदर नगर (मंडी), 19 जून। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता Rahul Gandhi का जन्मदिवस सुंदरनगर ब्लॉक कांग्रेस द्वारा सेवा और जनकल्याण के कार्यों के साथ मनाया गया। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जसवंत ठाकुर के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने स्थानीय वृद्ध आश्रम, अनाथ आश्रमों तथा अस्पतालों में फल वितरित कर लोगों की कुशलक्षेम पूछी। कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के सार्वजनिक जीवन, लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता तथा सामाजिक न्याय के लिए किए जा रहे प्रयासों पर चर्चा की। साथ ही युवाओं ने भी बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए कार्यक्रम को सफल बनाया।

इस अवसर पर आयोजित परिचर्चा में वक्ताओं ने राहुल गांधी की ऐतिहासिक 'भारत जोड़ो यात्रा' और 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने देश में प्रेम, भाईचारे और सामाजिक सद्भाव का संदेश दिया है। वक्ताओं ने कहा कि राहुल गांधी ने गरीब, किसान, मजदूर, दलित, आदिवासी, युवा, छात्र और महिलाओं से जुड़े मुद्दों को सड़क से लेकर संसद तक प्रभावी ढंग से उठाया है। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जसवंत ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाने वाले नेता हैं।

कार्यक्रम में युवा कांग्रेस अध्यक्ष निखिल ठाकुर, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष हेमंत शर्मा, चमन राही, अरुण आर्य, विनोद सोनी, राम सिंह, रविशंकर शर्मा सहित ब्लॉक कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी, वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एनसीसी कैडेट्स को दी भारतीय सेना के वीरता के इतिहास की जानकारी

अर्थ प्रकाश/यशपाल कपूर

सोलन। फर्स्ट एचपी (ब्वॉयज) बटालियन सोलन की ओर से चितकारा यूनिवर्सिटी परिसर में आयोजित 10 दिवसीय वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह कैंप फर्स्ट ब्वॉयज बटालियन सोलन के सीओ कर्नल राजीव थॉमस की देखरेख में चल रहा है। इसमें प्रदेश के 460 एनसीसी कैडेट्स भाग ले रहे हैं। शिविर के पांचवे दिन एनसीसी कैडेट्स को शैक्षणिक सत्र के दौरान चितकारा यूनिवर्सिटी के डीन रिटायर कर्नल रवि कुमार ने भारतीय सेना के वीरता के इतिहास के बारे में जानकारी दी। कर्नल रवि ने स्वतंत्रता के बाद चाहे वो 1962,1965,1971 के युद्ध से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तक के इतिहास के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

इसके अलावा नालागढ़ अग्निशमन विभाग की ओर से आए अधिकारियों व कर्मचारियों ने एनसीसी कैडेट्स को फायर सेफ्टी के टिप्स दिए। साथ ही उन्हें बताया कि आग लगने की स्थिति में हम किस तरह से जानमाल के नुकसान को कम करने की दिशा में अपनी अहम भूमिका निभा सकें। इसके अलावा कैडेट्स को फायरिंग की व्यवहारिक जानकारी दी। इसमें बहुत से कैडेट्स ऐसे थे, जिन्होंने पहली बार राइफल्स से फायर किया।

नशे के खिलाफ नई मुहिम, डीसी ने दिखाई नशा मुक्त एवं स्वास्थ्य युक्त युवा अभियान को हरी झंडी

अर्थ प्रकाश/रोहित शर्मा

ऊना, 19 जून। नशे के बढ़ते दुष्प्रभावों के बीच युवाओं को जागरूक करने और स्वस्थ जीवनशैली की ओर प्रेरित करने के उद्देश्य से शुक्रवार को जिला मुख्यालय ऊना से %नशा मुक्त एवं स्वास्थ्य युक्त युवा अभियान% का शुभारंभ हुआ। हेल्थ केयर फाउंडेशन और सोसाइटी फॉर ह्यूमन अवेयरनेस, मोटिवेशन एंड एक्शन (एसएचएएमए) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस अभियान को उपायुक्त ऊना जतिन लाल ने उपायुक्त परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अभियान के तहत जिले के विभिन्न विद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों में %नशा मुक्त एवं स्वास्थ्य युक्त युवा% विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इसके माध्यम से विद्यार्थियों में नशा मुक्त भारत, स्वस्थ भारत और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत किया जाएगा।

इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि नशा व्यक्ति के शरीर ही नहीं, उसके सपनों, परिवार की उम्मीदों और समाज की ऊर्जा को भी खोखला कर देता है। यदि युवा नशे से दूर रहकर शिक्षा, खेलकूद, कौशल विकास और रचनात्मक गतिविधियों से जुड़ते हैं तो एक स्वस्थ, सशक्त और समृद्ध समाज का निर्माण संभव है।

उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने मित्रों व आसपास के लोगों को भी इस सामाजिक बुराई से बचाने के लिए जागरूक करें। कार्यक्रम में हेल्थ केयर फाउंडेशन ने भारत सरकार के नशा मुक्त भारत अभियान के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने तथा युवाओं को जागरूक, स्वस्थ और जिम्मेदार नागरिक बनाने का संकल्प दोहराया।

इस अवसर पर जिला समन्वयक विशाल ठाकुर, हिमाचल प्रदेश परिवहन प्राधिकरण के सदस्य अशोक ठाकुर, हेल्थ केयर फाउंडेशन के अध्यक्ष देवानंद गौतम, अनिल कुमार, ललिता शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, शिक्षक, छात्र-छात्राएं एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

दिव्यांगता समावेशन एवं जागरूकता कार्यशाला आयोजित

बजौरा(कुल्लू),19 जून (अशेष शर्मा)। सांफिया फाउंडेशन द्वारा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बजौरा में दिव्यांगता समावेशन एवं जागरूकता विषय पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को दिव्यांगता के प्रति संवेदनशील बनाना, समावेशी शिक्षा के महत्व को समझाना तथा दिव्यांग बच्चों के अधिकारों एवं उपलब्ध सरकारी सेवाओं की जानकारी प्रदान करना था। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं कार्यक्रम प्रबंधक बीजू हिमदल ने संस्था की विभिन्न गतिविधियों की विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए बताया कि सांफिया फाउंडेशन किस प्रकार दिव्यांग बच्चों के समग्र विकास के लिए शिक्षा, थैरेपी, परामर्श सेवाएं तथा सरकारी योजनाओं से जोड़ने का कार्य कर रही है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि एक समावेशी समाज के निर्माण के लिए प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान, समान अवसर और सहयोग का वातावरण प्रदान करना आवश्यक है। उन्होंने युवाओं से अपने विद्यालय एवं समुदाय में दिव्यांग व्यक्तियों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया। कार्यशाला के दौरान फिजियोथेरेपिस्ट अनु राणा ने विभिन्न प्रकार की दिव्यांगताओं, उनके प्रारंभिक लक्षणों, समय पर पहचान एवं हस्तक्षेप के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विद्यालय एवं समुदाय स्तर पर समावेशी वातावरण विकसित करने के व्यावहारिक उपायों पर भी चर्चा की। विद्यालय की प्रधानाचार्या कविता कपूर ने अपने संबोधन में कहा कि समावेशी शिक्षा केवल एक नीति नहीं बल्कि एक ऐसी सोच है, जो प्रत्येक बच्चे को उसकी क्षमताओं के अनुरूप आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करती है।

नौणी विश्वविद्यालय और देव संस्कृति विश्वविद्यालय अपशिष्ट से संपदा आधारित अनुसंधान एवं शिक्षा में सहयोग की संभावनाएं तलाशेंगे

अर्थ प्रकाश/यशपाल कपूर

सोलन। सतत नवाचार को बढ़ावा देने तथा मूल्य संवर्धन एवं पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों पर अनुसंधान को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए डॉ. यशवंत सिंह परमार औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, नौणी के एक प्रतिनिधिमंडल ने हरिद्वार स्थित देव संस्कृति विश्वविद्यालय (डीएसवीवी) का दौरा किया। यह यात्रा अनुसंधान, शिक्षा, प्रौद्योगिकी के व्यवसायीकरण तथा उद्यमिता विकास के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं को तलाशने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुई।

दोनों संस्थान अपने-अपने क्षेत्रों में विशिष्ट पहचान रखते हैं। औद्यानिकी, वानिकी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नौणी विवि एक अग्रणी संस्थान है, जबकि डी.एस.वी.वी. पारंपरिक भारतीय ज्ञान प्रणालियों के वैज्ञानिक प्रमाणीकरण, औषधीय रसायन विज्ञान तथा पंचगव्य के चिकित्सीय अनुप्रयोगों पर अपने अग्रणी कार्य के लिए जाना जाता है।

प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कुलपति डॉ. एच.एस. बवेजा ने किया। प्रतिनिधिमंडल में अनुसंधान निदेशक डॉ. देविना वैद्य, वानिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. सी.एल. ठाकुर, पादप रोग विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल हांडा, पुष्प विज्ञान एवं भू-दृश्य वास्तुकला विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. बी.एस. दिल्टा, संयुक्त अनुसंधान निदेशक डॉ. विशाल राणा और सिल्वीकल्चर एवं कृषि वानिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रोहित वशिष्ठ शामिल थे।

प्रस्तावित सहयोग का उद्देश्य पारंपरिक आयुर्वेदिक ज्ञान को आधुनिक वैज्ञानिक एवं प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों के साथ जोड?र गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, नवाचार आधारित अनुसंधान तथा औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए एक सशक्त पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है। विशेष रूप से गो-आधारित बाइ प्रोडक्ट, खासकर गोबर एवं गोमूत्र, के मूल्य संवर्धन तथा उन्नत प्रसंस्करण तकनीकों के विकास और उनकी व्यावसायिक संभावनाओं के दोहन पर बल दिया जाएगा। दौरे के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने डी.एस.वी.वी. के विभिन्न विभागों के वैज्ञानिकों एवं विषय विशेषज्ञों के साथ विस्तृत चर्चा की। टीम ने उन्नत गोपालन केंद्रों तथा गोबर एवं गोमूत्र के उपयोग से संबंधित विशेष प्रसंस्करण इकाइयों का भी दौरा किया। इसके अलावा प्रतिनिधिमंडल ने उन इकाइयों का निरीक्षण किया जहां इन जैविक संसाधनों का उपयोग कर कपड़े और कागज जैसे पर्यावरण-अनुकूल उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं, जो परिपत्र अर्थव्यवस्था तथा अपशिष्ट से संपदा आधारित उद्यमिता के सफल मॉडल प्रस्तुत करते हैं।

18 वर्षों बाद औंसर जाएंगी माता सत्यवती, भगवान पराशर और सत्यवती की प्रेमस्थली पर होगा पावन मिलन

अर्थ प्रकाश/अशेष शर्मा

कुल्लू,19 जून। देवभूमि हिमाचल की प्राचीन देव परंपराओं में एक महत्वपूर्ण अध्याय 20 जून को देखने को मिलेगा, जब माता सत्यवती 18 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद औंसर की यात्रा पर जाएंगी। इस अवसर को लेकर श्रद्धालुओं और देवलुओं में विशेष उत्साह का माहौल है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार औंसर को भगवान पराशर ऋषि और माता सत्यवती की प्रेमस्थली माना जाता है। लोक परंपराओं में यह स्थान दोनों के पावन मिलन और प्रेम का प्रतीक माना जाता है। यही कारण है कि माता सत्यवती का औंसर आगमन श्रद्धालुओं के लिए विशेष धार्मिक महत्व रखता है। 20 जून को माता सत्यवती अपने भव्य देव रथ और पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ औंसर पहुंचेंगी। इस दौरान देव रीति-रिवाजों के अनुसार विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान भी आयोजित किए जाएंगे।

कोरम पूरा नहीं होने से टला नगर पंचायत बंजार अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव

अर्थ प्रकाश/अशेष शर्मा

बंजार(कुल्लू),19 जून। नगर पंचायत बंजार के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद का चुनाव गुरुवार को नाटकीय घटनाक्रम के बीच स्थगित हो गया। कोरम पूरा नहीं होने के कारण चुनाव अधिकारी को चुनाव प्रक्रिया रद्द करनी पड़ी। अब अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद के चुनाव के लिए 22 जून की नई तिथि निर्धारित की गई है।

सुबह 10 बजे से चुनाव अधिकारी पंकज शर्मा नगर पंचायत बंजार के सभागार में पार्षदों का इंतजार करते रहे, लेकिन दोपहर 12 बजे तक कोई भी पार्षद चुनाव प्रक्रिया में शामिल होने नहीं पहुंचा।

इसके बाद बंजार के विधायक सुरेंद्र शौरी अपने समर्थकों के साथ सभागार पहुंचे। यहां केवल भाजपा समर्थित दो पार्षदों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई, जबकि कांग्रेस समर्थित पांच पार्षदों ने चुनाव प्रक्रिया का बहिष्कार करते हुए इसमें भाग नहीं लिया। कोरम पूरा न होने पर चुनाव अधिकारी पंकज शर्मा ने अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद के चुनाव को रद्द करने की घोषणा कर दी। उन्होंने बताया कि अब यह चुनाव 22 जून को आयोजित किया जाएगा। नगर पंचायत बंजार में राजनीतिक समीकरण बेहद रोचक बने हुए हैं।

दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए सरकार प्रतिबद्ध : डॉ. धनी राम

अर्थ प्रकाश/संवाददाता

शिमला। स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. (कर्नल) धनी राम शांडिल ने आज यहां ब्लाइंड पर्सन्स एसोसिएशन और नेशनल फेडरेशन ऑफ ब्लाइंड्स के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक में दिव्यांगजनों के कल्याण से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 100 प्रतिशत दिव्यांगता वाले दिव्यांगजनों के लिए सामाजिक सुरक्षा पेंशन को 1,700 रुपये से बढ़ाकर 3,000 रुपये प्रतिमाह करने का निर्णय लिया है। इस वृद्धि से प्रदेश के लगभग 7,000 दिव्यांगजन लाभान्वित होंगे।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने कहा कि वर्तमान में विभिन्न विभागों में दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लगभग 311 पद रिक्त हैं, जिनमें से 174 पदों पर भर्ती प्रक्रिया अंतिम चरण में है। भर्ती के अंतर्गत शिक्षा विभाग में 41 पद, पशुपालन विभाग में 13 पद, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में 4 पद तथा शेष पद अन्य विभागों में शामिल हैं।

डॉ. शांडिल ने कहा कि हिम बस कार्ड के माध्यम से परिवहन निगम की बसों में निःशुल्क यात्रा, दृष्टिबाधित कर्मचारियों के लिए कौशल प्रशिक्षण, राज्य में दिव्यांगजनों के लिए स्वतंत्र राज्य आयुक्त की नियुक्ति, सहारा पेंशन योजना से जु? मुद्दों तथा मंडी जिले के सुंदरनगर और शिमला जिले के ढली में संचालित दिव्यांगजनों के विशेष विद्यालयों से संबंधित विषयों पर भी सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाएगा।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने ब्लाइंड पर्सन्स एसोसिएशन और नेशनल फेडरेशन ऑफ ब्लाइंड्स के प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार दिव्यांगजनों के कल्याण से जु? सभी मुद्दों और चिंताओं के प्रति संवेदनशील है।

नाटक | हिम रंग षष्ठी' ग्रीष्मकालीन नाट्य समारोह का शुभारंभ

'माई री मैं का से कहूं' के सफल मंचन ने दर्शकों को किया भाव-विभोर

अर्थ प्रकाश/अशेष शर्मा

कुल्लू,19 जून। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय रंगमंडल द्वारा आयोजित 'हिम रंग षष्ठी' ग्रीष्मकालीन नाट्य समारोह 2026 का शुभारंभ आज अटल सदन के अंतरंग ऑडिटोरियम में नाटक 'माई री मैं का से कहूँ' के प्रभावशाली मंचन के साथ हुआ। लगभग खचाखच भरे सभागार में प्रस्तुत इस नाटक को दर्शकों से उत्साहपूर्ण, भावनात्मक और सराहनापूर्ण प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। इस कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ मुख्य अतिथि, अतिरिक्त उपायुक्त अश्वनी कुमार ने पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ किया

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय रंगमंडल द्वारा 18 से 27 जून 2026 तक हिमाचल प्रदेश के कुल्लू, धर्मशाला और शिमला में आयोजित इस विशेष नाट्य यात्रा के अंतर्गत *'माई री मैं का से कहूँ', *'बाबूजी', *'ताजमहल का टेंडर' तथा 'अक्स तमाशा' जैसी चर्चित प्रस्तुतियाँ मंचित की जाएँगी। सभी प्रस्तुतियों में प्रवेश निःशुल्क है।

राजस्थान के प्रख्यात साहित्यकार विजयदान देथा की प्रसिद्ध कहानी 'दुविधा' पर आधारित 'माई री मैं का से कहूँ' स्त्री की इच्छा, संवेदना, स्वायत्तता और सामाजिक मर्यादाओं के बीच चलने वाले द्वंद्व की मार्मिक कथा है। यह नाटक समाज की उस विडम्बना को उजागर करता है जो समानता और प्रगतिशीलता की बात तो करता है, किंतु स्त्री की स्वतंत्र इच्छा को आज भी सीमित दायरों में बाँधकर देखता है। नाटक की कथा एक नवविवाहिता स्त्री के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसका पति विवाह के तुरंत बाद व्यापार के सिलसिले में घर से दूर चला जाता है। उसके जाने के बाद एक भूत, जो उस स्त्री से मोहित हो जाता है, पति का रूप धारण कर उसके जीवन में प्रवेश करता है। वास्तविक और अलौकिक के बीच की रेखाएँ धीरे-धीरे धुंधली होने लगती हैं और स्त्री भावनात्मक तथा नैतिक दुविधाओं में उलझ जाती है। कथा के माध्यम से स्त्री की इच्छाओं, उसके अधिकारों, सामाजिक बंधनों और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के प्रश्नों को अत्यंत संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत किया गया है।

लोककथा, लोकसंगीत और रंगमंचीय सौन्दर्य से समृद्ध यह प्रस्तुति दर्शकों को केवल मनोरंजन ही नहीं, बल्कि सामाजिक यथार्थ और मानवीय संबंधों पर गंभीर चिंतन के लिए भी प्रेरित करती है। आज भी स्त्री का व्यक्तित्व पारिवारिक अपेक्षाओं और सामाजिक नियंत्रण के बीच विभाजित रहता है; नाटक इन्हीं प्रश्नों को संवेदनशीलता और कलात्मक प्रभावशीलता के साथ मंच पर प्रस्तुत करता है। 'माई री मैं का से कहूँ' के इस सफल मंचन ने समारोह की प्रभावशाली शुरुआत करते हुए दर्शकों के मन में गहरी संवेदनाएँ और विचार छोड़ दिए तथा आगामी प्रस्तुतियों के प्रति उत्सुकता और उत्साह को और बढ़ा दिया।

हरियाणा की प्राचीन संस्कृति सांग को फिर जीवंत कर रही सरकार: कृष्ण कुमार बेदी

एसआईआर का मकसद मतदाता सूची में शुद्धिकरण करना

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 19 जून। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि सरकार हरियाणा की प्राचीन संस्कृति सांग को फिर से जीवंत करने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि एसआईआर मतदाता सूची की शुद्धिकरण के लिए होता है, जो पहले से भी होता रहा है। विपक्ष के पास केवल आरोप लगाने के सिवाय और कुछ नहीं है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री शुक्रवार को भिवानी के गांव उमरावत स्थित सूर्य कवि दादा लख्मीचंद आश्रम में प्रसिद्ध दिवंगत लोक कलाकारों की प्रतिमा स्थापना पर हरियाणा कला परिषद और म्हारी संस्कृति-म्हारा स्वाभिमान के तत्वाधान में आयोजित पांच दिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव के समापन समारोह में बोल रहे थे।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने सांग उत्सव में प्रदेशभर से आए लोक कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान सेठ ताराचंद के सांग का मंचन किया गया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने हरियाणा कला परिषद के माध्यम से भी कलाकारों को प्रोत्साहित करने का काम किया है। इससे कलाकारों का मनोबल बढ़ा है। सूर्य कवि दादा लख्मीचंद ने हरियाणवी संस्कृति को नई पहचान देने का कार्य किया था और आज उनकी तीसरी एवं चौथी पीढ़ी उसी विरासत को आगे बढ़ा रही है। प्रदेशभर से आए कलाकारों द्वारा रागनी, सांग और लोकगीतों की प्रस्तुति हरियाणा की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा का प्रतीक हैं।

इस दौरान पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि एसआईआर केवल बीएलओ द्वारा ही नहीं किया जा रहा, बल्कि सभी राजनीतिक दलों ने अपने बीएलए-2 नियुक्त किए गए हैं। सरकार द्वारा एसआर का कार्य पारदर्शिता के साथ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जो लोग देश या प्रदेश छोड़कर कहीं बाहर चले गए, या जिनकी मृत्यु हो चुकी है, उनका नाम मतदाता सूची से हटाना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि 18 वर्ष आयु पूरी कर चुके युवाओं के वोट बनाना जरूरी है। इससे मतदाताओं का लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास और अधिक मजबूत होगा। एसआईआर केवल और केवल मतदाता सूची के शुद्धिकरण के लिए होता है, जो पहले भी होता आया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष एसआईआर पर जनता को गुमराह कर रही है। मतदाता सूची शुद्धिकरण का उद्देश्य लोकतंत्र को मजबूत करना है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री बेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की जनकल्याणकारी नीतियों और लोकप्रियता से प्रभावित होकर विभिन्न विपक्षी दलों के नेता भाजपा की ओर आकर्षित हो रहे हैं। आने वाले समय में भाजपा का जनाधार और अधिक मजबूत होगा।

जी-7 सम्मेलन को लेकर पूछे गए सवाल पर बेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के प्रभावशाली प्रस्तुतीकरण से अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की प्रतिष्ठा बड़ी है। जी-7 सम्मेलन में प्रधानमंत्री का कद, पद और स्तर और अधिक मजबूत हुआ है, जिससे वैश्विक स्तर पर भारत की साख को बड़ी है।

उन्होंने कहा कि विपक्ष हमेशा गलत आंकड़े प्रस्तुत कर लोगों को गुमराह करने का प्रयास करता है, लेकिन देश की जागरूक जनता को सच्चाई का पता है। विपक्षी दलों के नेता सदनों में तथयों और आंक?ों पर चर्चा से बचते हैं तथा विदेशों में जाकर देश के खिलाफ बयानबाजी करते हैं।

नूरमहल चौक से मेरठ रोड तक मार्ग पर आए दिन होते हैं हादसे

दो सालों से खुदा पड़ा हैं यह व्यस्त मार्ग

अर्थ प्रकाश/शैलेंद्र जैन

करनाल, 19 जून। कभी कर्ण नगरी मुख्यमंत्री की नगरी हुआ करती थी। साढ़े नौ साल तक करनाल के सिर सीएम सिटी का ताज रहा। लेकिन कर्ण गनरी अब लावारिस शहर के रूप में सिसक रही है। कहने को करनाल जिले से पांचों विधायक भाजपा के हैं। उसके बाद भी नूर महल चौक से मेरठ चौक तक की रोड दो सालों सो नहीं बनी हैं। ठेकेदार कि किसी की नहीं मानते हैं। इस सड़क को अब खूनी सड़क के रूप में भी जाना जाता हैं। पिछले दिनों सड़ंक के खुदा होने की बजह से एक सकूटी फिसल गई। और सात साल के बच्चे की मौत हो गई। साई मंदिर रोड पर लंबे समय से निर्माण कार्य चल रहा है। एक तरफ सड़क बंद होने के कारण दोनों दिशाओं का ट्रैफिक एक ही लेन से गुजर रहा है, जिससे रोजाना जाम और हादसों का खतरा बना रहता है। लोगों का कहना है कि अव्यवस्थित और खस्ताहाल सड़क के कारण यह हादसा हुआ है, जिसने एक मासूम की जान ले ली। जिम्मेदारों पर कार्रवाई की उठी मांग स्थानीय लोगों ने बिना सुरक्षा इंतजाम के चल रहे निर्माण कार्य पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि लापरवाह ठेकेदारपर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि लापरवाह ठेकेदार और संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों से बचा जा सके। बताया जाता है कि पिछले पांच सालों से यह मार्ग खस्ता हाल पड़ा हुआ था। जलनप्रतिनिधयों की पहल पर इस सड़क को खोद दिया।

योग में हमारे जीवन का पूर्ण समाधानः रामचरण

कैथल (अप्रस)। पतंजलि योग समिति भारत स्वाभिमान जिला कैथल द्वारा 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी के लिए चलाए जा रहे योग शिविर के 20वें दिन का शुभारंभ समाजसेवी सवीना, पवन बंसल ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया। उन्होंने कहा पतंजलि योग समिति व खाटू श्याम सालासर सेवा समिति ने मिलकर योग शिविर का आयोजन जो नगर वासियों के लिए किया है, वह काबिले तारीफ है। योग हमारे जीवन के लिए बहुत ही उपयोगी है, इसलिए हमें नियमित योग करना चाहिए। उन्होंने आह्वान किया कि हम सब लोग 21 जून को होने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर अपने साथ 10-10 लोगों को लेकर आएं ताकि हम औरों के लिए प्रेरणा बन सकें। भारत स्वाभिमान प्रभारी रामचरण व तहसील प्रभारी वीरभान कौशिक ने योगाभ्यास करवाया। उन्होंने बताया कि इस प्राणायाम को करने से कब्ज, डाइजेशन की समस्या जड़ से समाप्त हो जाती है, लीवर और आतें स्वस्थ हो जाती हैं, जठरागनी प्रदीप्त हो जाती है, चेहरे की लालिमा बढ़ जाती है, शरीर में कहीं भी फोड़ा, फुंसी, एग्जिमा, सोरायसिस हो सब ठीक हो जाता है। आगे उन्होंने बताया कि भारत में जनसंख्या के अनुपात में बात करें तो हमारे पास एलोपैथी में भी इतने डॉक्टर नहीं हैं कि वे सब को स्वास्थ्य प्रदान कर सकें।

सशक्त बूथ और सक्रिय कार्यकर्ता ही संगठन की ताकत : बड़ौली

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

सोनीपत। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहनलाल बड़ौली ने कहा कि संगठन की मजबूती का आधार सशक्त बूथ और सक्रिय कार्यकर्ता हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान किया। शुक्रवार को उन्होंने जिले के विभिन्न गांवों में बूथ अध्यक्षों और बीएलए-2 की बैठकों में संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा की। ग्राम पबसरा, सेवली, पतला और बढ़खालसा में आयोजित बैठकों में सदस्यता अभियान, बूथ प्रबंधन और आगामी कार्यक्रमों को लेकर चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं ने बूथ स्तर पर संगठन को और मजबूत करने का संकल्प लिया।

बड़ौली ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में देश ने विकास, सुशासन और गरीब कल्याण के क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल की हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत और किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं से करोड़ों लोगों को लाभ मिला है।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार पारदर्शी और जवाबदेह शासन देने के लिए प्रतिबद्ध है। युवाओं को मेरिट के आधार पर रोजगार उपलब्ध कराने और विकास कार्यों को गति देने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

लंबी अवधि में बेहद फायदेमंद है जीवन बीमा कहीं बड़े हैं इसके लाभ : इंश्योरेंस अवेयरनेस कमेटी

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। जीवन बीमा उद्योग ने जीवन बीमा के प्रति अधिक संतुलित और सही दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया है। उद्योग का मानना है कि इसके दीर्घकालिक लाभ, जिनमें वित्तीय सुरक्षा, जोखिम से बचाव और अनुशासित बचत शामिल हैं, मिस-सेलिंग जैसी छिटपुट चिंताओं की तुलना में कहीं अधिक बड़े और महत्वपूर्ण हैं।इंश्योरेंस अवेयरनेस कमेटी - लाइफ इंश्योरेंस (आईएसी-लाइफ) ने ग्राहकों और हितधारकों से आग्रह किया है कि वे जीवन बीमा को केवल तात्कालिक या अल्पकालिक परिणामों के चश्मे से न देखें, बल्कि इसे लंबी अवधि के वित्तीय सुरक्षा माध्यम के रूप में स्वीकार करें। इंश्योरेंस अवेयरनेस कमेटी (आईएसी-लाइफ) के चेयरमैन कमलेश राव ने कहा, जीवन बीमा को इस तरह तैयार किया गया है कि यह वित्तीय सुरक्षा, परिवारों को मिलने वाले संरक्षण और अनुशासित बचत के माध्यम से दीर्घकाल में वास्तविक लाभ प्रदान करता है। हालांकि, मिस-सेलिंग जैसी चिंताएं निश्चित रूप से मौजूद हैं और उद्योग को इनसे सख्ती से निपटना होगा, लेकिन ये इस पूरे इकोसिस्टम का एक बेहद छोटा हिस्सा हैं, जो आज भी करोड़ों पॉलिसीधारकों को निरंतर बेहतरीन मूल्य और सुरक्षा दे रहा है।

बंधन बैंक ने एफसीएनआर (बी) जमा योजनाओं पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी की

चंडीगढ़। बंधन बैंक ने आज अपने एनआरआई ग्राहकों के लिए आकर्षक एफसीएनआर (बी) जमा योजना की घोषणा की है, जो उन्हें मध्यम से दीर्घकालिक अवधि के लिए अमेरिकी डॉलर से जुड़ी जमा योजनाओं में निवेश का बेहतर अवसर प्रदान करेगी। बैंक 3 से 5 वर्ष की अवधि के लिए 1 मिलियन डॉलर और उससे अधिक की एफसीएनआर (बी) जमा पर 7.1 प्रतिशत ब्याज दर की पेशकश कर रहा है। वहीं, 1 मिलियन डॉलर तक की एफसीएनआर (बी) जमा पर ब्याज दर बढ़ाकर 7 प्रतिशत कर दी गई है।यह पहल एनआरआई ग्राहकों को लंबी अवधि के लिए स्थिर और प्रतिस्पर्धी रिटर्न सुनिश्चित करने में मदद करेगी। साथ ही, विशेष रूप से रुपए के अवमूल्यन की स्थिति में संभावित विनिमय दर उतार-चढ़ाव के जोखिम को कम करने में भी सहायक होगी।इस पेशकश पर टिप्पणी करते हुए, बंधन बैंक के कार्यकारी निदेशक एवं मुख्य व्यवसाय अधिकारी राजिंदर कुमार बब्बर ने कहा, हमें अपने एनआरआई ग्राहकों के लिए यह आकर्षक एफसीएनआर (बी) जमा योजना पेश करते हुए खुशी हो रही है, ऐसे समय में जब वे अपने विदेशी निवेशों में स्थिरता और बेहतर मूल्य की तलाश कर रहे हैं।

कुमाऊं सभा (रजि.) चण्डीगढ़

स्थापित: 1959, प. सं.: 56

कार्यालय पता : # 520 बुड़ैल सेक्टर 45 चंडीगढ़ 160047, Contact 99153-58496

सार्वजनिक सूचना

कुमाऊं सभा, चंडीगढ़ के समस्त आदरणीय सदस्यों को सादर सूचित किया जाता है कि सभा की 'वार्षिक आम बैठक' दिनांक 05 जुलाई, 2026 को सुबह 11:00 बजे से सामुदायिक केंद्र, सैक्टर 27, चंडीगढ़ में आयोजित की जा रही है। इस बैठक में संस्था से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी। सभी सदस्यों से विनम्र निवेदन है कि अपनी गरिमामयी उपस्थिति सुनिश्चित करें और बैठक को सफल बनाएं।

भगत सिंह रावत (महासचिव)
कुमाऊं सभा (रजि.), चंडीगढ़

तिथि:-19.06.2026, स्थान:- चंडीगढ़

AP-1980

पहचान के लिए अपील

आम जनता को सूचित किया जाता है कि 10.06.2026 को पुलिस स्टेशन सेक्टर 39, चंडीगढ़ को GMSH-16 चंडीगढ़ से सूचना मिली कि लगभग 40 साल की उम्र, गोरे रंग और 5´5´´ कद वाले एक पुरुष को CR नंबर 20260252443 के तहत अस्पताल में भर्ती कराया गया था और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस संबंध में पुलिस स्टेशन सेक्टर 39, चंडीगढ़ में DDR नंबर 49, दिनांक 11.06.2026 (धारा 194 BNSS के तहत) दर्ज की गई है। मृतक के कानूनी वारिसों की जानकारी नहीं है। उसकी तस्वीर ऊपर दी गई है।

यदि मृतक के बारे में कोई जानकारी या सुराग मिले, तो कृपया SHO, पुलिस स्टेशन, सेक्टर-39, चंडीगढ़ को मोबाइल नंबर 9779580939, फोन नंबर 0172-2925439, 2677039, या पुलिस कंट्रोल फोन नंबर 0172-2749194 या 112 पर सूचित करें।

चंडीगढ़ पुलिस

AP-1973

मेदांता के विषेशज्ञों ने कैंसर रोगियों को नई आशा प्रदान करते हुए सटीक चिकित्सा में हुई अहम कामयाबियों को उजागर किया

करनाल । कैंसर के उपचार में एक आदर्श बदलाव हो रहा है, जिसमें सटीक चिकित्सा रोग के निदान और प्रबंधन के तरीके को बदल रही है। आणविक निदान, इम्यूनोथेरेपी, लक्षित उपचार और अगली पीढ़ी की विकिरण चिकित्सा में प्रगति, गुरुग्राम स्थित मेदांता - द मेडिसिटी - 2026 में न्यूजवीक द्वारा भारत का सर्वश्रेष्ठ अस्पताल - में डॉक्टरों को व्यक्तिगत रोगियों के लिए उपचार रणनीतियों को तैयार करने में सक्षम बना रही है, जिससे उपचार से संबंधित दुष्प्रभावों को कम करते हुए परिणामों में सुधार हो रहा है।मेदांता गुरुग्राम में मेडिकल ऑन्कोलॉजी के सीनियर डिरेक्टर डॉ. कुंजहरी मेधी के अनुसार, व्यक्तिगत ऑन्कोलॉजी का युग चिकित्सकों को पारंपरिक उपचार दृष्टिकोण से आगे बढ़ने और प्रत्येक रोगी के कैंसर की अनूठी जैविक विशेषताओं के आधार पर उपचार प्रदान करने में मदद कर रहा है। उन्होंने कहा, आज, कैंसर की देखभाल तेजी से सटीक होती जा रही है। ट्यूमर के भीतर विशिष्ट बायोमार्कर और आनुवंशिक हस्ताक्षर की पहचान करके, हम ऐसे उपचारों का चयन कर सकते हैं जो अधिक प्रभावी, कम विषाक्त और व्यक्तिगत रोगियों के लिए बेहतर अनुकूल हों डॉ. मेधी ने करनाल में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए इम्यूनोथेरेपी पर प्रकाश डाला।

धार्मिक व सामाजिक कार्यक्रम समाज को एक सूत्र में बांधने का कार्य करते : कृष्णा गहलावत

गांव नांगल कला में विशाल भंडारे में पहुंचीं विधायक कृष्णा गहलावत, ग्रामीणों से किया संवाद

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

राई । विधायक कृष्णा गहलावत ने गांव नांगल कला में सरपंच अनिल द्वारा आयोजित विशाल भंडारे एवं रागनी कार्यक्रम में शिरकत की। कार्यक्रम में आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और श्रद्धा पूर्वक प्रसाद ग्रहण किया। विधायक गहलावत का ग्रामीणों और आयोजकों द्वारा स्वागत किया गया। विधायक कृष्णा गहलावत ने भगवान का आशीर्वाद प्राप्त कर प्रसाद ग्रहण किया उन्होंने लोगों से क्षेत्र की समस्याओं और विकास कार्यों को लेकर भी चर्चा की। विधायक कृष्णा गहलावत ने कहा कि धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम समाज को एक सूत्र में बांधने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से लोगों के बीच प्रेम, भाईचारा और सामाजिक समरसता मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को सुनना और उनका समाधान करना उनकी प्राथमिकता है। गांव के सरपंच अनिल ने कहा कि धार्मिक आयोजन समाज को जोड़ने का माध्यम होते हैं और ऐसे कार्यक्रमों से लोगों में आपसी सद्भाव बढ़ता है। उन्होंने कहा कि गांव के विकास और लोगों की सेवा के लिए वे हमेशा तत्पर रहेंगे। इस अवसर पर विभिन्न गांवों के गणमान्य व्यक्ति, पंच, सामाजिक कार्यकर्ता ग्रामीण उपस्थित रहे।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम रोहतक की कर शाखा के संपत्ति कर के रिकॉर्ड में नई प्रॉपर्टी आईडी नंबर 1H6J52PO पुरानी प्रॉपर्टी आईडी नंबर 270C10009UZ7 वार्ड नंबर/पता Sainik Colony Rtk पुराने एन0डी0सी0रिकॉर्ड में Azad Singh S/o Uday Singh वह वह सर्वे अनुसार नए एन0डी0सी0 रिकॉर्ड में Azad Singh नाम दर्ज है। अब नगर निगम के रिकॉर्ड में इस आईडी नंबर में प्रार्थी जिसका नाम इंद्रावती (पत्नी) पवन कुमार (पुत्र पूनम प्रोमिला (पुत्री) स्व0 आजाद सिंह, सुषमा, पत्नी प्रवीन, यश, वंश पुत्र प्रवीन के द्वारा वसीयत/वारसान के आधार पर अपने नाम तब्दील करवाना जिसकी वारसान रिपोर्ट तहसीलदार रोहतक द्वारा तसदीक की गई है। यदि किसी भी जनसाधारण को इनके नाम तब्दील करने में कोई आपत्ति है तो 30 दिन के अंदर अंदर नगर निगम कार्यालय में अपनी आपत्ति दर्ज करवाये, अन्यथा प्रॉपर्टी टैक्स में उसके नाम कर दी जायेगी। जिसके लिए नगर निगम रोहतक कोई उत्तरदायी नहीं होगा।

क्रमांक MCR/ZTO/2026/957

दिनांक 11/06/2026

क्षेत्रीय कराधान अधिकारी
नगर निगम रोहतक।

AP-1980

हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण
एस्टेट मैनेजर, हाउसिंग विंग का कार्यालय
आवास भवन, प्लॉट नं. c-15, सेक्टर-6, पंचकूला- 134109

पत्र संख्या- HSVP(HW)/EM/PKL/2026/1595

दिनांक-19.06.2026

विषय:- हाउस/फ्लैट/प्लॉट नंबर 524, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, हिमशिखा, पंचकूला का स्वर्गीय श्रीमती कांती देवी पत्नी श्री शालिग्राम सिंह की बिना वसीयत (इंटेस्टेट) छोड़ी गई संपत्ति के आधार पर श्री धर्मेंद्र सिंह पुत्र श्री शालिग्राम सिंह एवं श्री समीर कुमार सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री वीरेंद्र सिंह के नाम हस्तांतरण के संबंध में।

सर्वसाधारण एवं संबंधित सभी व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि हाउस/फ्लैट/प्लॉट नंबर 524, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, हिमशिखा, पंचकूला इस कार्यालय के अभिलेखों के अनुसार स्वर्गीय श्रीमती कांती देवी पत्नी श्री शालिग्राम सिंह के नाम दर्ज है।

आवेदक श्री धर्मेंद्र सिंह पुत्र श्री शालिग्राम सिंह तथा श्री समीर कुमार सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री वीरेंद्र सिंह, निवासी मकान नंबर 524, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, हिमशिखा, पंचकूला, द्वारा सूचित किया गया है कि उक्त संपत्ति की स्वामिनी स्वर्गीय श्रीमती कांती देवी का निधन 03.02.2026 को हो गया था। आवेदकों ने स्वर्गीय श्रीमती कांती देवी की बिना वसीयत मृत्यु (Intestate Death) के आधार पर उक्त संपत्ति को अपने नाम हस्तांतरित करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त संपत्ति का श्री धर्मेंद्र सिंह पुत्र श्री शालिग्राम सिंह एवं श्री समीर कुमार सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री वीरेंद्र सिंह के पक्ष में हस्तांतरण किए जाने पर कोई आपत्ति हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 30 दिनों के भीतर अपनी लिखित आपत्ति अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है।

निर्धारित अवधि के भीतर कोई आपत्ति प्राप्त न होने की स्थिति में उक्त संपत्ति का हस्तांतरण नियमानुसार कर दिया जाएगा तथा इसके बाद प्राप्त होने वाले किसी भी प्रकार के दावे या आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

एस्टेट मैनेजर
हाउसिंग विंग
एचएसवीपी, पंचकूला

AP-1974

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार, विकास एवं पंचायत विभाग के Memo No HSSBM-SPM-2026/27648-728 Dated 01-05-2026 की अनुपालना में खण्ड पिंजौर की ग्राम पंचायतों रामपुर, जोहलुवाला, टांडा जोहलुवाला, मढ़ावाला, खोखरा, गौंसाबाद, कामपुर, ... कार्य को करने का इच्छुक है वह दिनांक 26.06.2026 को खण्ड कार्यालय में उपस्थित होकर निर्धारित शर्तों अनुसार अपनी कुटेशन प्रस्तुत कर सकता है। ... निर्धारित शर्तें देख सकता है।

खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी, पिंजौर।

AP-1983

DEBTS RECOVERY TRIBUNAL-II, CHANDIGARH
S. C. O. No. 33-34-35, 1st Floor, SECTOR 17-A, CHANDIGARH

RC No.274/2018

STATE BANK OF INDIA ... Certificate Holder
Versus
GURDEV SINGH ...Certificate Debtor

(See Section 25 to 28 of the RDDBFI Act, 1993, r/ow Rule 53 of the Second Schedule to the Income Tax Act, 1961)

Notice of Setting a Sale Proclamation

1. Shri Gurdev Singh son of Shri Balihar Singh, Resident of village chanalheri, Tehsil Pehowa, District Kurukshetra (Haryana).

Whereas, a RC No.274/2018 in OA No.551/2017 issued by the Hon'ble Presiding Officer for a sum of Rs.12,95,770.48p with costs, current and future interest.

Whereas, the said amount as not been paid by you to the CH Bank, despite, service of a demand notice and expiry of a substantial period. You have to meet the requirement of the Law.

It has been decided to issue proclamation of sale in respect of the property which is mortgaged. Therefore, this notices to appear on 10.07.2026 before the undersigned to declare any encumbrances on the immovable property and settle terms and conditions for POS.

Specification of Properties:

Land mortgaged 42 kanals 04 Marlas

1. Land to be mortgaged 08 kanals 14 Marlas representing 174/62331 share out of total land 3116 kanals 11 Marlas. Comprised in khewat no. 12/12, khatoni no. 18 to 73 & vide mutation no. 819 & also vide bader no. 01, total kittas 424.

2. Land to be mortgaged 27 kanals 01 Marlas representing 541/1738 share out of total land 486 kanals 16 Marlas. Comprised in khewat no 40/49, khatoni No.138, 139, 140, 141, 142, 143, 144 & vide mutation no.819, 811, total kittas 65.

3. Land to be mortgaged 06 kanals 09 Marlas representing 129/2322 share out of total land 116 kanals 02 Marlas. Comprised in khewat no 52/51, khatoni No.147,148,148 & vide mutation No.819, 811, total kittas 21. Situated at Village Chanalheri, Hadbast No.186, Tehsil Pehowa, District Kurukshetra, as per farth-jamabandi for the year 2010-2011.

Given under my hand and seal of this Tribunal on 05.06.2026 at Chandigarh

(Recovery Officer-II)
DRT II, Chandigarh

AP-1974

कार्यालय नगर निगम यमुनानगर जगाधरी

यूनिट नं०/सम्पत्ति आई डी 1KNP5GG3/408C144U86 जो कि हाउस कॉलोनी में स्थित है, नगर निगम यमुनानगर के प्रॉपर्टी रिकॉर्ड में श्रीमती Jaspal kaur के नाम से दर्ज है, जिनकी मृत्यु दिनांक 28.10.24 को चुकी है। इस सम्पत्ति के कानूनी वारसान सर्व श्री Virender Pal Singh, Jasbir Singh Sidhu as per will Number 410 Date 23-07-2011 के आधार पर प्रॉपर्टी रिकॉर्ड में अपना नाम इन्द्राज करवाने बारे आवेदन किया है। अतः यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्तानुसार प्रॉपर्टी रिकॉर्ड में इन्द्राज करने में कोई आपत्ति हो तो इस प्रकाशन की तिथि से 30 दिन के अंदर अंदर नगर निगम कार्यालय में आवेदन कर सकता है। इस अवधि के पश्चात कोई क्लेम मान्य नहीं होगा।

कराधान अधिकारी यमुनानगर जगाधरी

AP-1966

jnqk nits

Aim jnq ƒ sicq klq jld h ik Sl hrmS isG pqr Sl ACr rim, dl imql: 29/11/2025 ƒ Aq Sl hrmS isG dl pqnl slmql srz bil, dl imql: 14/07/2023 ƒ mq h gel h[hrmS isG pqr Sl ACr rim, ijnl d nim pr ie-k vhlkl rijstrSn nbr PB65AX9222 h[ahnl dl Arjl mqibk hr kel vl kiƒnl viirs nhl, ah Aipx ipq jl dl iek lql sqin h[hx ies vhlkl dl mlkl dl qbdlll lel anl d pqr Sl mnlS kmir n ies dPqr ivK Aplel klq h[ies lel jkr ieh vhlkl iks ƒ trlsPr krn iv-c kel ieqrij hv ql ah 15 idnl d Adr-Adr ies dPqr ƒ sicq klq jiv[

rljnl trlsprt AQrtl
A-s e As ngr(pjib)

AP-1985

सार्वजनिक सूचना

श्री पवित्र सिंह पीसीएस, सहायक एस्टेट अधिकारी यू.टी. चंडीगढ़ के समक्ष

विषय:- आवासीय साइट संख्या 1366/2, सेक्टर 30-बी, चंडीगढ़ (AH 1366/2/30B) में स्वर्गीय जगदीश चंद की 100 प्रतिशत हिस्सेदारी का उनके पंजीकृत वसीयतनामा (Registered Will) के आधार पर स्वामित्व हस्तांतरण।

सर्वसाधारण एवं संबंधित सभी व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय के अभिलेखों के अनुसार श्री जगदीश चंद आवासीय साइट संख्या 1366/2, सेक्टर 30-बी, चंडीगढ़ के 100 प्रतिशत हिस्से के मालिक/पट्टाधारी थे।

बलविंदर कुमार द्वारा सूचित किया गया है कि श्री जगदीश चंद का निधन 01.12.2025 को हो गया था। उन्होंने मृतक के निम्नलिखित कानूनी वारिसों की जानकारी भी दी है :-

क्र.सं.	कानूनी वारिस का नाम	मृतक से संबंध
1	कांता देवी	पत्नी (मृतक)
2	बलविंदर कुमार	पुत्र
3	संतोष कुमारी	पुत्री
4	किशन चंद	पुत्र

अब बलविंदर कुमार ने 19.01.2023 दिनांकित पंजीकृत वसीयतनामा के आधार पर स्वर्गीय जगदीश चंद की उक्त संपत्ति में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी अपने नाम हस्तांतरित करने हेतु आवेदन किया है।

यदि किसी व्यक्ति को मृतक के उपर्युक्त वारिसों के अतिरिक्त किसी अन्य कानूनी वारिस के बारे में जानकारी हो, तो वह तत्काल एस्टेट ऑफिसर, यू.टी. चंडीगढ़ को सूचित करे।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में हिस्सेदारी के नामांतरण (Mutation) पर कोई आपत्ति हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 30 दिनों के भीतर अपना लिखित आपत्ति-पत्र (मजिस्ट्रेट/नोटरी द्वारा विधिवत सत्यापित शपथपत्र सहित) अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है।

निर्धारित अवधि के भीतर कोई आपत्ति प्राप्त न होने पर उक्त संपत्ति में संबंधित हिस्सेदारी का नामांतरण नियमानुसार उपरोक्त लाभार्थी/लाभार्थियों के नाम कर दिया जाएगा तथा इसके बाद किसी भी प्रकार का दावा स्वीकार नहीं किया जाएगा।

पवितर सिंह, पीसीएस
सहायक एस्टेट अधिकारी
(एस्टेट अधिकारी, यू.टी. चंडीगढ़ की शक्तियों का प्रयोग करते हुए)
चंडीगढ़

AP-1972

कार्यालय नगर निगम यमुनानगर जगाधरी

यूनिट नं०सम्पत्ति.आई.डी. 1KYKQKR6/271C273U295 जो Lal Dora गाँव Sasauli-Part-1 में स्थित है। नगर निगम यमुनानगर के प्रोपर्टी टैक्स रिकार्ड में सर्व. मक्खन लाल पुत्र श्री साधु राम के नाम दर्ज है तथा सलग्न मृत्यु प्रमाण पत्र के अनुसार मक्खन लाल की मृत्यु 12.05.25 को व सुख देवी की मृत्यु 08.09.24 को हो चुकी है। इस सम्पत्ति के कानूनी वारसान सर्व 1.अरुण कुमार 2. माया रानी 3. रवि कुमार द्वारा वसीयत वारसान रिपोर्ट के आधार पर टैक्स रिकार्ड में अपना नाम इन्द्राज करने बारे आवेदन किया है। अतः यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्तानुसार प्रोपर्टी टैक्स रिकार्ड में इन्द्राज करने बारे एतराज हो तो इस प्रकाशन की तिथि से 30 दिन के अन्दर-2 नगर निगम कार्यालय में आवेदन अपने पक्ष में संबंधित दस्तावेज सहित कर सकता है। इस अवधि के पश्चात कोई क्लेम मान्य नहीं होगा।

कराधान अधिकारी यमुनानगर जगाधरी

AP-1966

पूर्व रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना संख्या: 41,67,69-एमएलडीटी-26-27, दिनांक: 18.06.2026। मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, मालदा, मालदा राज अधिकार बिल्डिंग, पो. ओ.-झलझलिया, जिला-मालदा, पिन-732102 (पश्चिम बंगाल) द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: क्रम संख्या: 1। निविदा संख्या: 41-एमएलडीटी-26-27। कार्य का नाम: मालदा राज-जमालपुर के कार्य के लिए खुली ई-निविदा- वरिष्ठ मंडल अभियंता/सौ/पूर्व रेलवे, मालदा के अधिकार क्षेत्र में मालदा मंडल में मेन लाइन से यार्ड/साइडिंग के पुनर्विकास के लिए, मालदा, सकरीगली, भागलपुर तथा जमालपुर स्टेशन पर निर्माण स्टेशन। निविदा मूल्य: ₹ 65,40,139.09। क्रम संख्या: 2। निविदा संख्या: 67-एमएलडीटी-26-27। कार्य का नाम: वरिष्ठ मंडल अभियंता-II, पूर्व रेलवे, मालदा के अधीन बरसात के मौसम के दौरान सीमित ऊंचाई के सबवे की डीवाटरिंग कार्य के लिए खुली ई-निविदा। निविदा मूल्य: ₹ 35,67,323.35। क्रम संख्या: 3। निविदा संख्या: 69-एमएलडीटी-26-27। कार्य का नाम: वरिष्ठ मंडल अभियंता-II, पूर्व रेलवे, मालदा के अधिकार क्षेत्र में सहायक अभियंता/साहिबगंज के अधीन साहिबगंज-भागलपुर खंड में सकरीगली-साहिबगंज स्टेशनों के बीच किमी 228/7-8 पर एलएचएस संख्या 346 तथा पीरपैंती-शिवनारायणपुर स्टेशनों के बीच किमी 257/3-4 पर एलएचएस संख्या 94 पर रोड, सम्प, आरओबी/एसी स्टैण्डर्ड हाइट गेज का प्रावधान तथा अन्य आनुषंगिक कार्य के लिए खुली ई-निविदा। निविदा मूल्य: ₹ 2,35,49,439.05। निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 09.07.2026 को अपराह्न 3.30 बजे (क्रम संख्या 1 से 3 प्रत्येक के लिए)। वेबसाइट का विवरण एवं सूचना पट्ट का स्थान: www.ireps.gov.in एवं मंडल रेल प्रबंधक/मालदा का कार्यालय।

(MLD-100/2026-27)

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है।

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

AP-1984

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि खंड बापौली के गांव बहरामपुर में पी डब्लू डी रोड बापौली से डॉ महाबीर के घर तक फिरनी रिपेयर का कार्य करवाया जाना है। जिसकी मजदूरी लगभग 130000 रु. है। यह राशि घटाई बढ़ाई जा सकती है। इच्छुक पार्टी अखबार में प्रकाशन होने के 5 दिन के अंदर-अंदर ग्राम पंचायत से संपर्क कर सकते हैं।

ग्राम पंचायत बहरामपुर
सरपंच सुनील

AP-1970

न्यायालय तहसीलदार-कम-सब रजिस्ट्रार साहिब जीन्द

मनके सतनारायण पुत्र श्री भूप सिंह निवासी मकान नं. 2728 अर्बन एस्टेट जिला जीन्द। बनाम जनरल पब्लिक

इस इश्तहार के माध्यम से हर आम व खास को सूचित किया जाता है कि मेरे पिता श्री स्व. भूप सिंह का दिनांक 01/06/2005 को देहांत हो चुका है और मेरी माता जी खजानी देवी का दिनांक 28/02/2026 को स्वर्गवास हो चुका है। मेरे माता-पिता की मृत्यु के पश्चात उनके निम्नलिखित वारिस हैं :- 1. सतनारायण पुत्र 2. कविता रानी पुत्री 3. जतिन पुत्र ज्योति नाति 4. संयम पुत्र ज्योति नाति। इनके अलावा मृतकों का और कोई वारिस नहीं है। इसलिए हर आम व खास को इस नोटिस/इश्तहार के माध्यम से सूचित किया जाता है कि उपरोक्त मृतक के बताए गए वारसान/ उत्तराधिकारी के बाबत कोई शक या ऐतराज हो तो वह स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से इस नोटिस के प्रकाशन के उपरांत 30 दिन के अंदर-अंदर इस कार्यालय के कार्यदिवस पर अपना ऐतराज प्रस्तुत कर सकता है। यह नोटिस बाबत इश्तहार आज दिनांक 19.6.26 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मोहर द्वारा जारी किया गया।

तहसीलदार-कम-सब रजिस्ट्रार साहिब जीन्द।

AP-1974

सार्वजनिक सूचना / सुधार सूचना

सामान्य जनता के ध्यान में लाया जाता है कि 17 मई 2026 को 'अर्थ प्रकाश' अखबार में स्व. श्री गजिंदर सिंह पाल के परिवार/संपत्ति के संबंध में एक नोटिस/विज्ञापन प्रकाशित किया गया था। उक्त प्रकाशन में टंकण त्रुटि के कारण, श्री गुरप्रीत सिंह पाल के नाम के बाद गलती से और अनजाने में 'स्वर्गीय' शब्द छप गया। यहां स्पष्ट किया जाता है और सुधार किया जाता है कि श्रीमती तेजिंदर कौर पाल ही स्वर्गीय व्यक्ति हैं, और 'स्वर्गीय' शब्द केवल उनके संदर्भ में ही समझा और पढ़ा जाना चाहिए। श्री गुरप्रीत सिंह पाल जीवित हैं, और पिछली प्रकाशित त्रुटि को इसके अनुसार ठीक किया गया है।

सार्वजनिक सूचना

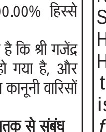

श्री पवित्र सिंह, PCS, **सहायक संपदा अधिकारी,** U.T., **चंडीगढ़ के समक्ष।**

विषय: स्वर्गीय श्री गजिंदर सिंह पाल की पंजीकृत वसीयत के आधार पर, आवासीय साइट संख्या 1525, सेक्टर 33-डी, चंडीगढ़ (RPD 14591) के 100.00% हिस्से के स्वामित्व का हस्तांतरण।

आम जनता और सभी संबंधितों की जानकारी के लिए यह सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय के रिकॉर्ड के अनुसार, श्री गजेंद्र सिंह पाल, आवासीय साइट संख्या 1525 चंडीगढ़ के सेक्टर 33-डी के 100.00% हिस्से के स्वामी/पट्टेदार हैं।

गुरप्रीत सिंह पाल द्वारा यह सूचित किया गया है कि श्री गजेंद्र सिंह पाल का निधन 03/03/2024 को हो गया है, और उन्होंने मृतक मालिक/पट्टेदार के निम्नलिखित कानूनी वारिसों को भी सूचित कर दिया है:

क्र. सं.	कानूनी वारिस का नाम	मृतक से संबंध
1.	गुरदीप सिंह पाल	पुत्र
2.	तेजिंदर कौर पाल	पत्नी (मृतक)
3.	गुरप्रीत सिंह पाल	पुत्र

अब, गुरप्रीत सिंह पाल ने 24/07/2023 की रजिस्टर्ड वसीयत के आधार पर, चंडीगढ़ के आवासीय साइट संख्या 1525, सैक्टर 33-डी स्थित के संबंध में, स्वर्गीय श्री गजिंदर सिंह पाल द्वारा धारित 100.00% हिस्सेदारी का स्वामित्व अपने पक्ष में हस्तांतरित करवाने के लिए आवेदन किया है।

यदि किसी के पास मृतक के, ऊपर बताए गए लोगों के अलावा, किसी अन्य कानूनी वारिस (वारिसों) के बारे में कोई जानकारी है, तो इसकी सूचना तुरंत एस्टेट ऑफिसर, यू.टी. चंडीगढ़ को दी जाए।

यदि किसी को भी उक्त संपत्ति में, ऊपर नामित आवेदकों के पक्ष में, उक्त हिस्से के म्यूटेशन (नाम परिवर्तन) पर कोई आपत्ति है, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के भीतर, अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में अपनी आपत्ति लिखित रूप में (मजिस्ट्रेट/नोटरी द्वारा विधिवत सत्यापित शपथ पत्र के साथ) प्रस्तुत कर सकता है; ऐसा न करने पर, उक्त संपत्ति में उक्त हिस्सा तदनुसार ऊपर बताए गए लाभार्थी/लाभार्थियों के नाम पर म्यूटेट कर दिया जाएगा, और बाद के किसी भी चरण में किसी भी प्रकार के अन्य दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

पवित्र सिंह, पीसीएस, सहायक संपदा अधिकारी, संपदा अधिकारी, यू.टी. चंडीगढ़ की शक्तियों का प्रयोग करते हुए

AP-1126

प्रकाशित नोटिस

सभी व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि Project Name "Nivasa", Village Rangarh Bhabla, Zirakpur ... M/s Amrozen Developers LLP ... License No. LDCACA-ADC/UID/2025/34 ... Project Name "Joy Heights" ... Drg. No. NIV/SUB/ABD1 dated 10-06-2024 (Building permit/Sanction Draft A. No. PB/SAS/ZIRAK/256243 dated 15-03-2025) ... DRC No. 01 dated 21-01-2026 ...

AP-1971

grtr mhll erlA ivkis AQirtl, p-fi Bvn, sktr 62, As.e.As.ngr (mhill) jnqk scni

isgl ivf n. 484254 imql 26.05.2026 rihl GMADA/25- 26/LP/16 Memo No. LOI No. GMADA/2025-2026/LOI/20, Size 100 Sq Yard, Sector 101 Industrial Park As.e.As. ngr d mlk Surinder Singh (Share 16.98%) S/o Sohan R/o Mamoli, SAS Nagar n Harpreet Singh S/o Sohan Singh R/o New Gurudwara Sahib, Mamoli, Banur, SAS Nagar-140601 ƒ Aipx jlple inXkq klq h j ik vslk n. Document No 2023-2024/3/4/368 Book No 4 imql 13.05.2023, ƒ dPqr sb-rijstrir, As.e.As.ngr ivK rijstrf hel h, pS klql h[

ies jlple d AiDir q Harpreet Singh S/o Sohan Singh R/o New Gurudwara Sahib, Mamoli, Banur, SAS Nagar 140601 v-l akq plit ƒ Shakuntla Rani W/o Surinder Kumar R/O HOUSE NO. 988-A, Sec 12A, Panchkula Haryana 134109 d nim Al.E.Awel. trisPr krn lel dsqivj pql bnql isgl ivf n. 484254 imql 26.05.2026 ƒ id-ql h[hx ieh ks imlK APsr(p), gmif, As.e.As. ngr (mhill) d dPqr iv-c ivcir ADln h[ies lel GMADA/25-26/LP/16 Memo No. LOI No. - GMADA/2025-2026/LOI/ 20, Size 100 Sq Yard, Sector 101 Industrial Park As.e.As.ngr ƒ Al.E. Awel.trisPr krn q pihll sicq klq jldi h ik ies bir iks ƒ kel ieqrij hv qi ies ivigApn dl imql q 15 idnl d Adr-Adr Aipxi ieqrij imlK APsr gmif, mhill pis ilKql rp iv-c d skd h[inSicq imql Aq sml q bAd pipq he ieqrij q kel ivcir nhl klq jivgi akq rijstrf hel jl.pl.e.d AiDir q GMADA/25-26/LP/16 Memo No. LOI No. GMADA/2025-2026/LOI/20, Size 100 Sq Yard, Sector 101 Industrial Park As.e.As.ngr dl Al.E.Awel.trisPr akq ibnkir d nl jirl kr id-ql jivgl[

imLK APsr(p)
gmif, As.e.As.ngr[

AP-1986

अर्थ प्रकाश क्लासीफाइड CLASSIFIED ADS

आज ही बुक करें PH. : 0172-2638515, 98883-03520 Email : arthparkashadvt29@gmail.com

सार्वजनिक सूचना

मैं, बिशंभर कुमार सिंह पुत्र सत्य नारायण सिंह निवासी # 836, सैक्टर - 45, बुड़ैल, चंडीगढ़ घोषणा करता हूँ कि मेरे पैन कार्ड में मेरा नाम गलती से भीशन कुमार सिंह दर्ज है जबकि मेरा सही नाम बिशंभर कुमार सिंह है। यह कि यह दोनों नाम एक ही व्यक्ति है।
एपी-1965

मैं, संदीप पुत्र श्री जोरा सिंह निवासी गांव पाहलवां तहसील उचाना जिला जीन्द घोषणा करता हूं कि मेरे लाईसैंस में मेरा नाम संदीप कुमार है जोकि गलत है सही नाम संदीप है, इसलिए मेरे लाईसैंस में मेरा नाम संदीप कुमार से संदीप किया जाए।
एपी-1968

मैं, मुरुगेशन पुत्र श्री कलियापेर्माल निवासी मकान नंबर 1436 एफएफ सेक्टर-26 पंचकुला हरियाणा का निवासी हूं कि मैंने अपना नाम मुर्गेशन (MURGESHAN) से बदलकर मुरुगेशन (MURUGESHAN) रख लिया है।
एपी-1975

मैं, श्रवण गुलाटी पुत्र गोपाल चंद निवासी # 56 वार्ड नं. 17, शास्त्री कॉलोनी पिहोवा, तहसील पिहोवा, जिला कुरुक्षेत्र ने अपना नाम श्रवण कुमार से बदलकर श्रवण गुलाटी रख लिया है।

It is for general information that I, Vikram Balhara son of Randhir Singh Balhara Residing at Bahu Jamalpur (93), Rohtak Haryana 124001 declare that name of my mother has been wrongly written as SAJANA DEVI in my Army Service Record. The actual name of my mother is CHANDKAUR which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection

I, Rishi Son of Chand Singh Residing at Surya Nagar, Gali No. 2, Gohana Road, Rohtak Haryana - 124001 have changed the name of my minor daughter Srishti aged 17 years and he shall hereafter be known as Srishti Duhan. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.
एपी-1974

मैं, आशीर्या, पुत्री श्री परवीन बंसल, निवासी मकान नंबर 697, सेक्टर 21, पंचकूला, हरियाणा, ने अपना नाम 'आशीर्या' से बदलकर 'आशीर्या बंसल' कर लिया है।
एपी-1976

मैं, जितेन्दर, पुत्र रामेश्वर, मकान नंबर 3732, मलोया कॉलोनी, चंडीगढ़, ने अपना नाम जितेन्दर से बदलकर जितेन्द्र सिंह कर लिया है।

मैं, नीलम शर्मा पत्नी हनुमान शर्मा, मकान नंबर 13-14, सेक्टर 22-सी, चंडीगढ़, मैंने अपना नाम नीलम शर्मा से बदलकर नीलम रख लिया है।

मैं, राम दरश शर्मा पुत्र नानू लाल शर्मा, मकान नंबर 3872, सेक्टर 56, चंडीगढ़ सूचित करता हूं कि राम दरश शर्मा, राम दरश और रामदरश शर्मा एक ही व्यक्ति के नाम हैं।

मैं, सोनिया थापा पत्नी मोहिंदर कुमार, मकान नंबर 216, फेज-1, बापूधाम कॉलोनी, सेक्टर 26, चंडीगढ़, मैंने अपना नाम सोनिया थापा से बदलकर नितिका रख लिया है।

मैं, Punam Taunk पत्नी अजय कुमार, मकान नं. बी021 -3019, छज्जू माजरा कॉलोनी, सेक्टर 4, खरार, मोहाली ने अपना नाम Punam Taunk बदलकर Punam रख लिया है।
एपी-1977

मैं, सन्तोष देवी, (आधार नं. 501887952146), पत्नी रामपाल, निवासी मकान नं. DC 420/1, वार्ड नं. 3, खुराना रोड, सुभाष नगर, नजदीक भारतीय सैनीक स्कूल कैथल, तहसील व जिला कैथल, सुचित करती हूं कि मैंने अपना नाम बसकौर (BASKAUR) से बदलकर सन्तोष देवी रख लिया है। भविष्य में मुझे सन्तोष देवी पुकारा जाए।
एपी-1978

"I, Sunil Kumar, residing at 243/12 Krishna Colony Tohana (Tehsil Tohana) , Fatehabad, Haryana state that my father's name is wrongly printed as "Balwant Singh" in my Passport [No. F2348906], His correct name is "Balwan Singh" as per all my other government documents (Aadhaar/ PAN, Acadmic doc.). In future, his correct name should be recognized for all purposes."
एपी-FMG

मैं, दिविशा पुत्री दीपक पठानिया वासी मकान नं. 2180 सैक्टर-27-सी, चंडीगढ़ ने अपना नाम बदलकर दिविशा और उपनाम पठानिया रखा है।

मैं, ढापा पत्नी सराजुद्दीन वासी 53, गांव व् डाक Nandha, चरखी दादरी, हरियाणा ने अपना नाम बदलकर ढापा बानो रखा है।

मैं, मधु बजाज पत्नी स्वर्गीय श्री रमेश बजाज, निवासी मकान नं. 16/143, गली नं. 5, शाम नगर, करनाल, ने अपना नाम मधु बजाज से बदलकर मनीषा बजाज कर लिया है।

मैं, Amarjit सिंह संधू पुत्र माहल सिंह वासी 177-नजदीक गुरुद्वारा गांव कमालपुर करनाल ने अपना नाम बदलकर Amarjit सिंह संधू से Amarjeet सिंह रखा है।
एपी-1979

मैं, Sandhana पत्नी Rajesh Chaudhary निवासी Mona Green -II, J-404, Gajipur Road, जीरकपुर एस ए एस नगर मोहाली पंजाब ने अपना नाम Sandhna Kumari से बदलकर Sandhana रख लिया है।
एपी-1972

I, MANTJIR S/O ASLAM R/O # 1929, SAINI GURUDWARA, SECTOR-45, BURAIL, CHANDIGARH – 160047. I HAVE CHANGED MY NAME FROM MANTJIR TO MUNTJIR.

I, MOHD. ASLAM S/O ABDUAL SHAKUR R/O # 1929, SAINI GURUDWARA, SECTOR-45, BURAIL, CHANDIGARH – 160047. I HAVE CHANGED MY NAME FROM MOHD. ASLAM TO ASLAM.
एपी-1981

मैं, कुशुमबाई मदर ऑफ नंबर 4591486H, रैंक- SEP, नाम- गायकवाड़ सचिन बाबू निवासी- गाँव मंडणी, पोस्ट- वलसंगी, तहसील- अहमदपुर, जिला- लातूर, राज्य- महाराष्ट्र-413514, अपना नाम कुशुमबाई से बदलकर कुसुम बाबू गायकवाड़ और जन्म तिथि 07-05-1971 से बदलकर 01-01-1971 कर ली है।

मैं, लाल बहादुर सुपुत्र सिधारी यादव उर्फ राजा राम निवासी # 4857/3 सेक्टर 38 वेस्ट चंडीगढ़ ने अपना नाम बादलकर संग्राम यादव रख लिया है ।

I, AISWARYA A W/O No 9515452W Hav (Instrspl) DILEEP NATH R, AEC TRG COLLEGE & CENTRE, PIN-908777, c/o 56 APO. In my husband's service record by mistake my name is AISWARYA DILEEP, while my correct Name is AISWARYA A.
एपी-1974

मैं, नीरू पुष्प पत्नी हरीश कुमार निवासी मकान नं. 3472, सेक्टर 23-डी, चंडीगढ़, भविष्य के सभी उद्देश्यों के लिए अपना नाम नीरू पुष्प से बदलकर नीरू रख लिया है।
एपी-1982

मैं, हैप्पी पुत्र मदन लाल निवासी #55-जी, स्कूल एरिया नीलोखेडी, जिला-करनाल ने अपना नाम हैप्पी अरोडा से बदलकर हैप्पी रख लिया है। मेरे पासपोर्ट में मेरी जन्म तिथि गलती से 28-8-1988 लिखी गई है जबकि मेरे अन्य दस्तावेजों में मेरी जन्म तिथि 28-8-1989 है। अतः मेरे पासपोर्ट में मेरी जन्म तिथि 28-8-1988 की जगह 28-8-1989 की जाए।
एपी-1983

मैं, मंजू पत्नी विष्णु, हालु बाजार, गली स्वामी कृपा राम, भिवानी-127021, हरियाणा की रहने वाली हूँ। मैंने अपना नाम मंजू गुप्ता से बदलकर मंजू कर लिया है और अब से सभी कामों के लिए मुझे मंजू ही कहा जाएगा।
एपी-1972

बेदखली सूचना

मैं, प्रकाश पुत्र मेहर सिंह निवासी गांव माधोसिंघाना जिला सिरसा ब्यान करता हूं कि मेरा पुत्र विजय कुमार जो मेरे कहने - सुनने से बाहर है और अपनी मनमर्जी करता है। इसलिए मैं अपने बेटे विजय कुमार को अपनी तमाम चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में इससे लेन-देन करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।
एपी-1967

हम कांता रानी पत्नी श्री बन्ता राम व बन्ता राम पुत्र कस्तूरा राम निवासीयान #806/बी-2, बिटना कालोनी, पिंजौर (पंचकूला) ने अपने पुत्र जसबीर सिंह व उसकी पत्नी रेनू रानी को अपनी तमाम चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है, क्योंकि वह हमारे कहने से बाहर हैं। भविष्य में इनके साथ किसी तरह का लेन-देन करने वाला व्यक्ति स्वयं जिम्मेदार होगा।
एपी-1969

मैं, करनैल सिंह पुत्र श्री मान सिंह निवासी वार्ड न. 7 असंध जिला करनाल ब्यान करता हूं कि मेरा लड़का गोबिंद व उसकी पत्नी महकप्रीत मेरे व मेरे परिवार के कहने सुनने से बाहर है। वो दोनों हमारी बिलकुल भी नहीं मानते है। मैं अपने पुत्र और पुत्रवधु को अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में उनसे लेन देन करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा।

मैं, अशोक कुमार गुप्ता सुपुत्र श्री कृष्ण चंद निवासी मकान न0-2007/ बी2 मेन बाजार पिंजौर तहसील कालका, जिला पंचकुला, हरियाणा, ने अपने पुत्र शुभम को उसके परिवार सहित अपने जीवन वा अपनी चल वा अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है।
एपी-1974

मैं, सपन दास पुत्र उनाह चंद्रा दास और कल्पना दास पत्नी सपन दास, निवासी मकान नंबर 71, सेक्टर 28-A, चंडीगढ़, यह सूचित करते हैं कि हमारा बेटा दीपक दास और उसकी पत्नी शिखा हमारे कहने सुनने से बाहर हैं। इसलिए हम इनको अपनी सभी चल और अचल संपत्तियों से बेदखल करते हैं। इनसे लेन देन करने वाला खुद जिम्मेदार होगा।
एपी-1977

मैं, जीया लाल पुत्र श्री तारा चंद निवासी मकान नं 1538 जनता कॉलोनी नया गांव करोरा तहसील खरड़ जिला एस ए एस नगर मोहाली यह बयान करता हूं कि मेरा लड़का आशु और उसकी पत्नी पुजा मेरे कहने सुनने से बाहर है इसीलिए मैं उनको अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं इनके साथ लेन देन करने वाला स्वयं जिम्मेदार होगा।
एपी-1974

आवश्यक सूचना
अर्थ प्रकाश में क्लासीफाइड विज्ञापन देने के लिए 9988934664 पर संपर्क करें।

अर्थ प्रकाश
समाचार पत्र में अपना विज्ञापन लेकर अपने व्यापार को लाभावित करें।

आवश्यक सूचना

अर्थ प्रकाश (हाउस ऑफ प्रिंट एंड डिजिटल मीडिया) का इस समाचार पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/ क्लासीफाइड) के तथ्यों संबंधी कोई दायित्व नहीं है। हमारा समाचार पत्र इनको सत्यापित नहीं करता है। किसी भी प्रकार के विज्ञापनों में पाठकों से विनती है कि वह कोई भी प्रतिक्रिया करने से पहले, विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पूर्व तथ्यों की स्वयं पुष्टि कर लें। यह समाचार पत्र उपरोक्त किसी भी विज्ञापन के प्रति उत्तरदायी नहीं होगा।

पंचकूला पुलिसकर्मी अब घोड़े पर सवार होकर करेंगे गश्त, पहाड़ियों- संकरी गलियों तक पहुंचेगी

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पंचकूला। शहर की कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी और जन केंद्रित बनाने की दिशा में पंचकूला पुलिस ने नई पहल शुरू की है। अब पारंपरिक वाहन और पैदल गश्त के साथ-साथ घुड़सवार पुलिस भी सड़कों और संवेदनशील क्षेत्रों में नजर आएगी।

एसीपी विक्रम नेहरा ने बताया कि पुलिस ने पहाड़ी क्षेत्रों, गांवों, सुनसान स्थानों और संकरी गलियों में निगरानी बढ़ाने के उद्देश्य से घुड़सवार गश्त शुरू की है। हाल ही में सेक्टर-21 पुलिस चौकी की टीम ने चौकी इंचार्ज दीदार सिंह के नेतृत्व में घोड़ों के माध्यम से विशेष गश्त अभियान चलाया। इस दौरान सार्वजनिक स्थलों और संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस की मौजूदगी दर्ज कराई गई तथा लोगों से सीधे संवाद कर सुरक्षा संबंधी फीडबैक भी लिया गया।

जहां वाहन नहीं पहुंचता, वहां पहुंचेंगे घुड़सवार : एसीपी ने बताया कि पुलिस के पास घोड़ों का विशेष दस्ता उपलब्ध है, जिसका उपयोग उन इलाकों में किया जाएगा, जहां सामान्य वाहन आसानी से नहीं पहुंच पाते। शुरुआती स्तर पर इस प्रयोग के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं और प्रशिक्षित घुड़सवारों को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि इस मॉडल से सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होने के साथ ईंधन की बचत का भी आकलन किया जाएगा।

योग दिवस पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम

इसी बीच पंचकूला पुलिस 21 जून को आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के राज्य स्तरीय कार्यक्रम को लेकर भी पूरी तरह तैयार है। सेक्टर-5 स्थित परेड ग्राउंड में होने वाले इस आयोजन में करीब 10 हजार लोगों के एक साथ योग करने की संभावना है। कार्यक्रम में हरियाणा पुलिस और आईटीबीपी के जवानों के अलावा विदेशी मेहमान भी शामिल होंगे। विदेशी अतिथियों की सुविधा के लिए विशेष लायजन अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा और यातायात व्यवस्था संभालने के लिए लगभग 200 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई जाएगी।

बैग पर रोक, सिर्फ पानी की बोतल ले जा सकेंगे प्रतिभागी : सुरक्षा कारणों से कार्यक्रम स्थल पर किसी भी प्रकार का बैग ले जाने की अनुमति नहीं होगी। प्रतिभागी केवल पानी की बोतल लेकर ही प्रवेश कर सकेंगे। पुलिस ने लोगों से समय पर पहुंचने और सुरक्षा जांच में सहयोग करने की अपील की है।

पार्किंग के लिए अलग-अलग व्यवस्था : पुलिस के अनुसार बसों से आने वाले प्रतिभागियों के लिए सेक्टर-5 में निक बेकर के पीछे स्थित धरना स्थल पर पार्किंग की व्यवस्था की गई है। अन्य वाहनों के लिए सेक्टर-4 स्थित सरकारी कार्यालयों के सामने पार्किंग स्थल निर्धारित किए गए हैं। लोगों से निर्धारित स्थानों पर ही वाहन खड़े करने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की गई है। योग दिवस की तैयारियों के तहत शुक्रवार को परेड ग्राउंड में रिहर्सल का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया।

मतदाता गणना प्रपत्र बांटने में जिला अव्वल-जिला निर्वाचन अधिकारी

पंचकूला। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सतपाल शर्मा ने बताया कि जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य तेजी से चल रहा है। उन्होने बताया कि ईआरओ, सभी एईआरओ, बीएलओ, सुपरवाईजर्स एसआईआर का कार्य युद्वस्तर पर कर रहे है। सभी की मेहनत व लग्न के चलते पंचकूला अन्य जिलों से अव्वल स्तर पर है।

उन्होने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 15 जून से मतदाता गणना प्रपत्र घर घर बांटने का कार्य जिले में तेजी से चल रहा है। उन्होने बताया कि जिले में 4 लाख 29 हजार 185 कुल मतदाता है। 2 लाख 65 हजार 195 मतदाताओं को गणना प्रपत्र बांटने का कार्य किया जा चुका है। मतदाता गणना प्रपत्र बाटनें के कार्य में पंचकूला विधानसभा क्षेत्र में 230 बीएलओ, 27 सुपरवाईजर्स, कालका विधानसभा क्षेत्र में 225 बीएलओ, 27 लगे सुपरवाईजर्स गणना प्रपत्र बांटने के कार्य को तेजी से कर रहे है।

79.46 करोड़ फंड घोटाला : आईएएस आरके सिंह तीन दिन के सीबीआई रिमांड पर

पत्नी के नाम मिले पेट्रोल पंप, रेस्टोरेंट और बीयर फैक्टरी

अर्थ प्रकाश/साजन शर्मा

पंचकूला, 19 जून। पंचकूला नगर निगम के 79.46 करोड़ रुपये के कथित फंड घोटाले में गिरफ्तार हरियाणा के आईएएस अधिकारी रामकुमार (आरके) सिंह और पंचायत विभाग के तत्कालीन सुपरिटेंडेंट प्रिंस शर्मा को शुक्रवार को सीबीआई की विशेष अदालत ने तीन दिन के रिमांड पर भेज दिया। सीबीआई ने अदालत में दावा किया कि जांच के दौरान सामने आए दस्तावेजों, डिजिटल साक्ष्यों और वित्तीय लेनदेन से दोनों की भूमिका संदिग्ध पाई गई है तथा मामले में कई महत्वपूर्ण तथ्यों की जांच अभी बाकी है।

सीबीआई के अनुसार आरके सिंह ने पंचकूला नगर निगम और नगर परिषद कालका के आयुक्त रहते हुए सेक्टर-32 स्थित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में नया खाता खुलवाने और उसमें 100 करोड़ रुपये से अधिक की सरकारी राशि स्थानांतरित करने की मंजूरी दी थी। एजेंसी का आरोप है कि यह प्रक्रिया वित्त विभाग के दिशा-निर्देशों के विपरीत अपनाई गई।

संपत्ति के ब्यौरे ने बढ़ाई जांच एजेंसियों की दिलचस्पी :

आरके सिंह द्वारा जनवरी 2026 में हरियाणा सरकार को सौंपे गए वार्षिक संपत्ति विवरण (एपीआर) के अनुसार उनकी कुल व्यक्तिगत संपत्ति करीब 3.2 करोड़ रुपये है। हालांकि, उनकी पत्नी के नाम कई बड़े व्यावसायिक उपक्रम दर्ज हैं। संपत्ति विवरण में उल्लेख किया गया है कि उनकी पत्नी परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर पेट्रोल पंप, माइक्रो ब्रेवरी (बीयर फैक्ट्री), रेस्टोरेंट, रेंटल प्रोजेक्ट्स, कृषि भूमि तथा प्रॉपर्टी खरीद-फरोख्त का कारोबार संचालित करती हैं।

आरके सिंह ने अपने स्पष्टीकरण में कहा है कि उनकी पत्नी स्वतंत्र कारोबारी हैं, नियमित रूप से जीएसटी और आयकर का भुगतान करती हैं तथा उनकी अपनी संपत्तियां और देनदारियां हैं। उन्होंने यह भी बताया कि उनके दोनों पुत्र भी आयकरदाता हैं और परिवार की पुश्तैनी संपत्ति हिंदू अविभाजित परिवार (एचयूएफ) का हिस्सा है।

तीन सवालों के जवाब नहीं दे सके आरके सिंह : सीबीआई सूत्रों के मुताबिक पूछताछ और छापेमारी के दौरान तीन ऐसे मुद्दे सामने आए जिन पर आरके सिंह संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। इनमें दुबई में उनके बेटे के बैंक खाते में भेजे गए लगभग 2.5 करोड़ रुपये, करनाल में खरीदी गई 15 एकड़ कृषि भूमि तथा कथित बेनामी संपत्तियों से जुड़े दस्तावेज शामिल हैं।

छापेमारी में मिले बेनामी संपत्तियों के दस्तावेज

गिरफ्तारी से पहले सीबीआई ने चंडीगढ़ और करनाल स्थित आरके सिंह के ठिकानों पर छापेमारी की थी। सूत्रों के अनुसार जांच एजेंसी को कई ऐसे दस्तावेज मिले हैं जो कथित रूप से बेनामी संपत्तियों, जमीनों, मकानों और अन्य निवेशों से जुड़े हैं। अब इन संपत्तियों के वास्तविक स्वामित्व और निवेश के स्रोत की पड़ताल की जा रही है।

प्रिंस शर्मा पर भी साजिश में शामिल होने का आरोप

सीबीआई ने अदालत को बताया कि पंचायत विभाग के तत्कालीन सुपरिटेंडेंट प्रिंस शर्मा ने बैंक अधिकारियों और अन्य आरोपियों के साथ मिलकर सरकारी खातों से जुड़े दस्तावेजों में अपना मोबाइल नंबर दर्ज कराया था। एजेंसी का आरोप है कि संबंधित विभाग में तैनात न होने के बावजूद वह खातों के सत्यापन और संचालन प्रक्रिया में शामिल रहे।

सशक्त राष्ट्र के निर्माण हेतु हर नागरिक का स्वस्थ होना जरूरी : अजय मित्तल

अर्थ प्रकाश/सुनील सिंघई

पंचकूला, 19 जून। भारतीय जनता पार्टी पंचकूला के जिला अध्यक्ष अजय मित्तल ने आगामी 21 जून को आयोजित होने वाले विश्व योग दिवस को उत्सव की तरह मनाने की अपील की है। उन्होंने कहा की हमें योगाभ्यास को अपने दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि योग केवल एक शारीरिक व्यायाम नहीं बल्कि स्वस्थ शरीर और संतुलित जीवन का आधार है।

जिला अध्यक्ष अजय मित्तल ने जिले के सभी नागरिकों, युवाओं, महिलाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों से आग्रह किया कि 21 जून को 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-2026 के अवसर पर पंचकूला के सेक्टर-5 स्थित परेड ग्राउंड में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय समारोह में बढ़-चढ़कर भाग लें। अजय मित्तल ने बताया कि योगदिवस पर भाजपा कार्यकर्ताओ द्वारा ?िले के सभी मंडलों के बूथों पर भी स्थानीय पार्कों में योगशिविर का आयोजन किये जायेगे। उन्होंने कहा कि सशक्त राष्ट्र के लिए स्वस्थ नागरिक, स्वस्थ परिवार और स्वस्थ समाज की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

अजय मित्तल ने कहा कि नियमित योगाभ्यास से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, मानसिक तनाव कम होता है तथा एकाग्रता और आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। उन्होंने कहा कि योग भारत की प्राचीन एवं गौरवशाली संस्कृति की अमूल्य देन है, जिसे आज पूरा विश्व अपना रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से 21 जून को विश्व योग दिवस के रूप में वैश्विक मान्यता प्राप्त हुई, जिससे योग की लोकप्रियता पूरी दुनिया में बड़ी है।

न्यूज ब्रीफ

नयागांव में निशुल्क जांच शिविर 21 जून को

न्यू चंडीगढ़ -खरड़ (जेके बत्ता)। नयागांव के श्री बाबा बालक नाथ मंदिर आर्दश नगर में सिध्द श्री बाबा बालक नाथ मंदिर व श्री नीलकंठ महादेव सेवा समिति रजिस्टर के सहयोग से निशुल्क जाँच शिविर का अयोजन 21 जून को 11 बजे से 2 बजे तक लगाया जा रहा है । जिसमें प्रसिध्द स्त्री प्रसूति रोग विशेषज्ञ डाक्टर अदिति तथा डाक्टर नितेश बंसल जो हडडी व जोडो के दर्द के विशेषज्ञ है पहुंच रहे है। जिनकी देख रेख में निशुल्क जाँच शिविर का अयोजन किया जा रहा है इसमें जरूरत मंदो को दवाइयां भी मुफत में दी जायेंगी। इसमें शूगर की जाँच तथा खून की जाँच बिलकुल मुफत की जायेगी। उसके साथ ही एक बजे से लंगर की व्यवस्था भी की गई है।

जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक स्थगित

पंचकूला, 19 जून। हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार की अध्यक्षता में 22 जून को बाद दोपहर 3 बजे सेक्टर-1 स्थित लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में आयोजित होने वाली जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति, पंचकूला की बैठक आगामी आदेशों तक स्थगित कर दी गई है।

मेयर ने PM-VBRY को ऐतिहासिक पहल बताया

चंडीगढ़, 19 जून (वीरेन्द्र सिंह)। चंडीगढ़ के मेयर सौरभ जोशी ने गोस्वामी गणेश दत्ता सनातन धर्म कॉलेज, सेक्टर 32, चंडीगढ़ के मेन ऑडिटोरियम में प्रधानमंत्री विकसित भारत रोज़गार योजना के तहत आयोजित रीजनल प्रोग्राम में हिस्सा लिया। यह प्रोग्राम नई दिल्ली के विज्ञान भवन में नेशनल इवेंट के साथ हुआ, जहाँ माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने बेनिफिशियरीज़ को संबोधित किया और फ्लैगशिप एम्प्लॉयमेंट-लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम के तहत इंसेंटिव बांटने की शुरुआत की। मेयर सौरभ जोशी ने PM-VBRY को एक ऐतिहासिक पहल बताया जो पूरे देश में रोज़गार पैदा करने, वर्कफ़ोर्स को औपचारिक बनाने और सोशल सिक्योरिटी कवरेज को काफ़ी मज़बूत करेगी। उन्होंने कहा कि यह स्कीम प्रधानमंत्री के उस विज़न को दिखाती है जिसमें भारत के युवाओं को रोज़गार के अच्छे मौके देकर मज़बूत बनाया जाता है, साथ ही इंडस्ट्रीज़ और जगहों को नई नौकरियाँ बनाने के लिए बढ़ावा दिया जाता है। मेयर ने कहा कि चंडीगढ़, जो एजुकेशन, इनोवेशन, एंटरप्रेन्योरशिप और सर्विसेज का हब है, ऐसे प्रोग्रेसिव रोज़गार-ओरिएंटेड सुधारों से बहुत फ़ायदा उठाएगा। उन्होंने कहा कि PM-VBRY पहली बार नौकरी ढूंढने वालों को बड़ा बढ़ावा देगा, साथ ही एम्प्लॉयर्स को अपने वर्कफ़ोर्स को बढ़ाने के लिए बढ़ावा देगा। पार्टिसिपेंट्स ने विज्ञान भवन से नेशनल प्रोग्राम का लाइव टेलीकास्ट देखा, जिसके दौरान माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश भर के बेनिफिशियरीज़ से बातचीत की और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के ज़रिए लगभग ?2,400 करोड़ के इंसेंटिव जारी करने में मदद की, जिससे 15 लाख से ज़्यादा एम्प्लॉइज़ और एम्प्लॉयर्स को फ़ायदा हुआ।

मेयर जोशी ने कहा कि PM-VBRY विकसित भारत ञ्च2047% के विज़न को पूरा करने की दिशा में एक बड़ा बदलाव लाने वाला कदम है, जो यह पक्का करता है कि इकोनॉमिक ग्रोथ लाखों नागरिकों के लिए रोज़गार के मौकों और सोशल सिक्योरिटी बेनिफिट्स में बदले। उन्होंने कहा कि यह स्कीम भारत के वर्कफोर्स को मज़बूत करेगी, इंडस्ट्रियल ग्रोथ को बढ़ावा देगी और एक इनक्लूसिव और सेल्फ-रिलायंट इकॉनमी बनाने में अहम योगदान देगी। इस मौके पर मौजूद जाने-माने लोगों में श्री राजीव कुमार गुप्ता, ढ्ढस्, कमिश्नर लेबर, पंजाब सरकार; श्री हेमांग डिमगेल, डिप्टी चीफ लेबर कमिश्नर, चंडीगढ़; श्री आकाश मित्तल, असिस्टेंट लेबर कमिश्नर, चंडीगढ़; श्री पंकज वोहरा, जॉइंट डायरेक्टर, श्वस्ढ्ढष्; श्री एस.एस. नेगी, डायरेक्टर जनरल, लेबर ब्यूरो; और श्री हुकुम सिंह, रीजनल कमेटी मेंबर शामिल थे। एम्प्लॉयर्स एसोसिएशन, इंडस्ट्रियल जगहों, कर्मचारियों, बेनिफिशियरी और दूसरे स्टेकहोल्डर्स के रिप्रेजेंटेटिव ने भी प्रोग्राम में हिस्सा लिया।

PM-VBRY स्कीम का मकसद ?99,446 करोड़ के कुल खर्च के साथ देश भर में 3.5 करोड़ से ज़्यादा नौकरियां बनाना है। पहली बार नौकरी करने वाले कर्मचारियों को सपोर्ट करके और ज़्यादा नौकरियां पैदा करने वाले एम्प्लॉयर्स को बढ़ावा देकर, इस स्कीम से वर्कफोर्स फॉर्मलाइज़ेशन में तेज़ी आने और सोशल सिक्योरिटी कवरेज को बहुत बड़े पैमाने पर बढ़ाने की उम्मीद है। रोज़गार पर आधारित सुधारों के लिए अपना समर्थन दोहराते हुए, मेयर श्री सौरभ जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, भारत अवसर, सशक्तिकरण और समावेशी विकास का एक नया दौर देख रहा है, जिसमें युवा देश की विकास यात्रा के केंद्र में हैं।

राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने किया अत्याधुनिक दास ऑडिटोरियम का उद्घाटन

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पंचकूला, 18 जून। पंजाब के राज्यपाल एवं यूटी चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने दास एंड ब्राउन एक्सपीरिएंशियल लर्निंग स्कूल (डीबेल्स) परिसर में नवनिर्मित अत्याधुनिक दास ऑडिटोरियम का उद्घाटन किया। यह अवसर डीसीएम ग्रुप ऑफ स्कूल्स के ८0वें स्थापना वर्ष समारोह का एक महत्वपूर्ण पड़ाव रहा।

इस अवसर पर राज्यपाल ने शिक्षा, नवाचार और राष्ट्र निर्माण में डीसीएम ग्रुप ऑफ स्कूल्स के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए ऐसे शिक्षण संस्थानों की आवश्यकता है, जो विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, रचनात्मक सोच और सामाजिक जिम्मेदारी का विकास करें। उन्होंने कहा कि डीसीएम ग्रुप पिछले आठ दशकों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से समाज को दिशा देने का कार्य कर रहा है। उद्घाटन समारोह के बाद 'द पंजाब प्रोजेक्ट' की विशेषह्व सांस्कृतिक प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में पंजाब की समृद्ध संस्कृति, वीरता और लोक परंपराओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। समारोह के दौरान 14 और 15 नवंबर 2026 को आयोजित होने वाले चंडीगढ़ चिल्ड्रेन लिटरेचर, आर्ट एंड फोटोग्राफी फेस्टिवल की भी घोषणा की ।

डीसीएम ग्रुप ऑफ स्कूल्स के सीईओ डॉ. अनिरुद्ध गुप्ता ने कहा कि दास ऑडिटोरियम विद्यार्थियों की प्रतिभा और रचनात्मक अभिव्यक्ति को नया मंच प्रदान करेगा। कार्यक्रम में शिक्षाविदों, अभिभावकों, विद्यार्थियों, पूर्व छात्रों तथा अन्य गणमान्य अतिथियों की भी उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

अतिक्रमण पर सख्ती, बड़े पैमाने पर एनफोर्समेंट ड्राइव में 63 चालान काटे

अर्थ प्रकाश/वीरेन्द्र सिंह

चंडीगढ़, 19 जून। म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चंडीगढ़ ने पूरे शहर में अतिक्रमण और पब्लिक जगहों पर बिना इजाज़त कब्ज़े के खिलाफ़ एक बड़ा एनफोर्समेंट ड्राइव चलाया।

मनीमाजरा, सेक्टर 13 में एक खास ऑपरेशन चलाया गया, जिसमें म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की ज़मीन पर काम कर रहे गैर-कानूनी मैकेनिकों को टारगेट किया गया। ड्राइव के दौरान, 20 गाड़ियां ज़ब्त की गई, सात और चालान काटे गए, और जैक, रबर मशीन, टूल और प्लेटफॉर्म जैसी बिना इजाज़त की चीज़ें हटाई गईं। इलाके में कुल 27 चालान काटे गए।

एनफोर्समेंट टीम ने सदर बाज़ार, सेक्टर 19 में भी एक ड्राइव चलाई, जहाँ दुकानदारों के नियमों का उल्लंघन और अतिक्रमण के लिए 21 चालान काटे गए।

शाम को, नया गाँव बैरियर पर एक ड्राइव के नतीजे में गैर-कानूनी तरीके से रखी गई 15 रेहड़ी यूनिट ज़ब्त की गईं।

कुल मिलाकर, दिन भर चले कैंपेन के दौरान 63 चालान काटे गए। नगर निगम ने सार्वजनिक जगहों को अतिक्रमण से मुक्त रखने और नागरिकों के लिए आसान आवाजाही और सुविधा सुनिश्चित करने के अपने वादे को दोहराया।

निरोगी तन, निर्मल मन और जागृत आत्मा' के संदेश संग संत निरंकारी मिशन का अंर्तराष्ट्रीय योग दिवस

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़/पंचकूला/ मोहाली, 19 जून। 'निरोगी तन, निर्मल मन और जागृत आत्मा' के पावन संकल्प को साकार रूप देते हुए संत निरंकारी मिशन 'अंर्तराष्ट्रीय योग दिवस' के अवसर पर एक व्यापक योग एवं आध्यात्मिक चेतना अभियान का आयोजन कर रहा है। सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के पावन आशीर्वाद एवं दूरदर्शी मार्गदर्शन में संचालित यह प्रेरणादायी अभियान मानव कल्याण, समग्र स्वास्थ्य और आत्मिक उत्थान की दिशा में एक सार्थक प्रयास है।

सतगुरु माता जी का प्रेरक संदेश - स्वस्थ मन, सहज जीवन इस सत्य को प्रतिपादित करता है कि जीवन की वास्तविक समृद्धि केवल शारीरिक स्वास्थ्य में नहीं, बल्कि मानसिक संतुलन और आध्यात्मिक जागरूकता में निहित है। सतगुरु माता जी के अनुसार मानव शरीर परमात्मा की अनुपम देन है, जिसकी देखभाल और सुदृ?ता व्यक्ति को अपने आध्यात्मिक, सामाजिक एवं मानवीय उत्तरदायित्वों का श्रेष्ठ निर्वहन करने में सक्षम बनाती है। यह अभियान योग को मात्र शारीरिक व्यायाम न मानकर, आत्मबोध, आंतरिक शांति, मानवीय एकता और विश्वबंधुत्व की भावना को विकसित करने वाली एक समग्र जीवन साधना के रूप में अपनाने का संदेश देता है। इसी प्रेरणास्रोत भावना के अंतर्गत संत निरंकारी मिशन द्वारा रविवार, 21 जून 2026 को प्रातः 6ः00 बजे भारतवर्ष के 1500 से अधिक केंद्रों पर एक साथ योग सत्र आयोजित किए जाएंगे। मिशन की विभिन्न शाखाओं में स्थानीय योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में खुले मैदानों एवं पार्कों में आयोजित इन कार्यक्रमों में श्रद्धालु, सेवादल स्वयंसेवक एवं स्थानीय नागरिक उत्साहपूर्वक सहभागी बनेंगे।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग है प्रभावी और सुरक्षित माध्यम : मनीष कुमार

- योग के वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक पहलुओं पर हुआ मंथन
- राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, पंचकूला में योग सम्मेलन आयोजित

अर्थ प्रकाश/सुनील सिंघई

पंचकूला, 19 जून। हरियाणा योग आयोग एवं आयुष विभाग, हरियाणा के संयुक्त तत्वावधान में आज राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, पंचकूला में एक विशेष योग सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य योग के वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक पहलुओं को बढ़ावा देना तथा मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में योग की प्रभावशीलता के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में श्री मनीष कुमार ने ÷मानसिक स्वास्थ्य के लिए साक्ष्य-आधारित योग अभ्यास विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि विभिन्न शोध अध्ययनों से यह प्रमाणित हो चुका है कि योग तनाव, चिंता, अवसाद तथा अन्य मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने योग को आधुनिक जीवनशैली से उत्पन्न मानसिक समस्याओं के समाधान के लिए एक प्रभावी, सुरक्षित एवं सुलभ माध्यम बताया। इस अवसर पर राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के विद्यार्थियों, आयुष विभाग के चिकित्सा अधिकारियों, फार्मासिस्टों तथा योग विशेषज्ञों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रतिभागियों ने योग के वैज्ञानिक आधार, मानसिक स्वास्थ्य पर इसके सकारात्मक प्रभाव तथा दैनिक जीवन में योग को अपनाने के व्यावहारिक उपायों के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने योग को जन-जन तक पहुंचाने तथा स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली के निर्माण में इसकी भूमिका को और अधिक सुदृढ़ करने का संकल्प लिया।

सम्मेलन का समापन हरियाणा योग आयोग के चेयरपर्सन श्री जयदीप आर्य द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया। उन्होंने मुख्य वक्ता श्री मनीष कुमार, आयुष विभाग के अधिकारियों, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के विद्यार्थियों, फार्मासिस्टों, योग विशेषज्ञों तथा सभी प्रतिभागियों का सफल आयोजन में सहयोग एवं सहभागिता के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने योग को जन-जन तक पहुंचाने और स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास करने का आह्वान भी किया।

अकालियों को ख्याली दुनिया से बाहर आ जाना चाहिए; सत्ता में वापसी की बजाय, अब उनकी जेल जाने की बारी आ गई है: मान

कहा–आप का 'झाड़ू' पंजाब की राजनीतिक व्यवस्था की सफाई कर रहा है और अपने पापों के जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह बनाया जाएगा

जिन्होंने श्री अकाल तख्त साहिब के समक्ष झूठ बोला, वे किसी के वफादार नहीं हो सकते

अर्थ प्रकाश संवाददाता

फगवाड़ा; 18 जून। फगवाड़ा में आयोजित 'लोक मिलनी' कार्यक्रम के दौरान पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने शिरोमणि अकाली दल और कांग्रेस पर तीखा राजनीतिक हमला बोला। उन्होंने कहा कि पंजाब पर बारी-बारी से शासन करने वाली पारंपरिक राजनीतिक पार्टियों का दौर अब समाप्त हो चुका है और जनता अब उन नेताओं को जवाबदेह बना रही है जिन्होंने वर्षों तक राज्य के भरोसे और संसाधनों का दुरुपयोग किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी पार्टी का चुनाव चिह्न 'झाड़ू' पंजाब की राजनीतिक व्यवस्था की सफाई कर रहा है। उन्होंने अकाली दल और कांग्रेस को ÷एक ही सिक्के के दो पहलू÷ बताते हुए आरोप लगाया कि दोनों दलों ने सत्ता में रहते हुए एक-दूसरे के हितों की रक्षा की और जनता के मुद्दों की अनदेखी की।

मान ने अकाली नेतृत्व की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए कहा कि जो लोग श्री अकाल तख्त साहिब के समक्ष किए गए अपने बयानों से मुकर सकते हैं, उन पर जनता कैसे भरोसा कर सकती है। उन्होंने कहा कि अकाली दल और कांग्रेस दोनों ने अपने राजनीतिक हितों को जनता के हितों से ऊपर रखा, जबकि आम आदमी पार्टी की सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में लगातार काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले पंजाब की राजनीति में सत्ता परिवर्तन एक तय प्रक्रिया की तरह था, जिसमें एक दल के बाद दूसरा दल शासन करता था। लेकिन अब हालात बदल चुके हैं और जनता विकास तथा पारदर्शिता के आधार पर सरकार चुन रही है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में राजनीतिक संस्कृति बदल रही है और जवाबदेही की नई परंपरा स्थापित हो रही है। बेअदबी के मुद्दे पर बोलते हुए भगवंत मान ने कहा कि श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी की घटनाओं ने करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं को आहत किया। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने इस संबंध में एक मजबूत कानून तैयार किया है, जिसका उद्देश्य भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकना और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करना है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती सरकारें इस दिशा में प्रभावी कदम उठाने में विफल रहीं।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पार्टी गंभीर आंतरिक गुटबाजी का शिकार है और उसके पास पंजाब के विकास के लिए कोई स्पष्ट दृष्टिकोण नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का अधिकांश समय आंतरिक संघर्षों में बीत रहा है, जबकि राज्य सरकार विकास कार्यों पर ध्यान केंद्रित कर रही है। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार की उपलब्धियों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि सत्ता संभालने के बाद से सरकार ने 67 हजार से अधिक युवाओं को बिना किसी भ्रष्टाचार या सिफारिश के सरकारी नौकरियां प्रदान की हैं। उनका दावा था कि भर्ती प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाया गया है, जिससे युवाओं का भरोसा बढ़ा है।

शिक्षा क्षेत्र में सुधारों का जिक्र करते हुए मान ने कहा कि राज्य भर में स्कूल ऑफ एमिनेंस स्थापित किए गए हैं। इन स्कूलों में आधुनिक सुविधाएं, स्मार्ट कक्षाएं, प्रयोगशालाएं और खेल सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने बताया कि शिक्षकों और प्रिंसिपलों को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों का प्रशिक्षण देने के लिए विदेशों तक भेजा जा रहा है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण में पंजाब ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को नीट, जेईई, क्लैट और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए विशेष कोचिंग प्रदान की जा रही है। इसके सकारात्मक परिणाम भी सामने आ रहे हैं और कई विद्यार्थी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर रहे हैं।

स्वास्थ्य क्षेत्र में सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब देश का पहला राज्य बन गया है जहां सभी नागरिकों को व्यापक स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि राज्य में लगभग एक हजार आम आदमी क्लीनिक संचालित हैं, जहां लोगों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं। मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इसके तहत प्रत्येक परिवार को 10 लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है। उनके अनुसार, योजना के माध्यम से अब तक सैकड़ों करोड़ रुपये का मुफ्त इलाज लोगों को मिल चुका है, जिससे आम परिवारों पर आर्थिक बोझ कम हुआ है।

बिजली क्षेत्र में सुधारों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के लगभग 90 प्रतिशत परिवारों को मुफ्त बिजली का लाभ मिल रहा है। उन्होंने दावा किया कि किसानों को धान सीजन के दौरान दिन के समय भी निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। साथ ही सिंचाई सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए हजारों किलोमीटर पाइपलाइनें और जल वितरण ढांचे का विकास किया गया है। मान ने कहा कि राज्य सरकार ने किसानों की सिंचाई जरूरतों को पूरा करने के लिए नहरों और पाइपलाइन नेटवर्क को मजबूत किया है। इसके साथ ही भूजल स्तर को बेहतर बनाने के लिए रिचार्ज पॉइंट भी विकसित किए गए हैं, जिनके सकारात्मक परिणाम कई क्षेत्रों में दिखाई देने लगे हैं।

उन्होंने बताया कि सरकार ने 19 टोल प्लाजा बंद किए हैं, जिससे आम लोगों को प्रतिदिन लाखों रुपये की राहत मिल रही है। करदाताओं के पैसे का उपयोग अब शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और अन्य सार्वजनिक सुविधाओं के विकास में किया जा रहा है। महिलाओं के लिए शुरू की गई 'मांवां-धियां सत्कार योजना' का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके तहत पात्र महिलाओं को मासिक वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह योजना महिलाओं के सम्मान और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

फगवाड़ा के विकास के 18 करोड़ रुपये से अधिक की ग्रांट देने की घोषणा

फगवाड़ा के विकास को लेकर मुख्यमंत्री ने 18 करोड़ रुपये से अधिक की ग्रांट देने की घोषणा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्थानीय लोगों को प्रशासनिक कार्यों के लिए अनावश्यक परेशानी न उठानी पड़े और सेवाएं उनके नजदीक उपलब्ध कराई जाएं। अपने संबोधन के अंत में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि 'लोक मिलनी' कार्यक्रम राजनीति नहीं, बल्कि सरकार और जनता के बीच संवाद का माध्यम है। उन्होंने दावा किया कि राज्य सरकार का एकमात्र उद्देश्य पंजाब का विकास और लोगों की खुशहाली सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि सरकार जनता से किए गए वादों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है और आने वाले समय में भी जनहित की योजनाएं जारी रहेंगी। इस अवसर पर सांसद डॉ. राज कुमार चब्बेवाल सहित कई जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

न्यूज़ ब्रीफ

राहुल गांधी के जन्मदिन पर डेराबस्सी महिला कांग्रेस हलका इंचार्ज किरण मखीजा ने महिलाओं को वितरित किए सेनेटरी पैड

डेराबस्सी (अप्रस/चौहान)। कांग्रेस पार्टी के विपक्ष के नेता राहुल गांधी के जन्मदिन के अवसर पर डेराबस्सी महिला कांग्रेस हलका इंचार्ज किरण मखीजा द्वारा कम्युनिटी वेलफेयर और सहयोग के तहत विभिन्न रिहायशी सोसाइटीज तथा संस्थानों में महिलाओं के बीच सेनेटरी पैड वितरित कर एक विशेष जनसेवा अभियान चलाया गया। इस दौरान उन्होंने महिलाओं के स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश भी दिया। किरण मखीजा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर गुलमोहर सिटी, गुलमोहर सिटी एक्सटेंशन, सिल्वर सिटी, बेला होम सहित डेरा बस्सी क्षेत्र की कई अन्य सोसाइटीज में जाकर महिलाओं को सेनेटरी पैड वितरित किए गए। उन्होंने कहा कि मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता बनाए रखना महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक है और समाज के प्रत्येक वर्ग तक इस संबंध में जागरूकता पहुंचाने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत उन महिलाओं को भी विशेष रूप से शामिल किया गया, जो विभिन्न घरों में साफ–सफाई और घरेलू कार्यों के माध्यम से अपने परिवार का पालन–पोषण करती हैं। इसी कड़ी में जीसीई डेराबस्सी की घरेलू सहायिकाओं (हाउसमेड्स) के बीच भी सेनेटरी पैड वितरित किए गए। यह पहल सामुदायिक कल्याण और सामाजिक सहयोग की भावना से प्रेरित होकर की गई।

डेराबस्सी में आज होगी गुरुकुलम प्रीमियर लीग, आठ टीमें लेंगी हिस्सा

डेराबस्सी (अप्रस/चौहान)। गुरुकुलम ईंस्टीट्यूट की ओर से विद्यार्थियों की खेल प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से गुरुकुलम प्रीमियर लीग (जीपीएल)–2026 का आयोजन शनिवार को एटीएस टर्फ ग्राउंड, फ्लाईओवर के पास, डेराबस्सी में किया जाएगा। प्रतियोगिता शाम 4.30 बजे से रात 8˜30 बजे तक आयोजित होगी, जिसमें गुरुकुलम के छात्र–छात्राओं की आठ टीमें रोमांचक क्रिकेट मुकाबलों में भाग लेंगी। आयोजक मीनाक्षी वैष्णव ने बताया कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में खेल भावना, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और टीम वर्क की भावना को प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि गुरुकुलम की चेयरपर्सन श्रीमती सुशीला वैष्णव, धर्मगुरु महंत शिवेन्द्र वैष्णव जी की धर्मपत्नी होंगी। वह विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ खेलों के महत्व और जीवन में सफलता के लिए प्रेरित करेंगी। प्रतियोगिता में विजेता टीम को 1500 रुपये नकद और ट्रॉफी, जबकि उपविजेता टीम को 1000 रुपये नकद और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा सर्वाधिक रन बनाने वाले और सर्वाधिक विकेट लेने वाले खिलाड़ियों को विशेष पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। गुरुकुलम प्रबंधन का कहना है कि खेल शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने अभिभावकों, पूर्व छात्रों और खेल प्रेमियों से अपील की है कि वे आयोजन में पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करें।

नाभा फोटोग्राफर एसोसिएशन नाभा की मीटिंग प्रेसिडेंट राकेश कुमार की लीडरशिप में हुई

नाभा (अप्रस/अमन गर्ग)। नाभा फोटोग्राफर एसोसिएशन नाभा की मीटिंग प्रेसिडेंट राकेश कुमार जी की लीडरशिप में हुई। जिसमें उन्होंने अपने मेंबर्स को पंजाब फोटोग्राफर एसोसिएशन के मेंबरशिप सर्टिफिकेट और आईडी कार्ड दिए। जिसमें स्टेट, ज़ोन और डिस्ट्रिक्ट मेंबर्स मौजूद थे जिन्होंने फोटोग्राफी प्रोफेशन को अच्छे तरीके से लोगों के सामने रखने के लिए इंस्पायर किया और एक फोटोग्राफी फेयर ऑर्गनाइज़ करने के बारे में जानकारी शेयर की जिसमें बड़ी कंपनियाँ हिस्सा ले रही हैं। मीटिंग में मौजूद मेंबर्स में स्टेट जॉइंट सेक्रेटरी लखवीर सिंह सोनी, क्करु यादव पीसी मेंबर, हरजीत गिर ज़ोन प्रेसिडेंट, इंदरजीत सिंह ज़ोन सेक्रेटरी, जसविंदर सिंह ज़ोन वाइस प्रेसिडेंट, निर्भय सिंह भादसों ज़ोन वाइस प्रेसिडेंट, बलविंदर सिंह जॉइंट सेक्रेटरी, चरणजीत सिंह खुराना डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी, बेअंत सिंह डिस्ट्रिक्ट सीनियर वाइस प्रेसिडेंट, पुनीत कुमार पीआरओ नाभा यूनिट द्वारा ऑर्गनाइज़ किए गए फंक्शन में शामिल हुए। फंक्शन में एरिया से बड़ी संख्या में फोटोग्राफर्स ने हिस्सा लिया और सभी ने फोटो फेयर का पोस्टर रिलीज़ किया। उनके अलावा नाभा यूनिट के प्रेसिडेंट राकेश कुमार, सेक्रेटरी पुनीत कुमार, कैशियर सुनील दत्त मौजूद थे।

शिवालिक विहार में बंद कमरे से मिली व्यक्ति की लाश, दो दिन बाद बदबू से चला पता

मनीमाजरा निवासी मेवा सिंह किराए पर रह रहा था, पुलिस वेरिफिकेशन नहीं होने पर किरायेदारों की जांच व्यवस्था पर उठे सवाल

अर्थ प्रकाश/संदीप सिंह बावा

जीरकपुर, 19 जून। शिवालिक विहार क्षेत्र में किराए के मकान से 39 वर्षीय व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान मनीमाजरा निवासी मेवा सिंह के रूप में हुई है, जो पिछले कुछ समय से जीरकपुर में किराए के मकान में रह रहा था। बताया जा रहा है कि मकान से तेज बदबू आने के बाद आसपास के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा खुलवाकर अंदर जांच की तो मेवा सिंह का शव बरामद हुआ। प्राथमिक जांच में मौत करीब दो से तीन दिन पहले होने की आशंका जताई जा रही है। जांच के दौरान सामने आया कि मृतक की पुलिस वेरिफिकेशन नहीं करवाई गई थी, जिसके बाद किरायेदारों के सत्यापन को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। एक तरफ पुलिस के उच्च अधिकारियों द्वारा शहर में लगातार किरायेदारों की पुलिस वेरिफिकेशन को लेकर अलग-अलग सोसाइटियों और जीरकपुर के विभिन्न क्षेत्रों में अभियान चलाया जा रहा है वहीं दूसरी और लोगों की तरफ से अभी भी आदेशों की

अनदेखी की जा रही है आखिरकार पुलिस द्वारा बार-बार अभियान चलाने के बावजूद जो लोग आदेशों का पालन नहीं कर रहे इन पर कब होगी कार्रवाई यह अपने आप में बड़ा सवाल है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौत के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस आसपास के लोगों और संबंधित पक्षों से पूछताछ कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह स्पष्ट हो पाएगी।

तीन दिन पहले डेरा बस्सी के पास जमीन विवाद में हुई गोलीबारी मामले में नया मोड़, आरोपी साहिल 7 दिन के पुलिस रिमांड पर

अर्थ प्रकाश/चौहान

लालड़ू, 19 जून। डेरा बस्सी के निकट गांव घोलू माजरा स्थित सुरक्षा एन्क्लेव में तीन दिन पहले जमीन संबंधी पुराने विवाद को लेकर हुई सनसनीखेज गोलीबारी के मामले में नया घटनाक्रम सामने आया है। वारदात के बाद फरार हुए मुख्य आरोपी साहिल मलिक को हरियाणा पुलिस ने घटना वाले दिन ही गिरफ्तार कर लिया था। आरोपी को पानीपत की अदालत में पेश किया गया, जहां से पुलिस ने उसका सात दिन का रिमांड हासिल किया है। अब उसे प्रोडक्शन वारंट पर पंजाब लाकर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मामले की जानकारी देते हुए शिकायतकर्ता अमन चौधरी पुत्र बबलू चौधरी निवासी गांव हरसोली, जिला मुजफ्फरनगर (उत्तर प्रदेश), हाल निवासी सुरक्षा एन्क्लेव, गांव घोलू माजरा ने बताया कि वह अपने मामा राहुल मलिक पुत्र जिले सिंह निवासी गांव नवादा, हरियाणा, हाल निवासी फ्लैट नंबर 195, आनंदा बी-ब्लॉक, एसबीपी हाउसिंग पार्क, डेरा बस्सी के साथ रहकर उनके प्रॉपर्टी कार्यालय में काम करता है।

अमन के अनुसार घटना वाले दिन शाम करीब सात बजे वह अपने मामा राहुल मलिक तथा सीताराम, रितेश राय और महेंद्र कुमार के साथ कार्यालय में मौजूद था। इसी दौरान राहुल मलिक का भांजा साहिल मलिक हथियार लेकर कार्यालय में घुस आया। आरोप है कि उसने वहां मौजूद लोगों को बाहर जाने के लिए कहा और अचानक फायरिंग शुरू कर दी। इस दौरान चली एक गोली सीताराम की बाईं बांह में लगी, जिससे वह घायल हो गया।

शिकायतकर्ता के मुताबिक इसके बाद आरोपी ने जान से मारने की नीयत से राहुल मलिक पर कई गोलियां चलाईं। गोलियां उनकी छाती और पैरों में लगीं, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। शोर सुनकर परिवार के अन्य सदस्य मौके पर पहुंच गए और बचाव के लिए आवाजें लगाने लगे। इसी बीच आरोपी राहुल मलिक की सफारी गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि वारदात के पीछे जमीन को लेकर चला आ रहा पुराना पारिवारिक विवाद और आपसी रंजिश कारण रही है।

लैहली पुलिस चौकी प्रभारी एसआई गुरविंदर सिंह ने बताया कि आरोपी साहिल मलिक पुत्र मांगे राम निवासी गांव नवादा सनौली, जिला पानीपत (हरियाणा) के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109, 140(3), 333 तथा आर्म्स एक्ट की धाराओं 25, 27, 54 और 59 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

उन्होंने बताया कि हरियाणा पुलिस ने आरोपी को घटना वाले दिन ही गिरफ्तार कर लिया था। बाद में उसे पानीपत कोर्ट में पेश किया गया, जहां से पुलिस ने सात दिन का रिमांड प्राप्त किया है। पंजाब पुलिस अब आरोपी को प्रोडक्शन वारंट पर डेरा बस्सी लाने की प्रक्रिया में जुटी हुई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार मामले की गहनता से जांच जारी है और पूछताछ के दौरान कई महत्वपूर्ण खुलासे होने की उम्मीद है।

जगराओं में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी का 56वां जन्मदिन मनाया

राहुल गांधी हमेशा एकता और भाईचारे का संदेश देते हैं: चेयरमैन सिद्धू

अर्थ प्रकाश/प्रदीप पाल

जगराओं, 19 जून। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस के सीनियर नेता राहुल गांधी का 56वां जन्मदिन जगराओं विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने राजेश इंदर सिंह सिद्धू, वाइस चेयरमैन (एससी डिपार्टमेंट पंजाब) के ऑफिस में बड़े उत्साह के साथ मनाया। इस मौके पर लोकल नेताओं और कार्यकर्ताओं ने केक काटा और आपस में खुशियां बांटीं।

इस दौरान चेयरमैन सिद्धू ने कहा कि राहुल गांधी हमेशा देश में एकता, शांति और भाईचारे का संदेश देते रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज के समय में ऐसे नेताओं की जरूरत है जो लोगों को जोड़ने का काम करें।

उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा लोगों की भलाई के मुद्दों को आगे रखती है और राहुल गांधी की सोच के अनुसार समाज में एकता को मजबूत करने के लिए काम करती रहेगी।

सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इस जन्मदिन को यादगार बनाने के लिए पौधे भी लगाए ताकि समाज में पर्यावरण बचाने का संदेश दिया जा सके।

इस मौके पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय निवासी भी मौजूद थे, जिनमें मुख्य रूप से ब्लॉक अध्यक्ष हरप्रीत सिंह धालीवाल, रिंपी लधर, जीवन सिंह बागियां, फिना सभरवाल, सनी कक्कड़, अवतार विर्क, रछपाल सिंह चीमना, प्रेम सिंह लोहट, गुर दीत सिंह, बॉबी कपूर, बलबीर नथोवाल, लाल चंद शर्मा और कमल अदि बड़ी संख्या में मौजूद थे।

विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने डेराबस्सी के सरकारी कार्यालयों और सिविल अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

अर्थ प्रकाश/चौहान

डेराबस्सी, 19 जून। हलका डेरा बस्सी के विधायक सरदार कुलजीत सिंह रंधावा ने शुक्रवार को शहर के विभिन्न सरकारी कार्यालयों और सिविल अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति का रिकॉर्ड जांचा तथा आम लोगों को उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। विधायक रंधावा ने नगर काउंसिल कार्यालय डेरा बस्सी, सिविल अस्पताल डेरा बस्सी, बी.डी.पी.ओ. कार्यालय तथा पुलिस थाना डेरा बस्सी पहुंचकर व्यवस्थाओं की विस्तार से जांच की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अपने कार्यों के लिए कार्यालयों में पहुंचे लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याएं भी सुनीं। सिविल अस्पताल में विधायक रंधावा ने मरीजों का हालचाल जाना और स्वास्थ्य सेवाओं तथा दवाइयों की उपलब्धता के संबंध में जानकारी प्राप्त की। वहीं पुलिस थाना तथा अन्य कार्यालयों में लंबित मामलों का शीघ्र निपटारा करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने कहा कि मुख्यमंत्री सरदार भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार आम लोगों को पारदर्शी और समयबद्ध प्रशासनिक सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकारी दफ्तरों में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को समय पर कार्यालय पहुंचने की हिदायत देते हुए कहा कि लोगों को अपने कार्यों के लिए अनावश्यक परेशानी नहीं उठानी पड़नी चाहिए। उन्होंने सख्त लहजे में निर्देश दिए कि जनता के कार्यों में बिना वजह देरी न की जाए तथा सभी कर्मचारी अपनी जिम्मेदारियां पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाएं। औचक निरीक्षण के दौरान उपमंडल डेरा बस्सी के विभिन्न विभागों में तैनात कई अधिकारी और कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए।

जीरकपुर पुलिस ने बढ़ाई सुरक्षा, बलटाना और ढकोली में लगाए शिफ्टिंग नाके

संदिग्ध वाहनों व व्यक्तियों की हुई गहन जांच, अपराधों पर लगाम लगाने के लिए लगातार जारी रहेगा अभियान

अर्थ प्रकाश/संदीप सिंह बावा

जीरकपुर, 19 जून। क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने तथा अपराधों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से जीरकपुर पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर शिफ्टिंग नाके लगाने की मुहिम तेज कर दी है। इसी कड़ी में शुक्रवार को बलटाना और ढकोली क्षेत्र में पुलिस द्वारा शिफ्टिंग नाके लगाकर संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की गहन जांच की गई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। नाके के दौरान पुलिस टीमों ने दोपहिया और चारपहिया वाहनों को रोककर उनके दस्तावेजों की जांच की। इसके अलावा वाहनों में सवार लोगों की पहचान संबंधी जानकारी भी सत्यापित की गई। पुलिस ने विशेष रूप से उन वाहनों और व्यक्तियों पर नजर रखी जो संदिग्ध परिस्थितियों में आते-जाते दिखाई दिए। जांच के दौरान कई वाहनों की तलाशी भी ली गई ताकि किसी प्रकार की अवैध गतिविधि को रोका जा सके।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शिफ्टिंग नाकों का उद्देश्य अपराधियों और असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर नजर रखना तथा क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखना है। हाल के दिनों में चोरी, लूटपाट और अन्य आपराधिक घटनाओं को देखते हुए पुलिस ने गश्त के साथ-साथ चेकिंग अभियान भी तेज कर दिया है। शिफ्टिंग नाके अलग-अलग स्थानों पर लगाए जाते हैं, जिससे अपराधियों को पुलिस कार्रवाई की पूर्व जानकारी नहीं मिल पाती और उन पर प्रभावी निगरानी रखी जा सकती है।

अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट तथा आवश्यक दस्तावेजों के बिना वाहन चलाने वालों को नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया गया। पुलिस ने लोगों से अपील की कि वे जांच के दौरान सहयोग करें और अपने वाहन संबंधी सभी आवश्यक दस्तावेज साथ रखें। एएसपी जीरकपुर गजलप्रीत कौर ने बताया कि जीरकपुर पुलिस द्वारा नियमित रूप से शिफ्टिंग नाके लगाए जा रहे हैं। बलटाना और ढकोली क्षेत्र में भी नाके लगाकर संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने वाले तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आम लोगों से किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को देने की अपील की, ताकि क्षेत्र में शांति और सुरक्षा का माहौल बनाए रखा जा सके। पुलिस अधिकारियों के अनुसार आने वाले दिनों में भी इस तरह के विशेष अभियान जारी रहेंगे।

शादी का झांसा देकर युवती से बनाए संबंध, चालक पर केस दर्ज

अर्थ प्रकाश/संदीप सिंह बावा

जीरकपुर, 19 जून। शादी का झांसा देकर युवती से शारीरिक संबंध बनाने के आरोप में जीरकपुर थाना पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोपी की पहचान हरशदीप सिंह सिद्धू निवासी वीआईपी रोड, जीरकपुर के रूप में हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस को दी शिकायत में पीड़िता 31 वर्षीय युवती ने बताया कि वह सेक्टर-22 स्थित एक शोरूम में सेल्स कर्मचारी के तौर पर काम करती है। इसी दौरान उसकी पहचान उसी संस्थान में चालक के रूप में कार्यरत हरशदीप सिंह सिद्धू से हुई। युवती का आरोप है कि जनवरी 2026 में आरोपी ने उसे शादी का प्रस्ताव दिया और भरोसा दिलाया कि वह उससे विवाह करेगा। शिकायतकर्ता के अनुसार, आरोपी उसे अलग-अलग मौकों पर जीरकपुर के होटलों और कसौली ले गया, जहां शादी का वादा कर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। इस दौरान आरोपी ने खुद को पत्नी से अलग होने और जल्द तलाक लेने की बात भी कही।

युवती ने आरोप लगाया कि बाद में उसे पता चला कि आरोपी पहले से शादीशुदा है। इसके बावजूद उसने भावनात्मक रूप से प्रभावित कर उसे अपने विश्वास में बनाए रखा। शिकायत के अनुसार फरवरी 2026 में जीरकपुर के एक होटल में मुलाकात के दौरान आरोपी की पत्नी और अन्य परिजन वहां पहुंच गए, जहां उसके साथ कथित तौर पर मारपीट की गई और उसका मोबाइल फोन व अन्य सामान छीन लिया गया। पीड़िता का आरोप है कि अब आरोपी ने उससे शादी करने से साफ इनकार कर दिया है। इसके बाद उसने पुलिस से शिकायत कर कानूनी कार्रवाई की मांग की।

चंडीगढ़ के सभी 42 सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूलों में शुरू होंगे स्किल इलेक्टिव कोर्स

2026-27 सत्र से 30 कौशल आधारित विषयों का मिलेगा विकल्प, 38 नए स्किल ट्रेनर होंगे नियुक्त

अर्थ प्रकाश/साजन शर्मा

चंडीगढ़, 19 जून। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के दिशा-निर्देशों को लागू करने की दिशा में चंडीगढ़ प्रशासन के स्कूल शिक्षा विभाग ने बड़ा कदम उठाया है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 से केंद्र शासित प्रदेश के सभी 42 सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूलों में स्किल इलेक्टिव कोर्स शुरू किए जाएंगे। इससे विज्ञान, वाणिज्य और मानविकी संकाय के विद्यार्थियों को नियमित पढ़ाई के साथ कौशल आधारित शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

अब तक यूटी के 23 सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूलों में ही व्यावसायिक पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे थे। नए फैसले के बाद यह सुविधा सभी 42 स्कूलों तक विस्तारित कर दी गई है। विद्यार्थियों को 30 विभिन्न स्किल इलेक्टिव कोर्सों में से अपनी पसंद के अनुसार विषय चुनने का विकल्प मिलेगा।

इन पाठ्यक्रमों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सूचना प्रौद्योगिकी, वेब एप्लीकेशन, बैंकिंग, मार्केटिंग, फाइनेंशियल मार्केट मैनेजमेंट, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, हेल्थ केयर, फूड प्रोडक्शन, टूरिज्म, ब्यूटी एंड वेलनेस, योग, फैशन स्टडीज, इलेक्ट्रिकल टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोटिव, एसी एवं रेफ्रिजरेशन, फ्रंट ऑफिस ऑपरेशंस, ऑफिस प्रोसीजर एंड प्रैक्टिसेज, सेल्समैनशिप, कॉस्ट अकाउंटिंग, टाइपोग्राफी एंड कंप्यूटर एप्लीकेशंस तथा हिंदी और अंग्रेजी शॉर्टहैंड जैसे विषय शामिल हैं।

शिक्षा विभाग के अनुसार इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को व्यावहारिक कौशल, उद्योग जगत की समझ और करियर संबंधी जागरूकता प्रदान करना है, ताकि वे रोजगार, उद्यमिता और भविष्य के करियर विकल्पों के लिए बेहतर तरीके से तैयार हो सकें।

योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए प्रशासन 38 अतिरिक्त पार्ट-टाइम स्किल ट्रेनरों की नियुक्ति करेगा। वर्तमान में 110 नियमित और अनुबंधित स्किल एजुकेटर कार्यरत हैं। इस विस्तार पर लगभग 1.20 करोड़ रुपये का व्यय आने का अनुमान है।

इसके साथ ही 1,755 व्यावसायिक सीटों का पुनर्वितरण विज्ञान, वाणिज्य और मानविकी संकायों में किया जाएगा। इससे कक्षा 11 की कुल प्रवेश क्षमता 13,875 से बढ़कर 13,920 हो जाएगी और विद्यार्थियों को अपनी रुचि के अनुरूप विषय चुनने में अधिक लचीलापन मिलेगा।

स्कूल शिक्षा निदेशक नितिश सिंगला ने कहा कि यह पहल विभाग की समग्र शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि विभाग का लक्ष्य विद्यार्थियों को केवल शैक्षणिक रूप से उत्कृष्ट बनाना ही नहीं, बल्कि उन्हें ऐसे कौशल प्रदान करना भी है, जो उन्हें आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी और भविष्य के लिए तैयार नागरिक बना सकें।

विभाग ने कार्यक्रम के प्रभावी संचालन के लिए प्रशिक्षित प्रशिक्षकों की तैनाती, अकादमिक सहायता और निरंतर निगरानी की व्यापक योजना भी तैयार की है। प्रशासन का मानना है कि स्किल इलेक्टिव कोर्सों का यह विस्तार चंडीगढ़ में स्किल एजुकेशन को मुख्यधारा की स्कूली शिक्षा का हिस्सा बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।

अर्थ प्रकाश न्यूज पेपर्स के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक महावीर जैन द्वारा 'अर्थ प्रकाश प्रेस' से मुद्रित एवं प्रकाशित तथा अर्थ प्रकाश कार्यालय अर्थ प्रकाश भवन, सैक्टर 29-डी, चण्डीगढ़ से जारी। प्रधान सम्पादक : **महावीर जैन,** सम्पादक एवं मुख्य संवाददाता **कैलाश चन्द जैन**
आर.एन.आई. पंजीक्रम : **42427/86** डाक पंजीक्रम : **G/CHD/0197/2021-23** फोन : 0172-2638515, 9814019928 E-mail : arthparkash@gmail.com, arthparkashnews@gmail.com मुख्य सलाहकार : **हरीश चंद्र जैन,** एचसीएस (सेवानिवृत्त)

जनप्रतिनिधियों के प्रस्तावों को प्राथमिकता देते हुए शीघ्र तैयार की जाए कार्ययोजना : मुख्यमंत्री योगी

अर्थ प्रकाश/विजय कुमार निगम

कानपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को एचबीटीयू परिसर में संयुक्त आयुक्त कार्यालय के उद्योग सभागार में लोक निर्माण विभाग की बैठक ली। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना की समीक्षा की तथा कानपुर मंडल के जनप्रतिनिधियों से विकास संबंधी प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में कानपुर नगर, कानपुर देहात, कन्नौज, इटावा, औरैया तथा फर्रुखाबाद जनपदों के जनप्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्रों की विकास आवश्यकताओं से संबंधित प्रस्ताव प्रस्तुत किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनप्रतिनिधियों को अपने क्षेत्र की भौगोलिक, सामाजिक एवं विकासगत आवश्यकताओं की गहन जानकारी होती है। ऐसे में उनके सुझावों एवं प्रस्तावों को प्राथमिकता के आधार पर संकलित कर शासन को शीघ्र कार्ययोजना प्रेषित की जाए, जिससे आवश्यक स्वीकृतियां प्रदान कर समयबद्ध रूप से कार्य प्रारंभ कराया जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोक निर्माण विभाग की सड़कों को क्षति पहुंचाने वाले व्यक्तियों अथवा संस्थाओं से नियमानुसार क्षतिपूर्ति की वसूली सुनिश्चित की जाए। सड़कों की गुणवत्ता एवं उपयोगिता बनाए रखने के लिए प्रभावी कार्रवाई की जाए। उन्होंने जनहित से जुड़ीं परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर स्वीकृति प्रदान करने तथा समयबद्ध ढंग से क्रियान्वित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना, राज्य राजमार्गों, दीर्घ एवं लघु सेतु, आरओबी/आरयूबी,

धार्मिक स्थलों को जोड़ने वाले संपर्क मार्गों, फ्लाईओवर तथा सड़क सुरक्षा से संबंधित प्रस्तावों पर जनप्रतिनिधियों द्वारा निर्धारित वरीयता क्रम के अनुसार त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए सभी बिंदुओं पर समयबद्ध, समन्वित एवं पारदर्शी कार्रवाई की जाए। विकास परियोजनाओं के भूमि पूजन एवं शिलान्यास कार्यक्रमों में संबंधित जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की देरी अथवा शिथिलता स्वीकार्य नहीं होगी तथा प्रत्येक परियोजना को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण किया जाए। बैठक में मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि कानपुर नगर से 5,523 करोड़ रुपये लागत की 344 परियोजनाओं, कन्नौज से 2,058 करोड़ रुपये की 217 परियोजनाओं, फर्रुखाबाद से 2,016 करोड़ रुपये की 339 परियोजनाओं, कानपुर देहात से 1,581 करोड़ रुपये की 387 परियोजनाओं, औरैया से 439 करोड़ रुपये की 33 परियोजनाओं तथा इटावा से 104 करोड़ रुपये की 54 परियोजनाओं के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इस प्रकार कानपुर मंडल के छह जनपदों से लगभग 11,724 करोड़ रुपये लागत की 1,374 परियोजनाओं के प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने गत वित्तीय वर्ष में स्वीकृत परियोजनाओं की भी समीक्षा की। मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि गत वर्ष कानपुर मंडल में 5,497 करोड़ रुपये की लागत की 2,301 परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई थी, जिनमें से 1,242 परियोजनाएं पूर्ण की जा चुकी हैं तथा शेष परियोजनाओं पर कार्य प्रगति पर है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जिन परियोजनाओं में निविदा प्रक्रिया पूर्ण होने के बावजूद कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है, उन मामलों में संबंधित फर्मों को चिह्नित कर सख्त कार्रवाई की जाए। उन्हें ब्लैकलिस्ट करने और एफआईआर दर्ज कराने की प्रक्रिया भी अपनाई जाए।

साइबर वित्तीय अपराध रोकने के लिए बैंक बनाएं विशेष एसओपी : चंद्रबाबू नायडू

अर्थ प्रकाश/बोम्मा रेड्डी

अमरावती। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने बैंकों को डिजिटल अरेस्ट, साइबर धोखाधड़ी और अन्य वित्तीय अपराधों की रोकथाम के लिए विशेष स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (सीओपी) तैयार करने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधों से पीड़ितों को आर्थिक नुकसान से बचाने के लिए बैंकों को त्वरित और प्रभावी कदम उठाने होंगे।

सचिवालय में आयोजित 235वीं राज्य स्तरीय बैंकर समिति (SLBC) की बैठक में मुख्यमंत्री ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 8.10 लाख करोड़ रुपये की वार्षिक क्रेडिट योजना जारी की। इस योजना में 5.40 लाख करोड़ रुपये कृषि सहित प्राथमिकता वाले क्षेत्रों तथा 2.70 लाख करोड़ रुपये अन्य क्षेत्रों के लिए प्रस्तावित किए गए हैं। कृषि क्षेत्र के लिए 3.60 लाख करोड़ रुपये, जिसमें 2 लाख करोड़ रुपये

फसल ऋण के लिए निर्धारित हैं, शामिल किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्स्स्थ क्षेत्र को आसान ऋण उपलब्ध कराकर रोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इस क्षेत्र के लिए 1.55 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जबकि सूक्ष्म उद्यमों के लिए 70,000 करोड़ रुपये का प्रावधान है। उन्होंने 'रतन टाटा इनोवेशन हब' के माध्यम से स्टार्टअप्स और नवाचार को प्रोत्साहित करने तथा योग्य उद्यमियों को बैंकिंग सहायता देने की आवश्यकता पर बल दिया।

नायडू ने एक्वाकल्चर क्षेत्र में निवेश बढ़ाने की अपील करते हुए कहा कि इसमें धन सृजन की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने बताया कि 200 मशीनीकृत मछली पकड़ने वाली नौकाओं की खरीद के लिए प्रस्ताव पहले ही भेजे जा चुके हैं।

साइबर अपराधों पर चिंता जताते हुए मुख्यमंत्री ने बैंकों से 'सेंट्रल ट्रांजेक्शन मॉनिटरिंग सेल' स्थापित करने का सुझाव दिया, ताकि वित्तीय धोखाधड़ी की समय रहते पहचान कर उसे रोका जा सके। साथ ही उन्होंने क्रेडिट वितरण और एनपीए की निगरानी के लिए संयुक्त समिति गठित करने का भी प्रस्ताव रखा।

आकाश एजुकेशनल ने गुरु अर्जन देव की शहादत के सम्मान में छबील

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। आकाश एजुकेशनल नेपांचवें सिख गुरु, गुरु अर्जन देव जी की शहादत को याद करने के लिए पंजाब, चंडीगढ़ और पंचकूला में 10 जगहों पर एक छबील आयोजित की। इस ड्राइव के हिस्से के तौर पर, वॉलंटियर्स ने पंजाब में अलग-अलग जगहों पररहने वालों, आने-जाने वालों, यात्रियों और राहगीरों को छबील बांटी। इस पहलमें लोकल कम्युनिटीज़ ने बहुत हिस्सा लिया और यह हर तरह के लोगों के लिएगुरु अर्जन देव जी के इंसानियत के लिए दया और सेवा के हमेशा रहने वालेसंदेश की याद में इकट्ठा होने का एक मौका था। डिप्टी रीजनल डायरेक्टर, जसदीप सिंह बाबरा ने कहा, गुरुअर्जन देव जी की शिक्षाएँ आज भी बहुत काम की हैं। उनकी शिक्षाएँ हमें अटूटविश्वास, गहरी दया और कृपा की शक्ति देती हैं। उन्होंने अपनी पूरी ज़िंदगी बराबरी और बिना किसी स्वार्थ के सेवा की। आज, आकाश इंस्टीट्यूट सभी कोआराम और दान दिखाने के लिए छबील (ठंडा और मीठा पानी बाँटना) के ज़रिएउनकी याद में सम्मान देता है। उनकी शिक्षा ने हमें सिखाया कि जब भी हम खतरेमें हों, तब भी हमें अपने खास मूल्यों पर टिके रहना चाहिए।

गोल्डन एस्टेट में अवैध निर्माण का खेल जारी

शिकायतों के बाद भी डाल दिया गया लेंटर

एक माह से नगर परिषद अधिकारियों को दी जा रही थी सूचना, स्थानीय निवासियों ने उठाए सवाल

अर्थ प्रकाश/संदीप सिंह बावा

जीरकपुर। बलटाना स्थित गोल्डन एस्टेट में कथित अवैध निर्माण को लेकर स्थानीय निवासियों ने नगर परिषद अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। लोगों का आरोप है कि पिछले करीब एक महीने से बिना अनुमति बनाए जा रहे कमरों और तीसरी मंजिल के निर्माण की शिकायतें उच्च अधिकारियों और डीएम काजल को दी जा रही थीं, लेकिन इसके बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

स्थानीय निवासियों ने बताया कि जब इमारत पर तीसरी मंजिल का लेंटर डालने की तैयारी शुरू हुई थी, उसी समय उन्होंने डीएम काजल को इसकी जानकारी दे दी थी। इसके बावजूद निर्माण कार्य को रोकने के बजाय काम लगातार चलता रहा और देखते ही देखते तीसरी मंजिल का लेंटर भी डाल दिया गया। स्थानीय निवासी और

आखिर अब तक क्यों नहीं जारी हुआ कोई नोटिस?

यहां बताने योग्य बात यह है कि कथित अवैध निर्माण के बावजूद संबंधित इमारत को अभी तक नगर परिषद की ओर से कोई नोटिस जारी नहीं किया गया है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि आखिर नियमों की अनदेखी पर कार्रवाई क्यों नहीं की गई और विभाग की ओर से अब तक चुप्पी क्यों साधी गई है।

आरोप लगाया है जब तीसरी मंजिल का लेंटर डल ही गया उसके बाद सिर्फ खाना पूर्ति के लिए काम रुकवाया गया है।

लोगों का कहना है कि उच्च अधिकारी कार्रवाई के बड़े-बड़े दावे तो करते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर इसका असर दिखाई नहीं देता। उनका आरोप है कि यदि समय रहते निर्माण रुकवा दिया जाता तो अवैध निर्माण को आगे बढ़ने से रोका जा सकता था।

स्थानीय निवासियों ने सवाल उठाया कि आखिर शिकायतों के बावजूद अधिकारी मौके पर पहुंचकर कार्रवाई क्यों नहीं कर पाए। लोगों ने आरोप लगाया कि या तो इस पूरे मामले में लापरवाही बरती जा रही है या फिर जानबूझकर निर्माण को नजरअंदाज किया जा रहा है।

निवासियों के अनुसार, जानकारी मिली है कि इससे पहले भी इस इमारत में ग्राउंड फ्लोर और पहली मंजिल पर प्रवासियों के रहने के लिए कमरे बनाए गए थे और अब तीसरी मंजिल पर भी कमरे तैयार किए जा रहे हैं।

लोगों ने आशंका जताई कि समाचार प्रकाशित होने के बाद अधिकारी केवल नोटिस जारी कर औपचारिकता पूरी कर सकते हैं, जबकि निर्माणकर्ता पहले ही बड़ा काम पूरा कर चुका है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि मामले की जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका भी तय की जाए और अवैध निर्माण पर सख्त कार्रवाई की जाए।

> मेरे पास 2 दिन पहले ही इस बारे में शिकायत पहुंची है। हमने काम बंद करवा दिया है यदि दोबारा काम शुरू होगा तो नोटिस निकाला जाएगा।
> **काजल**
> डीएम नगर परिषद जीरकपुर

जीरकपुर में नशा तस्करी पर बड़ा प्रहार, फ्लैट में चल रहा था हेरोइन का खेल; चार आरोपी गिरफ्तार

अर्थ प्रकाश/संदीप सिंह बावा

जीरकपुर। जीरकपुर पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए सिंगमा सिटी एक्सटेंशन सोसायटी के एक फ्लैट में छापा मारकर चार युवकों को हेरोइन समेत गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 30 ग्राम हेरोइन, इलेक्ट्रॉनिक कांटा, सिल्वर फॉयल पेपर और नशा पैक करने में इस्तेमाल होने वाला सामान बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार शुक्रवार शाम गश्त के दौरान एक मुखबिर ने सूचना दी कि सिंगमा सिटी एक्सटेंशन स्थित फ्लैट नंबर 566-सी में नशा बेचा जा रहा है। सूचना को पुख्ता मानते हुए पुलिस टीम ने तत्काल छापा मारा। फ्लैट के भीतर मौजूद चार युवक पुलिस को देखते ही घबरा गए और अपनी जेबों से पॉलिथीन के लिफाफे निकालकर फर्श पर फेंककर भागने का प्रयास करने लगे, लेकिन पुलिस ने उन्हें मौके पर ही काबू कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान साहिल निवासी रामदरबार, चंडीगढ़, अजय निवासी विकास नगर, चंडीगढ़, अमन निवासी बिजनौर (हाल निवासी रामदरबार, चंडीगढ़) और मुकेश निवासी ग्रीन वैली, घोलू माजरा, लालड़ू के रूप में हुई है।

पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत निर्धारित प्रक्रिया पूरी करते हुए आरोपियों को उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी दी और बरामद लिफाफों की जांच की। जांच के दौरान साहिल से 8 ग्राम, अजय से 7 ग्राम, अमन से 7 ग्राम और मुकेश से 8 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। कुल 30 ग्राम हेरोइन को कब्जे में लेकर सील कर दिया गया। छापेमारी के दौरान फ्लैट की तलाशी लेने पर एक कमरे से 10 खाली पॉलिथीन पाउच, इलेक्ट्रॉनिक वजन कांटा और सिल्वर फॉयल पेपर भी बरामद हुआ। पुलिस का मानना है कि इन सामानों का इस्तेमाल नशे की पैकिंग और बिक्री में किया जाता था। कार्रवाई की पूरी वीडियो रिकॉर्डिंग ई-साक्ष्य एप के माध्यम से की गई।

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ थाना जीरकपुर में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21, 29, 61 और 85 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी नशा कहां से लाते थे और इसकी सप्लाई किन-किन क्षेत्रों में की जाती थी। जांच के दौरान नशा तस्करी से जुड़े अन्य लोगों के नाम भी सामने आ सकते हैं।

उत्तर भारत में पोपीज़ बेबी केयर की एंट्री, चंडीगढ़ में खोला पहला स्टोर

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। बेबी केयर और बच्चों की देखभाल से जुड़े उत्पादों की अग्रणी कंपनी पोपीज़ बेबी केयर ने उत्तर भारत में अपने विस्तार की शुरुआत करते हुए चंडीगढ़ में पहला स्टोर शुरू किया है। सेक्टर-30डी स्थित मेन मार्केट के एससीओ-7 में स्थापित इस स्टोर का उद्घाटन चंडीगढ़ के मेयर सौरभ जोशी ने किया। इस अवसर पर कंपनी के प्रतिनिधि, ग्राहक और शहर के कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

नए स्टोर के माध्यम से ट्राइसिटी क्षेत्र के अभिभावकों को अब शिशुओं और छोटे बच्चों की जरूरतों से जुड़े उत्पाद एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगे। यहां नवजात शिशुओं के लिए आवश्यक सामान, 0 से 4 वर्ष तक के बच्चों के परिधान, बैम्बू फैब्रिक से बने कपड़े, डायपर, वाइप्स, शैंपू, स्नान सामग्री और ऑर्गेनिक बेबी केयर उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध कराई गई है। वर्ष 2003 में स्थापित पोपीज़ बेबी केयर ने सुरक्षित, आरामदायक और गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के बल पर देशभर में अपनी अलग पहचान बनाई है। कंपनी के अनुसार हर उत्पाद को उपभोक्ताओं तक पहुंचाने से पहले 28 गुणवत्ता मानकों पर परखा जाता है। कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक शाजू थॉमस ने कहा कि चंडीगढ़ उत्तर भारत में विस्तार के लिए महत्वपूर्ण बाजार है। वर्तमान में दुनिया भर में कंपनी के 109 स्टोर हैं और जल्द ही जीरकपुर, करनाल तथा यमुनानगर में भी नए स्टोर खोले जाएंगे।

आरेडिका में अंतरराष्ट्रीय योग सप्ताह के अंतर्गत योग गोष्ठी एवं योग टॉक का आयोजन

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

रायबरेली। अंतराष्ट्रीय योग सप्ताह के अवसर पर आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली में योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 16 जून को आरेडिका के सेंट्रल पार्क में सामूहिक योग का आयोजन किया गया, जिसमें अधिकारियों, कर्मचारियों, महिलाओं एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा योगाभ्यास के महत्व को समझा। 17 से 19 तक योग विषयक विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें पोस्टर मेकिंग, स्लोगन लेखन, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, साइकिल रेस आदि किया गया छोटे-छोटे बच्चों ने योगाभ्यास किया तथा सभी को योग के लिए प्रेरित किया।

19 जून को योग के महत्व एवं उसके स्वास्थ्य लाभों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आरेडिका चिकित्सालय द्वारा मानसिक

स्वास्थ्य विषय पर एक विशेष गोष्ठी एवं योग सत्र आयोजित किया गया । जिसमें डॉ. कृष्ण कुमार सिंह, मंडल चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन एवं आत्मा के समन्वय का एक वैज्ञानिक माध्यम है। उन्होंने बताया कि नियमित रूप से प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास करने से मानसिक संतुलन, सकारात्मक सोच एवं एकाग्रता में वृद्धि होती है तथा मानसिक तनाव, अवसाद एवं चिंता जैसी समस्याओं के प्रबंधन एवं रोकथाम में सहायता मिलती है।

कार्मिक विभाग के नेतृत्व एवं राजभाषा विभाग के सहयोग से योग टॉक - योग के महत्व एवं उसके स्वास्थ्य लाभों के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु व्यावहारिक कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। योग टॉक कार्यशाला के मुख्य वक्ता प्रो. बी. के. भारद्वाज, बैसवारा डिग्री कॉलेज, लालगंज (रायबरेली) थे। उन्होंने योग को भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर बताते हुए इसके शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य संबंधी लाभों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए योग को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने का संकल्प लिया। अंतराष्ट्रीय योग सप्ताह के दौरान आरेडिका में प्रतिदिन नियमित योग सत्रों का आयोजन भी किया जा रहा है, जिसमें अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है।

बीआईएस ने मेसर्स कोल्हापुर हॉल मार्किंग सेंटर रोहतक हरियाणा में की छापेमारी

अर्थ प्रकाश संवाददाता

रोहतक। ब्यूरो ऑफ़ इंडियन स्टैंडर्ड्स, हरियाणा शाखा कार्यालय ने 19 को मेसर्स कोल्हापुर हॉलमार्किंग सेंटर, रोहतक, हरियाणा में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान, मेसर्स कोल्हापुर हॉलमार्किंग सेंटर में लेज़र मार्किंग मशीनें और कंप्यूटर सिस्टम मिले, जिनमें नकली हॉलमार्क निशान बनाने से जुड़ी फाइलें थीं। लेज़र मार्किंग मशीन से जुड़े कंप्यूटर में ऐसी फाइलें मिलीं, जिनके बारे में शक है कि उनका इस्तेमाल अनधिकृत हॉलमार्क मार्किंग गतिविधियों के लिए किया गया था। इस कार्रवाई के दौरान परिसर में लगभग 55 ग्राम सोने की वस्तुएं जिन पर संदिग्ध नकली हॉलमार्क थे और 200 ग्राम चांदी की वस्तुएं मिलीं। यह तलाशी और ज़ब्ती की कार्रवाई BIS अधिकारियों की एक टीम ने की, जिसमें श्रीमती शिखा डावर (निदेशक), अनंत कुमार (उप निदेशक) और मनीष बिष्ट (सहायकनिदेशक) शामिल थे। श्रीमती मधुरिमा माधव, निदेशक एवं प्रमुख, हरियाणा शाखा कार्यालयने बताया कि भारतीय मानक ब्यूरो

अधिनियम, 2016के तहत अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। यह अपराध BIS अधिनियम, 2016 की धारा 14(6) का उल्लंघन है। BIS अधिनियम, 2016 की धारा 29(2) के अनुसार, इसके लिए एक साल तक की जेल या कम से कम 1 लाख और सामान की कीमत का पांच गुना तक जुर्माना, या दोनों हो सकते हैं। BIS एक्ट के प्रावधानों के तहत सक्षम अदालत में मुकदमा चलाया जाएगा।

कई बार देखा गया है कि गहनों पर नकली हॉलमार्किंग लगाकर उन्हें अनजान ग्राहकों को भारी मुनाफे पर बेचा जाता है। इसलिए, ग्राहकों को सलाह दी जाती है कि वे खरीदारी करने से पहले BIS की वेबसाइट (http://www.bis.gov.in) या BIS केयर ऐप के ज़रिए हॉलमार्किंग की असलियत की जांच कर लें।

आम जनता से यह भी अनुरोध है कि वे किसी भी उत्पाद पर ISI मार्क या हॉलमार्किंग के गलत इस्तेमाल की जानकारी BIS, हरियाणा शाखा कार्यालय के निदेशक को इस पते पर दें।

जियो आईपीओ का इंतजार खत्म, 27 करोड़ शेयरों तक का फ्रेश इश्यू लाएगी कंपनी

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

मुंबई। देश के सबसे चर्चित IPO में से एक माने जा रहे जियो प्लेटफॉर्म्स के सार्वजनिक निर्गम की औपचारिक प्रक्रिया शुरू हो गई है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने स्टॉक एक्सचेंजों को दी जानकारी में बताया कि जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड के बोर्ड ने 27 करोड़ इक्विटी शेयरों तक के फ्रेश इश्यू को मंजूरी दी है। इन शेयरों की फेस वैल्यू 10 रुपये प्रति शेयर होगी। इश्यू प्राइस बुक बिल्डिंग प्रक्रिया के जरिए तय किया जाएगा।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की 49वीं वार्षिक आम बैठक में चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश डी. अंबानी ने बताया कि जियो प्लेटफॉर्म्स के बोर्ड ने ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस को मंजूरी दे दी है और इसे आज सेबी के पास दाखिल किया जाएगा। कंपनी ने बीएसई और एनएसई को दी सूचना में भी कहा है कि यह आईपीओ आवश्यक नियामकीय मंजूरियों के अधीन रहेगा।

एजीएम में मुकेश अंबानी ने इसे रिलायंस परिवार और उसके लाखों शेयरधारकों के लिए भावनात्मक क्षण बताया। उन्होंने कहा कि रिलायंस और उसके शेयरधारकों का संबंध गर्व, विश्वास, सम्मान और साझा विकास पर आधारित एक गहरा और पवित्र रिश्ता है। मुकेश अंबानी ने कहा, जियो की प्रस्तावित लिस्टिंग दुनिया को यह दिखाएगी कि भारत वैश्विक स्तर, वैश्विक क्षमता और वैश्विक मूल्य वाली टेक्नोलॉजी कंपनियां बना सकता है। मैं आपको और सभी संभावित नए निवेशकों को आश्वस्त करता हूं कि जियो का भविष्य और भी उज्ज्वल है। उन्होंने यह भी कहा कि इस वर्ष वैल्यू क्रिएशन का सबसे महत्वपूर्ण मील का पत्थर जियो का निकट भविष्य में आने वाला आईपीओ है। उनके अनुसार, यह रिलायंस शेयरधारकों के लिए बड़ा वैल्यू अनलॉक करेगा और नए निवेशकों के लिए आकर्षक निवेश अवसर पेश करेगा।

ज़मीन के विवादों का टेक्नोलॉजी-आधारित ज़मीन के रिकॉर्ड की सुरक्षा देंगे : अनागनी सत्य प्रसाद

अर्थ प्रकाश/बोम्मा रेड्डी

अमरावती। आज हमारे समाचार पत्र के प्रतिनिधि ने राज्य के 2 वर्ष होने पर विशेष प्रेस भेंट में बताया राजस्व मंत्री अनागनी सत्य प्रसाद ने बताया कि राज्य के राजस्व कानून का काफी हद तक हमने फिर बदलकर जमीन मालिकों को हक दिलाने में भारी प्रयास किया और कर भी रहे हैं कहा, इसमें राज्य की पंजी करण और स्टाम्प विभाग, आंध्र प्रदेश सरकार बहुत से नए कानून बनाया हैकहा उन्होंने आगे कहा कि गलत इरादे से ज़मीन के रिकॉर्ड में भारी गड़बड़ी की और इस प्रक्रिया में राजस्व प्रणाली को बुरी तरह निजी ज़मीनों पर कब्ज़ा कर कर लेने जैसे माहौल में असली ज़मीन मालिकों के मालिकाना हक की सुरक्षा 'कूटमी' सरकार ने पिछले दो वर्षों में राजस्व विभाग में 40 से ज़्यादा अहम सुधार लागू किए हैं। अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी को अपनाकर और निकट भविष्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) का इस्तेमाल करने की योजनाओं के साथ, सरकार ज़मीन के विवादों को हमेशा के लिए खत्म करने के लिए लगातार काम कर रही है कहा ।

हमारा अंतिम लक्ष्य राजस्व और पंजीकरण सेवाएं इस तरह से देना है जो आसान, पारदर्शी और पूरी तरह भ्रष्टाचार-मुक्त हों।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि ज़मीन के रिकॉर्ड के साथ कोई छेड़छाड़ न हो, सरकार ज़मीन के रिकॉर्ड को सुरक्षित करने के लिए

ब्लॉकचेन सिस्टम लागू कर रही है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि ज़रा सा भी बदलाव आसानी से ट्रैक किया जा सके। यह एक अभेद्य और अत्यधिक सुरक्षित सिस्टम है जिसमें हैकिंग या डेटा से छेड़छाड़ की कोई गुंजाइश नहीं है।

राजस्व और पंजीकरण विभागों को रियल-टाइम में जोड़ा गया है। 'वेबलैंड' (Webland) को पंजीकरण सॉफ्टवेयर से आसानी से जोड़कर, पंजीकरण पूरा होते ही प्रॉपर्टी म्यूटेशन (नाम का ट्रांसफर) अपने आप हो जाता है। राजस्व रिकॉर्ड तुरंत अपडेट हो जाते हैं, जिससे डबल रजिस्ट्रेशन (एक ही ज़मीन का दो बार पंजीकरण) की धोखाधड़ी वाली प्रथा प्रभावी रूप से खत्म हो जाती है।

सरकार ने आधार-आधारित बायोमेट्रिक लॉकिंग सुविधा शुरू की है। एक क्रांतिकारी कदम के तहत, किसान अब अपने फिंगरप्रिंट या वन-टाइम पासवर्ड (OTP) का इस्तेमाल करके अपनी ज़मीन को 'लॉक' कर सकते हैं। नतीजतन, मालिक की स्पष्ट सहमति के बिना ज़मीन का कोई ट्रांसफर या म्यूटेशन नहीं हो सकता। इसके अलावा, खरीदारों और विक्रेताओं की पहचान की पुष्टि करने के लिए पंजीकरण के दौरान आधार-आधारित बायोमेट्रिक ई-KYC (फिंगरप्रिंट और आइरिस स्कैन का उपयोग करके) सख्ती से लागू किया जाता है, जिससे बेनामी और जाली पंजीकरण पूरी तरह से रुक जाते हैं।

पिछली सरकार के दौरान किए गए री-सर्वे (दोबारा सर्वेक्षण) की बड़ी गलतियों को सुधारते हुए, हमारी सरकार एक पुख्ता री-सर्वे प्रोग्राम चला रही है। सीमा विवादों को स्थायी रूप से हल करने के लिए बहुत सटीक मैपिंग के लिए ड्रोन और कंटीन्यूअस ऑपरेटिंग रेफरेंस स्टेशन (CORS) टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जा रहा है। साथ ही, सदियों पुराने ज़मीन के रिकॉर्ड को डिजिटाइज़ किया जा रहा है। AI की मदद से, 2026 के आखिर तक राज्य के सभी पुराने रिकॉर्ड्स को एक पक्की डिजिटल पहचान के साथ सुरक्षित कर लिया जाएगा।

ज़मीन के रजिस्ट्रेशन को आसान बनाने के लिए, रजिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट ने अपनी सर्विस देने के तरीकों में बड़े बदलाव किए हैं। एक नया स्लॉट बुकिंग सिस्टम नागरिकों को ऑनलाइन अपॉइंटमेंट बुक करने की सुविधा देता है। ऑफिस पहुँचने के दस मिनट के अंदर रजिस्ट्रेशन का काम पूरा हो जाता है। रजिस्टर्ड डॉक्यूमेंट तुरंत नागरिक के मोबाइल पर WhatsApp के ज़रिए भेजा जाता है, और एक घंटे के अंदर हार्ड कॉपी दे दी जाती है।

नंदीघोष, तालध्वज और दर्पदलन की भव्यता श्रद्धालुओं को करती है आकर्षित, बिना धातु के तैयार होते हैं रथ

भारत में व्रत, त्योहारों और संस्कृतियों का समावेश है। यहां पर हर एक त्योहार की विशेष खासियत है। विविधताओं से भरा हुआ भारत में कई सारे त्योहारों को उत्साह के साथ मनाया जाता है। ऐसा ही हर साल ओडिशा के पुरी में निकलने वाली जगन्नाथ रथ यात्रा दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक पर्व के रुप में मानी जाती है।

इस यात्रा में भगवान जगन्नाथ, उनके बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा भव्य रथों पर सवार होकर गुंडिचा मंदिर तक जरुर पहुंचती हैं। दरअसल, रथ यात्रा का मुख्य आकर्षण केवल भगवानों के दर्शन तक सीमित नहीं होता है, बल्कि इन विशाल रथों का निर्माण और उनकी अनोखी बनावट भी लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र माना जाता है। असल में हर साल इन तीनों रथों का निर्माण नए सिरे से किए जाता है। आइए आपको बताते हैं रथ यात्रा के तीनों रथों की अनोखी संरचना के बारे में विस्तार से।

भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के लिए रथों का निर्माण कार्य अक्षय तृतीया से आरंभ किया जाता है, जिसे सनातन परंपरा में बेहद मंगलकारी दिन माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के

अनुसार इस शुभ तिथि पर शुरू किए गए कार्यों में सफलता और समृद्धि प्राप्त होती है। यही कारण है कि रथ निर्माण की शुरुआत इसी दिन की जाती है। इस पावन अवसर पर वैदिक मंत्रोच्चार, पूजा-अर्चना और हवन के साथ रथ निर्माण का शुभारंभ किया जाता है।

फिर मंदिर के पुजारी पूजा-अर्चना करके मुख्य कारीगरों को माला अर्पित करते हैं। इसके बाद तीनों रथों का निर्माण एक साथ शुरु किया जाता है और करीब एक ही समय पर पूरा भी किया जाता है। इन तीनों रथों का सबसे जरुरी हिस्सा इसके पहिए होते हैं। भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के तीनों रथों के लिए कुल 42 पहिए बनाए जाते हैं। इन पहियों को तैयार करने के बाद उन्हें रथ के मुख्य ढांचे में लगाया जाता है।

इन रथों की सजावट काफी अलग-अलग होती है। असल में जगन्नाथ रथ यात्रा के रथों की खूबसूरती उनकी कलात्मक सजावट में छिपी होती है। ओडिशा की पारंपरिक मंदिर वास्तुकला से प्रेरित नक्काशी रथों पर की जाती है। रथ की लकड़ी पर उकेरे गए डिजाइन और रंग-बिरंगी पेंटिंग इन रथों की भव्य रुप प्रदान करते हैं। रंथों के ऊपर लगाए जाने वाले विशाल कपड़े के छत्र लाल, पीले, हरे और काले रंगों से सजाया जाता है। इन कपड़ों पर पारंपरिक कढ़ाई की जाती है, जो रथों की सुंदरता को और अधिक बढ़ा देता है।

भगवान जगन्नाथ का रथ नंदीघोष के नाम से प्रसिद्ध है। यह तीनों रथों में सबसे भव्य माना जाता है और इसकी ऊंचाई करीब 45 फीट तक होती है। इस विशाल रथ को 16 बड़े पहियों से सजाया जाता है। रथ पर मुख्य रूप से लाल और पीले रंग का आकर्षक संयोजन देखने को मिलता है। वहीं, इसे आगे बढ़ाने वाले घोड़े सफेद रंग के होते हैं, जो पवित्रता और दिव्यता का प्रतीक माने जाते हैं।

भगवान बलभद्र के रथ को तालध्वज कहा जाता है। इसकी ऊंचाई भी करीब 45 फीट होती है और इसके 14 पाहिए होते हैं। इस रथ को लाल और हरे रंग से सजाया जाता है। इसके घोड़े काले रंग के होते हैं।

देवी सुभद्रा का रथ दर्पदलन या देबदलन होता है। इसकी ऊंचाई करीब 44 फीट 6 इंच होती है। वहीं, इसमें 12 पहिए होते हैं। रथ का प्रमुख रंग लाल और काला होता है। इसे खींचने के लिए घोड़े का रंग लाल होता है।

इन रथ की सबसे खास बात यह है कि इनमें किसी भी प्रकार का धातु इस्तेमाल नहीं होता है बल्कि इनमें केवल लड़कियों का इस्तेमाल किया जाता है। इसके निर्माण में लकड़ी के हिस्सों को आपस में जोड़ने के लिए खांचे और लकड़ी की खूंटियों का इस्तेमाल किया जाता है। जिससे इसकी सरचना और भी खूबसूरत बन जाती है।

महापौर की पहल से खत्म हुई सफाई कर्मचारियों की हड़ताल, डोर-टू-डोर कूड़ा उठाने की सेवा बहाल

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

सोनीपत। डोर-टू-डोर कूड़ा उठाने वाले ड्राइवरों और हेल्परों की दो दिन से चल रही हड़ताल शुक्रवार को समाप्त हो गई। महापौर राजीव जैन की पहल पर कर्मचारियों और कंपनी प्रबंधन के बीच सहमति बनने के बाद शहर में घर-घर से कूड़ा उठाने की सेवा दोबारा शुरू हो गई।

वेतन और ईएसआई की राशि समय पर नहीं मिलने के विरोध में कर्मचारियों ने कार्य बंद कर दिया था, जिससे शहर की सफाई व्यवस्था प्रभावित हो रही थी। कई स्थानों पर लोगों ने घरों का कूड़ा सड़कों पर डालना शुरू कर दिया था।मामले की जानकारी मिलते ही महापौर राजीव जैन कर्मचारियों के बीच पहुंचे और नगर निगम व जेबीएम कंपनी के अधिकारियों के साथ बैठक कर समस्या के समाधान का प्रयास किया। उनके हस्तक्षेप के बाद कर्मचारियों का लंबित वेतन खातों में जारी कर दिया गया। इसके बाद कर्मचारियों ने हड़ताल वापस लेकर काम शुरू कर दिया।महापौर ने आश्वासन दिया कि भविष्य में हर माह 10 तारीख तक वेतन दिलाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारी शहर की स्वच्छता व्यवस्था की रीढ़ हैं और उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से किया जाएगा।

निर्माणाधीन मकान से चोरी, 70 हजार रुपये के नुकसान का मामला दर्ज, जांच में जुटी पुलिस

अर्थ प्रकाश/सुरेन्द्र कुमार

गन्नौर। गन्नौर के जीटी रोड स्थित डिवाइन सिटी कॉलोनी में निर्माणाधीन मकान से चोरी और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के मामले में पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में रणबीर देशवाल ने बताया कि उनका मकान नंबर बी-154 डिवाइन सिटी में स्थित है, जिसका निर्माण कार्य चल रहा है। उन्होंने बताया कि 10 जून को जब वह अपने मकान पर पहुंचे तो मकान के सामने बने स्टोर का ताला टूटा हुआ मिला।

इसके बाद उन्होंने स्टोर की जांच की तो वहां से नई डेढ़ हॉर्स पावर की पानी की मोटर सहित अन्य कीमती सामान गायब मिला। उन्होंने बताया कि इसके बाद निर्माणाधीन मकान की जांच करने पर दो कमरों में वातानुकूलन यंत्र लगाने के लिए बिछाई गई विद्युत तारों और तांबे की पाइपों को काटकर क्षतिग्रस्त किया गया था।

शिकायत में बताया कि उन्हें करीब 70 हजार रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है। पहले भी चोरी की घटनाएं सामने आती रही हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

राष्ट्रीय स्तर के विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट में जीवीएम की अपूर्वा अव्वल

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

सोनीपत। जीवीएम गर्ल्स कॉलेज की एनसीसी कैडेट एवं बीएससी मेडिकल अंतिम वर्ष की छात्रा अपूर्वा ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट प्रतियोगिता-2026 में प्रथम स्थान प्राप्त कर कॉलेज और हरियाणा का नाम रोशन किया है। संसद के सेंट्रल हॉल में 15 से 17 जून तक आयोजित प्रतियोगिता में उन्होंने बेस्ट क्वेश्चन श्रेणी में शानदार प्रदर्शन करते हुए एक लाख रुपये का नकद पुरस्कार जीता।

युवा कल्याण एवं खेल मंत्रालय के तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिता की थीम 'नारी शक्ति वंदन ~ कैटेलाइजिंग इंक्लूसिविटी एंड विकसित भारत' रही। अपूर्वा ने महिला सशक्तीकरण, बेटियों के उत्थान और खेलों में महिलाओं की भागीदारी से जुड़े प्रभावशाली प्रश्न रखकर निर्णायकों का ध्यान आकर्षित किया। देशभर के करीब 44 हजार प्रतिभागियों में से चयनित 105 युवाओं ने राष्ट्रीय स्तर पर हिस्सा लिया था। इससे पहले अपूर्वा जिला स्तर पर टॉप-5 और राज्य स्तर पर तीसरे स्थान पर रही थीं। संस्था प्रधान डॉ. ओपी परूथी व प्राचार्या डॉ. मंजुला स्पाह ने इस उपलब्धि पर छात्रा को बधाई देते हुए इसे कॉलेज के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया।

संतों-महापुरुषों ने हमें हमेशा सहनशीलता का पाठ पढ़ाया है

16 नवम्बर का दिन संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा सहनशीलता दिवस घोषित किया गया है और हम सहनशीलताकी बात कर रहे हैं। लेकिन हम चारों ओर असहनशीलता ही देख रहे हैं। आज कितनी ज्यादा असहनशीलता है और इसीलिए हम इतना ज्यादा उत्पीड़न देख रहे हैं, इसीलिए हम इतना अधिक रक्तपात देख रहे हैं । इसलिए हम परिवारों में इतना ज्यादा बिखराव देख रहे हैं क्योंकि यदि परिवार के लोग एक-दूसरे के प्रति सहनशील नहीं होंगे तो परिवार का ताना-बाना ही बिखर जायेगा और इसके कारण खुशियां भी इसी तरह बिखर जाएगी जिस तरह एक पक्षी अपने पंखों के सहारे उड़ जाता है और हम इससे वंचित रह जाते हैं।

सन्तों-महापुरुषों ने हमें हमेशा सहनशीलता का पाठ पढ़ाया है। हमें शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के साथ रहना है। हमें मतभेदों को समझना चाहिए। सन्तों ने एकता की बात की है एकरुपता की बात नहीं की है। सन्तों ने हमें एकता के महत्व की शिक्षा दी है लेकिन क्या हुआ है और क्या हो रहा है? समाज के कुछ लोग, भले ही वो धार्मिक समूहों के रुप में हों या स्थापित धर्म हों या वो जो अभी भी कुल, जाति और सम्प्रदाय में बंटे हुए हैं, वो अभी भी

सद्गुरू माता सुदीक्षा जी महाराज

असहनशील हैं। लेकिन सन्त सहनशील हैं। स्थापित धर्मो वाले दूसरों पर धर्म परिवर्तन के लिए ताकत का इस्तेमाल करते हैं, भय का वातावरण बनाते हैं ताकि वे उनका धर्म स्वीकार कर लें। वे एकरुपता लाना चाहते हैं कि मैं पगड़ी पहनता हूँ इसलिए तुम भी पकड़ी पहनो वरना तुम्हारा नामो निशान भी नहीं रहेगा। जिस पैगम्बर को मैं सम्मान देता हूँ तुम भी उसका सम्मान करो। मैं जिस धर्मग्रन्थ को पढ़ता हूँ तुम भी उसी धर्मग्रन्थ को पढ़ो, तभी तुम सुरक्षित रहोगे। तो हम क्या देख रहे हैं, यही असहनशीलता का रुप देख रहे हैं और दूसरी ओर जागरुक लोग हैं जो सत्य के प्रति जाग्रत हैं, जागृत आत्माएं जो सन्तों-महापुरुषों की शिक्षाओं को समझ चुके हैं इसलिए वो 'अनेकता में एकता' को स्वीकार करते हैं, एकरुपता को नहीं। तो साध संगत हमें इस विषय में बार बार कहा गया है कि हमें सहनशील रहना है।

एक और उदाहरण जो दास बार-बार देता आ रहा है कि एक पति कोई पुस्तक पढ़ रहा था तभी उसकी पत्नी आई और कहने लगी कि खाना खा लो। पति ने कहा- कुछ मिनटों बाद। पत्नी 15-20 मिनटों के बाद वापस आई और कहने लगी कि खाना खा लो। पति ने पुनः कहा, कुछ मिनट ओर रुको। वह फिर वापस चली गई और जब तीसरी बार वह आई और खाना खाने के लिए कहने लगी तो पति इतना अशांत हो गया कि वह जो किताब पढ़ रहा था उसे उठाकर पत्नी की ओर दे मारा। पुस्तक का नुकीला कोना पत्नी के सिर पर लगा और खून बहना शुरु हो गया। उसे चोट लग गई।

जब पत्नी ने किताब उठाकर देखा तो पुस्तक का नाम था सहनशीलता। तो इस प्रकार की पाखंड या जो भी नाम उसे दें कि शब्दों के द्वारा तो नम्रताका वर्णन कर रहे हैं, शब्दों द्वारा हम सहनशीलता को, एकता को, एकत्व को या सद्भाव को या परमात्मा एक है को, इसी तर से शब्दों भर तक लेकिन जब जीवन में ढालने की यबात आती है तब हम यह यनहीं मानते कि परमात्मा एक है।

पंचांग

शनिवार, 20 जून, 2026, सूर्योदयः 05:20 ए एम, सूर्यास्तः 07:29 पी एम, चन्द्रोदयः 10:54 ए एम, चन्द्रास्तः 11:38 पी एम, शक सम्वतः 1948 पराभव, विक्रम सम्वतः 2083 सिद्धार्थी, गुजराती सम्वतः 2082 पिङ्गल, अमान्त महीनाः ज्येष्ठ, पूर्णिमान्त महीनाः ज्येष्ठ, वारः शनिवार, पक्षः शुक्ल पक्ष, तिथिः षष्ठी - 03:46 पी एम तक, नक्षत्रः मघा - 09:25 ए एम तक, योगः वज्र - 12:48 पी एम तक, करणः तैतिल - 03:46 पी एम तक, द्वितीय करणः गर - 03:27 ए एम, जून 21 तक, सूर्य राशिः मिथुन, चन्द्र राशिः सिंह, राहुकालः 08:52 ए एम से 10:38 ए एम, गुलिक कालः 05:20 ए एम से 07:06 ए एम, यमगण्डः 02:11 पी एम से 03:57 पी एम, अभिजित मुहूर्तः 11:56 ए एम से 12:53 पी एम, दुर्मुहूर्तः 05:20 ए एम से 06:17 ए एम, दुर्मुहूर्तः 06:17 ए एम से 07:13 ए एम, अमृत कालः 07:06 ए एम से 08:39 ए एम, अमृत कालः 03:06 ए एम, जून 21 से 04:42 ए एम, जून 21, वर्ज्यः 05:27 पी एम से 07:04 पी एम।

भविष्य फल

मेषः घर का वातावरण आनंदप्रद रहेगा। काम में देरी से लाभ की मात्रा सीमित होगी। वित्तीय मामले गंभीरता से निपटाएं।

वृषः आज आप के प्रेम जीवन पर आपके माता-पिता के विचारों का प्रभाव हावी रहेगा, आप आश्चर्यजनक रूप से अपने पुराने पार्टनर से मिलेंगे।

मिथुनः आज आपका दिन पहले की अपेक्षा बेहतर रहेगा। आप अपनी ऊर्जा अच्छे कार्यों में लगा सकते हैं। इस राशि के सरकारी कर्मचारियों को लाभ मिल सकता है।

कर्कः यह दिन आपको और आपके परिवार को खुशी और सुकून देगा। कुदरत ने आपको आत्मविश्वास और तेज दिमाग से नवाजा है।

सिंहः इस समय काम की मांग के अनुसार आपको बहुत ज्यादा मेहनत करनी पड़ सकती है। इस समय आपका कैरियर व कार्यक्षेत्र बदल रहा है, इसलिए आपको पूरी मेहनत से काम करना चाहिए।

कन्याः आज कोई जरुरी घरेलू काम निपटाने में आप सफल रहेंगे। प्रेम-संबंध में आपको कोई सुखद सरप्राइज मिलेगा जिससे आपका दिन उत्तम रहेगा।

तुलाः आज आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे। लेकिन अति उत्साही होने से बचें। दूसरों की सलाह लें।

वृश्चिकः आपको अचानक कोई खोई हुई वस्तु मिल जाएगी। ये कोई प्यारा सा तोहफा, कोई कीमती चीज या फिर कोई महत्वपूर्ण दस्तावेज भी हो सकता है।

धनुः आज नौकरीपेशा लोगों के लिए आज का दिन लाभकारी है। उन्हें काम से जुड़ी कोई खुशखबरी मिलेगी।

मकरः आज रोजगार में सफलता मिलेगी, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रोमांस के मामले में दिन अच्छा है, दूसरों को बिन मांगी सलाह न दें।

कुंभः आपकी आर्थिक स्थिति सुधरेगी। बहुत हद तक मुमकिन है कि ऑफिस में आपको कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी जाये, जिससे कि आपको आर्थिक लाभ होगा।

मीनः आज आपके अंदर आत्मविश्वास की अधिकता हो सकती है। नौकरी पेशा लोगों को तरक्की के अवसर मिल सकते हैं।

ढाई माह से लापता युवक की तलाश को लेकर मां ने पुलिस से लगाई गुहार

अर्थ प्रकाश/सुरेन्द्र कुमार

गन्नौर। गन्नौर क्षेत्र में एक युवक के करीब ढाई माह से लापता होने का मामला सामने आया है। युवक की मां ने गन्नौर थाना पुलिस को शिकायत देकर बेटे की तलाश कराने और उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में रुखसाना ने बताया कि वह मूल रूप से उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के गांव झुड़पुर की रहने वाली हैं। उनके पति का करीब 12 वर्ष पहले निधन हो चुका है। वह पिछले चार वर्षों से गन्नौर में रह रही हैं और वर्तमान में पुरानी गन्नौर मंडी क्षेत्र में किराये के मकान में निवास कर रही हैं।

शिकायत के अनुसार उनका बड़ा पुत्र शौकीन शादीशुदा है और उसकी अपनी पत्नी के साथ काफी समय से अनबन चल रही थी। करीब तीन महीने पहले वह घर छोड़कर चला गया था और कुछ दिन बाद वापस लौट आया था। लेकिन पत्नी से दोबारा विवाद होने के बाद वह घर से यह कहकर चला गया कि उसकी चिंता करने की जरूरत नहीं है और वह स्वयं वापस आ जाएगा। परिजनों के अनुसार अब करीब ढाई महीने बीत चुके हैं, लेकिन युवक घर नहीं लौटा। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हथियार के बल पर गाड़ी लूट मामले में घायल आरोपी विशाल को किया गिरफ्तार

अर्थ प्रकाश संवाददाता

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र पुलिस में लूट मामले के घायल आरोपी विशाल वासी विहार करनाल को हस्पताल से छुट्टी मिलने पर मामले में गिरफ्तार कर लिया। रविवार रात को अपराध अन्वेषण शाखा-2 की टीम के साथ आरोपी की हुई थी मुठभेड़, घायल होने पर आरोपी को सरकारी हस्पताल में दाखिल कराया गया था जहां उसका ईलाज चल रहा था। वीरवार को आरोपी की हस्पताल से छुट्टी होने पर अपराध अन्वेषण शाखा-2 की टीम ने मामले में गिरफ्तार कर लिया।

जानकारी देते हुए पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि कि 12 जून 26 को पुलिस को दी अपनी शिकायत में मंजीत कुमार ने बताया कि वह टैक्सी चलता है तथा उसके पास होंडा सिटी कार है। दिनांक 12 जून 26 को रात को करीब 8-30 बजे चार युवकों ने उसे अम्बाला से कैथल जाने के लिए उसकी कार को बुक किया था। वह चारों युवकों को लेकर अम्बाला से कैथल के लिए चला था। समय करीब 9-40 बजे रात को जब वो पिहोवा के गांव अरुणाय के बस स्टैंड एनएच-152 पर पहुंचे तो उन्होंने लघु शंका के लिए उसे रोक लिया। थोड़ी देर बाद जब वो चलने लगे तो एक आरोपी ने उसकी कनपटी पर पिस्टल लगाकर उससे गाड़ी छीनकर सभी आरोपी भाग गए। उसने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पुलिस टीम मौका पर पहुंची और थाना शहर पिहोवा में मामला दर्ज करके जाँच की गई। आरोपियों द्वारा छीनी गई कार दिनांक 13 जून को गांव बबुवा जिला हिसार से बरामद हुई थी। गाड़ी से बरामद मोबाइल के आधार पर पुलिस ने तफ्तीश को आगे बढाया। 15 जून 26 को अपराध अन्वेषण शाखा-2 की टीम के साथ आरोपी विशाल की गांव मुर्तजापुर नरवाना ब्रांच नहर के पास मुठभेड़ हुई थी। मुठभे? में घायल होने पर आरोपी को सरकारी हस्पताल में दाखिल कराया गया था जहां उसका ईलाज चल रहा था। 18 जून 26 को अपराध अन्वेषण शाखा-2 प्रभारी निरीक्षक मनदीप सिंह के मार्गनिर्देश में पीएसआई विशाल, उप निरीक्षक सतीश कुमार, सहायक उप निरीक्षक लखन सिंह, शक्ति सिंह व मुख्य सिपाही प्रदीप की टीम ने घायल आरोपी विशाल वासी विहार करनाल को हस्पताल से छुट्टी होने पर मामले में गिरफ्तार कर लिया।

ग्रामीणों की सुविधा के लिए ई-रिक्शा सेवा का विधायक कृष्णा गहलावत ने किया शुभारंभ

ग्रामीणों की जरूरतों को समझते हुए अंकित मुरथल ने की दो ई रिक्शा सुविधा की सेवा शुरु

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

राई। विधायक कृष्णा गहलावत ने शुक्रवार को गांव मेंहदीपुर, नांदनोर एवं असदपुर के ग्रामीणों को बेहतर आवागमन सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से समाजसेवी अंकित मुरथल द्वारा दो ई-रिक्शा सेवा का शुभारंभ किया गया। ग्रामीणों ने इस पहल का स्वागत करते हुए इसे जनहित का सराहनीय कदम बताया। विधायक कृष्णा गहलावत ने अपने संबोधन में कहा कि ई रिक्शा सुविधा का सीधा संबंध लोगों के दैनिक जीवन से होता है। गांवों के विद्यार्थी, महिलाएं, बुजुर्ग को छोटे-छोटे कार्यो के लिए आने-जाने में परेशानी नही होगी। ऐसे में ई-रिक्शा सेवा शुरू होना निश्चित रूप से लोगों के लिए लाभदायक साबित होगा। उन्होंने अंकित मुरथल के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि समाज सेवा के लिए आगे आने वाले लोग समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य करते हैं। अंकित मुरथल ने कहा कि उनका उद्देश्य केवल ई-रिक्शा सेवा शुरू करना नहीं, बल्कि ग्रामीणों की जरूरतों को समझते हुए उनकी सुविधा के लिए कार्य करना है। उन्होंने कहा कि समाज के लिए किए गए छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े बदलाव का कारण बनते हैं।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों का उन्हें लगातार सहयोग और स्नेह मिलता रहा है, जिससे उन्हें समाजहित के कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह सेवा ग्रामीणों के लिए उपयोगी साबित होगी तथा भविष्य में भी जनहित के कार्य निरंतर जारी रहेंगे। उपस्थित लोगों ने इस पहल की प्रशंसा की।

वेयर हाउस से शराब की 280 पेटियां गायब, मामला दर्ज

अर्थ प्रकाश/सुरेन्द्र कुमार

गन्नौर। गन्नौर स्थित एक भंडारण केंद्र (वेयर हाउस) से महंगी विदेशी शराब की 280 पेटियां गायब होने का मामला सामने आया है। शिकायत मिलने के बाद गन्नौर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कंपनी प्रबंधन ने प्राथमिक जांच में अपने ही किसी कर्मचारी पर चोरी का संदेह जताया है।

पुलिस को दी शिकायत में महाप्रबंधक ब्रजेश सक्सेना ने बताया कि वह गन्नौर स्थित भंडारण केंद्र में कार्यरत हैं, जहां विभिन्न कंपनियों का सामान रखा जाता है। उन्होंने बताया कि उनके एक ग्राहक का सामान भी यहां रखा जाता है। प्रत्येक माह एक से दस तारीख के बीच रखे गए सामान की जांच की जाती है। शिकायत में बताया कि मई माह में कंपनी की ओर से सामान की मांग आने पर भंडारण केंद्र प्रभारी रतन सिंह ने भंडारित सामान की जांच की। जांच के दौरान विदेशी शराब की 280 पेटियां गायब मिलीं।

प्रत्येक पेटी में 700 मिलीलीटर की छह बोतलें रखी हुई थीं। कंपनी स्तर पर आंतरिक जांच और खोजबीन के बावजूद गायब हुई शराब के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी। शिकायतकर्ता ने अप्रैल से मई 2026 के बीच किसी कर्मचारी द्वारा चोरी किए जाने की आशंका जताई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अनाज मंडी में योग दिवस की पायलट रिहर्सल, 21 को होगा मुख्य कार्यक्रम

अर्थ प्रकाश/सुरेन्द्र कुमार

गन्नौर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के तहत गुरुवार को अनाज मंडी गन्नौर में 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की पायलट रिहर्सल आयोजित की गई। कार्यक्रम का आयोजन आयुष विभाग हरियाणा एवं योग आयोग हरियाणा के संयुक्त तत्वावधान में एसडीएम प्रवेश कादियान के मार्गदर्शन में किया गया। रिहर्सल में तहसीलदार ललिता ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेकर योगाभ्यास किया और तैयारियों का जायजा लिया।तहसीलदार ललिता ने कहा कि योग स्वस्थ जीवन का आधार है और शरीर, मन व आत्मा को जोड़ने का माध्यम है।

उन्होंने कहा कि 21 जून को आयोजित होने वाले उपमंडल स्तरीय कार्यक्रम का उद्देश्य 'स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग' तथा 'योग युक्त हरियाणा-नशा मुक्त हरियाणा' के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। योग शिक्षक जीत राम ने विद्यार्थियों को ताड़ासन, वृक्षासन, पादहस्तासन, त्रिकोणासन, वज्रासन, उष्ट्रासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया। इस दौरान नोडल अधिकारी डॉ. मनीष शर्मा, डॉ. पुनीत गांधी, डॉ. दिनेश दत्त सहित अन्य अधिकारी व योग सहायक मौजूद रहे।

उद्योगों की समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान करें विभाग: नेहा सिंह

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

सोनीपत। उपायुक्त नेहा सिंह ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि औद्योगिक क्षेत्रों से जुड़ी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाए। शुक्रवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में जिला स्तरीय ग्रीवेंस कमेटी एवं क्लियरेंस कमेटी की बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए।

बैठक में ओल्ड इंडस्ट्रियल एरिया, नाथुपुर इंडस्ट्रियल एसोसिएशन तथा रामनगर-सनपेडा क्षेत्र से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। बिजली आपूर्ति, कचरा प्रबंधन, हैजर्डस वेस्ट के निस्तारण, सड़क निर्माण, जलभराव और ड्रेनेज जैसी समस्याएं प्रमुखता से उठाई गई।

उपायुक्त ने मानसून से पहले ड्रेनों की सफाई और मरम्मत कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।क्लियरेंस कमेटी की बैठक में सीएलयू, एनओसी, बिल्डिंग प्लान, फैक्ट्री प्लान, नए बिजली कनेक्शन, फायर फाइटिंग स्कीम, ई-वेस्ट एवं हैजर्डस वेस्ट से संबंधित स्वीकृतियों की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने कहा कि उद्योगों से जुड़े सभी अनुमोदन निर्धारित समय सीमा में जारी किए जाएं तथा विभाग अपनी प्रगति नियमित रूप से पोर्टल पर अपडेट करें।

शनिवार 20 जून को जिला विकास भवन में आयोजित होगा मेगा रोजगार मेला : उपायुक्त सचिन गुप्ता

प्रदेश श्रम, परिवहन एवं ऊर्जा मंत्री अनिल विज रोजगार मेला में होंगे मुख्यातिथि

रोजगार मेला में लगभग 35 प्रतिष्ठित कंपनियां लेंगी भाग, युवाओं को मिलेगा रोजगार का सुनहरा अवसर

अर्थ प्रकाश संवाददाता

रोहतक, सुकरमपाल 19 जून । उपायुक्त सचिन गुप्ता ने बताया कि केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर प्रदेश में चलाये जा रहे व्यापक प्रचार अभियान के तहत स्थानीय मंडल रोजगार कार्यालय द्वारा 20 जून 2026 को प्रातः 9 बजे स्थानीय जिला विकास भवन स्थित डीआरडीए हॉल में मेगा रोजगार मेला का आयोजन किया जाएगा। प्रदेश के श्रम, परिवहन एवं ऊर्जा मंत्री अनिल विज इस मेगा रोजगार मेला का शुभारंभ करेंगे। रोजगार मेला में लगभग 35 प्रतिष्ठित संस्थान एवं निजी क्षेत्र के नियोक्ता भाग लेंगे तथा मौके पर विभिन्न पदों के लिए योग्य अभ्यर्थियों का चयन करेंगे। सचिन गुप्ता ने बताया कि इस रोजगार मेला में प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना, प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना एवं कौशल विकास कार्यक्रमों के साथ-साथ अप्रेंटिसशिप योजनाओं की जानकारी भी दी जायेगी। इस रोजगार मेला में रोहतक सहित आसपास के जिलों के कॉलेजों, बहुतकनीकी संस्थानों एवं आईटीआई से डिप्लोमा प्राप्त युवा, स्नातक, स्नातकोत्तर, बारहवीं उत्तीर्ण तथा अन्य रोजगार के इच्छुक अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। रोजगार मेला में भाग लेने वाले सभी अभ्यर्थी विभाग की वेबसाइट www.hre&.gov.in पर अपना पंजीकरण अवश्य करवाएं। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने बताया कि रोजगार मेला का उद्देश्य युवाओं को एक ही स्थान पर विभिन्न कंपनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाना है। मेगा रोजगार मेला में ऑपरेटर, ग्रेजुएट ट्रेनी, पोस्ट ग्रेजुएट ट्रेनी, आईटीआई फिटर, इलेक्ट्रिशियन, मैकेनिक, वेल्डर, टर्नर, मशीनिस्ट तथा अन्य तकनीकी एवं गैर-तकनीकी ट्रेडों से संबंधित रिक्त पदों के लिए भर्ती की जाएगी। अभ्यर्थियों को अपनी शैक्षणिक योग्यता एवं अनुभव के अनुरूप रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। सचिन गुप्ता ने सभी बेरोजगार युवाओं का आह्वान किया है कि वे अपने बायोडाटा, शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों की प्रतियां, आधार कार्ड तथा अन्य आवश्यक दस्तावेजों के साथ निर्धारित समय पर रोजगार मेले में पहुंचे और इस अवसर का लाभ उठाएं। रोजगार मेला में भाग लेने वाले सभी अभ्यर्थी विभाग की वेबसाइट पर अपना पंजीकरण अवश्य करवाएं, ताकि भविष्य में आयोजित होने वाले रोजगार मेलों एवं अन्य रोजगार संबंधी अवसरों की जानकारी समय-समय पर प्राप्त होती रहे। जिला एवं आसपास के क्षेत्रों के अधिक से अधिक युवा इस मेगा रोजगार मेला में भाग लेकर रोजगार के अवसरों का लाभ उठायें।

भारतीय सरकार, डाक विभाग शहरी मंडल लुधियाना ने शुरू की स्वयं-रोज़गार योजना (DAY-NRLM) : प्रत्यक्ष अभिकर्ताओं (Direct Agents) का नामांकन प्रारंभ

अर्थ प्रकाश/ प्रदीप पाल / लुधियाना, 19 जून। भारतीय डाक विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में बीमा सुरक्षा का विस्तार करने तथा स्वरोज़गार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (DAY-NRLM) के अंतर्गत विशेष पहल शुरू की गई है। इस योजना के तहत बीमा सुरक्षा शिविरों के माध्यम से डाक जीवन बीमा (PLI) एवं ग्रामीण डाक जीवन बीमा (RPLI) पॉलिसियों की प्राप्ति के साथ-साथ प्रत्यक्ष अभिकर्ताओं (Direct Agents) का नामांकन किया जा रहा है। इस संबंध में डॉ. निशी मणि, डेवलपमेंट ऑफिसर, डाक जीवन बीमा, लुधियाना ने श्री हिमांशु जैन, डिप्टी कमिश्नर लुधियाना जी को इस समझौता ज्ञापन के बारे में अवगत करवाया, और बताया कि डाक विभाग एवं भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय (MoRD) के मध्य दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (DAY-NRLM) के माध्यम से बीमा सुरक्षा का विस्तार करने तथा ग्रामीण परिवारों के लिए आजीविका के अवसर सृजित करने हेतु एक समझौता ज्ञापन (MoU) हस्ताक्षरित किया गया है। उन्होंने बताया कि पी.एल.आई. निदेशालय द्वारा विशेष 'बीमा सुरक्षा शिविरों' (Insurance Security Camps) के आयोजन हेतु विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य पात्र स्वयं सहायता समूह (SHG) के सदस्यों को डाक जीवन बीमा एवं ग्रामीण डाक जीवन बीमा के प्रत्यक्ष अभिकर्ता (Direct Agent) के रूप में जोड़ना तथा नई बीमा पॉलिसियों का व्यवसाय प्राप्त करना है। डॉ. निशी मणि ने बताया कि प्रत्यक्ष अभिकर्ता (Direct Agent) के रूप में कार्य करने वाले अभ्यर्थी भारतीय सरकार द्वारा निर्धारित आकर्षक मासिक प्रोत्साहन (Monthly Incentive) अर्जित कर सकते हैं। इस योजना के अंतर्गत आवेदन करने के लिए अभ्यर्थी की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं उत्तीर्ण होनी आवश्यक है, और उमर 18 साल से 50 साल तक होनी चाहिए। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं, महिलाओं एवं स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों से इस अवसर का लाभउठाने का आह्वान किया तथा कहा कि यह योजना बीमा सुरक्षा के साथ-साथ अतिरिक्त आय एवं स्वरोज़गार का सशक्त माध्यम बन सकती है। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक अभ्यर्थी डॉ. निशी मणि, डेवलपमेंट ऑफिसर, डाक जीवन बीमा, कार्यालय प्रवर अधीक्षक डाक घर, मुख्य डाकघर भवन, लुधियाना मोबाइल 8872227111 पर संपर्क कर सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

मनीषा मलिक को शिरोमणि अकाली दल पंजाब स्टेट की जॉइंट सेक्रेटरी की जिम्मेदारी

-लंबे समय से पार्टी के प्रति समर्पित कार्यशैली और ईमानदारी को देखते हुए मिली नियुक्ति, बलटाना क्षेत्र के कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर

अर्थ प्रकाश/जीरकपुर (संदीप सिंह बावा)। शिरोमणि अकाली दल की जुझारू कार्यकर्ता मनीषा मलिक को पार्टी की ओर से शिरोमणि अकाली दल पंजाब स्टेट की जॉइंट सेक्रेटरी नियुक्त किया गया है। मनीषा मलिक की इस नियुक्ति के बाद बलटाना क्षेत्र के अकाली दल कार्यकर्ताओं में उत्साह और नई ऊर्जा का माहौल है। पार्टी नेताओं ने कहा कि मनीषा मलिक लंबे समय से शिरोमणि अकाली दल के साथ जुड़कर पूरी निष्ठा और ईमानदारी से अपनी जिम्मेदारियां निभाती आ रही हैं। उनकी मेहनत और पार्टी के प्रति समर्पण को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। अपनी नियुक्ति पर मनीषा मलिक ने शिरोमणि अकाली दल की वरिष्ठ लीडरशिप, पार्टी प्रधान , पूर्व हलका विधायक एन.के. शर्मा और पार्टी से जुड़े सभी कार्यकर्ताओं का धन्यवाद किया। मनीषा मलिक ने कहा कि वह पिछले कई वर्षों से पार्टी के साथ जुड़ी हुई हैं और भविष्य में भी पूरी ईमानदारी, मेहनत और निष्ठा के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाएंगी। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य पार्टी की नीतियों को घर-घर तक पहुंचाना और शिरोमणि अकाली दल को और मजबूत करना रहेगा। इस नियुक्ति को लेकर बलटाना क्षेत्र के अकाली दल कार्यकर्ताओं ने खुशी जताई और उम्मीद व्यक्त की कि मनीषा मलिक के नेतृत्व में क्षेत्र में पार्टी की गतिविधियों को और मजबूती मिलेगी।

मोहाली की उपायुक्त कोमल मित्तल को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान, देश के टॉप-25 जिला आयुक्तों में मिली जगह

-करीब 800 जिलों के अधिकारियों में पंजाब से एकमात्र अधिकारी के रूप में चयन; कुशल प्रशासन और जनहित कार्यों के लिए मिली पहचान

अर्थ प्रकाश/ जीरकपुर (संदीप सिंह बावा)। मोहाली जिले के लिए गर्व का क्षण है। मोहाली की उपायुक्त कमल मित्तल को को भारत के शीर्ष 25 जिला आयुक्तों में स्थान प्राप्त हुआ है। देशभर के करीब 800 जिलों के प्रशासनिक अधिकारियों में पंजाब से एकमात्र अधिकारी के रूप में यह सम्मान मिलना पूरे राज्य के लिए गौरव की बात मानी जा रही है। कोमल मित्तल की कुशल प्रशासनिक क्षमता, जनहित के प्रति समर्पण और पारदर्शी कार्यशैली को देखते हुए उन्हें यह राष्ट्रीय पहचान मिली है। उनके नेतृत्व में मोहाली जिले में विकास कार्यों को गति मिली और आम जनता से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए प्रशासनिक

व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के प्रयास किए गए। जिला प्रशासन से जुड़े लोगों का कहना है कि उपायुक्त के रूप में कोमल मित्तल ने जनसेवा को प्राथमिकता देते हुए विभिन्न विभागों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित किया। विकास योजनाओं की निगरानी, जनता की समस्याओं के समाधान और प्रशासन को अधिक जवाबदेह बनाने की दिशा में उनके प्रयासों की सराहना की गई है। इस उपलब्धि के बाद मोहाली जिले में खुशी का माहौल है। शहरवासियों और सामाजिक संगठनों ने उपायुक्त को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान न केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि पूरे मोहाली और पंजाब के लिए सम्मान की बात है। लोगों ने उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में मोहाली जिला आगे भी विकास और प्रशासनिक उत्कृष्टता के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करता रहेगा।

जनता की सुविधाओं को लेकर सख्त हुए विधायक रंधावा, सुबह-सुबह सरकारी विभागों में पहुंचकर लिया जायजा

-सिविल अस्पताल, बीडीपीओ और नगर काउंसिल कार्यालय का किया औचक निरीक्षण; अधिकारियों को दिए जवाबदेही के साथ काम करने के निर्देश

अर्थ प्रकाश/ जीरकपुर (संदीप सिंह बावा)। डेराबस्सी के विधायक कुलजीत सिंह रंधावा गुरुवार सुबह एक्शन मोड में नजर आए। उन्होंने अचानक सिविल अस्पताल, बीडीपीओ कार्यालय और नगर परिषद कार्यालय का दौरा कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विधायक रंधावा ने अस्पताल में मरीजों को मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं, डॉक्टरों व स्टाफ की उपस्थिति, साफ-सफाई और चिकित्सा सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने मरीजों और उनके परिजनों से बातचीत कर उनकी समस्याएं भी सुनीं। इसके बाद विधायक ने बीडीपीओ कार्यालय और नगर परिषद कार्यालय पहुंचकर कर्मचारियों की हाजिरी, जनसेवाओं की स्थिति और लंबित कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनता के कार्यों में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने कहा कि सरकारी सेवाएं समय पर और पारदर्शी तरीके से लोगों तक पहुंचना जरूरी है। उन्होंने कहा कि आम जनता को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए ऐसे औचक निरीक्षण आगे भी जारी रहेंगे। उन्होंने अधिकारियों को जवाबदेही के साथ काम करने और लोगों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के निर्देश दिए।

डेंटल कॉलेज के रक्तदान शिविर में महिलाओं की अधिक भागीदारी समाज क लिए प्रेरणादायक : कुलपति डॉ.एच.के. अग्रवाल

अर्थ प्रकाश संवाददाता

रोहतक, सुकरमपाल 19 जून । पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एच.के. अग्रवाल ने कहा कि रक्तदान और पौधरोपण दोनों ही जीवन बचाने वाले कार्य हैं। रक्तदान से हम किसी का आज बचाते हैं और पौधरोपण से आने वाली पीढ़ियों का कल सुरक्षित करते हैं। डॉ. अग्रवाल शुक्रवार को पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज में विश्व रक्तदाता दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित रक्तदान शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। शिविर का आयोजन डेंटल कालेज द्वारा इम्यूनोहेमेटोलॉजी एवं ब्लड ट्रांसफ्यूजन विभाग के सहयोग से किया गया। शिविर में महिला फैकल्टी, पीजी छात्राओं, इंटर्न व महिला कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर रक्तदान किया। इसे देखकर कुलपति डॉ. अग्रवाल बेहद प्रसन्न हुए। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि आज हमारी बेटियां हर क्षेत्र में आगे हैं। रक्तदान जैसे पुनीत कार्य में महिलाओं की भागीदारी यह साबित करती है कि नारी शक्ति ही समाज की असली प्रेरणा है। उन्होंने सभी महिला रक्तदाताओं को मंच पर बुलाकर बैज लगाकर व प्रशस्ति पत्र देकर विशेष रूप से सम्मानित किया। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि समाज में अभी भी यह भ्रांति है कि महिलाएं रक्तदान नहीं कर सकतीं, जबकि स्वस्थ महिला हर 4 महीने में सुरक्षित रूप से रक्तदान कर सकती है। उन्होंने अन्य संस्थानों की छात्राओं व महिलाओं से भी आगे आकर रक्तदान करने की अपील की। कुलपति डॉ. अग्रवाल ने रिब्बन काटकर शिविर का शुभारंभ किया और रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाया। इसके बाद उन्होंने डेंटल कालेज परिसर में अधिकारियों के साथ पौधे लगाए। उन्होंने कहा कि जिस तरह रक्त शरीर को जीवन देता है, वैसे ही पेड़ धरती को प्राणवायु देते हैं। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि अपने जन्मदिन पर एक पौधा जरूर लगाएं और रक्तदान से जीवन बचाएं, पौधरोपण से धरती बचाएं के संकल्प को अपनाएं।

डेंटल कालेज की प्राचार्या डॉ. मनु राठी ने बताया कि शिविर में कुल 51 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। कई बार रक्तदान कर चुके दानदाताओं को भी सम्मानित किया गया। सभी रक्तदाताओं को जलपान व प्रमाण पत्र दिए गए। बीडीएस छात्रों ने नुक्कड़ नाटक, पोस्टर प्रदर्शनी के माध्यम से रक्तदान व पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। करो रक्तदान, पाओ पुण्य महान और एक पेड़ सौ पुत्र समान जैसे स्लोगन आकर्षण का केंद्र रहे। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. रूप सिंह, डीन एकेडमिक अफेयर्स डॉ. एम.जी. वशिष्ठ, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कुंदन मित्तल, डीएसडब्ल्यू डॉ. सविता सिंघल, मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. सुधीर अत्री तथा ब्लड बैंक से प्रो. डॉ. रागिनी, डॉ नवीन खत्री मौजूद रहे। आयोजन डॉ. पंकज गहलोत, डॉ. आदर्श व डॉ. भावना की देखरेख में हुआ।

शिरोमणि अकाली दल ने कसी कमर : बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने के लिए एस.आर.कलेर ने की बीएलए के साथ अहम बैठक

अर्थ प्रकाश संवाददाता / प्रदीप पाल

जगरांव, 19 जून। शिरोमणि अकाली दल को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए, पार्टी की ओर से गतिविधियां तेज कर दी गई हैं। इसी कड़ी में शिरोमणि अकाली दल कोर कमेटी के सदस्य और पूर्व विधायक (स्व.) एस. आर. कलेर के नेतृत्व में विधानसभा क्षेत्र के बीएलए (बूथ लेवल एजेंट्स) की एक महत्वपूर्ण और बड़ी बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में भारी संख्या में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया।

बूथ स्तर पर जिम्मेदारी निभाने का आह्वान

बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक एस. आर. कलेर ने सभी बीएलए को बूथ स्तर पर संगठन को और मजबूत करने का निर्देश दिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं को प्रेरित करते हुए कहा- ÷पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने में हर एक कार्यकर्ता की भूमिका बेहद अहम है। सभी कार्यकर्ता अपनी जिम्मेदारियों को पूरी लगन और निष्ठा से निभाएं।÷

नीतियों को घर-घर पहुंचाने पर जोर इस मौके पर शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (SGPC) के सदस्य भाई गुरचरण सिंह ग्रेवाल ने भी अपने विचार साझा किए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आगामी पार्टी गतिविधियों के लिए एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिरोमणि अकाली दल की नीतियों और सिद्धांतों को हर घर तक पहुंचाना आज के समय की मुख्य जरूरत है और इसमें सभी को सक्रिय भूमिका निभानी होगी।

बैठक में ये प्रमुख नेता और कार्यकर्ता रहे मौजूद

बैठक में क्षेत्र के कई वरिष्ठ नेता, हलका अध्यक्ष और विभिन्न विंगों के पदाधिकारी शामिल हुए, जिनमें मुख्य रूप से शामिल हैं-

प्रमुख नेतृत्व- पूर्व चेयरमैन दीदार सिंह मलक, पार्षद दविंदरजीत सिंह सिद्धू, सीनियर अकाली नेता हरि सिंह काउंके, दीपइंदर सिंह भंडारी, अध्यक्ष हरदेव सिंह बॉबी और सीनियर युवा नेता संदीप सिंह मल्लाह।

हलका अध्यक्ष- शिवराज सिंह, रणधीर सिंह चकर, परमिंदर सिंह चीमा, सरप्रीत सिंह काउंके, कुलदीप सिंह गिद्दड़विंडी, मंदीप सिंह गालिब, तजिंदरपाल सिंह कानिया और चरणजीत सिंह चीनू।

विंग व यूनियन प्रतिनिधि- महिला विंग से अध्यक्ष सतपाल कौर ग्रेवाल, आईटी विंग हलका अध्यक्ष सुखदेव सिंह जग्गा, आईटी विंग कोऑर्डिनेटर गुरप्रीत सिंह बसुवाल और पल्लेदार यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष अवतार सिंह बिल्ला।

क्षेत्रीय व ग्रामीण प्रतिनिधि- अध्यक्ष बूटा सिंह भमीपुरा, गुरतेज सिंह चीमा, गोपाल सिंह नंबरदार, रेशम सिंह मानूके, मनजीत सिंह फौजी, सतनाम सिंह जगराओं, कमलदीप सिंह जगराओं, मिंटू सावड़ी, सुरिंदर सिंह परजियां बिहारीपुर, इंद्रजीत सिंह लोधीवाल, गुरबचन सिंह बागियां, निर्मोह सिंह परजियां कलां, पूर्व सरपंच एकम सिंह फतेहगढ़ सिविया, बलराज सिंह ग्रेवाल लीला, अंग्रेज सिंह अमरगढ़ क्लारां, रिंकू क्लारां, बुध सिंह लीला पश्चिम और पूर्व सरपंच बूटा सिंह बुर्ज क्लारा।

हठूर व अन्य क्षेत्रों से- डायरेक्टर बलजीत सिंह हठूर, बलवंत सिंह बादल हठूर, सुखविंदर सिंह हठूर, अध्यक्ष परमिंदर सिंह कंबो हठूर, रूप सिंह बाठ, जसप्रीत सिंह चीमा, सपना संधू, जसवीर सिंह रसूलपुर, धर्म सिंह रसूलपुर, प्रितपाल सिंह मल्ला, काली काउंके, प्रदीप सिंह अखाड़ा, तेहर सिंह अखाड़ा, गुरशरण सिंह अगवार लोपो कला, पूर्व सरपंच बलजिंदर सिंह गुरुसर, जगजीत सिंह डल्ला, बिट्टू डल्ला, धर्म सिंह जगराओं, सरपंच चरणजीत कौर काउंके कलां, पूर्व सरपंच करमजीत सिंह कोठे शेर जंग, जगतार सिंह कोठे अथ चक, जगरूप सिंह कोठे अथ चक, गुरप्रीत सिंह अगवार लोपो, अध्यक्ष बलजीत सिंह सिधवां कलां, सतवंत सिंह बागियां, सत्ती गगरा, गुरमीत सिंह अजीत नगर, ब्लॉक समिति सदस्य गुरप्रीत सिंह बिट्टू लामे, जिंदर सिंह भामरा, ब्लॉक समिति सदस्य सुरिंदर सिंह डल्ला, गुरदीप सिंह गालिब खुर्द, सरबजीत सिंह गालिब कलां, विक्की गालिब कलां, सर्वेश कुमार गुडगो, अवतार सिंह भोला मानूके, सुखमंदर सिंह मानूके, सिमरन बावा, अमना गिद्दड़वंडी, अध्यक्ष प्रभ जगराओं, अध्यक्ष गणेश जगराओं, अध्यक्ष मंदीप सिंह भम्मीपुरा।

लाजपत राय डी.ए.वी. कॉलेज जगराओं में 21 जून को लगाया जाएगा विशाल योग कैंप

अर्थ प्रकाश संवाददाता/ प्रदीप पाल /जगराओं, 19 जून। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार, 21 जून, 2026 को लाजपत राय डी.ए.वी. कॉलेज, जगराओं में एक विशाल योग कैंप का आयोजन किया जा रहा है।

प्रेस को जानकारी देते हुए कैप्टन नरेश वर्मा ने बताया कि यह योग कैंप डी.ए.वी. कॉलेज जगराओं के प्रिंसिपल डॉक्टर अनुज शर्मा की देखरेख में और कॉलेज के सहयोग से लगाया जा रहा है। इस संबंध में अधिक जानकारी साझा करते हुए पतंजलि के मुख्य योग ट्रेनर शशि भूषण जैन ने बताया कि इस कैंप में भारत विकास परिषद जगराओं के अध्यक्ष प्रिंसिपल चरणजीत सिंह भंडारी और उनकी टीम भी विशेष रूप से सहयोग देगी।

कैंप का समय और मुख्य गतिविधियां

समय- सुबह 5:30 बजे से 7:00 बजे तक

स्थान- लाजपत राय डी.ए.वी. कॉलेज, जगराओं

विशेषज्ञ ट्रेनरों द्वारा कराया जाएगा अभ्यास

कैंप के दौरान पतंजलि के मुख्य योग ट्रेनर शशि भूषण जैन, सहायक योग ट्रेनर राधिका गोयल, मीनू वर्मा और शैली गुप्ता सभी को योगिक जॉगिंग, प्राणायाम और विभिन्न आसनों का अभ्यास कराएंगे तथा स्वस्थ रहने के नुस्खे (टिप्स) साझा करेंगे।

समूह शहर वासियों से अपील

कैप्टन नरेश वर्मा और सभी प्रबंधकों द्वारा समस्त शहर वासियों से इस योग कैंप में बढ़-चढ़कर भाग लेने की पुरज़ोर अपील की गई है, ताकि सभी इसका भरपूर लाभ उठा सकें।

फतेहाबाद पुलिस का 'डबल एक्शन' जारी : नशा तस्करों पर बड़ी चोट, अब अवैध संपत्तियां भी कानून के शिकंजे में

* तीन कुख्यात नशा तस्करों की 62 लाख 20 हजार रुपये से अधिक की अवैध संपत्ति फ्रीज, वर्तमान बाजार मूल्य करीब 80 लाख रुपये
* अब तक 33 नशा तस्करों की करोड़ों रुपये मूल्य की अवैध संपत्तियों पर कार्रवाई
*-एसपी निकिता खट्टर की दो टूक चेतावनी - 'अब नशा तस्करों को केवल जेल ही नहीं, बल्कि अपराध से अर्जित एक-एक रुपये का भी हिसाब देना होगा'

अर्थ प्रकाश संवाददाता

फतेहाबाद, 19 जून। *एएसपी श्रीमती दिव्याशीं सिंगला, आईपीएस* ने शुक्रवार को आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि पुलिस अधीक्षक श्रीमती निकिता खट्टर, आईपीएस के नेतृत्व में फतेहाबाद पुलिस द्वारा नशा तस्करी के विरुद्ध चलाया जा रहा अभियान लगातार और अधिक प्रभावी होता जा रहा है। अब पुलिस की कार्रवाई केवल नशा तस्करों की गिरफ्तारी तक सीमित नहीं है, बल्कि उनकी अवैध कमाई और उससे अर्जित चल-अचल संपत्तियों पर भी कानून के तहत लगातार कार्रवाई की जा रही है।

उन्होंने बताया कि इसी 'डबल एक्शन' रणनीति के तहत फतेहाबाद पुलिस ने तीन आदतन नशा तस्करों की *62 लाख 20 हजार रुपये से अधिक मूल्य की अवैध संपत्तियों को फ्रीज कराया है, जिनकी वर्तमान बाजार कीमत लगभग 80 लाख रुपये आंकी गई है।* इसके अतिरिक्त फतेहाबाद पुलिस अब तक *33 नशा तस्करों की करोड़ों रुपये मूल्य की अवैध संपत्तियों को कानून के दायरे में लाकर फ्रीज करा चुकी है* ।

***पहला मामला - भूना का आदतन नशा तस्कर**

एएसपी ने बताया कि थाना भूना में वर्ष 2026 में एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज मामले में गिरफ्तार आकाश उर्फ रिंकू निवासी भूना के विरुद्ध वित्तीय जांच के दौरान उसकी आय से अधिक संपत्ति होने के प्रमाण मिले। इसके बाद एनडीपीएस अधिनियम की धारा 68-F(1) के तहत लगभग 60 लाख रुपये मूल्य के उसके आवासीय मकान को फ्रीज किया गया।

उन्होंने बताया कि आरोपी कोई पहली बार अपराध करने वाला व्यक्ति नहीं है। उसके विरुद्ध वर्ष 2019, 2021 और 2022 में भी एनडीपीएस एक्ट के तहत मामले दर्ज हो चुके हैं। लगातार दर्ज मामलों से स्पष्ट है कि आरोपी लंबे समय से नशा तस्करी में संलिप्त रहा है और आदतन अपराधी है।

***दूसरा मामला - आदतन तस्कर की कार भी कानून के कब्जे में**

एएसपी दिव्याशीं सिंगला ने बताया कि थाना शहर फतेहाबाद के बस अड्डा पुलिस चौकी क्षेत्र में गिरफ्तार दीपक कुमार उर्फ दीपू की वित्तीय प्रोफाइलिंग के दौरान उसकी लगभग 1.50 लाख रुपये मूल्य की मारुति सुजुकी रिट्ज कार को फ्रीज किया गया।

उन्होंने बताया कि आरोपी वर्ष 2018 से नशा तस्करी में सक्रिय है तथा उसके विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के एकाधिक मामले दर्ज हैं। वर्ष 2018, 2022 तथा 2025 में उसके खिलाफ हेरोइन तस्करी सहित विभिन्न मामलों में कार्रवाई हो चुकी है। उसका आपराधिक रिकॉर्ड दर्शाता है कि वह लगातार नशे के अवैध कारोबार में संलिप्त रहा है।

***तीसरा मामला - बाइक भी नहीं बचा सकी काली कमाई**

प्रेस वार्ता में एएसपी ने बताया कि थाना शहर फतेहाबाद की हुड्डा पुलिस चौकी द्वारा गिरफ्तार अतुल उर्फ आशू के विरुद्ध भी विस्तृत वित्तीय जांच की गई। जांच में उसकी लगभग 70 हजार रुपये मूल्य की टीवीएस राइडर मोटरसाइकिल को एनडीपीएस अधिनियम के तहत फ्रीज किया गया।

उन्होंने बताया कि आरोपी के विरुद्ध वर्ष 2018, 2022 तथा वर्ष 2026 में भी एनडीपीएस एक्ट के मामले दर्ज हो चुके हैं। लगातार आपराधिक रिकॉर्ड यह दर्शाता है कि वह भी आदतन नशा तस्कर है।

एएसपी ने बताया कि तीनों मामलों में विस्तृत Financial Profiling के बाद SAFEMA, नई दिल्ली से स्वीकृति प्राप्त कर एनडीपीएस अधिनियम की धारा 68-F(1) के तहत संपत्तियों को फ्रीज किया गया है। अब इन संपत्तियों को सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के बिना न बेचा जा सकता है और न ही हस्तांतरित किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि नशा तस्करी के विरुद्ध यह रणनीति केवल अपराधियों को गिरफ्तार करने तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके पूरे आर्थिक नेटवर्क को ध्वस्त करने की दिशा में प्रभावी कदम है। अपराध से अर्जित संपत्तियों पर कार्रवाई कर पुलिस यह सुनिश्चित कर रही है कि नशे के कारोबार से कमाई गई अवैध संपत्ति का कोई लाभ अपराधियों को न मिल सके।

प्रेस वार्ता के दौरान एएसपी दिव्याशीं सिंगला ने नशा तस्करों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि 'जो लोग युवाओं का भविष्य बर्बाद कर नशे का कारोबार कर रहे हैं, वे यह समझ लें कि अब फतेहाबाद पुलिस केवल उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजने तक सीमित नहीं रहेगी। अपराध से अर्जित उनकी चल-अचल संपत्तियों की भी गहन जांच होगी और कानून के तहत उन्हें फ्रीज तथा जब्त करने की कार्रवाई की जाएगी। अपराध से कमाई गई एक-एक पाई का हिसाब लिया जाएगा।'

उन्होंने आमजन से अपील की कि यदि कहीं भी नशा तस्करी से संबंधित कोई सूचना मिले तो तुरंत फतेहाबाद पुलिस को अवगत कराएं। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

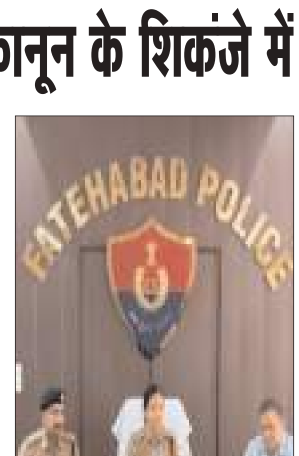

फतेहाबाद पुलिस का स्पष्ट संदेश है- 'नशे का कारोबार करने वालों के लिए जिले में अब कोई सुरक्षित ठिकाना नहीं है। अब जेल के साथ-साथ अपराध से अर्जित अवैध संपत्ति भी कानून के कब्जे में जाएगी। फतेहाबाद पुलिस नशा तस्करी के पूरे नेटवर्क को जड़ से समाप्त करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।'

श्रीनगर सीमेंट फैक्ट्री में चिमनी फटने से आग, 7 मजदूर झुलसे, एक गंभीर

श्रीनगर (एजेंसी)। श्रीनगर के बाहरी इलाके खोनमोह स्थित एक सीमेंट फैक्ट्री में गुरुवार देर रात चिमनी में आग लगने से सात मजदूर झुलस गए। इनमें एक मजदूर की हालत गंभीर बताई जा रही है, जबकि अन्य छह अस्पताल में उपचाराधीन हैं। गुरुवार देर रात हुए इस हादसे में फैक्ट्री की चिमनी में अचानक आग लग गई, जिससे वहां काम कर रहे श्रमिक आग और तेज गर्मी की चपेट में आ गए। फैक्ट्री प्रबंधन और राहत दल ने तत्काल बचाव अभियान शुरू कर सभी घायलों को श्रीनगर के एसएमएचएस अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि गंभीर रूप से झुलसे मजदूर को विशेष चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। पुलिस ने बताया कि गंभीर रूप से झुलसे मजदूर की हालत नाजुक बनी हुई है, जबकि बाकी छह मजदूरों की स्थिति स्थिर है। इस बीच पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए एक विशेष टीम गठित की गई है। जांच के दौरान यह भी देखा जाएगा कि फैक्ट्री में निर्धारित सुरक्षा मानकों और अनिवार्य सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा था या नहीं। प्रशासन ने कहा है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। शुरुआती जांच में जो तथ्य सामने आया है, उसके बाद कार्रवाई की जा रही है।

बिहार में तेज प्रताप यादव के खिलाफ एफआईआर : आरोप-प्रत्यारोप का दौर

पटना (एजेंसी)। बिहार में एक नया राजनीतिक विवाद तब खड़ा हो गया जब कोर्ट के आदेश पर जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव के खिलाफ पाटलिपुत्र पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई। यह मुकदमा अनुष्का के भाई आकाश यादव ने दर्ज कराया है, जिनका नाम सार्वजनिक रूप से तेज प्रताप से जोड़ा जाता रहा है। बिहार पुलिस ने आरोपों की जांच शुरू कर दी है। एएसपी दिव्यांजलि जायसवाल के अनुसार, शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि उन्हें जान से मारने की धमकी मिली है और उन्होंने सबूत के तौर पर ऑडियो रिकॉर्डिंग भी सौंपी है। पुलिस का कहना है कि ये धमकियां कथित तौर पर अमेरिका के एक नंबर से फोन करके दी गई थीं। एफआईआर के मुताबिक, यह घटना 6 जून को हुई थी, जब तेज प्रताप और उनके सहयोगी मोतीलाल यादव कथित तौर पर पाटलिपुत्र इलाके में आकाश यादव के घर गए थे, जबकि आकाश खाटू श्याम की तीर्थयात्रा पर गए हुए थे। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि उन्होंने जबरन घर में घुसने की कोशिश की और वहां मौजूद परिवार के सदस्यों को धमकी दी। आकाश यादव की ओर आरोप लगाया गया है कि उनके परिवार को लेकर धमकियां दी गईं और बाद में उन्हें मोतीलाल और एक अन्य व्यक्ति का फोन आया, जिसने खुद को एक आपराधिक गिरोह का सदस्य बताया। शिकायत के अनुसार, कॉलर ने उन्हें तेज प्रताप के खिलाफ सार्वजनिक रूप से कुछ भी न बोलने की चेतावनी दी।

शोपियां में लापता तीन युवक विस्फोटक के साथ गिरफ्तार, आतंकी संगठन से संबंध का शक

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में सुरक्षा बलों को बड़ी कामयाबी मिली है। सुरक्षा बलों ने दक्षिण कश्मीर के शोपियां में सर्च ऑपरेशन के दौरान 31 मई से लापता चल रहे तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। इन युवकों के पास से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री और आपत्तिजनक सामान बरामद हुआ है। प्रारंभिक जांच में इनके तार आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े होने की आशंका जाहिर की गई है। सुरक्षा बलों ने गिरफ्तार किए युवकों के पास से दो हैंड ग्रेनेड, 2.5 किलोग्राम पीईके (प्लास्टिक एक्सप्लोसिव किरकी), चार मोबाइल फोन और आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन से संबंधित पोस्टर बरामद किए हैं। ये गिरफ्तारियां दक्षिण कश्मीर जिले के पुड्सू इलाके से की गईं। गिरफ्तार युवकों की पहचान एजाज अहमद खांडे, अरबाज अहमद मीर और नासिर अहमद डार के रूप में हुई है, जो सभी शोपियां जिले के बेगामा के रहने वाले हैं। पुलिस के अनुसार, ये तीनों 31 मई से अपने घरों से लापता थे और माना जा रहा है कि वे हिजबुल मुजाहिदीन में शामिल हो गए थे। वर्तमान में पुलिस इन तीनों से गहन पूछताछ कर रही है ताकि आतंकी मॉड्यूल, भर्ती प्रक्रिया और उनके सहयोगियों के बारे में अधिक जानकारी जुटाई जा सके। पुलिस ने संकेत दिया है कि इस मामले में आगे और गिरफ्तारियां या सामग्री की बरामदगी हो सकती है। जांच एजेंसियां इनके सीमा पार के आतंकी आकाओं से संभावित संबंधों की भी पड़ताल कर रही हैं, जो क्षेत्र में शांति भंग करने की कोशिश कर रहे हैं।

बिहार एनकाउंटर पर बीजेपी ने उठाए सवाल, शाह और सीएम से जांच की मांग

भोजपुर (एजेंसी)। बिहार के भोजपुर जिले में हुए एक पुलिस एनकाउंटर पर भारतीय जनता पार्टी ने ही सवाल खड़े कर दिए हैं। बिलौटी गांव में भरत भूषण तिवारी के कथित एनकाउंटर को लेकर पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा और पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से बड़ी मांग की है। बीजेपी नेता सिन्हा ने घटना पर दुख जताकर कहा कि जनता के मन में उठ रहे सवालों और चिंताओं का निष्पक्ष तौर सामने आना चाहिए। उन्होंने एनडीए सरकार द्वारा संबंधित पुलिसकर्मियों के निलंबन को स्वागतयोग्य बताया, लेकिन स्पष्ट किया कि न्याय केवल प्रारंभिक कार्रवाई से पूरा नहीं होता। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जांच की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि सच्चाई सामने आ सके और किसी भी आशंका की गुंजाइश न रहे। सिन्हा ने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस का दायित्व है, लेकिन कोई भी कानून से ऊपर नहीं हो सकता। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जांच में अधिकारों के दुरुपयोग या लापरवाही की पुष्टि होती है, तब दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। यह मामला केवल एक व्यक्ति की मौत का नहीं, बल्कि कानून और न्याय व्यवस्था पर जनता के विश्वास से भी जुड़ा है। दूसरी ओर, पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने एनकाउंटर को गलत करार दिया है। उन्होंने कहा कि भरत भूषण तिवारी की पुलिस प्रशासन द्वारा आत्मसमर्पण के उपरांत गोली मारकर नृशंस हत्या कर दी गई, जो हृदय विदारक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि लोकतंत्र में हिंसा की कोई जगह नहीं है। पूर्व केंद्रीय मंत्री चौबे ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से इस पूरे मामले पर संज्ञान लेने और हत्यारे पुलिस प्रशासन के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करते हुए उच्चस्तरीय जांच का आदेश देने की अपील की। उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से भी आग्रह किया कि वे 48 घंटे के भीतर हत्यारों को जेल भेजकर बिहार में सुशासन का परिचय दें।

दल-बदल रोकने की याचिका सुप्रीम कोर्ट से खारिज, सीजेआई ने पूछा पार्टी का नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजनीतिक दलों में नेताओं के दल-बदल को रोकने की मांग करने वाली याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज किया। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) ने याचिका पर सुनवाई से इंकार कर याचिकाकर्ता से पूछा कि वे किस पार्टी की बात कर रहे हैं। याचिका में नेताओं के भ्रष्टाचार और दल-बदल में शामिल होने का आरोप लगाया गया था।

वकील सी.आर. जया सुकिन ने बताया कि देश में पार्टियों के नेता या रिश्वत लेकर भ्रष्टाचार में लिप्त हैं या धमकियां देकर परिवार के सदस्यों को नुकसान पहुंचाने की बात कर रहे हैं, ताकि उन्हें पार्टी बदलने पर मजबूर कर सके। सुकिन ने तर्क दिया कि यह लोकतंत्र को तबाह करने जैसा है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक राज्य पूर्वी भारत में और दूसरा मध्य भारत में है, जहाँ पार्टी नेता लगातार दल बदल रहे हैं। याचिकाकर्ता ने जोर दिया कि विधानसभा अध्यक्षों को नेताओं के इस्तीफे की जांच करनी चाहिए, क्योंकि वे अक्सर मीडिया के सामने इस्तीफे स्वीकार कर लेते हैं और कुछ ही मिनटों में नेता दूसरी पार्टी में शामिल हो जाते हैं।

याचिकाकर्ता की दलीलें सुनने के बाद सीजेआई ने सवाल किया, आप किस सत्तारूढ़ दल की बात कर रहे हैं? आपके राज्य में तब पार्टियां बदलती रहती हैं। उन्होंने याचिका को अस्पष्ट और सामान्य आरोपों पर आधारित बताकर खारिज कर दिया। सीजेआई ने कहा कि आरोपों के समर्थन में कोई भी सबूत पेश नहीं किया गया है और इसतरह के मामलों में अदालत के दखल देने का कोई आधार नहीं दिखाता है।

यह घटनाक्रम तब सामने आया है जब देश के विभिन्न हिस्सों में दल-बदल की खबरें लगातार सुर्खियां बटोर रही हैं। हाल ही में, पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 20 सांसदों ने वरिष्ठ नेता काकोली घोष दस्तीदार के नेतृत्व में पार्टी से अलग होकर नेशनल सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में विलय कर लिया। राज्य में विधायकों ने भी अपना अलग गुट बना लिया है और कोर्ट ने भी रीताब्रता बनर्जी को नेता प्रतिपक्ष के रूप में मान्यता दी है। महाराष्ट्र में भी ऐसी ही अटकलें लगाई जा रही हैं कि शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे) के छह सांसद जल्द ही पार्टी छोड़ सकते हैं और शिवसेना को अपना समर्थन दे सकते हैं। ये संकेत तब और पुख्ता हुए जब गुरुवार को पार्टी के संसदीय दल की बैठक में 9 में से केवल 6 सांसद ही उपस्थित हुए।

सपा पर हमलावर राजभर की पार्टी में टूट का दावा, खुद के तीन विधायक बागी !

लखनऊ (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और महाराष्ट्र में शिवसेना में टूट के दावों के बीच, उत्तर प्रदेश में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के मुखिया और योगी सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर इन दिनों समाजवादी पार्टी (सपा) पर हमलावार हैं। राजभर ने दावा किया था कि 23 सपा सांसद उनके माध्यम से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संपर्क में हैं। हालांकि, अब उनके बेटे अरुण राजभर के डिबेट के दौरान खुद सुभासपा में आंतरिक कलह और टूट की खबरें सामने आई हैं। डिबेट के दौरान, अरुण ने सपा पर निशाना साधकर शिवपाल सिंह यादव के भाजपा से संपर्क साधने की बात कही, लेकिन पत्रकार ने पलटकर उनकी अपनी पार्टी के विधायकों की संख्या और निष्ठा पर सवाल उठा दिए। पत्रकार के पूछने पर कि उनकी पार्टी के कितने विधायक सपा का झंडा लगाकर घूमते हैं, अरुण ने स्वीकार किया कि उनके 7 विधायकों में से तीन विधायक इसतरह के हैं। इस पर पत्रकार ने कहा कि आपकी पार्टी खुद ही टूट गई है। इन तीन विधायकों में मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी शामिल हैं, जो सुभासपा का झंडा नहीं लगाते। इसके अतिरिक्त, ओम प्रकाश राजभर द्वारा जगदीश नारायण राय से नाराजगी का जिक्र भी किया गया, यह दर्शाता है कि पार्टी के भीतर सब कुछ ठीक नहीं है। इतना ही नहीं दावा किया गया हैं कि सुभासपा के दो-तिहाई विधायक अखिलेश यादव के पास हैं और सपा जब चाहे उनकी पार्टी का अपने में विलय कर सकती है। हालांकि, अरुण राजभर ने दावे को सिरे से खारिज कर अपनी सफाई देकर कहा कि केवल झंडा लगाने से पार्टी नहीं टूटती। इस घटनाक्रम ने जहां सुभासपा के अंदरूनी हालात पर सवाल खड़े हुए हैं, वहीं विडंबना भी साफ दिखाई दे रही है कि जो पार्टी दूसरों में टूट का दावा कर रही थी, वह खुद ही बगावत के आरोपों से जूझ रही है।

अयोध्या राम मंदिर: सुरक्षा पर 11 माह में 10 करोड़ खर्च, फिर भी चोरी

–जांच के घेरे में कई बड़े और ताकतवर लोग

अयोध्या (एजेंसी)। रामनगरी अयोध्या में राम मंदिर की भव्यता और लाखों श्रद्धालुओं की आस्था के बीच अब सुरक्षा चूक और करोड़ों रुपये के खर्च के बावजूद कथित चोरी का मामला गरमा गया है। बीते 11 महीनों में मंदिर परिसर की सुरक्षा व्यवस्था पर लगभग 10 करोड़ रुपये खर्च होने के बावजूद दान पेटियों में अनियमितता की शिकायत ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस मामले में अब विशेष जांच दल की जांच तेजी से आगे बढ़ रही है और इसका दायरा सिर्फ कथित चोरी तक सीमित न रहकर पूरे सिस्टम को खंगाल रहा है, जिससे कई बड़े नाम जांच के घेरे में आ गए हैं।

17 साल से एक ही जगह तैनात आरएमओ जांच के घेरे में इस जांच में जिस नाम ने सबसे ज्यादा ध्यान खींचा है, वह रेडियो मेंटेनेंस ऑफिसर (आरएमओ) का है। यह वही अधिकारी है जिसके जिम्मे मंदिर परिसर की सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था और उससे जुड़े तकनीकी पहलुओं की जिम्मेदारी है। सूत्र बताते हैं कि यह अधिकारी लगभग 17 वर्षों से मंदिर व्यवस्था से जुड़ा हुआ है और इतने लंबे समय तक उसका तबादला न होना भी जांच के दायरे में है। एसआईटी सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली, रिकॉर्डिंग सिस्टम, बैकअप व्यवस्था, डेटा संरक्षण और तकनीकी नियंत्रण से जुड़े तमाम पहलुओं पर बारीकी से जानकारी जुटा रही है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि देश के सबसे सुरक्षित धार्मिक परिसरों में से एक, जहां सैकड़ों कैमरे और बहुस्तरीय सुरक्षा मौजूद है, वहां यह चूक आखिर कैसे संभव हुई? शुरुआत में रमाशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव पर केंद्रित रही यह जांच अब अपना दायरा बढ़ा रही है। सूत्रों के मुताबिक, एसआईटी अब उन लोगों की भूमिका भी समझने की कोशिश कर रही है जो मंदिर की सुरक्षा, निगरानी और प्रवेश व्यवस्था से सीधे जुड़े हुए हैं। इसमें तकनीकी स्टाफ, सुरक्षा कर्मी और प्रशासनिक कर्मचारी शामिल हैं, जिनसे लगातार पूछताछ की जा रही है। जांचकर्ताओं का मानना है कि किसी भी बड़े परिसर में होने वाली गतिविधियों को समझने के लिए केवल घटना नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था का अध्ययन आवश्यक है। यह जांच अब केवल चढ़ावे की कथित चोरी तक सीमित नहीं रही है, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था, निगरानी तंत्र, प्रवेश नियंत्रण और प्रशासनिक प्रक्रियाओं की गहन समीक्षा का विषय बन गई है। 10 करोड़ के सुरक्षा कवच के बावजूद हुई यह सेंधमारी अयोध्या की प्रतिष्ठा और पारदर्शिता पर गहरे सवाल छोड़ रही है, जिसके जवाब आने वाले दिनों में ही सामने आ पाएंगे।

200 लोगों से पूछताछ की तैयारी

200 लोगों से पूछताछ की तैयारी, श्रद्धालुओं के मन में भी सवाल इस मामले में अब तक 125 से अधिक लोगों से पूछताछ की जा चुकी है और सूत्रों के अनुसार, लगभग 200 लोगों से पूछताछ की योजना पर काम चल रहा है। कई कर्मचारियों को दोबारा बुलाया गया है और उनके बयान फिर से दर्ज किए जा रहे हैं, जो जांच की गंभीरता को दर्शाता है। रामनगरी में आने वाले श्रद्धालुओं के बीच भी इस मामले की चर्चा साफ सुनाई दे रही है और उनके मन में भी यही सवाल है कि देश के सबसे प्रतिष्ठित और सुरक्षित धार्मिक स्थलों में से एक में ऐसी स्थिति कैसे पैदा हुई।

विपक्षी दलों की बगावत से मानसून सत्र में दिख सकता है राजनीतिक बदलाव का असर

–महिला आरक्षण और परिसीमन बिल पास कराने के कुछ ही कदम दूर है एनडीए

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजनीति ने पिछले दो हफ्तों में एक ऐसा नया मोड़ ले लिया है जिसकी उम्मीद किसी को नहीं थी। इस पूरे राजनीतिक बदलाव का सबसे बड़ा असर संसद के आगामी मानसून सत्र में देखने को मिल सकता है, जहां सरकार एक बार फिर महिलाओं के आरक्षण पैकेज से जुड़े संविधान संशोधन और परिसीमन बिल को पास कराने की तैयारी में है।

बता दें इसी साल अप्रैल के महीने में एकजुट विपक्ष के चलते लोकसभा में यह अहम बिल मात्र 54 वोटों की कमी की वजह से गिर गया था, लेकिन अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं और अगर यह बिल दोबारा संसद में आता है तो इसके पास होने की संभावना तेज हो गई है। इस बड़े बदलाव की मुख्य वजह पश्चिम बंगाल में टीएमसी में हुई बगावत और महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिवसेना में मंडराते संकट को माना जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक टीएमसी के 28 लोकसभा सांसदों में से 20 सांसदों ने बगावत करते हुए अपना एक अलग गुट बना लिया है और वे एक नई पार्टी नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में शामिल हो गए हैं, जो अब सीधे तौर पर बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन का हिस्सा बनने जा रही है। दूसरी ओर महाराष्ट्र की राजनीति में भी ऐसी बगावती ऊहापोह देखने को मिल रही है। महाराष्ट्र में भी उद्धव ठाकरे की पार्टी के नौ सांसदों में से छह सांसद पाला बदलकर शिंदे की शिवसेना के साथ जाने की तैयारी में हैं।

ऐसे में एक तरफ टीएमसी के सांसद और दूसरी ओर उद्धव गुट के सांसदों का बिखराव और बगावत देखने को मिलेगा तो यह कहना थोड़ा भी गलत नहीं होगा कि इन तमाम सियासी उलटफेर का सीधा फायदा केंद्र की सत्ताधारी एनडीए सरकार को मिल सकता है, जो मानसून सत्र शुरू होने से पहले ही संविधान संशोधन बिल पास कराने के लिए जरूरी दो-तिहाई बहुमत के आंकड़े के बेहद करीब पहुंच सकती है। अब इस सियासी उठा-पटक के बीच लोकसभा के गणित को समझें तो कुल 543 सीटों में से दो-तिहाई बहुमत के लिए 360 सदस्यों का समर्थन जरूरी है, क्योंकि 3 सीटें फिलहाल खाली हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक ऐसे में इस समय टीएमसी के बागी सांसदों को मिलाकर एनडीए के पास कुल 318 सांसद हैं, जबकि विपक्ष के पास 184 और गैर-गठबंधन दलों के पास 38 सांसद मौजूद हैं। नियम के मुताबिक बिल पास होने के लिए सदन में वोटिंग के वक्त मौजूद सांसदों की संख्या मायने रखती है और पिछले अनुभवों के आधार पर देखें तो सरकार को दो-तिहाई का आंकड़ा छूने के लिए 54 और वोटों की जरूरत थी। देखा जाए तो अब इस जादुई आंकड़े को हासिल करना सरकार के लिए आसान हो गया है, क्योंकि टीएमसी के 20 बागी और उद्धव गुट के 6 संभावित बागी सांसदों के आने से यह कमी घटकर सिर्फ 28 वोटों की रह जाएगी।

इसके अलावा एक और बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम यह हुआ है कि तमिलनाडु की सत्तारूढ़ पार्टी डीएमके का कांग्रेस से नाता टूट चुका है और वह विपक्षी इंडिया गठबंधन से अलग हो चुकी है। सूत्रों के मुताबिक सरकार और डीएमके के बीच बातचीत चल रही है और अगर डीएमके की मांगें मान ली जाती हैं, तो उसके 22 सांसदों के समर्थन के साथ एनडीए का आंकड़ा 348 तक पहुंच जाएगा, जिसके बाद उसे बहुमत के लिए केवल छह और वोटों की दरकार होगी।

चूंकि बचे संभावित 6 वोटों के लिए केंद्र की एनडीए सरकार की रणनीति अहम मानी जा रही है। राजनीतिक विश्लेषकों और उत्तर प्रदेश के मंत्रियों के बयानों के मुताबिक इस आखिरी 6 वोटों की कमी को पूरा करने के लिए बीजेपी की नजर विपक्षी गठबंधन की कुछ बेहद छोटी पार्टियों पर है, जिनमें महाराष्ट्र की एक क्षेत्रीय पार्टी भी शामिल है।

वहीं दूसरी ओर राज्यसभा में दो-तिहाई बहुमत के लिए 164 वोटों की जरूरत है और एनडीए के पास अभी 150 सांसद हैं। अगर यहां भी डीएमके के 8 सांसदों का समर्थन मिल जाता है, तो यह आंकड़ा 158 हो जाएगा और वहां भी सरकार बहुमत से सिर्फ छह वोट दूर रह जाएगी, जिसे टीएमसी सांसदों के इस्तीफे के बाद खाली हुई सीटों पर उपचुनाव और अन्य छोटे दलों के सहयोग से आसानी से हासिल किया जा सकता है। कुल मिलाकर यदि केंद्र सरकार संसद के दोनों सदनों में यह जादुई आंकड़ा जुटाने में कामयाब रहती है, तो आगामी मानसून सत्र में महिला आरक्षण और परिसीमन बिल की न सिर्फ धमाकेदार वापसी होगी बल्कि देश में एक देश एक चुनाव जैसे बड़े और कड़े कानूनों को लागू करने का रास्ता भी साफ हो जाएगा।

बसपा सच्ची अम्बेडकरवादी पार्टी पूंजीपतियों या धन्नसेठों के सहारे नहीं

–मायावती ने दिया– 5 लाख मुलाकात, 3.35 करोड़ टिकट वाले दावों पर कड़ा बयान

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव की गहमागहमी के बीच, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के उत्तरप्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल का कथित वीडियो सामने आने के बाद राजनीतिक गलियारों में हड़कंप मच गया है। इस वीडियो में, पाल को कथित तौर पर बसपा प्रमुख और पूर्व सीएम मायावती से मुलाकात के लिए पाँच लाख और पार्टी का विधानसभा टिकट हासिल करने के लिए 3.35 करोड़ रुपये की बात करते दिखाया गया है। इन गंभीर आरोपों पर अब खुद बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपनी चुप्पी तोड़कर इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है।

पूर्व सीएम मायावती ने स्पष्ट किया कि बसपा परमपूज्य बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के बताए मार्ग पर चलने वाली, गरीब, शोषित-पीड़ित और उपेक्षितों के संवैधानिक हक व न्याय के लिए प्रतिबद्ध सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय की सच्ची अम्बेडकरवादी पार्टी है। उन्होंने कहा कि बसपा बड़े-बड़े पूंजीपतियों या धन्नासेठों के सहारे नहीं, बल्कि अपने लोगों के तन, मन और धन के बलबूते पर चलती है। यह बात संकीर्ण, जातिवादी, साम्प्रदायिक और पूंजीवादी ताकतों को फूटी आँख नहीं सुहाती, और इसकारण वे चुनाव नज़दीक आने पर तरह-तरह के हथकंडे अपनाकर बसपा व उसके नेतृत्व को बदनाम करने में लग जाते हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री ने लिखा कि मीडिया का एक वर्ग अन्य पार्टियों की चुनावी जुगाड़ से ध्यान भटकाने के लिए बसपा के उम्मीदवार चयन पर सवाल उठाता है। उन्होंने कहा कि बसपा को मिलने वाला आर्थिक सहयोग कानूनी तौर पर उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित करने पर ही खर्च होता है, जो किसी से छिपा नहीं है। मायावती ने बताया कि विश्वनाथ पाल ही नहीं, बल्कि पार्टी के अन्य छोटे-बड़े पदाधिकारी भी संगठन को मजबूत करने और आगामी चुनावों के लिए उम्मीदवारों की संभावित सूची बनाने में जुटे हैं। उन्होंने मीडिया से अनुरोध किया कि इन सवालों को उनकी पूरी फेस वैल्यू पर लिए बिना, उसकी गहराई में जाना उचित नहीं है।

बसपा सुप्रीमो ने पार्टी कार्यकर्ताओं से भी अपील की कि वे विरोधी पार्टियों के इसतरह के प्रायोजित षड्यंत्रों का शिकार न हों, बल्कि अपने मिशन 2027 के लक्ष्य में पूरे जी-जान से लगे रहें। उन्होंने कहा कि बसपा की जबरदस्त तैयारियों को देखकर ही विरोधियों की नींद उड़ी हुई है। मायावती ने अपने बयान का अंत जय भीम, जय भारत के नारे के साथ किया।

क्या फिर टूटेगी एनसीपी ? अब शरद पवार के नेता सुनेत्रा पवार की पार्टी के संपर्क में

–शरद पवार अपनी पार्टी के भीतर ऐसी किसी भी स्थिति को टालने की कोशिश में

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) के कई नेता उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार की पार्टी के संपर्क में हैं। हालांकि, अब तक किसी नेता ने सार्वजनिक तौर पर दावा नहीं किया है। खास बात है कि उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना यूबीटी के 6 सांसद जल्द ही पार्टी छोड़कर एकनाथ शिंदे गुट में शामिल हो सकते हैं। वरिष्ठ नेता शरद पवार की पार्टी में दरार हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से ऐसा कहा जा रहा है। उन्होंने बताया है कि एनसीपी (एसपी) के कुछ सांसद एनसीपी के साथ संपर्क में हैं। कहा जा रहा है कि इसे लेकर गतिविधियां जारी हैं। खबर है कि चर्चा में सांसद पार्थ पवार भी मौजूद थे। फिलहाल, ये नेता कौन हैं, इसे लेकर स्थिति अब तक साफ नहीं हो सकी है।

रिपोर्ट के मुताबिक यह भी कहा जा रहा है कि सीनियर पवार जल्द ही सांसदों के साथ बैठक कर सकते हैं। इन घटनाक्रमों से चिंतित होकर, शरद पवार अपनी पार्टी के भीतर ऐसी किसी भी स्थिति को टालने की कोशिश में हैं। प्रस्तावित बैठक में वह सांसदों के साथ बातचीत करेंगे, उनकी चिंताओं और शिकायतों को सुनेंगे और आंतरिक संवाद को मजबूत करेंगे। अब तक यह भी साफ नहीं हो सका है कि ये सांसद राज्यसभा से हैं या लोकसभा से। आंकड़ों के मुताबिक लोकसभा में एनसीपी एसपी के 8 सांसद हैं। जबकि, एनसीपी के पास सिर्फ 1 ही सांसद है। इधर, राज्यसभा में शरद पवार ही सांसद हैं। एनसीपी के मामले में यह आंकड़ा 4 पर है। रिपोर्ट के मुताबिक छह बागी सांसद शुक्रवार को पार्टी के 60वें स्थापना दिवस पर एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल नहीं होंगे। इनके शिवसेना में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही हैं। दोनों ही गुट स्थापना दिवस मनाने की तैयारी कर रहे हैं। ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि शिवसेना यूबीटी के छह सांसद इस अवसर पर शिंदे नीत शिवसेना में शामिल होंगे। व्हिप जारी होने के बावजूद इन सांसदों ने अपनी पार्टी की बैठक में हिस्सा नहीं लिया था।

अल-नीनो का बढ़ता खतरा: भारत के लिए अगले पांच महीने चुनौतियों से भरे

–कृषि एवं अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा सीधा प्रभाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में इस वर्ष मॉनसून की शुरुआत उम्मीद से थोड़ी धीमी रही है, जिसने देश के कई हिस्सों में चिंता बढ़ा दी है। दक्षिण-पश्चिम मॉनसून 2026 जून की शुरुआत में भले ही केरल पहुंच गया हो, लेकिन इसकी आमद सामान्य से कुछ विलंब से हुई, और प्रारंभिक बारिश भी कई क्षेत्रों में कमजोर दर्ज की गई है। मौसम वैज्ञानिकों ने अब एक गंभीर चेतावनी जारी की है। उन्होंने कहा है कि अल-नीनो का पूरा प्रभाव अभी तक देखा नहीं गया है, और आने वाले जुलाई से नवंबर तक के महीने भारत के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण साबित हो सकते हैं, जिसका सीधा असर कृषि, जल संसाधनों और समग्र अर्थव्यवस्था पर पड़ने की आशंका है।

वैज्ञानिकों का मानना है कि 2026 में अल-नीनो जून में अपेक्षाकृत कमजोर रहेगा, लेकिन जुलाई-अगस्त में इसके मध्यम होने और सितंबर तक मजबूत होने की प्रबल संभावना है। एनओएए और आईएमडी जैसे प्रमुख मौसम संगठनों के अनुसार, जुलाई-अगस्त तक अल-नीनो के पूरी तरह विकसित होने की संभावना 80-90 प्रतिशत से भी अधिक है। पिछले कई दशकों के ऐतिहासिक रिकॉर्ड बताते हैं कि अधिकांश अल-नीनो वर्षों में भारत को औसत से कम बारिश मिली है।

पिछले माह सामान्य से कम रही बारिश

जून 2026 के पहले दो हफ्तों में कई राज्यों में बारिश सामान्य से काफी कम रही। महाराष्ट्र जैसे कृषि प्रधान राज्यों में 70-80 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई, जबकि मध्य भारत और कुछ उत्तरी हिस्सों में भी बारिश का स्तर नीचे रहा। आईएमडी के अनुसार, जून महीने में भी औसत से कम बारिश रहने की संभावना है। मॉनसून की इस देरी और कमजोर शुरुआत ने किसानों की चिंताएं बढ़ा दी हैं, क्योंकि खरीफ फसलों की बुवाई बुरी तरह प्रभावित हो रही है। अल-नीनो का असली और गहरा असर जुलाई से सितंबर के बीच दिखेगा, जब मॉनसून अपनी चरम अवस्था में होता है। यदि अल-नीनो मजबूत होता है, तो अगस्त-सितंबर में बारिश में और भी कमी आ सकती है। इससे देश के जलाशयों में पानी की कमी, नदियों के सूखने और भूजल स्तर में गिरावट जैसी गंभीर समस्याएं और विकराल रूप ले सकती हैं।

भारत की अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा अभी भी कृषि पर निर्भर है, जहाँ लगभग 50-60 प्रतिशत आबादी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से खेती से जुड़ी हुई है। खरीफ सीजन (जून-सितंबर) में धान, मक्का, सोयाबीन, कपास और दालें जैसी महत्वपूर्ण फसलें बोई जाती हैं। कम बारिश से इन फसलों की पैदावार में भारी कमी आ सकती है। पिछले अल-नीनो वर्षों में सूखे के कारण किसानों की आय घटी, उन पर कर्ज का बोझ बढ़ा और कई जगहों पर आत्महत्या की घटनाएं भी बढ़ीं। 2026 में यदि बारिश 90 प्रतिशत या उससे कम रहती है, तो खाद्यान्न उत्पादन में 10-15 प्रतिशत की कमी आ सकती है, जिससे देश के सामने खाद्य सुरक्षा की बड़ी चुनौती खड़ी हो जाएगी। ऐसी स्थिति में सरकार को अनाज का आयात बढ़ाना पड़ सकता है, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ेगा। मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे राज्य सबसे ज्यादा प्रभावित हो सकते हैं, क्योंकि इन इलाकों में वर्षा आधारित खेती अधिक होती है। छोटे किसान, जिनके पास सिंचाई की पर्याप्त

सुविधा नहीं है, वे इस संकट से सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे। पशुपालन भी प्रभावित होगा, क्योंकि चारे की कमी हो सकती है। कम बारिश का सीधा मतलब है जल संकट का गहराना। देश के कई शहरों और गांवों में पहले से ही पानी की समस्या है, और मॉनसून कमजोर रहने पर पीने के पानी, सिंचाई और उद्योगों के लिए पानी की कमी और बढ़ेगी। बिजली उत्पादन भी प्रभावित होगा, क्योंकि हाइड्रो पावर प्लांट पानी पर निर्भर करते हैं। अल-नीनो से तापमान में और वृद्धि हो सकती है, जिससे गर्मी पहले से ही रिकॉर्ड तोड़ रही है।

जेनरेटिव एआई से रियल एस्टेट में उछाल, 17 अरब डॉलर तक की अतिरिक्त वैल्यू

बिक्री में 50 फीसदी सुधार, अगले 7 साल में बढ़ेगा 14-17 अरब डॉलर का जीवीए

नई दिल्ली ।

जेनरेटिव आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (जेनएआई) अगले सात साल में रियल एस्टेट क्षेत्र में 14 से 17 अरब डॉलर तक का अतिरिक्त सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) कर सकता है। इससे रियल एस्टेट के कुल मूल्य में 3 से 4 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है। ईवाई-पार्थेनॉन और क्रेडाई की संयुक्त रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार जेनएआई की मदद से डेवलपरों को बिक्री की रफ्तार में 30 से 50 प्रतिशत तक का सुधार देखने को मिल सकता है। इसके साथ ही परियोजनाओं को लॉन्च करने में भी लगभग 30 प्रतिशत की तेजी आएगी। जेनएआई सौदों के मूल्यांकन में लगने वाले समय को लगभग 50 प्रतिशत तक घटा सकता है, जबकि भूमि अधिग्रहण का समय 30 से 35 प्रतिशत तक कम हो सकता है। यह स्वचालित व्यावहारिक मॉडलिंग और विक्रेता मूल्यांकन के जरिए 2.5 गुना अधिक सौदों के मूल्यांकन को सक्षम करेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि जेनएआई को जल्दी अपनाने वाले व्यवसायों को जबरदस्त परिचालन लाभ मिल सकता है, जिसमें कार्यबल उत्पादकता में 20-50 फीसदी सुधार और ग्राहक अधिग्रहण लागत में उतनी ही कमी होगी। इससे निर्णय लेने की अवधि भी महीनों से हफ्तों या दिनों में सिमट जाएगी, जिससे डेवलपरों को व्यावहारिकता का आकलन करने और परियोजनाओं की योजना बनाने के तरीकों को नया आकार देने में मदद मिलेगी।

एक्सेंचर का राजस्व बढ़ा पर निवेशकों को नहीं भाया, शेयर गिरे

- तिमाही में कंसल्टिंग कारोबार की धीमी वृद्धि और आउटसोर्सिंग बुकिंग्स में गिरावट चिंता का विषय बनी

नई दिल्ली ।

ग्लोबल आईटी कंसल्टिंग और आउटसोर्सिंग दिग्गज एक्सेंचर ने हाल ही में अपने तिमाही नतीजे जारी किए हैं, जिसमें राजस्व में 5.6 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई और यह 18.7 अरब डॉलर रहा। हालांकि, इन आंकड़ों के बावजूद निवेशकों में खास उत्साह नहीं दिखा और कंपनी के शेयर में जोरदार गिरावट देखने को मिली। नए ऑर्डर मिलने की धीमी रफ्तार और पूरे साल के लिए ग्रोथ अनुमान में कटौती ने बाजार की चिंताएं बढ़ा दी हैं। एक्सेंचर के नतीजों से भले ही कंपनी का राजस्व 5.6 फीसदी बढ़कर 18.7 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो बाजार के अनुमानों के करीब था, फिर भी निवेशकों ने इसे सकारात्मक रूप से नहीं लिया। तिमाही के दौरान, कंपनी के कंसल्टिंग कारोबार की वृद्धि सिर्फ 1 फीसदी रही, जबकि आउटसोर्सिंग या मैनेज्ड सर्विसेज कारोबार में 5 फीसदी की वृद्धि देखी गई। यह दर्शाता है कि कंपनी का मौजूदा बड़ा कारोबार तो चल रहा है, लेकिन नए प्रोजेक्ट हासिल करने की रफ्तार उम्मीद के मुताबिक नहीं है। निवेशकों की सबसे बड़ी चिंता नए ऑर्डर यानी बुकिंग्स को लेकर थी। इस तिमाही में एक्सेंचर को 19.3 अरब डॉलर के नए ऑर्डर मिले, जो पिछले साल के मुकाबले 2 फीसदी कम हैं।

खास बात यह रही कि जहां कंसल्टिंग बुकिंग्स में 13 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, वहीं आउटसोर्सिंग बुकिंग्स में करीब 15 फीसदी की बड़ी गिरावट दर्ज की गई। कंपनी ने इसकी वजह पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और कुछ बड़े आउटसोर्सिंग सौदों का अगले वित्त वर्ष के लिए टल जाना बताया है, जिससे उसे करीब 10 करोड़ डॉलर के राजस्व का नुकसान हुआ। इन चुनौतियों के चलते, एक्सेंचर ने वित्त वर्ष 2026 के लिए अपने ग्रोथ गाइडेंस को भी कम कर दिया है। पहले 3 से 5 फीसदी की वृद्धि की उम्मीद थी, जिसे अब घटाकर 3 से 4 फीसदी कर दिया गया है। यह संकेत देता है कि कंपनी आने वाले समय में धीमी कारोबार रफ्तार की आशंका कर रही है। हालांकि, कंपनी भविष्य को लेकर आशावादी है और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को एक बड़ा ग्रोथ इंजन मान रही है।

एक्सेंचर का कहना है कि ग्राहक अब एआई के बड़े पैमाने पर कार्यान्वयन की योजना बना रहे हैं। इसके अलावा, कंपनी ने मिड-साइज कंपनियों के लिए एक्सेंचर एज प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है और अधिग्रहण (एक्विजिशन) के लिए अपना बजट 5 अरब डॉलर से बढ़ाकर 9 अरब डॉलर कर दिया है, जो भविष्य की तैयारी में उसके मजबूत इरादों को दर्शाता है।

वैश्विक चिप उद्योग में 10 लाख पेशेवरों की कमी, भारत के लिए बड़ा अवसर अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली।

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग लगभग 10 लाख पेशेवरों की कमी का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह भारत के लिए एक बड़ा अवसर है और देश इस क्षेत्र में कुशल मानव संसाधन उपलब्ध कराने वाला प्रमुख केंद्र बन सकता है। पटना स्थित सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) केंद्र में बोलते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग का वर्तमान आकार लगभग 800 अरब डॉलर है और अगले एक वर्ष के भीतर इसके 1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक होने की संभावना है। अश्विनी वैष्णव ने कहा, ÷वर्ष 2032 तक वैश्विक सेमीकंडक्टर क्षेत्र में लगभग 10 लाख नई नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। वहीं उद्योग को करीब 10 लाख कुशल पेशेवरों की कमी का भी सामना करना पड़ रहा है।÷ उन्होंने कहा कि भारत को इस अवसर का लाभ उठाने के लिए दो प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान देना होगा - सेमीकंडक्टर डिजाइन और सेमीकंडक्टर निर्माण। मंत्री के अनुसार, सरकार देश में विश्वस्तरीय सेमीकंडक्टर डिजाइन क्षमता विकसित करने की दिशा में काम कर रही है और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि भारतीय छात्र दुनिया के सबसे बेहतर प्रशिक्षित पेशेवरों में शामिल हों। उन्होंने कहा, ÷जब छात्र सेमीकंडक्टर डिजाइन कौशल के साथ स्नातक होकर निकलें, तो उन्हें दुनिया की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं में गिना जाए और उन्हें तुरंत उद्योग में अवसर मिलें।÷ अश्विनी वैष्णव ने बताया कि सेमीकंडक्टर डिजाइन से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों और पहलों के माध्यम से अब तक लगभग 75 हजार छात्रों को आकर्षक अवसर मिल चुके हैं। उन्होंने कहा, ÷हमारा लक्ष्य इस संख्या को 75 हजार से बढ़ाकर 5 लाख छात्रों तक पहुंचाना है।÷ मंत्री ने कहा कि भारत में सेमीकंडक्टर निर्माण गतिविधियां पहले ही शुरू हो चुकी हैं।

एशियाई बाजारों में मजबूती के साथ कारोबार

मुंबई ।

एशियाई बाजारों से हालांकि सकारात्मक संकेत मिल रहे हैं। दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक करीब 2.7 प्रतिशत की तेजी के साथ नए उच्च स्तर पर पहुंच गया, जबकि जापान का निक्केई 225 भी 0.58 प्रतिशत की बढ़त दर्ज करते हुए रिकॉर्ड ऊंचाई पर कारोबार करता दिखा। गुरुवार को वॉल स्ट्रीट में निवेशकों का रुख सकारात्मक रहा। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.14 प्रतिशत मजबूत होकर बंद हुआ। वहीं एसएंडपी 500 में 1.08 प्रतिशत और नैस्डैक कंपोजिट में 1.91 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

कच्चे तेल में नरमी, पेट्रोल और डीजल के दामों में कोई बदलाव नहीं

ब्रेंट क्रूड 1.33 फीसदी गिरकर 78.79 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल बाजार में शुक्रवार को कीमतों में गिरावट दर्ज की गई, जिससे उपभोक्ताओं को तात्कालिक राहत मिली। हालांकि, ईरान द्वारा रणनीतिक होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर संभावित टोल टैक्स के संकेत ने भविष्य में तेल आपूर्ति और परिवहन लागत को लेकर नई चिंताएं बढ़ा दी हैं। इस सबके बीच, भारत में पेट्रोल और डीजल के दामों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। ईरान ने दुनिया के सबसे अहम समुद्री व्यापार मार्गों में से एक, होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर टोल लगाने का संकेत दिया है। यदि यह लागू होता है, तो तेल परिवहन की लागत में भारी वृद्धि होगी, जिसका सीधा असर वैश्विक बाजार पर पड़ेगा। अमेरिका के साथ तनाव कम होने की उम्मीद के बावजूद यह कदम तेल बाजार में अनिश्चितता बढ़ा रहा है। इन भू-राजनीतिक चिंताओं के बावजूद, शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड 1.33 फीसदी गिरकर 78.79 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.08 फीसदी घटकर 75.03 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता दिखा। भारतीय बाजार के लिए अच्छी खबर यह रही कि शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ। सरकारी तेल कंपनियों ने पुराने दाम ही बरकरार रखे, जिससे आम जनता को फिलहाल महंगाई का नया झटका नहीं लगा। देश की राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपए प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपए प्रति लीटर पर स्थिर रहे। मुंबई में भी कीमतें यथावत बनी हुई हैं।

स्विस बैंकों में भारतीयों का पैसा 8 फीसदी से अधिक घटा रिपोर्ट

कुल राशि 3.25 अरब स्विस फ्रैंक हुई, स्थानीय शाखाओं के जरिए जमा राशि में आई कमी

नई दिल्ली ।

स्विस बैंकों में भारतीयों द्वारा जमा किया गया धन वर्ष 2025 में 8 प्रतिशत से अधिक घटकर 3.25 अरब स्विस फ्रैंक (लगभग 36,793 करोड़ रुपये) रह गया है। स्विट्जरलैंड के केंद्रीय बैंक, स्विस नेशनल बैंक (एसएनबी) द्वारा जारी वार्षिक आंकड़ों के अनुसार, यह कमी मुख्य रूप से स्थानीय शाखाओं और अन्य वित्तीय संस्थानों के माध्यम से रखे गए धन में गिरावट के कारण दर्ज की गई है। एसएनबी के आंकड़ों के मुताबिक, कुल जमा राशि में गिरावट के बावजूद, व्यक्तिगत और संस्थागत ग्राहकों के खातों में जमा धन 50 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 52.4 करोड़ स्विस फ्रैंक (लगभग 6,000 करोड़ रुपये) हो गया है। हालांकि, कुल राशि में इन जमाओं की हिस्सेदारी लगभग 16 प्रतिशत ही रही। कुल धनराशि का बड़ा हिस्सा बैंकों को देय राशि के रूप में था, जो अन्य बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों के जरिये रखी गई थी। यह राशि पिछले साल करीब 15 प्रतिशत घटकर 2.6 अरब स्विस फ्रैंक रही। इससे पहले, वर्ष 2024 में स्विस बैंकों में जमा कुल भारतीय धन तिगुना होकर 3.5 अरब स्विस फ्रैंक हो गया था, जो 2021 के बाद का उच्चतम स्तर था। वर्ष 2021 में यह आंकड़ा 14 साल के उच्चतम स्तर 3.83 अरब स्विस फ्रैंक पर था। एनएनबी स्पष्ट करता है कि ये आंकड़े स्विट्जरलैंड में भारतीयों के कथित काले धन की मात्रा को नहीं दर्शाते हैं, न ही इनमें वह धन शामिल है जो तीसरे देशों की

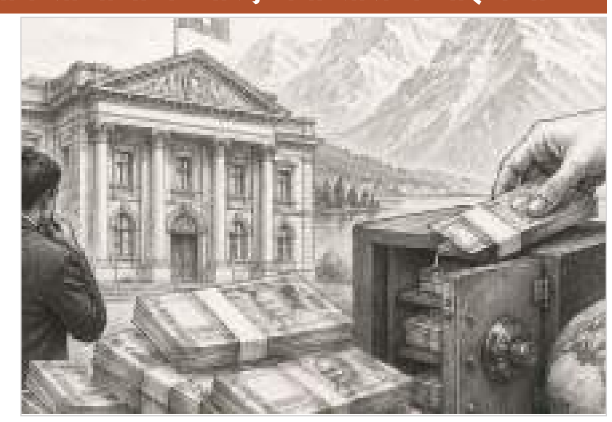

इकाइयों के नाम पर रखा गया हो। एसएनबी के आंकड़ों के अनुसार, स्विस बैंकों में भारतीयों की कुल जमा राशि वर्ष 2006 में करीब 6.5 अरब स्विस फ्रैंक के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गई थी, जिसके बाद इसमें अधिकांश समय गिरावट का रुख रहा है, हालांकि कुछ वर्षों में इसमें वृद्धि भी देखी गई। वर्ष 2025 के अंत में मौजूद कुल 325.05 करोड़ स्विस फ्रैंक की देनदारियों में से प्रमुख रूप से ग्राहक जमा, अन्य बैंकों के जरिये रखी गई राशि और बॉन्ड एवं प्रतिभूतियों जैसे वित्तीय साधन शामिल थे।

एनआरआई ग्राहकों को लेकर चिंता में बैंक ग्राहकों को लुभाने की दौड़ तेज

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा फॉरेन करेंसी नॉन-रेजिडेंट (एफसीएनआर(बी) डिपॉजिट पर ब्याज दर की ऊपरी सीमा हटाने के बाद बैंकों में कड़ी प्रतिस्पर्धा बढ़ गई है। इस बदलाव से कुछ बैंक अपने विदेशी ग्राहकों को खोने की आशंका से चिंतित हैं, क्योंकि अन्य बैंक अधिक आकर्षक रिटर्न दे रहे हैं। आरबीआई के फैसले के बाद कई बैंकों ने (एफसीएनआर(बी) डिपॉजिट पर अपनी ब्याज दरों में बढ़ोतरी की है। इससे उन बैंकों की चिंता बढ़ गई है जिनके एनआरआई ग्राहक बेहतर रिटर्न की तलाश में दूसरे बैंकों की ओर रुख कर सकते हैं। कुछ बैंक, जिन्होंने पहले ही नई दरों की घोषणा कर दी थी, अब केंद्रीय बैंक के नए नियमों के मद्देनजर अपनी योजनाओं की समीक्षा कर रहे हैं। एक वरिष्ठ बैंकर ने पुष्टि की कि वे अपनी घोषित दरों पर फिर से विचार करेंगे। बैंकरों और विश्लेषकों का मानना है कि छोटे बैंक अब दरें आक्रामक रूप से बढ़ा सकते हैं, जबकि बड़े बैंक संभवतः 6 फीसदी के स्तर के आसपास ही बने रहेंगे।

वैश्विक संकेतों से भारतीय आईटी सेक्टर में भूचाल

निफ्टी आईटी 6 फीसदी टूटा, इंफोसिस 8 फीसदी तक लुढ़का

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार को आईटी सेक्टर पर जोरदार मार पड़ी। अमेरिकी आईटी दिग्गज एक्सेंचर के कमजोर व्यावसायिक संकेतों के बाद निवेशकों में भारतीय आईटी कंपनियों की भविष्य की ग्रोथ को लेकर चिंता बढ़ गई, जिसके चलते निफ्टी आईटी इंडेक्स में लगभग 6 फीसदी की तेज गिरावट आई। इस बिकवाली के कारण प्रमुख आईटी शेयरों में भारी नुकसान देखा गया। इंफोसिस, टीसीएस0, टेक महिंद्रा, एमफैसिस और पर्सिस्टेंट सिस्टम्स जैसे दिग्गज शेयरों में 5 से 8 फीसदी तक की बड़ी गिरावट देखी गई। निफ्टी आईटी इंडेक्स 1,700 अंक से अधिक गिरकर 26,763 पर बंद हुआ, जिसमें इंफोसिस 8 फीसदी से ज्यादा और अन्य दिग्गज 5-6.5 फीसदी तक लुढ़के। इंडेक्स में शामिल सभी 10 शेयर लाल निशान में बंद हुए।दरअसल, एक्सेंचर ने पूरे साल के लिए अपने ग्रोथ अनुमान को घटा दिया है और नए ऑर्डर भी उम्मीद से कमजोर रहे हैं। कंपनी ने मिडिल ईस्ट में तनाव और कुछ बड़े प्रोजेक्ट टलने को इसकी वजह बताया, पर वैश्विक आय पर निर्भर भारतीय आईटी कंपनियों पर असर की आशंका से बाजार में घबराहट फैली। हालांकि नुवामा के विश्लेषकों ने इसे बड़ा संकट नहीं, बल्कि हल्का नकारात्मक संकेत बताया है।

दुबई में पेट्रोल पंप पर भारतीय युवाओं के लिए कितना है वेतन पैकेज

खाड़ी देशों में रोजगार की तलाश में लाखों युवा; जानें योग्यता

नई दिल्ली ।

भारत समेत दक्षिण एशियाई देशों के लाखों युवा हर साल बेहतर रोजगार तलाशने खाड़ी देशों का रुख करते हैं, जिनमें दुबई एक प्रमुख केंद्र है। अक्सर मन में सवाल उठता है कि दुबई के पेट्रोल पंपों पर काम करने वाले प्रवासियों की कमाई कितनी है और वहां काम का माहौल कैसा? आइए जानते हैं इन फ्यूल स्टेशनों पर नौकरी से जुड़ी सभी अहम बातें। दुबई व यूएई में एडीएनओसी, अमीरात और ईपीपीसीओ/ईएनओसी जैसी प्रमुख कंपनियां फ्यूल स्टेशन संचालित करती हैं। यहां पेट्रोल भरने (फ्यूल अटेंडेंट) के अलावा, कैशियर, स्टोर एसोसिएट व कार वॉश अटेंडेंट जैसे कई अन्य पदों पर भी भर्तियां होती हैं। इन नौकरियों के लिए कम से कम 10वीं/12वीं पास, बुनियादी अंग्रेजी की समझ और शारीरिक फिटनेस अनिवार्य है। आमतौर पर 35 वर्ष से कम उम्र के युवाओं को प्राथमिकता मिलती है। भर्ती सीधे कंपनियों या थर्ड-पार्टी एजेंसियों से होती है। सैलरी दो

मुख्य मॉडलों पर आधारित है। पहले मॉडल में, कंपनी रहने व खाने की सुविधा मुफ्त देती है, जिससे मासिक आय 1,000 से 2,000 एईडी (लगभग 25,000-45,000 रुपए) होती है।

दूसरे मॉडल में, ये खर्च कर्मचारी को खुद उठाने होते हैं, पर सैलरी 2,400 एईडी (लगभग 55,000-60,000 रुपए) तक पहुंच सकती है।

बैंकों को अल्पकालिक धन की सीमित जरुरत, आरबीआई की वीआरअर नीलामी सुस्त

केंद्रीय बैंक को अधिसूचित राशि के मुकाबले केवल 16,750 करोड़ की बोलियां मिलीं

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा शुक्रवार को आयोजित एक लाख करोड़ रुपए की तीन दिवसीय परिवर्तनीय दर रेपो (वीआरआर) नीलामी को बैंकों से बेहद सुस्त प्रतिक्रिया मिली। यह बैंकिंग प्रणाली में अल्पकालिक धन की सीमित आवश्यकता को दर्शाता है। केंद्रीय बैंक को अधिसूचित राशि के मुकाबले केवल 16,750 करोड़ रुपए की बोलियां प्राप्त हुईं, जिन्हें 5.26 फीसदी की कट-ऑफ और भारित औसत दर पर स्वीकार कर लिया गया। आरबीआई की वीआरआर नीलामी में यह कम भागीदारी दर्शाती है कि अल्पकालिक धन के लिए बैंकों की मांग सीमित रही, भले ही केंद्रीय बैंक ने नकदी समर्थन देने की कोशिश की हो। 18 जून तक उपलब्ध नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, बैंकिंग प्रणाली में लगभग 19,163.11 करोड़ रुपए का नकदी अधिशेष बना हुआ है। हालांकि, यह स्तर अपेक्षाकृत कम है, जो प्रणाली में थोड़ी तंगी भरी परिस्थितियों का संकेत देता है। आरबीआई अल्पकालिक नकदी प्रबंधन और रातोंरात दरों को नीतिगत दर गलियारे के अनुरूप बनाए रखने के लिए वीआरआर नीलामियां आयोजित करता है। इसके तहत, बैंक अलग-अलग ब्याज दरों पर बोली के जरिए पैसा उधार लेते हैं। नकदी दबाव को कम करने के लिए, केंद्रीय बैंक ने हाल के दिनों में विभिन्न अवधियों की वीआरआर नीलामी के माध्यम से लगभग 1.89 लाख करोड़ रुपए की अस्थायी नकदी डाली है।

इसमें 18 जून को 72,300 करोड़, 16 जून को 89,440 करोड़ और 15 जून को 28,220 करोड़ की नकदी शामिल है। बावजूद इसके शुक्रवार की नीलामी में कम भागीदारी बैंकों की सीमित उधारी आवश्यकताओं को उजागर करती है।

पेरिस में बोले पीएम मोदी- पिछले 12 सालों में 140 करोड़ भारतीयों ने बदली देश की तस्वीर

जीडीपी दोगुना, मेट्रो नेटवर्क 4 गुना बढ़ा, 25 करोड़ लोगों को गरीबी की बेड़ियों से मुक्ति दिलाई

फ्रांस ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस की राजधानी पेरिस में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए पिछले 12 वर्षों में भारत द्वारा हासिल की गई अभूतपूर्व प्रगति और वैश्विक पटल पर उसकी बढ़ती साख का गुणगान किया। उन्होंने देश को भविष्य को आकार देने वाला बताते हुए कहा कि भारत अब दुनिया के लिए एक स्थिर और भरोसेमंद भागीदार बन चुका है। पीएम मोदी ने पेरिस को रोशनी और रंगों का शहर बताते हुए इस बात पर जोर दिया कि यहां बसे भारतीयों ने अपनी मेहनत और लगन से इस शहर को और भी रंगीन बना दिया है। उन्होंने पिछले 12 वर्षों को 140 करोड़ भारतीयों के अद्भुत सामर्थ्य का काल बताया, जिसमें देश ने हर क्षेत्र में अभूतपूर्व बदलाव देखे हैं। प्रधानमंत्री ने गर्व से कहा कि यह भारत के लोकतंत्र की ही शक्ति है कि एक चाय बेचने वाला आज दुनिया के सामने देश का नेतृत्व कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की बदलती तस्वीर को आंकड़ों के साथ प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि इन 12 वर्षों में भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) दोगुना हुआ है, एयरपोर्ट्स और विश्वविद्यालयों की संख्या दोगुनी हुई है, जबकि मेट्रो

नेटवर्क में चार गुना वृद्धि दर्ज की गई है। सबसे बड़ी उपलब्धि का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि इन सालों में 25 करोड़ भारतीय गरीबी की बेड़ियों को तोड़कर बाहर आए हैं। उन्होंने फ्रांस के कुल घरों की संख्या से भी अधिक पक्के घर भारत में जरूरतमंदों के लिए बनाए जाने और हर परिवार के पास बैंक अकाउंट होने का भी जिक्र किया। पीएम मोदी ने जोर देकर कहा कि आज भारत सिर्फ भविष्य की तैयारी नहीं कर रहा, बल्कि उसे आकार दे रहा है। उन्होंने कहा कि आज की दुनिया में सिर्फ व्यापार नहीं, बल्कि भरोसा जरूरी है और भारत एक भरोसेमंद वैश्विक साझेदार के रूप में उभर रहा है। उन्होंने भारत इनोवेट्स और भारत कनेक्ट जैसे कार्यक्रमों का उल्लेख करते हुए फ्रांस में भारतीय समुदाय द्वारा किए गए गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए आभार व्यक्त किया, और उन्हें भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी की असली ताकत बताया।

गुवाहाटी में होगी भारत-जापान निवेश शिखर वार्ता 50 जापानी कंपनियां करेंगी फोकस

– सेमीकंडक्टर, ऊर्जा, वाहन क्षेत्र में बड़े समझौते संभव; सुजुकी मोटर के अध्यक्ष भी प्रतिनिधिमंडल में

नई दिल्ली ।

जापानी प्रधानमंत्री सनाए तकाइची का आगामी गुवाहाटी दौरा भारत में बड़े जापानी निवेश और आपूर्ति श्रृंखला समझौतों पर मुहर लगा सकता है। उनके साथ 50 जापानी कंपनियों के अधिकारियों का एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी होगा, जो प्रमुख क्षेत्रों में साझेदारी के अवसर तलाशेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापानी प्रधानमंत्री सनाए तकाइची के बीच गुवाहाटी में होने वाली प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता में निवेश, आपूर्ति श्रृंखला सुदृढीकरण और रणनीतिक तेल भंडार के लिए वित्तीय सहायता पर महत्वपूर्ण समझौते होने की संभावना है। जापान भारत की ऊर्जा सुरक्षा में सहयोग को उत्सुक है, जिसमें 2 अरब डॉलर की 'साउथ-ईस्ट एशिया इन्वेस्टमेंट फाइनैंसिंग फैसिलिटी' के तहत रणनीतिक भंडार बढ़ाना शामिल हो सकता है।

सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा और वाहन जैसे क्षेत्र जापानी व भारतीय कंपनियों के लिए प्रमुख फोकस रहेंगे। प्रतिनिधिमंडल में सुजुकी मोटर के अध्यक्ष तोशिहिरो सुजूकी जैसे बड़े उद्योगपतियों की उपस्थिति इन क्षेत्रों में बढ़ती जापानी दिलचस्पी को दर्शाती है। असम का मोरीगांव, जो भारत के पहले स्वदेशी सेमीकंडक्टर सुविधा केंद्र (टाटा सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट द्वारा संचालित) का घर है, जापानी निवेश के लिए एक आकर्षक स्थल के रूप में उभरा है। नई दिल्ली के बाहर पूर्वोत्तर में यह शिखर वार्ता क्षेत्र के बढ़ते रणनीतिक और व्यावसायिक महत्व को रेखांकित करती है, जिससे भारत के पूर्वी द्वार पर नए आर्थिक अवसर खुलने की उम्मीद है।

1 करोड़ से सेक्टर-46 की सड़कों के किनारे लगेगे पेवर ब्लॉक - कर्व / चैनल्स बदलने से सेक्टर की बदलेगी सूरत

एरिया पार्षद गुरप्रीत सिंह गाबी ने एक करोड़ रुपए के विकास कार्य शुरू करवाए

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, वीरेन्द्र सिंह। चंडीगढ़ नगर निगम के वार्ड नंबर-34 के पार्षद गुरप्रीत सिंह गाबी ने जतिंदर भाटिया जी, आरडब्ल्यूए अध्यक्ष पवन गुप्ता, डिंपल चावला तथा गुरुद्वारा साहिब सेक्टर-46 डी के प्रधान कुलदीप सिंह जी की उपस्थिति में सेक्टर-46 में सड़कों के किनारे लगे पुराने पेवर ब्लॉकों और कर्व - चैनल्स को बदलने का काम शुरू करवाया । इस परियोजना पर लगभग एक करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे, जिससे सेक्टर की आधारभूत सुविधाओं और सौंदर्यीकरण को नया रूप मिलेगा।

पार्षद गुरप्रीत सिंह गाबी ने बताया कि सेक्टर-46 की ए, बी, सी और डी की वी-5 सड़कों के किनारे लगे पुराने और क्षतिग्रस्त पेवर ब्लॉकों तथा कर्व - चैनल्स को हटाकर उनकी जगह 60/40 रेशियो से पेवर ब्लॉकों तथा कर्व - चैनल्स लगाए जाएंगे। इससे जहां महिलाओं, बच्चों खासकर बुजुर्गों को सड़क किनारे पैदल चलने में अधिक सुविधा होगी इसके साथ ही सड़कों किनारे बरसाती पानी की निकासी के प्रबंध भी और मजबूत होंगे। उन्होंने बताया कि लंबे समय से स्थानीय निवासी इन ब्लॉकों की खराब स्थिति के कारण आने-जाने में परेशानी का सामना कर रहे थे। पार्षद गुरप्रीत सिंह गाबी ने बताया कि वार्ड में लोगों की जरूरतों और सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए लगातार विकास कार्य कराए जा रहे हैं। उनका कहना है कि सड़कों के किनारों को मजबूत और व्यवस्थित बनाने से न केवल क्षेत्र का स्वरूप बेहतर होगा, बल्कि पैदल चलने वालों को भी सुरक्षित और सुविधाजनक रास्ता मिलेगा। उन्होंने कहा कि नए पेवर ब्लॉक लगाने से सड़क किनारों की मजबूती बढ़ेगी और बारिश या नियमित उपयोग के कारण होने वाले नुकसान की संभावना भी कम होगी। इसके साथ ही पूरे क्षेत्र का सौंदर्यीकरण भी बेहतर तरीके से सामने आएगा। स्थानीय निवासियों ने इस कार्य की शुरुआत का स्वागत किया और वार्ड में लगातार किए जा रहे विकास कार्यों के लिए पार्षद गुरप्रीत सिंह गाबी की सराहना की। नगर निगम द्वारा शुरू किया गया यह कार्य आने वाले समय में सेक्टर-46 की सड़कों को अधिक व्यवस्थित, आकर्षक और लोगों के लिए सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस मोके पर रेजिडेंट वेलफेयर फोरम 46 डी चंडीगढ़ के प्रेसिडेंट पवन कुमार गुप्ता, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट दलजीत सिंह सोढ़ी, जनरल सेक्रेटरी तरनजीत सिंह चावला, फाइनेंस सेक्रेटरी मोहन लाल ग्रोवर, वाइस प्रेसिडेंट प्रदीप वर्मा, वाइस प्रेसिडेंट के.सी. सचदेवा और

जॉइंट सेक्रेटरी एल.एस. चतुर्वेदी सहित वार्ड के अन्य माननीय लोग गैबी बाई जी, एसएस ग्रेवाल, राज कुमार गोयल, संजीव, कृष्ण अरोड़ा मुसाफिर, सुदर्शन बत्रा, कर्नल दलजीत बिंद्रा, सुशील सोवत तथा राजेश विमल भी हाजिर थे।

ग्रीनको समिट 2026: उद्योगों को नेट-जीरो और सर्कुलर इकोनॉमी की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए CII की तीन नई पहल

अर्थ प्रकाश/अनिल कुमार गुप्ता दिल्ली / नई दिल्ली, 18 जून। भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) के ग्रीनको काउंसिल द्वारा भारत मंडपम में आयोजित ग्रीनको समिट 2026 में उद्योग, नीति–निर्माताओं और पर्यावरण विशेषज्ञों ने भारत को नेट–जीरो और सर्कुलर इकोनॉमी की दिशा में आगे बढ़ाने पर चर्चा की। सम्मेलन की थीम 'स्केलिंग नेट जीरो एंड सर्कुलैरिटी: कमिटमेंट, इनोवेशन, कोलैबोरेशन' रही। CII के अध्यक्ष आर. मुकुंदन ने कहा कि स्थिरता अब केवल पर्यावरणीय जिम्मेदारी नहीं, बल्कि व्यवसाय की दीर्घकालिक सफलता का आधार है। वहीं जमशेद एन. गोदरेज ने कहा कि डीकार्बोनाइजेशन आज आर्थिक आवश्यकता बन चुका है और उद्योगों को हरित ऊर्जा व नवाचार अपनाना होगा। समिट में तीन नई पहल—CII मैटेरियल सर्कुलैरिटी गाइडलाइंस एवं सर्टिफिकेशन, ग्रीन सप्लाई चेन कोएलिशन (ऑटोमोबाइल सेक्टर) और CII हीट पंप अलायंस—लॉन्च की गईं। इनका उद्देश्य संसाधन दक्षता बढ़ाना, सप्लाई चेन को टिकाऊ बनाना, स्कोप–3 उत्सर्जन कम करना और ऊर्जा दक्ष तकनीकों के जरिए औद्योगिक डीकार्बोनाइजेशन को बढ़ावा देना है। विक्रम कसबेकर ने कहा कि अब उद्योगों को संकल्प से आगे बढ़कर मापनीय परिणाम देने होंगे। वहीं UNIDO इंडिया के निदेशक डॉ. क्रिस्टियानो पासिनी ने कहा कि भारत टिकाऊ विकास और प्रतिस्पर्धात्मकता का सफल मॉडल बनकर उभर रहा है। ग्रीनको पहल से वर्तमान में 27 से अधिक क्षेत्रों की 1600 से अधिक कंपनियां जुड़ी हुई हैं। नई पहलों के साथ CII ने उद्योगों को अधिक टिकाऊ, प्रतिस्पर्धी और भविष्य के लिए तैयार बनाने की दिशा में अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

बीजेपी स्पोर्ट्स सेल ने कराया टच रग्बी टूर्नामेंट, चंडीगढ़ यूनाइटेड ने बॉयज़-गर्ल्स दोनों वर्ग में जीता गोल्ड

अर्थ प्रकाश संवाददाता /चंडीगढ़, 19 जून (एयू)। बीजेपी स्पोर्ट्स सेल चंडीगढ़ द्वारा 'वन टीम वन ड्रीम वन नेशन' के नारे के साथ आयोजित टच रग्बी टूर्नामेंट गुरुवार को संपन्न हो गया। 16 से 19 जून तक पीएम श्री गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर–14 वेस्ट धनास में खेले गए इस टूर्नामेंट में धनास और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के अंडर–19 लड़के–लड़कियों ने हिस्सा लिया।

समापन समारोह में पहुंचे जतिंदर पाल मल्होत्रा

टूर्नामेंट के अंतिम दिन बीजेपी चंडीगढ़ के अध्यक्ष जतिंदर पाल मल्होत्रा मुख्य अतिथि रहे। इस मौके पर जिला अध्यक्ष दिलीप कुमार सोनू सरपंच, जिला महामंत्री राज जमवाल, मंडल अध्यक्ष देश राज, मंडल महामंत्री बिन्दर संधू, नरेश राणा, अजय कुमार, पी.सी. डोगरा, ओबीसी मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष सर्गुन अरोड़ा और फिल्म इंडस्ट्री डायरेक्टर राजवीर मौजूद रहे। सभी ने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया।

चंडीगढ़ यूनाइटेड का दबदबा

बॉयज़ और गर्ल्स दोनों वर्गों में चंडीगढ़ यूनाइटेड ने गोल्ड मेडल जीता। विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी–मेडल दिए गए। बॉयज़ और गर्ल्स वर्ग से एक–एक बेस्ट प्लेयर को 1100–1100 रुपये नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

परिणाम एक नजर में

गर्ल्स

फाइनल- चंडीगढ़ यूनाइटेड ने राइजिंग स्टार को 5–0 से हराया

तीसरे स्थान के लिए- सिंह वॉरियर्स ने वेलोसिटी एफए को 5–0 से हराया

सेमीफाइनल- चंडीगढ़ यूनाइटेड ने सिंह वॉरियर्स को 15–0 से, राइजिंग स्टार ने वेलोसिटी एफए को 20–0 से हराया

अंतिम स्थान- 1. गोल्ड– चंडीगढ़ यूनाइटेड, 2. सिल्वर– राइजिंग स्टार, 3. ब्रॉन्ज– सिंह वॉरियर्स

बॉयज़

फाइनल- चंडीगढ़ यूनाइटेड ने गेम चेंजर्स को 10–5 से हराया

तीसरे स्थान के लिए- सिंह वॉरियर्स ने धनास ड्रीमर्स को 5–0 से हराया

सेमीफाइनल- गेम चेंजर्स ने सिंह वॉरियर्स को 10–0 से, चंडीगढ़ यूनाइटेड ने धनास ड्रीमर्स को 15–0 से हराया

अंतिम स्थान- 1. गोल्ड– चंडीगढ़ यूनाइटेड, 2. सिल्वर– गेम चेंजर्स, 3. ब्रॉन्ज– सिंह वॉरियर्स ,

पी.एस. लांबा , संयोजक, बीजेपी स्पोर्ट्स सेल, चंडीगढ़

न्यूज ब्रीफ

श्री गुरु अर्जन देव जी के शहीदी पर्व पर सीएसआईओ-सीएसआईआर सेक्टर-30 के स्टाफ ने लगाई मीठे जल की छबील

अर्थ प्रकाश/चंडीगढ़/वीरेन्द्र सिंह। पांचवें पातशाह, शहीदों के सरताज श्री गुरु अर्जन देव जी के शहीदी पर्व के अवसर पर सीएसआईओ–सीएसआईआर सेक्टर–30, चंडीगढ़ के स्टाफ द्वारा आज संस्थान परिसर के बाहर श्रद्धा और सेवा भावना के साथ मीठे जल की छबील लगाई गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में राहगीरों, कर्मचारियों एवं स्थानीय लोगों को मीठा जल और प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम में सीएसआईओ–सीएसआईआर के निदेशक डॉ. शांतनु भट्टाचार्य तथा आईएसटीसी के प्रिंसिपल डॉ. संजीव वर्मा ने भी सहभागिता करते हुए गुरु साहिब की शिक्षाओं को मानवता, सेवा और त्याग का संदेश बताया। उन्होंने कहा कि श्री गुरु अर्जन देव जी का जीवन समाज को सेवा, सहनशीलता और मानव कल्याण के लिए प्रेरित करता है। इस सेवा कार्य में संस्थान के अन्य स्टाफ सदस्य एम.पी. सिंह, हरचरण सिंह, अमरीक सिंह, कर्मवीर सिंह, स्वरजीत सिंह, राकेश कुमार, गुरप्रीत सिंह, बलजीत सिंह तथा नरेंद्र सिंह सहित अन्य कर्मचारियों ने पूरे श्रद्धाभाव से सेवा निभाई। छबील के दौरान लोगों को ठंडा मीठा जल और प्रसाद वितरित किया गया तथा गुरु साहिब के शहीदी पर्व के महत्व को याद करते हुए मानव सेवा का संदेश दिया गया।

गाँव दरिया में 5 नए ट्यूबवेल लगेंगे, आज एक ट्यूबवेल का हुआ शुभारंभ

अर्थ प्रकाश/चंडीगढ़–वीरेन्द्र सिंह। गाँव दरिया में पिछले काफ़ी समय से चल रही पानी की की समस्या से अब जल्द ही गाँववासियों को निजात मिलने जा रहीं हैं एरिया पार्षद बिमला दुबे ने बताया कि गाँव दरिया में कुल 5 ट्यूबवेल लगने हैं इस कार्य को लगभग 1.5 करोड़ की लागत से पूरा किया जाएगा। जिसमें आज एक ट्यूबवेल की बोरिंग का शुभारंभ गाँववासियों की मौजूदगी में भाजपा नेता हरीश चंद्र शर्मा जी ने नारियल तोड़कर किया। उन्होंने कहा कि गाँव दरिया में नए ट्यूबवेल लगने से बहुत जल्द पानी की समस्या जड़ से ख़त्म हो जाएगी। इस मौक़े पर गाँववासियों ने एरिया पार्षद बिमला दुबे जी , पूर्व डिप्टी मेयर अनिल कुमार दुबे जी का इस ऐतिहासिक कार्य के लिए आभार व्यक्त किया।

बिमला दुबे ने बताया कि हमारी माँग पर बहुत जल्द मौली जागरां, विकास नगर, गाँव दरिया, सुंदर नगर व आसपास के क्षेत्रों को नहरी पानी मिलने जा रहा हैं इसके लिए वह चंडीगढ़ के मेयर श्री सौरभ जोशी व निगम कमीशनर अमित कुमार व अन्य निगम अधिकारियों का आभार व्यक्त करती हैं। इस मौक़े पर चंडीगढ़ गढ़वाल सभा के प्रधान शंकर सिंह पवार, एसडीओ गुरचरण सिंह, जेपी राणा, विनय मास्टर, प्रभा सिंह, सोनिया पांडेय, हीरा देवी, पिंकी, इंदू देवी, बचन सिंह, होशियार सिंह, सजनवान सिंह, परमिंद्र नेगी, ओमप्रकाश यादव, विजय खरवार, धनंजय पासवान, शानू दुबे, जेई विनोद कुमार व अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहें।

पठानिया पब्लिक स्कूल में 'योग विद् डैड चैलेंज' का सफल आयोजन

अर्थ प्रकाश/रोहतक, सुकरमपाल 19 जून - अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एवं फादर्स–डे के उपलक्ष्य में पठानिया पब्लिक स्कूल द्वारा आयोजित 'योग विद् डैड चैलेंज' में विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों का भरपूर सहयोग और उत्साह प्राप्त हुआ। इस विशेष गतिविधि में बच्चों ने अपने पिताओं के साथ विभिन्न योगासन करते हुए अपनी सुंदर एवं प्रेरणादायक तस्वीरें विद्यालय के साथ साझा कीं। इस आयोजन का उद्देश्य बच्चों एवं उनके पिताओं को योग से जोड़ना तथा परिवार के साथ स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। विद्यार्थियों और उनके पिताओं द्वारा भेजी गई तस्वीरों में उत्साह, समर्पण और योग के प्रति जागरूकता स्पष्ट रूप से दिखाई दी। विद्यालय की प्रधानाचार्या तन्वी पठानिया ने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है, बल्कि यह मन, शरीर और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करने का एक प्रभावषाली माध्यम है। ऐसी गतिविधियाँ बच्चों में अनुशासन, एकाग्रता, आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच, भावनात्मक संतुलन तथा स्वस्थ जीवनशैली की आदतों का विकास करती हैं। इसके अतिरिक्त पिता और बच्चों द्वारा एक साथ योग करने से पारिवारिक संबंधों में मधुरता, आपसी विश्वास, सहयोग एवं भावनात्मक जुड़ाव को भी बढ़ावा मिलता है। यह गतिविधि बच्चों में सामाजिक एवं नैतिक मूल्यों के विकास के साथ–साथ परिवार के प्रति सम्मान और जिम्मेदारी की भावना को भी मजबूत बनाती है।स्कूल निदेषक अंषुल पठानिया ने बताया कि पठानिया पब्लिक स्कूल सदैव विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए ऐसी रचनात्मक एवं मूल्यपरक गतिविधियों का आयोजन करता रहा है। 'योग विद् डैड चैलेंज' ने स्वास्थ्य, पारिवारिक एकता और भारतीय संस्कृति के महत्त्वपूर्ण अंग योग को बढ़ावा देने का एक सशक्त संदेश समाज तक पहुँचाया है। इस अवसर पर को–फाउंडर वर्षा पठानिया, प्रधानाचार्या तन्वी पठानिया, उपप्रधानाचार्या प्रीति ढांड़ा, सुनीता मोर, हैड मिस्ट्रेस सुमन राठी ने सभी विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एवं फादर्स–डे की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं तथा सभी के लिए स्वस्थ, खुशहाल एवं संतुलित जीवन की कामना की। 'स्वस्थ परिवार, सशक्त समाज- योग अपनाएँ, जीवन मुस्कुराएँ।

बेसहारा बुजुर्गों के लिए उम्मीद की नई किरण बना सदभावना वृद्धाश्रम, नि:शुल्क प्रवेश की अपील

अर्थ प्रकाश संवाददाता/अनिल कुमार गुप्ता दिल्ली

राजकोट। गुजरात के राजकोट-जामनगर हाईवे स्थित 'विनुभाई बचुभाई नागरेचा परिसर' सदभावना वृद्धाश्रम** ने निःसंतान, बेसहारा, बीमार और बिस्तर पर पड़े बुजुर्गों के लिए निःशुल्क प्रवेश की अपील की है। संस्था का उद्देश्य ऐसे वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानजनक जीवन, चिकित्सा सुविधा और परिवार जैसा वातावरण उपलब्ध कराना है, जिनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं है।

संस्था के अनुसार, लगभग 500 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किए जा रहे इस परिसर में 1400 कमरों के माध्यम से 5000 बुजुर्गों के रहने, भोजन, चिकित्सा और देखभाल की व्यवस्था की जा रही है। 30 एकड़ क्षेत्र में फैले इस परिसर का निर्माण क्षेत्र लगभग 20 लाख वर्ग फुट है। वर्तमान में यहां 700 से अधिक बुजुर्ग रह रहे हैं, जिनमें लगभग 400 बिस्तर पर हैं।

वृद्धाश्रम प्रबंधन ने बताया कि कैंसर के अलावा अन्य गंभीर शारीरिक बीमारियों से पीड़ित बुजुर्गों को प्रवेश दिया जाएगा। इसके साथ ही कोमा में पड़े बुजुर्गों तथा ऐसे बेसहारा मरीजों, जिनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं है, उनके लिए भी विशेष व्यवस्था की गई है। संस्था का दावा है कि सभी सेवाएं पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं और प्रवेश के लिए किसी प्रकार का शुल्क या सदस्यता नहीं ली जाती।

परिसर में 24 घंटे चिकित्सकीय निगरानी, प्रशिक्षित स्टाफ, फिजियोथेरेपी सेंटर, नियमित स्वास्थ्य जांच, आध्यात्मिक गतिविधियां, सत्संग हॉल, पुस्तकालय, गेम रूम, ऑडिटोरियम और आधुनिक आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। बुजुर्गों की मानसिक शांति के लिए मंदिर का भी निर्माण किया जा रहा है।

सदभावना वृद्धाश्रम ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि उनके आसपास कोई निःसंतान, बेसहारा, गंभीर रूप से बीमार, दिव्यांग, बिस्तर पर पड़ा या कोमा में जीवन बिता रहा बुजुर्ग हो, जिसकी देखभाल करने वाला कोई नहीं है, तो उसकी जानकारी संस्था को दें या उसे वृद्धाश्रम तक पहुंचाने में सहयोग करें।

अशोका यूनिवर्सिटी के नए वाइस–चांसलर बने प्रो. ऋषिकेश कृष्णन

प्रो. सोमक रायचौधरी के बाद अब प्रो. ऋषिकेश कृष्णन संभालेंगे अशोका की कमान

अर्थ प्रकाश संवाददाता/ अनिल कुमार गुप्ता दिल्ली

नई दिल्ली, 18 जून। अशोका यूनिवर्सिटी ने प्रोफेसर ऋषिकेश टी. कृष्णन को अपना नया वाइस-चांसलर नियुक्त करने की घोषणा की है। वह 1 अगस्त 2026 से तीन वर्ष के शुरुआती कार्यकाल के लिए पदभार संभालेंगे। वह प्रोफेसर सोमक रायचौधरी का स्थान लेंगे, जिनके कार्यकाल में विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक विस्तार, संस्थागत मजबूती और वैश्विक पहचान हासिल की।

यह नियुक्ति यूनिवर्सिटी की गवर्निंग बॉडी द्वारा गठित चयन समिति की विस्तृत खोज एवं चयन प्रक्रिया के बाद की गई है। प्रोफेसर कृष्णन शिक्षा, नवाचार और संस्थान निर्माण के क्षेत्र में लंबे अनुभव के साथ इस पद पर आ रहे हैं। उन्होंने आईआईटी कानपुर से फिजिक्स में इंटीग्रेटेड एम.एससी., स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से इंजीनियरिंग-इकोनॉमिक सिस्टम्स तथा आईआईएम अहमदाबाद से मैनेजमेंट एवं पब्लिक पॉलिसी में डॉक्टरेट की है। उनका शोध भारत में नवाचार और संस्थागत विकास पर केंद्रित रहा है।

अशोका यूनिवर्सिटी के चांसलर रुद्रांशु मुखर्जी ने कहा कि प्रोफेसर कृष्णन का शैक्षणिक और संस्थागत नेतृत्व का अनुभव उन्हें इस भूमिका के लिए उपयुक्त बनाता है। वहीं संस्थापक एवं ट्रस्टी प्रमथ राज सिन्हा ने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में विश्वविद्यालय शैक्षणिक उत्कृष्टता और वैश्विक प्रतिष्ठा की दिशा में नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा।

अपनी नियुक्ति पर प्रोफेसर ऋषिकेश टी. कृष्णन ने कहा कि अशोका यूनिवर्सिटी ने अपनी स्थापना से ही शोध आधारित शिक्षा का मजबूत मानक स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि वह फैकल्टी, छात्रों, कर्मचारियों, पूर्व छात्रों और अन्य हितधारकों के साथ मिलकर विश्वविद्यालय के विकास और उसकी दीर्घकालिक आकांक्षाओं को आगे बढ़ाने के लिए उत्साहित हैं।

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर गूंजा स्वस्थ जीवन का संदेश

योग से स्वस्थ जीवन का संदेश, बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

अर्थ प्रकाश संवाददाता

रोहतक, सुकरमपाल 19 जून । 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय, रोहतक में भव्य योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम %योग फॉर हेल्दी एजिंग% (स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग) रही, जिसके अनुरूप प्रतिभागियों को योग के माध्यम से स्वस्थ, संतुलित एवं सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बी. एम. यादव, रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार, शिक्षकगण, गैर-शिक्षण कर्मचारी, अन्य कर्मचारी तथा विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक योगाभ्यास से हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान की विधियों का अभ्यास किया। इस अवसर पर कुलपति डॉ. बी. एम. यादव ने कहा कि योग भारत की प्राचीन एवं अमूल्य सांस्कृतिक विरासत है, जिसे आज पूरा विश्व अपना रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय की भागदौड़ भरी जीवनशैली में योग शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन और आत्मिक उन्नति का सर्वोत्तम साधन है। उन्होंने विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों से नियमित योगाभ्यास कर स्वस्थ एवं अनुशासित जीवन जीने का संदेश दिया। रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार ने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक समग्र पद्धति है। उन्होंने कहा कि योग व्यक्ति को सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास एवं कार्यक्षमता प्रदान करता है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से योग को दैनिक जीवन में अपनाकर स्वस्थ समाज और स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। योग विशेषज्ञ डॉ. गौरव दलाल ने कहा कि नियमित योगाभ्यास न केवल शरीर को स्वस्थ एवं सुदृढ़ बनाता है, बल्कि तनावमुक्त जीवन और मानसिक शांति प्राप्त करने का भी प्रभावी माध्यम है। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने नियमित योगाभ्यास करने तथा योग के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्साह, अनुशासन और सकारात्मक ऊर्जा का वातावरण बना रहा।

जिला स्तरीय योग दिवस कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद संजय भाटिया होंगे मुख्यातिथि

***अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में एमएम कॉलेज में एक दिवसीय सेमिनार आयोजित**

***20 जून को एमएम कॉलेज में सुबह 6 बजे आयोजित होगी पायलट रिहर्सल**

अर्थ प्रकाश संवाददाता

फतेहाबाद, 19 जून। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में आयुष विभाग द्वारा डीसी डॉ. विवेक भारती के निर्देशानुसार स्थानीय एमएम कॉलेज में एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. प्रवीण शर्मा ने कहा कि योग को जीवन में अपनाकर हम केवल दीर्घायु ही नहीं, अपितु सुखायु प्राप्त कर सकते हैं तथा जीवन में उच्च लक्ष्यों की भी प्राप्ति की जा सकती है। उन्होंने बताया कि 20 जून को एमएम कॉलेज में ही सुबह 6 बजे योग दिवस की पायलट रिहर्सल आयोजित की जाएगी।

इसके अलावा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य कार्यक्रम आयोजित होगा जिसमें राज्यसभा सांसद संजय भाटिया मुख्यातिथि होंगे। इस दौरान पूर्व मंत्री देवेंद्र सिंह बबली, पूर्व विधायक दुड़ाराम व लक्ष्मण नापा, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। उन्होंने जिला वासियों से 21 जून को कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने के लिए आह्वान किया। उपमंडल टोहाना के योग दिवस कार्यक्रम में नलवा विधायक रणधीर पनिहार तथा उपमंडल रतिया के कार्यक्रम में रतिया विधायक जरनैल सिंह मुख्यातिथि होंगे।

प्रिंसिपल गुरुचरण दास ने कहा कि योग की हर युग में महत्ता रही है तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी योग की जो गरिमामयी उपस्थिति हो रही है, उसमें भारत के संतों से लेकर योग मनीषियों व नागरिकों का योगदान है। उन्होंने कहा कि छात्र योग को अपनाकर अपने व्यक्तित्व को निखार सकते हैं तथा कम प्रयासों से अधिक सफलता हासिल कर सकते हैं और तनाव से भी मुक्त हो सकते हैं।

खेल विभाग की ओर से कबड्डी कोच सुरेश कुमार ने सेमिनार में बताया कि किसी भी खिलाड़ी के खेल का स्तर सुधारने के लिए योग अत्यधिक उपयोगी है। योग से आत्मनियंत्रण का अभ्यास होता है। जीत के अति उत्साह व हार से निराशा दोनों को संतुलित किया जा सकता है। बड़े टूर्नामेंट का दबाव और तनाव को दूर किया जा सकता है, खेल के लिए एकाग्र होने में बहुत उपयोगी है।

एडवोकेट संत कुमार ने महर्षि पतंजलि द्वारा योगसूत्र के प्रतिपादन के बारे में बताया तथा गीता में भी विभिन्न अध्यायों में अष्टांग योग के वर्णन के बारे में विशेष रूप से बताया। उन्होंने यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान व समाधि सभी विषयों को छुआ तथा गीता में उनके उद्धरण ,श्लोक संख्या तथा अध्यायों का विश्लेषण किया।

सेमिनार में शिक्षा विभाग से अध्यापक रमेश कुमार मानसिक तनाव को दूर करने के लिए यम, नियम,

आसन, प्राणायाम व ध्यान की उपयोगिता पर बल दिया। उन्होंने जीवन में सत्य को धारण करना, अनुशासित रहना, कर्तव्य पालन करना तथा योग को अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि योग से हमें बाह्य परिस्थिति में विचलित नहीं कर सकतीं। ब्रह्मकुमारी संस्थान से बहन बीके सुशीला ने शरीर के साथ-साथ आत्मा के स्वास्थ्य पर भी बल दिया। उन्होंने शारीरिक आसन और प्राणायाम के साथ-साथ ध्यान की आवश्यकता पर भी बल दिया तथा आत्मिक रूप से स्वयं को शक्तिशाली ऊर्जा से भरपूर बनाकर समाज में अपना योगदान देने के लिए प्रेरणा दी।

भारत/अफगानिस्तान : अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे वनडे में राहुल, जायसवाल और राणा पर रहेगी नजर

चेन्नई (एजेंसी)। पहले दो मैच में धमाकेदार जीत से उत्साहित भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ शनिवार को यहां होने वाले तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में क्लीन स्वीप करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी जिसमें केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल के प्रदर्शन पर नजर रहेगी। राहुल की वनडे टीम में जगह को लेकर कभी कोई संदेह नहीं रहा है, लेकिन जायसवाल शीर्ष क्रम में कड़ी प्रतिस्पर्धा को देखते हुए अपनी जगह पक्की करने के लिए बड़ी पारी खेलना चाहेंगे।

जायसवाल ने 2025 के बाद वनडे टीम में वापसी की है लेकिन वह लखनऊ में अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे मैच में केवल चार रन ही बना पाए। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने इससे पहले जो आखिरी वनडे खेला था उसने उन्होंने विशाखापत्तनम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नाबाद 116 रन बनाए थे, लेकिन उसके बाद स्थिति काफी बदल गई है और अब ईशान किशन की वापसी ने शीर्ष क्रम में एक और दावेदार को जोड़ दिया है। किशन ने लखनऊ में शतक लगाकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है।

कप्तान शुभमन गिल ने जायसवाल को जगह देने के लिए तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी की और शतक जड़ा। लेकिन जब विराट कोहली मांसपेशियों में खिंचाव से उबरने के बाद वापसी करेंगे तो उनका तीसरे नंबर पर खेलना पक्का है। इससे गिल के पास रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता। किशन और श्रेयस अय्यर क्रमशः चौथे और पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में जायसवाल को सीमित अवसरों का पूरा फायदा उठाना होगा।

जायसवाल के लिए इस मैच में बड़ा स्कोर बनाना बेहद जरूरी है क्योंकि इंग्लैंड दौरे के लिए भारत की वनडे टीम की घोषणा जल्द ही की जाएगी। अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति एक और असफलता को शायद ही बर्दाश्त करेगी। अगर चयनकर्ता सूर्यकुमार यादव को टी20 विश्व कप में टीम को जीत दिलाने के बावजूद टीम से बाहर कर सकते हैं तो अन्य खिलाड़ियों को भी नहीं बख्शा जा सकता है। इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि जायसवाल की वनडे में किस्मत उनके हाथ में ही है।

राहुल का मामला बिल्कुल अलग है। लंबे अंतराल के बाद भारतीय टीम में अय्यर की वापसी का मतलब है कि 34 वर्षीय राहुल को अब अधिकतर मौकों पर छठे नंबर पर बल्लेबाजी करनी होगी। राहुल लंबे समय तक पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे थे और उन्होंने इस पोजीशन पर अच्छा प्रदर्शन भी किया है। उन्होंने पांचवें नंबर पर खेलते हुए 38 मैचों में 63.2 के औसत से 1517 रन बनाए हैं, जिसमें तीन शतक और 10 अर्धशतक शामिल हैं। इसके विपरीत छठे नंबर पर उन्होंने 15 मैचों में 41.5 की औसत से 332 रन बनाए हैं, जिसमें एक अर्धशतक शामिल है।

BCCI ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CoE) में रिहैबिलिटेशन पूरा करने के बाद इस मैच के लिए हर्षित राणा को टीम में शामिल किया है। यह तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह की जगह ले सकता है, जिन्होंने इस श्रृंखला में अभी तक दोनों मैच खेले हैं। इससे भारत को चोटिल नीतीश कुमार रेड्डी की अनुपस्थिति में निचले क्रम में एक उपयोगी बल्लेबाज का विकल्प भी मिलेगा।

इससे टीम प्रबंधन को ब्रिटेन के दौरे से पहले उनकी फॉर्म और फिटनेस का आकलन करने का मौका मिलेगा। जहां तक अफगानिस्तान का सवाल है तो उसने इस

श्रृंखला में एकमात्र टेस्ट मैच और पहले दो वनडे में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं किया है। उसकी टीम हालांकि जीत के साथ श्रृंखला का समापन करने के लिए प्रतिबद्ध होगी। इसके लिए उसे खेल के तीनों विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

टीम इस प्रकार हैं

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, प्रिंस यादव, गुरनूर बराड़, हर्ष दुबे, यशस्वी जायसवाल, हर्षित राणा।

अफगानिस्तान : हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), इब्राहिम जादरान, सेदिकुल्लाह अटल, दरविश रसूली, रहमत शाह, इकराम अलीखिल (विकेटकीपर), मोहम्मद नबी, अजमतुल्लाह उमरजई, राशिद खान, नांग्याल खारोताई, एएम गजनफर, जिया उर रहमान शरीफी, फरीद मलिक, बिलाल सामी।

ब्रॉड ने अपनी सर्वकालिक टेस्ट एकादश में भारत से केवल विराट को शामिल किया

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने अपने समय के खिलाड़ियों की सर्वकालिक टेस्ट एकादश का चयन किया है। इस टीम में उन्होंने कई बड़े दिग्गजों को शामिल किया है पर इसमें भारत से केवल विराट कोहली को ही शामिल किया गया है। ब्रॉड की इस टीम में दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के चार-चार खिलाड़ी शामिल हैं, वहीं दो श्रीलंकाई खिलाड़ी भी इस सूची का हिस्सा हैं।

ब्रॉड ने अपनी टीम में श्रीलंका के कुमार संगकारा और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ को भी शामिल किया है। संगकारा को ब्रॉड ने उन्हें अपनी टीम में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी सौंपी है। इसके अलाव ऑस्ट्रेलियाई टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग को नंबर तीन पर और विराट कोहली को नंबर चार पर रखा गया है। कोहली का चयन इस एकादश में शामिल होने वाले एकमात्र भारतीय के रूप में अहम है, जो उनकी विश्वस्तरीय बल्लेबाजी दिखाता है।

इस एकादश में महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को जगह नहीं मिली है जबकि ब्राड ने अपने खेल के अंतिम दिनों में उनके खिलाफ गेंदबाजी भी की थी। वहीं मध्य क्रम में ऑस्ट्रेलिया के स्टीवन स्मिथ को नंबर पांच पर चुना गया है, जबकि दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज जैक्स कैलिस को नंबर छह पर शामिल किया गया है। कैलिस इस टीम के एकमात्र ऑलराउंडर हैं। वहीं दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज एबी डिविलियर्स को नंबर सात पर रखा गया है। डिविलियर्स अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से टीम को मजबूती देते हैं और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त विकेटकीपिंग कवर भी प्रदान करते हैं।

दूसरी ओर गेंदबाजी आक्रमण की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल जॉनसन को इसकी कमान सौंपी गयी है। उनका साथ दक्षिण अफ्रीका के महान तेज गेंदबाज डेल स्टेन देंगे। स्टेन जो अपनी पीढ़ी के सबसे खतरनाक गेंदबाजों में से एक रहे हैं। ऑस्ट्रेलियाई बाएं हाथ के गेंदबाज मिचेल स्टार्क को भी टीम में जगह मिली है। श्रीलंका के स्पिन जादूगर मुथैया मुरलीधरन को टीम का अकेला विशेषज्ञ स्पिनर रखा गया है। मुरलीधरन टेस्ट क्रिकेट इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने हुए हैं।

ब्रॉड की सर्वकालिक टेस्ट एकादश इस प्रकार है:

ग्रीम स्मिथ, कुमार संगकारा (विकेट कीपर), रिकी पोंटिंग, विराट कोहली, स्टीवन स्मिथ, जैक्स कैलिस, एबी डिविलियर्स, मिशेल जॉनसन, डेल स्टेन, मुथैया मुरलीधरन, मिशेल स्टार्क।

महिला टी20 विश्व कप 2026 : वेस्टइंडीज ने रोमांचक मुकाबले में स्कॉटलैंड को सात रनों से हराया

लंदन (एजेंसी)। वेस्टइंडीज ने आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 के 12वें मुकाबले में स्कॉटलैंड को सात रनों से हरा दिया। इस रोमांचक मुकाबले में विजेता का फैसला 19वें ओवर में हुआ। स्कॉटलैंड टीम इस मैच में एक समय जीत के करीब थी पर अंत में इंडीज टीम ने बाजी पलट दी। वेस्टइंडीज की टीम इस जीत के साथ ही आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 की अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। वहीं स्कॉटलैंड तीसरे स्थान पर फिसल गयी है।

इस मैच में स्कॉटलैंड ने टॉस जीतकर वेस्टइंडीज को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। वेस्टइंडीज की टीम ने 20 ओवरों में 6 विकेट पर 153 रन बनाये। उसकी पारी की शुरुआत बेहद खराब रही। एक समय आधी टीम 85 रनों पर ही सिमट गयी थी पर इसके बाद नंबर-7 पर उतरीं स्टेफनी टेलर ने तेजी से बल्लेबाजी करते हुए केवल 19 गेंदों में ही 4 चौकों और 3 छक्कों की सहायता से 47 रन बना दिये। इससे टीम 153 रनों तक पहुंच पाई। इसके बाद जीत के लिए मिले 154 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए स्कॉटलैंड की शुरुआत काफी अच्छी रही। पहले विकेट के लिए उन्होंने 51 रन बनाये पर इसके बाद जब विकेट गिरने शुरु हुए तो टीम ने 58 रनों पर ही 4 विकेट खो दिये। 74 के स्कोर पर आधी टीम पवेलियन लौट चुकी थी। सलामी बल्लेबाज डार्सी कार्टर एक छोर पर डटी रहीं और उन्होंने 8 चौकों की सहायता से 59 रनों की अहम पारी खेली, जिससे स्कॉटलैंड की उम्मीदें बंधी रहीं और वह मैच में बनी हुई थी। अब आखिरी ओवर में स्कॉटलैंड को जीत के लिए 17 रन चाहिए थे और उनके पास 2 विकेट बचे थे। वेस्टइंडीज की कियाना जोसेफ ने 20वें ओवर में शानदार गेंदबाजी करते हुए केवल 9 रन दिये और 2 विकेट लिए। इस प्रकार वेस्टइंडीज ने स्कॉटलैंड की पारी को अंतिम गेंद पर 146 रन पर समेट दिया और यह रोमांचक मुकाबला 7 रनों से जीत लिया।

आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारत की नजरें चिली को हराकर फाइनल में जगह बनाने पर

आकलैंड (एजेंसी)। टूर्नामेंट में अब तक शानदार प्रदर्शन कर रही आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय महिला हॉकी टीम निचली रैंकिंग वाली चिली के खिलाफ स्नद्ध॥ नेशंस कप सेमीफाइनल में उसी लय को कायम रखना चाहेगी ताकि स्नद्ध॥ प्रो लीग में वापसी की ओर अगला कदम रख सके। भारत ने पूल ए में तीनों मैच जीतकर शीर्ष पर रहते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई है।

मेजबान न्यूजीलैंड पूल बी में सारे मैच जीतकर शीर्ष पर रहा और दूसरे सेमीफाइनल में अमेरिका से खेलेगा। भारतीय टीम को अगले सत्र में प्रो लीग में वापसी के लिये नेशंस कप जीतना ही होगा जिससे वह पिछले साल बाहर हो गई थी। पिछले सत्र में 16 मैचों में सिर्फ दस अंक लेने के बाद भारत प्रो लीग में सबसे नीचे रहा और नेशंस कप में खिसक गया था। आठ देशों के एफआईएच नेशंस कप के विजेता को अगले सत्र में प्रो लीग में जगह मिलेगी।

मौजूदा रैंकिंग और फॉर्म को देखते हुए भारत का पलड़ा चिली पर भारी है। विश्व रैंकिंग में भारत नौवे और चिली 13वें स्थान पर है लेकिन आधुनिक हॉकी में रैंकिंग उतना मायने नहीं रखती। सेमीफाइनल से पहले मुख्य कोच शोर्ड मारिन को कुछ पहलुओं पर काम करना होगा। 17वीं रैंकिंग वाली उरूग्वे को हराने के लिये भारत को काफी मशक्कत करनी पड़ी। उरूग्वे ने बढत बना ली थी लेकिन दीपिका ने पेनल्टी कॉर्नर पर दो गोल किए और दीपिका सोरेंग ने फील्ड गोल

करके भारत को जीत दिलाई।

ड्रैग फ्लिकर दीपिका शानदार फॉर्म में है और चार गोल कर चुकी है। नवनीत कौर, कप्तान सलीमा टेटे और लालरेम्सियामी भी एक एक गोल कर चुके हैं । भारत के लिये एकमात्र फील्ड गोल दीपिका सोरेंग ने किया है। भारत को अगले मैचों में और फील्ड गोल करने होंगे । इसके लिये फॉरवर्ड पंक्ति को मौके बनाकर फिनिशिंग तक ले जाना होगा।

टी20 में शतक लगाने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने डु प्लेसी

टेक्सास । टेक्सास सुपर किंग्स टीम के कप्तान फाफ डु प्लेसी ने शुरु हुई में मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) 2026 के पहले ही मैच में शानदार शतक लगाकर एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। 41 साल के डु प्लेसी अब टी20 क्रिकेट में सबसे अधिक उम्र में शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी बन गये हैं। डु प्लेसी ने ये शतक सिएटल ऑर्कास के खिलाफ लगाया था। इस मैच में डु प्लेसी की टीम 221 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा कर रही थी। डु प्लेसी ने तेजी से बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 113 रन बनाये। इससे उनकी टीम नौ गेंदें शेष रहते हुए जीत दर्ज करने में सफल रही। इस शानदार पारी के साथ ही वह टी20 क्रिकेट में सबसे अधिक उम्र में शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। डु प्लेसी की उम्र अभी 41 साल और 340 दिन है।

वेस्टइंडीज से हार के बाद रोने लगी स्कॉटलैंड की डिरसी कार्टर

लंदन । स्कॉटलैंड को यहां हुए आईसीसी महिला टी20 विश्वकप के एक रोमांचक मुकाबले में वेस्टइंडीज के खिलाफ 7 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। इसमें 154 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए स्कॉटलैंड की टीम अंतिम दो ओवरों में खराब प्रदर्शन के कारण हार गयी। जीत के करीब पहुंचकर मिली हार से स्कॉटलैंड की टीम की एक खिलाड़ी डिरसी कार्टर डगआउट में ही रोने लगी। कार्टर रोने वाला वीडियो ये वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। कार्टर ने इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए 59 रनों की पारी खेली थी पर वह 19वें ओवर की पहली गेंद पर आउट हुईं थी। अगर वह खेलती तो टीम शायद जीत जाती। 19वें ओवर की पहली गेंद पर डार्सी कार्टर आउट हुईं तो स्कॉटलैंड की उम्मीदें टूट गयीं।

कनाडा और मेक्सिको फीफा विश्व कप के नॉकआउट चरण में पहुंचे

वैंकूवर/ एस्टाडियो ग्वाडालाजारा (एजेंसी)। फीफा विश्व कप 2026 के आज खेले गये मुकाबलों में सह-मेजबान मैक्सिको और कनाडा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बड़ी जीत हासिल कर टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में जगह बना ली है। जोनाथन डेविड की हैट्रिक की बदौलत कनाडा ने फीफा विश्वकप 2026 के ग्रुप चरण में कतर पर 6-0 से ऐतिहासिक जीत दर्ज करते टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में प्रवेश किया।

मैच का शुरुआती गोल 16वें मिनट में रिबाउंड पर साइल लारिन ने किया और अपनी टीम को बढ़त दिलाई। यह टूर्नामेंट में उनका दूसरा गोल था। कतर के गोलकीपर महमूद अबुनादा ने डेविड के वॉली शॉट को पंच करके रोक दिया, लेकिन गेंद लारिन के पास गिरी, जिसे उन्होंने गोल में डाल दिया। इसके बाद डेविड ने 29वें मिनट में दाएं पैर से शानदार वॉली मारकर

बढ़त को दोगुना कर दिया।

पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में कनाडा ने 3-0 की बढ़त बना ली, जब डेविड ने 48वें मिनट में क्रॉसबार से टकराकर आई गेंद पर गोल दाग दिया। चोटिल कोने के स्थान पर आए नाथन सलीबा ने 64वें मिनट में फ्री किक पर गोल करके स्कोर 4-0 कर दिया। 75वें मिनट में मोहम्मद मनाई ने अपने गोलकीपर को चकमा देते हुए शॉट को आत्मघाती गोल में बदल दिया। डेविड ने स्टॉपेज टाइम में हैट्रिक पूरी की और इस विश्व कप में एक मैच में तीन गोल करने वाले अर्जेंटीना के लियोनेल मेस्सी के साथ शामिल हो गए।

इस जीत के साथ कनाडा के अंक बढ़कर चार हो गए हैं और वह गोल अंतर के आधार पर स्विट्जरलैंड से आगे है । इस जीत के साथ ही कनाडा का नॉकआउट चरण में स्थान सुनिश्चित कर लिया है। बुधवार को वैंकूवर में स्विट्जरलैंड के खिलाफ होने वाले अपने अंतिम ग्रुप मैच में कनाडा की टीम का दबदबा रहेगा। एक अन्य मैच में मेक्सिको ने दक्षिण कोरिया को 1-0 से हराकर फीफा विश्व कप 2026 के राउंड-ऑफ-32 में अपनी जगह पक्की कर ली है। आज यहां खेले गये ग्रुए ए के मुकाबले के शुरुआती चरणों में मेक्सिको का दबदबा रहा, लेकिन बाद में दक्षिण कोरिया ने गेंद को नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया और हाफ टाइम की सीटी बजने तक उसका दबदबा रहा। लेकिन कोरियाई गोलकीपर किम सेउंग-गिम की एक बड़ी गलती का फायदा उठाते हुए मेक्सिको के लुइस रोमो ने मैच के दोबारा शुरू होने के तुरंत बाद एकमात्र गोल दाग दिया। इसी जीत के साथ मेक्सिको अपने में दो मैचों में छह अंक के साथ ग्रुप में शीर्ष पर पहुंच गया है।

एफआईएच प्रो लीग में जर्मनी के हाथों अंतिम क्षणों में 2-1 से हारी भारतीय हॉकी टीम

रॉटरडैम । भारतीय पुरुष हॉकी टीम को यहां हुए एफआईएच प्रो लीग 2025-26 के एक रोमांचक मुकाबले में 1-2 से हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय टीम मैच में अधिकांश समय हावी रही पर अंतिम क्षणों में जर्मनी को एक गोल दागने के करण जीत मिल गयी। भारतीय टीम को मैच के 38वें मिनट में जुगराज सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर पर ड्रैग-फ्लिक के जरिए गोल कर 1-0 की बढ़त दिलाई। भारतीय टीम ने मैच की शुरुआत से ही हमले शुरु कर दिये थे। जिससे जर्मनी दबाव में आ गयी। वहीं भारतीय रक्षापंक्त ने जर्मन के जवाबी हमलों को नाकाम कर दिया। दूसरे क्वार्टर में, भारतीय टीम ने अपनी तेजी और बढ़ा दी हालांकि वह अवसरों को गोल में नहीं बदल पायी। तीसरे क्वार्टर के अंत तक, भारतीय टीम ने अपनी बढ़त बनाए रखी। जर्मनी को इस दौरान कुछ पेनल्टी कॉर्नर भी मिले, लेकिन भारतीय गोलकीपर ने उन्हें विफल कर दिया। इससे मैच में भारतीय टीम की 1-0 की बढ़त बरकरार रही। वहीं चौथे और अंतिम क्वार्टर में भारतीय टीम ने कई हमले किये जिससे उसे बढ़त को दोगुना करने के अवसर मिले। पर टीम इसका लाभ नहीं उठा पायी। वहीं जस्टस वीगेंड ने जर्मनी की ओर से पहला गोल कर मुकाबला 1-1 से बराबर कर दिया। खेल के अंतिम पलों में मैच ड्रॉ होता दिख रहा था तभी जर्मनी को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला। इसका जिसे गोल में बदलन में जैकब ब्रिला ने कोई गलती नहीं की। इस प्रकार 60वें मिनट में किये इस निर्णायक गोल से जर्मनी की 2-1 से जीत तय हो गयी। अब भारतीय टीम अपने अगले मुकाबले में रविवार को मेजबान नीदरलैंड्स का सामना करेगी।

फीफा विश्वकप: रोनाल्डो का साथ नहीं दे रहा फुटबॉल

स्पोर्ट्स डेस्क। क्रिस्टियानो रोनाल्डो के लिए सबसे बुरा एहसास यह नहीं था कि उन्होंने उस टीम के खिलाफ गोल नहीं किया जिसने उनके जन्म से पहले आखिरी बार वर्ल्ड कप खेला था; या यह कि उनके दो प्रयास कमजोर और दिशाहीन थे; या यह कि वे टीम पर बोझ लग रहे थे। असल में फुटबॉल का उनसे प्यार खत्म होता नजर आ रहा है, गेंद उनसे दूर भाग रही है, नजरों से बच रही है और बिना कोई प्रतिक्रिया दिए वापस लौट जाती थी।

बुधवार को ह्यूस्टन में पुर्तगाल का मैच छ्रक्र कांगो के साथ 1-1 से ड्रॉ रहा जिसका नतीजा रोनाल्डो के खराब प्रदर्शन जैसा ही फीका था। 41 साल की उम्र में जब टीम में कई बेहतरीन अटैकिंग खिलाड़ी हों, तो हर खराब प्रदर्शन पर सवाल उठते हैं। हर खराब दिन के साथ, ऐसा लगता है कि वे अपने करियर के अंत के करीब पहुंच रहे हैं। उम्र और कम होती फुर्ती के बावजूद रोनाल्डो में अभी भी गेंद को सही जगह हिट करने और उसे अपनी मर्जी से कहीं भी ले जाने की काबिलियत है। लेकिन कांगो के खिलाफ, वे ऐसा नहीं कर पाए।

68वें मिनट में फ्रांसिस्को कॉन्सेकाओ ने रोनाल्डो की तरफ एक 'कट-बैक' पास दिया, जो उनसे थोड़ा पीछे था। हो सकता है कि यह उनकी पसंद की जगह से एक गज दूर रहा हो, लेकिन अपने बेहतरीन दिनों में वे अपने शरीर को सही ढंग से मोड़कर सबसे अच्छी पोजीशन बना लेते थे। अगर ऐसा नहीं भी होता, तो भी वे हमेशा अपने शानदार बूट से गेंद को सही जगह मार देते थे। यहां, उन्होंने शॉट मारा जो 'नियर पोस्ट' से काफी दूर चला गया। उन्होंने गुस्से में मुंह बनाया, यह सोचते हुए कि उनका 'टच' (गेंद पर नियंत्रण) कैसे उनका साथ छोड़ गया।

सबसे बुरी बात यह नहीं थी कि उनका प्रयास खराब था, बल्कि यह थी कि उन्होंने ब्रूनो फर्नांडीस के पैरों के पास से गेंद छीन ली थी। मैनचेस्टर यूनाइटेड का मिडफील्डर उनके बगल में था, जिसके पास ज्यादा जगह और बेहतर एंगल था। लेकिन रोनाल्डो की फितरत गोल करने में मदद करने की नहीं, बल्कि खुद गोल करने की है। जब 'टच' साथ छोड़ देता है, तो सहज समझ (instincts) भी धोखा दे जाती है। यह पहली बार नहीं था जब उन्होंने फर्नांडीस की जगह में दखल दिया हो।

कोचिंग स्टाफ को इस लगातार हो रही गड़बड़ी का समाधान ढूंढना होगा। छह मिनट बाद उनके खेल में आती गिरावट का एक और पक्का सबूत मिला। कॉन्सेकाओ ने एक और बेहतर कट-बैक दिया, लेकिन रोनाल्डो ने उसे गलत तरीके से मारा और गेंद दूर चली गई। शॉट जल्दबाजी में और बिना ताकत के था, शायद एक्सल तुआनज़ेबे के चैलेंज की वजह से ऐसा हुआ। लेकिन ये ऐसे पल थे जिन्होंने उन्हें शायद ही कभी परेशान किया हो। वे पैरों के बीच से भी गोल कर सकते थे, शर्ट खींचने वालों और चालाकी से गेंद छीनने वालों से बेपरवाह होकर, उन्हें ताकत और चतुराई से पछाड़ देते थे। यहां, वे परेशान थे, शक से घिरे हुए थे।

विरोधाभास

एक अजीब विरोधाभास है। एक ऐसा व्यक्ति जिसका करियर अटूट आत्मविश्वास पर बना था, अब खुद पर ही शक करने लगा है। शायद यही उनकी परेशानी की जड़ है - खुद पर इतना पक्का भरोसा कि वे अपनी कमजोर होती काबिलियत की सच्चाई को देख ही नहीं पा रहे हैं। रोनाल्डो अब वो नहीं रहे जो वे खुद को समझते हैं।

वे अभी भी अद्भुत रूप से फिट हैं, और उनमें वर्ल्ड चैंपियन बनने का जबरदस्त जुनून है - एक ऐसा खिताब जो उन्होंने कभी नहीं जीता। लेकिन वे उस महान खिलाड़ी का मजाक बना रहे हैं जो वे कभी हुआ करते थे। वे एक हेवी मेटल बैंड के बूढ़े लीड सिंगर की तरह हैं जो अपने अतीत की भारी-भरकम शान में जी रहे हैं और उन्हें पता ही नहीं कि उनकी आवाज अब लड़खड़ा रही है।

जब वे गोल नहीं कर पाते, तो वे टीम के लिए बोझ बन जाते हैं - वे न तो क्रिएटिव काम में शामिल होते हैं और न ही डिफेंस में, उनका प्रभाव का दायरा सीमित हो जाता है। कुछ आंकड़े उनके खराब खेल को दिखाते हैं। उन्होंने 90 मिनट में सिर्फ 20 पास दिए, जो खेल में तेरहवें नंबर पर थे। डिफेंस में उनका योगदान सिर्फ एक था। आगे बढ़ने वाले एक्शन सिर्फ दो थे। वे कभी-कभी लिंक-अप प्ले के लिए पीछे आते थे लेकिन अपने साथियों की रफ़्तार का मुकाबला नहीं कर पाते थे। उनकी सुस्ती पूरी टीम की रफ़्तार धीमी कर रही है, जिसमें बेहतरीन अटैकर और मिडफील्ड कंडक्टर शामिल हैं।

इसके अलावा, वे कांगो की हाई लाइन के आगे घात लगाकर बैठे रहते थे, फिर अंदर आकर गेंद लेने के लिए पीछे हटते थे, और लाइन के पीछे खेले जाने वाले क्रॉस का इंतजार करते थे। उनके

साथियों ने बहुत कोशिश की, लेकिन कोई भी उनके साथ तालमेल नहीं बिठा पाया। वे फेरारी के बीच फंसी एक पुरानी मॉरिस माइनर कार की तरह थे।

मेसी से तुलना

लियोनेल मेसी से तुलना तो होगी ही। मेसी रोनाल्डो से धीमे हैं, लेकिन वे ज़्यादा मौके बनाते हैं; उनकी जगह की समझ (स्पेशल अवेयरनेस) बेहतर है, उनके पास (गेंद दूसरे को देना) डिफेंस को भेदने वाले होते हैं, और जब उनके पैरों में ज़्यादा जान नहीं बचती, तब भी उनकी चाल-ढाल डिफेंडरों को अपनी जगह से हटने पर मजबूर कर देती है। मेसी के आस-पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो उम्र के साथ आई कमियों की भरपाई कर देते हैं। रोनाल्डो के आस-पास बेहतरीन टेक्नीशियन हैं, लेकिन वे उन चीजों की भरपाई नहीं कर सकते जो रोनाल्डो अब नहीं दे पाते। यही पुर्तगाल की बड़ी उलझन है। बेशक, रोनाल्डो अकेले ऐसे पुर्तगाली फुटबॉलर नहीं थे जिनका दिन बहुत खराब रहा, लेकिन टीम की मुश्किलों में उनकी भूमिका अहम थी।

पुर्तगाल के लिए खिताब की मजबूत दावेदारी पेश करने के लिए रोनाल्डो वाली पहेली को सुलझाना होगा। कड़े फैसले लेने होंगे कि उन्हें सब्स्टीट्यूट के तौर पर इस्तेमाल किया जाए या बुधवार को रॉबर्टो मार्टिनेज ने जितनी देर से उन्हें बदला था, उससे पहले ही बदल दिया जाए। मैनेजर ने उनका बचाव किया, जैसा कि वे अपने कार्यकाल के दौरान हमेशा करते आए हैं। उन्होंने कहा, 'हम क्रिस्टियानो के साथ उनकी उम्र के हिसाब से नहीं, बल्कि उनके लक्षणों और उन्हें कैसा महसूस हो रहा है, उसके हिसाब से व्यवहार करते हैं।' हालाँकि, असल स्थिति कुछ और ही कहती है। ऐसा लगता है जैसे फुटबॉल का उनसे मोहभंग हो गया है। फुटबॉल के ऐसा करने से पहले ही पुर्तगाल को इसका कोई समाधान ढूंढ लेना चाहिए।

डब्ल्यूटीसी में 6,500 रन पूरे करने वाले विश्व के पहले बल्लेबाज बने रुट

लंदन । इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने न्यूजीलैंड के खिलाफ यहां दूसरे किकेट टेस्ट क्रिकेट में अपनी 46 रनों की पारी के दौरान ही एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम कर लिया। रुट अपनी इस पारी के साथ ही आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) इतिहास में 6,500 रन पूरे करने वाले विश्व के पहले और एकमात्र बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पता चलता है कि टेस्ट में रुट के प्रदर्शन में कितनी निरंतरता है। उनकी करीब कोई भी अन्य बल्लेबाज नहीं है। दूसरे स्थान पर मौजूद ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ के नाम 4,564 रन हैं। रूट ने अपने 76वें डब्ल्यूटीसी मैच की 139वीं पारी में यह उपलब्धि हासिल की है। गौरतलब है कि डब्ल्यूटीसी इतिहास में उनके नाम सबसे अधिक 23 शतक दर्ज हैं, जबकि दूसरे नंबर पर मौजूद स्टीव स्मिथ के नाम 14 शतक हैं। रूट ने इस दौरान 51 से अधिक की शानदार औसत से रन बनाए हैं, जिसमें 22 अर्धशतक और 262 रन का अधिकत स्कोर भी शामिल है। रूट मौजूदा डब्ल्यूटीसी साइकल (चैंपियनशिप चक्र) में भी सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बनकर उभरे हैं। उन्होंने इस मामले में भारतीय कप्तान शुभमन गिल को पीछे छोड़ दिया है, जिन्होंने महज 8 मैचों में 79.16 की बेमिसाल औसत से 950 रन बनाए हैं। इस चक्र में रूट और गिल दोनों के नाम संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा 5-5 शतक दर्ज हैं।रुट की निरंतरता जबरदसत है। वह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के पहले सीजन से ही जमकर रन बना रहे हैं। 2023-25 चक्र में 22 टेस्ट मैचों में 54.66 की औसत से 1,968 रन बनाकर वह शीर्ष स्कोरर रहे थे।

टीवी इंडस्ट्री में सफलता रातोंरात नहीं मिलती

टीवी इंडस्ट्री की चमक-दमक के पीछे की सच्चाई को लेकर अभिनेत्री अद्रिजा रॉय ने अपने विचार रखे। इंटरव्यू के दौरान उन्होंने अनुभव साझा करते हुए बताया कि इस इंडस्ट्री में टिके रहना आसान नहीं है, इसके लिए धैर्य, मेहनत और लगातार सुधार की जरूरत होती है। अद्रिजा रॉय ने कहा, ''टीवी इंडस्ट्री में काम की गति बहुत तेज होती है। कई बार ऐसा होता है कि आज किसी एपिसोड की शूटिंग होती है और वह अगले ही दिन या बहुत कम समय में टीवी पर प्रसारित हो जाता है। इस तेज रफ्तार में कलाकारों को हर समय तैयार रहना पड़ता है और अपने किरदार को पूरी एनर्जी के साथ निभाना होता है। हर कॉल टाइम पर, हर शूटिंग शेड्यूल में बहुत बड़ी प्रोडक्शन टीम काम करती है, और कलाकार को इन सबके बीच संतुलन बनाए रखना होता है। ऐसे माहौल में शांत और फोकस्ड रहना बहुत जरूरी है, क्योंकि जल्दबाजी में किया गया काम कई बार असर को कम कर सकता है।'' उन्होंने कहा, ''टीवी इंडस्ट्री में सफलता तुरंत नहीं मिलती। कई लोग सोचते हैं कि एक अच्छा सीन या एक अच्छा प्रदर्शन उन्हें रातोंरात पहचान दिला देगा, लेकिन वास्तविकता अलग है। टीवी में नाम कमाने के लिए लगातार समय देना पड़ता है। एक-दो अच्छे सीन से लोकप्रियता मिल सकती है, लेकिन स्थायी सफलता की चाबी को लगातार मेहनत और धैर्य ही है। सोशल मीडिया पर भले ही कोई कलाकार जल्दी वायरल हो जाए, लेकिन टीवी इंडस्ट्री में पहचान धीरे-धीरे बनती है और समय के साथ मजबूत होती है।''

अद्रिजा रॉय ने लोकप्रियता और सफलता के बीच फर्क को समझाते हुए कहा, ''लोकप्रियता अक्सर अस्थायी होती है, जो किसी वायरल सीन, चर्चा या सोशल मीडिया ट्रेंड से जल्दी मिल सकती है।

यहां तक पहुंचने के लिए मैंने जिंदगी भर मेहनत की

अभिनेत्री और बेहतरीन डांसर नोरा फतेही ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 की ओपनिंग सेरेमनी में परफॉर्म किया। उनका परफॉर्मेंस वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। हर कोई इसकी तारीफ कर रहा है। हाल ही में उन्होंने अपनी परफॉर्मेंस के बारे में बात की और शकीरा, बर्ना बॉय, केटी पेरी जैसे बड़े स्टार्स के साथ लाइन-अप का हिस्सा बनने पर भी चर्चा की।

सीर-सीर सुनकर हैरान हुई नोरा

ओपनिंग सेरेमनी में अपने गाने 'सीर सीर' पर परफॉर्म करने के बारे में बात करते हुए नोरा ने बताया, 'इस अनुभव ने निश्चित रूप से एक आर्टिस्ट के तौर पर मुझे बेहतर बनाया है। यह एक सफर बेहतरीन रहा। जब मैं जनवरी में मोरक्को में् स्न्ष्ह्ह मैच देख रही थी, तो मैंने हर गेम के दौरान स्टेडियम में लगभग 70,000 फैंस को 'सीर सीर' के नारे लगाते सुना और मैं हैरान रह गई। उस एनर्जी ने मुझे प्रोड्यूसर संजॉय से संपर्क करने और उनसे इस नारे का इस्तेमाल करके वर्ल्ड कप एंथम बनाने के लिए कहने के लिए प्रेरित किया।'

नोरा ने की पूरी जिंदगी मेहनत

इसके अलावा, दूसरे इंटरनेशनल स्टार्स के साथ लाइन-अप में शामिल होने के बारे में बात करते हुए बॉलीवुड एक्ट्रेस ने कहा, 'इतने बड़े मेनस्ट्रीम लाइन-अप का हिस्सा बनना बहुत रोमांचक रहा है! मैं टोरंटो में ओपनिंग सेरेमनी में परफॉर्म किया, जबकि शकीरा और बर्ना बॉय ने मैक्सिको में ओपनिंग सेरेमनी में परफॉर्म किया। मैंने इस लेवल तक पहुंचने और ऐसे स्टार्स के साथ मौके शेयर करने के लिए पूरी जिंदगी मेहनत की है।'

संगीत कितना ताकतवर है?

उन्होंने आगे कहा, 'ऐसे प्लेटफॉर्म का हिस्सा बनना जो अलग-अलग कल्चर और स्टाइल को एक साथ लाता है, मुझे याद दिलाता है कि ग्लोबल कनेक्शन बनाने में संगीत कितना ताकतवर हो सकता है। चाहे शकीरा हों, बर्ना बॉय हों या कोई भी आर्टिस्ट जिसका विजन क्रिएटिव रूप से मेल खाता हो वह अच्छा कर सकते हैं। मुझे लगता है कि जादू तब होता है जब अलग-अलग दुनियाएं एक साथ आती हैं और कुछ ऐसा बनाती हैं जिसकी उम्मीद न हो।

'सीर सीर' को मिला अच्छा रिस्पॉन्स

आपको बता दें कि नोरा का गाना 'सीर सीर' कुछ दिन पहले रिलीज हुआ था और इसे बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। अब तक इस ट्रैक को यूट्यूब पर 43 मिलियन से ड्यादा बार देखा जा चुका है।

फिल्म प्रहार- द उज्जवल निकम स्टोरी के लिए राजकुमार राव ने फिल्म के लिए बढ़ाया वजन

मैडॉक फिल्म्स की एक और फिल्म का एलान हो गया है। राजकुमार राव इसमें लीड रोल में हैं। हम फिल्म 'प्रहार- द उज्ज्वल निकम स्टोरी' की बात कर रहे हैं। दिनेश विजन ने फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। फिल्म प्रहार- द उज्जवल निकम स्टोरी' इस साल अगस्त में रिलीज होगी। ट्रेड विश्लेषक तरण आदर्श ने आज एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट साझा किया है। इसमें उन्होंने लिखा है, 'दिनेश विजन और राजकुमार राव एक बार फिर साथ आ रहे हैं। फिल्म 'प्रहार - द उज्ज्वल निकम स्टोरी' की रिलीज डेट की घोषणा कर दी गई है। मैडॉक फिल्म की 'प्रहार' में राजकुमार राव के अलावा वामिका गब्बी, सिकंदर खेर और जयदीप अहलावत जैसे सितारे भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

स्मिता बंसल ने 'द पिरामिड स्कीम' को बताया अपना परफेक्ट ओटीटी डेब्यू

'बालिका वधू' फेम अभिनेत्री स्मिता बंसल करियर में एक नया मुकाम हासिल कर बेहद उत्साहित हैं। टीवी इंडस्ट्री में सफल रहीं स्मिता टीवीएफ की हालिया रिलीज वेब सीरीज 'द पिरामिड स्कीम' से ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डेब्यू कर चुकी हैं। स्मिता ने इस प्रोजेक्ट को अपना परफेक्ट ओटीटी डेब्यू बताया है। सीरीज में स्मिता बंसल प्रमिला सिंह के किरदार में नजर आईं।

यह सीरीज आम लोगों के मल्टी-लेवल मार्केटिंग और पिरामिड स्कीम की दुनिया में फंसने की कहानी है। यह महत्वाकांक्षा, तेजी से सफलता पाने की चाहत और इसके लिए लोग जो फैसले लेते हैं, उन विषयों पर आधारित है। स्मिता बंसल ने बताया, ''द पिरामिड स्कीम' ने मुझे इसलिए आकर्षित किया क्योंकि इसमें टीवीएफ के प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने का मौका मिला। मैं सालों से टीवीएफ से जुड़ी हूं और इसके काम देख रही हूं और उन्हें बहुत पसंद करती हूं। वे ऐसी कहानियां बनाते हैं जो लोगों से जुड़ती हैं और हर उम्र के दर्शकों को पसंद आती हैं।' स्मिता ने बताया कि सीरीज की कहानी ने भी तुरंत प्रभावित किया। इसकी सोच बिल्कुल नई और रोमांचक लगी। यह आज के समय के बहुत जरूरी मुद्दों पर बात करती है, जैसे महत्वाकांक्षा, जल्दी सफल होने की चाह और उसके लिए किए जाने वाले फैसले। शो का किरदार, लेखन और पूरा विजन एकदम नया लगा।' अभिनेत्री ने कहा कि एक एक्टर के रूप में वे हमेशा ऐसे प्रोजेक्ट्स की तलाश में रहती हैं जो उन्हें अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने में मदद करे। 'द पिरामिड स्कीम' में प्रमिला सिंह का रोल उन्हें ठीक वैसा ही मौका देता है। सीरीज श्रेयांश पांडे द्वारा बनाई गई है और 'द वायरल फीवर' (टीवीएफ) द्वारा प्रस्तुत की गई है। इसका निर्देशन आशीष आर. शुक्ला और श्रेयांश पांडे ने किया है। 'द पिरामिड स्कीम' 5 जून को प्राइम वीडियो पर रिलीज हो चुकी है और काफी पसंद की जा रही है।

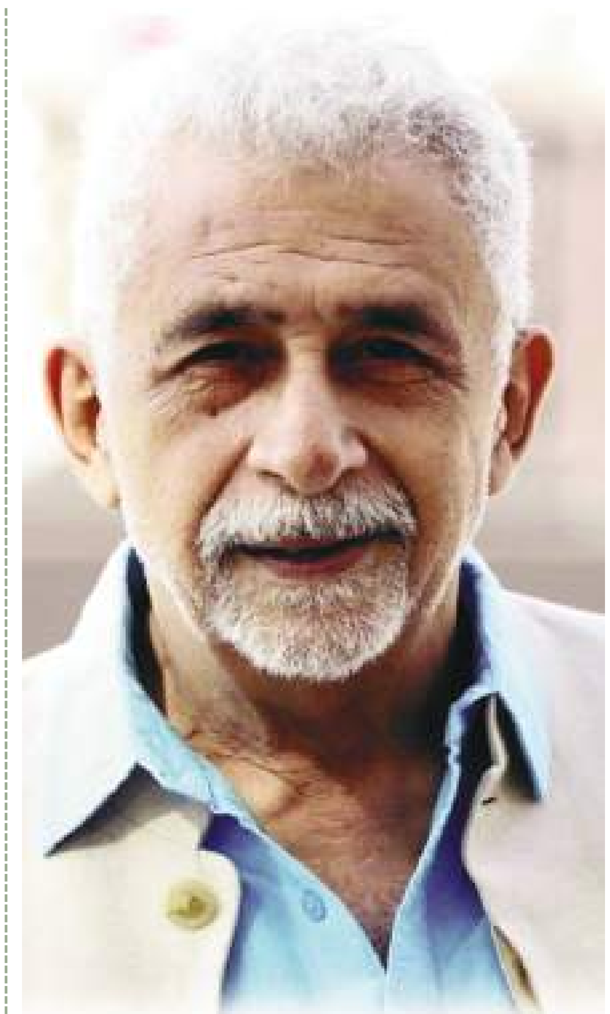

जेआरडी टाटा का किरदार निभाना सिर्फ एक अभिनय नहीं, बल्कि बड़ी जिम्मेदारी

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर बायोपिक का चलन तेजी से बढ़ा है। ऐसी ही एक सीरीज 'मेड इन इंडिया : ए टाइटन स्टोरी' में भारत के जाने-माने उद्योगपति जेआरडी टाटा के जीवन को दिखाया गया है। इस सीरीज में अभिनेता नसीरुद्दीन शाह ने जेआरडी टाटा का किरदार निभाया है, जिसे दर्शकों और समीक्षकों से काफी सराहना मिल रही है। इस अनुभव को लेकर नसीरुद्दीन शाह ने बताया कि यह किरदार उनके लिए सिर्फ एक अभिनय नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी भी थी। नसीरुद्दीन शाह ने कहा, ''जेआरडी टाटा एक ऐसे व्यक्तित्व थे जिनकी सबसे बड़ी खासियत उनका संयम और सादगी थी। वह हमेशा बहुत शांत और संतुलित तरीके से रहते थे। यही बात मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित करती है कि इतने बड़े उद्योगपति होने के बावजूद उन्होंने कभी अपने व्यक्तित्व को प्रचार का हिस्सा नहीं बनने दिया।'' अभिनेता ने आगे कहा, ''जेआरडी टाटा को समझना और उन्हें पर्दे पर निभाना मेरे लिए आसान काम नहीं था। अपने लंबे करियर में मैंने कई तरह के किरदार निभाए हैं, लेकिन यह भूमिका बेहद खास और जिम्मेदारी भरी थी, क्योंकि वह भारत के इतिहास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, इसलिए इस भूमिका को निभाते समय मैंने काफी ध्यान और गंभीरता से काम किया।'' नसीरुद्दीन शाह ने कहा, ''मुझे खुशी है कि मैं इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन पाया हूं। इसके लिए मुझे एक ऐसे इंसान को समझने का अवसर मिला, जिनकी सोच और व्यक्तित्व आज भी लोगों के लिए प्रेरणा हैं। ऐसे किरदार कलाकार को भीतर से बदल देते हैं, क्योंकि इसमें सिर्फ अभिनय नहीं बल्कि गहराई से समझने की जरूरत होती है।'' उन्होंने को-स्टार जिम सर्भ की तारीफ करते हुए कहा, ''उनकी सबसे बड़ी खूबी यह है कि वे सामने वाले कलाकार को ध्यान से सुनते हैं। यह गुण बहुत कम कलाकारों में देखने को मिलता है, लेकिन अभिनय में यह बेहद जरूरी होता है। जब कोई अभिनेता अपने साथी कलाकार की बात और भाव को समझता है, तभी सीन अधिक प्रभावशाली बनता है।'' नसीरुद्दीन शाह ने आगे कहा, ''जिम सर्भ थिएटर से आते हैं और इसी वजह से उनकी अभिनय शैली में गहराई और गंभीरता दिखाई देती है। थिएटर का अनुभव कलाकार को अनुशासन और समझ देता है, जो कैमरे के सामने बहुत काम आता है। खासकर जब कहानी जटिल और भावनात्मक हो तो ऐसे कलाकार पूरी कहानी को जीवंत बना देते हैं।'' 'मेड इन इंडिया : ए टाइटन स्टोरी' सीरीज अमेजन एमएक्स प्लेयर पर उपलब्ध है।

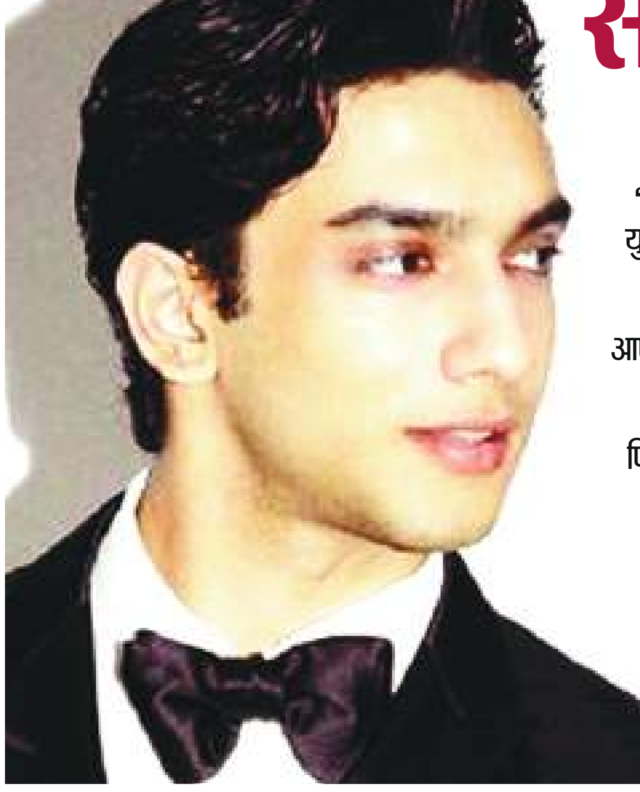

सच्चा प्यार कभी प्रैक्टिकल नहीं हो सकता

जोया अख्तर की फिल्म 'द आर्चीज' से ओटीटी और आलिया भट्ट संग फिल्म 'जिगरा' से बड़े पर्दे पर दस्तक देने वाले युवा कलाकार वेदांग रैना अब इम्तियाज अली की पीरियड लव स्टोरी 'मैं वापस आऊंगा' में अहम भूमिका में नजर आएंगे। खास बात यह है कि वेदांग अपनी हर फिल्म में अदाकारी के साथ-साथ गायिकी का हुनर भी दिखा रहे हैं। इस फिल्म में तो एआर रहमान जैसे दिग्गज कंपोजर के लिए मसकारा जैसे रूहानी गीत को आवाज देना वेदांग सपना सच होने जैसा मानते हैं।

रहमान सर के लिए गाने पर यकीन नहीं हुआ

अपनी गायिकी के इस सफर और एआर रहमान के लिए गाने को लेकर वह कहते हैं, 'मुझे पता नहीं ये कैसे हो रहा है, क्योंकि मैंने कभी किसी डायरेक्टर को खुद ये बात नहीं बताई है कि मैं गाना गाता हूं। यह सब बस हो गया। जोया (अख्तर) के साथ भी ये अचानक हुआ था कि मैंने आर्चीज में एक छोटे सा हिस्सा गाया था। फिर वासन बाला सर की भी एक सोच थी तो जिगरा में भी गाने का मौका मिला और अब रहमान सर के लिए गाना तो किसी भी कलाकार के लिए सपना सच होने जैसा है। मुझे ये मौका मिलना बहुत बड़ी बात है, जबकि मैं हिंदुस्तानी क्लासिकल में ट्रेंड सिंगर भी नहीं हूं। हालांकि, मैंने अपनी जिंदगी में स्टेज पर बहुत गाया, बहुत परफॉर्म किया है तो यह अनुभव वहीं से आता है। फिर भी ऐसा मौका मिलने की तो मैं सोच भी नहीं सकता था। मुझे कभी-कभी इम्पोस्टर सिंड्रोम (खुद की प्रतिभा पर शक) होता था और लगता था कि मैं ये मौका डिजर्व नहीं करता।' फिल्म में 1947 से पहले का दौर और मोहब्बत है, ऐसे में उस दौर को जीते हुए क्या वेदांग को कोई ऐसी चीज लगी कि काश वो आज के तेज रफ्तार दौर में भी होती? इस पर उनका कहना है, 'उस वक्त का प्यार करने का तरीका। मतलब अहसास तो अब भी वही है लेकिन अब रिश्ते या प्यार के दायरे थोड़े बदल गए हैं। जैसे अभी हम मेसेज करते हैं, तब चिट्ठियां लिखते थे। तब लोग अनकही बातों में, इशारों में मन के भाव समझते थे, वैसा वाला प्यार अब थोड़ा मिसिंग है तो अगर हम उसे वापस ला सकें तो अच्छा होगा।' क्या द्द्द्ब पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करने वाले वेदांग मानते हैं कि अब प्यार प्रैक्टिकल हो चुका है? इस पर वह दो टूक कहते हैं, 'सच्चा प्यार प्रैक्टिकल हो ही नहीं सकता। प्यार एक अहसास है, जो हर दौर में एक सा ही होता है, बस अब उस अहसास के इर्द गिर्द चीजें बदल गई हैं।'

कश्मीर लौटने का मन करता है

मैं वापस आऊंगा की तर्ज पर क्या कोई ऐसी जगह या वक्त हैं जहां वेदांग लौटना चाहेंगे? इस बारे में उन्होंने बताया, 'मेरे लिए कश्मीर वह जगह है। मैं कश्मीरी हूं, मेरे माता-पिता कश्मीरी हैं और मैं अपनी जिंदगी में कश्मीर काफी देर से गया। मैं 22 या 23 साल का था और वहां जाकर मुझे एक अलग सा नॉस्टैल्जिया महसूस हुआ। जब मैं श्रीनगर गया तो वहां मेरे साथ पापा- मम्मी और मौसी थी। वे ऐसे बता रहे थे कि यहां पर डल झील था। हम जब यहां अपने नाना-नानी के घर आते थे तो यहां खेलते थे। यहां पर चाय की दुकान होती थी और मैं यकीन ही नहीं कर पाया था कि किसी का बचपन डल झील के किनारे बीता होगा। मुझे वो सब परियों की कहानी जैसा लग रहा था। मुझे उस जगह से,एक नॉस्टैल्जिया महसूस हो रहा था, जहां मैं पहले कभी नहीं गया, शायद कोई पहले का कनेक्शन होगा तो वहां जाने का मेरा बहुत मन करता है।'

नर्वस था, पर आलिया ने खुले दिल से अपनाया

वेदांग ने हमसे जिगरा में आलिया भट्ट संग काम करने का अनुभव भी साझा किया। बकौल वेदांग, 'वह मेरी दूसरी फिल्म थी और मैं बहुत नर्वस था कि मैं आलिया भट्ट के साथ स्क्रीन शेयर कर रहा हूं। पहली ही फिल्म के बाद मैं एक बिल्कुल अलग माहौल में था, लेकिन आलिया ने मेरी ओर जितनी गर्मजोशी दिखाई, जितनी खुले दिल से मुझे अपनाया और सहज कराया, वह अहसास मुझे हमेशा रहेगा। उसके लिए मैं उनको हमेशा याद रखूंगा। वह हमारी बहुत ही प्यारी दोस्त बनी। वह हमेशा मेरी शुभचिंतक हैं, जिसके लिए मैं हमेशा उनको याद रखूंगा।'

अर्थ प्रकाश न्यूज पेपर्स के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक महावीर जैन द्वारा 'अर्थ प्रकाश प्रेस' से मुद्रित एवं प्रकाशित Kapoor Nivas New Kather, Near HRTC Workshop, PO Chamba Ghat Solan HIMACHAL PRADESH से जारी। प्रधान संपादक : महावीर जैन, प्रबंध संपादक : अक्षित जैन आर.एन.आई. पंजीक्रम : HPHIN/26/A2551 फोन : 0172-2638515, 9815033624 E-mail : arthparkash@gmail.com, arthparkashnews@gmail.com मुख्य सलाहकार : हरीश चंद्र जैन, एचसीएस (सेवानिवृत्त)